वार्षिक लेखा और परीक्षित प्रतिवेदन २०१३-१४

(सक्षम अधिकारियों द्वारा स्वीकृत)

ANNUAL ACCOUNTS & AUDIT REPORT 2013-14

(Approved by the Competent Authorities)

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(वि.अ.ए. अनुभाग 3, अधिनियम 1956 के अधीन स्थापित विश्वविद्यालय)
तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त और
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पारंपरिक शास्त्र अध्ययन के लिए
उत्कृष्ट केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(University established under section 3 of the UGC Act, 1956)

TIRUPATI – 517 507 (A.P.)

Accredited by NAAC &
Recognised by the UGC as
"Centre of Excellence in the Subject of Traditional Shastras"

वार्षिक प्रतिवेदन

2013-2014

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(वि.अ.ए. अनुभाग 3, अधिनियम 1956 के अधीन स्थापित विश्वविद्यालय)
तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त और
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पारंपरिक शास्त्र अध्ययन के लिए उत्कृष्ट केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त

तमसो मा ज्योतिर्गमय

संपादक समिति

प्रो. राधाकान्त ठाकुर

प्रो. जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति

प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी

डॉ. आर. दीप्ता

डॉ. के. राजगोपालन

डॉ. वी. रमेश बाबू

डॉ. सोमनाथ दास

डा. टी.लता मंगेश

श्री वि.जि.शिवशंकर रेड्डी

श्री सी. वेंकटेश्वर्लु

तकनीकी सहायक

श्री जे.एल. श्रीनिवास

प्राक्कथन

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के समाप्त होने से पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के वार्षिक प्रतिवेदन, पाठ्य सहगामी कार्यक्रम और प्रतिवेदन समर्पण किया जा रहा है। शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध गतिविाधियाँ और पाठ्येतर घटनाएँ सूचनाएँ ऐसे कई कार्यक्रम 2013-14 में किए गए काम और बहु - विमीय बुद्धिगत प्रयोग शैक्षणिक और प्राशासनिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता और अनुसंधान मूलभूत कार्यक्रम हैं। छात्रों की भर्ती इस शैक्षणिक वर्ष में भी पूर्व जैसा लगभग स्थिर है। प्रतिवेदनानुसार विद्यापीठ शैक्षिक अखंडता, मौलिक अनुसंधान कार्यक्रम और आधारिक संरचना के कारण वर्ष के दौरान छात्र संख्या में वृद्धि हुई । धीरे धीरे विद्यापीठ संस्कृत अध्ययन और अनुसंधानों से अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए उन्मख हो रही है । विश्वविद्यालय के इस शैक्षणिक वर्ष के अंतर्गत वार्षिक कार्य योजना अत्यंत सतर्क और साथ-ही-साथ भर्ती नियमित आयोजन और नवाचारी के साथ-साथ अंशकालिक पाठ्यक्रम, शोध कार्यक्रम, सेतु पाठ्यक्रम विचार-विनिमय विकास कार्यक्रम, खेल और कूद, परीक्षाओं का आयोजन, परिणामों का प्रकट करना और अखिल भारत संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव आदि सभी कार्यक्रमों का आयोजन समस्त प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य के सहयोग से अत्यंत शांतिपूर्वक रूप से होता आया है। विद्यापीठ के छात्रों ने देश के अलग-अलग राज्यों द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर कई पुरस्कार को जीत कर संस्था का नाम रोशन किया है। प्राध्यापकों ने भी देश - विदेशों मेंह्व आयोजित कई संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में भाग लेकर अपना आलेख प्रस्तुत किए हैं। एक बहुत खुशी की बात यह है कि विद्यापीठ के छात्रों ने एक बार फिर 8 वाँ अखिल भारतीय संस्कृत छात्रों का प्रतिभा उत्सव में रोलिंग शील्ड प्राप्त कर अपनी नैपुण्यता प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय को सवोच्च स्थान पर पहुँचा दिया है। भारतीय संस्कृति का परिचय होगा। उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत निम्न सभी योजनाओं का अनुपालन किया गया है -1. शास्त्रवारिधि (चुने गए प्रमुख पारंपरिक शास्त्रों के पाठ्य को इस पाठ्यक्रम में अध्ययन किया जाता है।) 2. प्रकाशन 3. आडियो और विडियो प्रलेखीकरण 4. आडियो - विडियो रेकार्डिंग केंद्र की गतिविधियाँ,5. लिपि विकास प्रदर्शिनी 6. प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन के विद्युतीकरण साधन 7. संस्कृत स्व - अध्याय कीट्स 8. प्रलेखीकरण अर्टिफ्याक्ट्स 9. गणकीकृत पांडुलिपियाँ 10. योग. दबाव प्रबंधन और हेलिंग केंद्र11. संगोष्ठियों कार्यशालाएँ 12. कंप्यूटर विज्ञान सेतु पाठ्यक्रम और संस्कृत भाषा तकनीकी और अन्य योजना का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 11 वी योजना में प्राप्त हुआ है क्योंकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उदारतापूर्वक सहयोग को आगे बढाया है।

साहित्य विभाग और शिक्षा एवं दर्शन विभागों के लिए प्राप्त विशेष सहायता कार्यक्रम (साप) को सफलतापूर्वक निभाया जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने आठ प्रमुख शोध परियोजना और दो निम्न शोध परियोजना तथा कई परिचयात्मक प्राच्य व्यक्तित्व सुधार और नवाचीरी पाठ्यक्रम आदि को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अनुपालन कर इस शोध दिशा में ज्यादा-से-ज्यादा बढावा देने में मदत किया है। इसलिए इस

शैक्षणिक वर्ष में यह प्रतिवेदन और भी संतोषजनक नजर आता है। एक और हर्षदायक बात तो यह है कि गत वर्ष में कई छात्रों ने नेट और जे.आर्. एफ. पास होकर अन्यों के लिए इस दिशा में निर्देश किया है। वर्ष के दौरान प्रतिवेदन के तहत एक शोध छात्रा को वि.अ.ए. ने पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप से सम्मानित किया । विद्यापीठ से गए छात्रों ने देश - विदेश में बडे - बडे ओहदों पर जाकर इस संस्था का नाम रोशन किया है। मन को शांत रखने के लिए शारीरिक तंदूरुस्ती, खुशदिमाग और चेतनयुक्त शरीर के लिए निरंतर व्यायाम की जरूरत पडती है, हमारे छात्र शारीरिक शिक्षा के साथ-ही-साथ योग कार्यक्रमों में भाग लेकर सेहत से तंदुरुस्त हो रहे हैं। संपूर्ण वातावरण सुंदर है, परिसर में जेनरेटर है । हर प्रकार से सभी का सहयोग रहने से प्रशासन अपना लक्ष्य पारंपारिक संस्कृत अध्यापन और समयानुसार संस्कृतिक मूल्यों को देश भर में प्रसारित करने में कामयाब हो सकता है।

यह संस्था आधारभूत संरचना में समयावधि में अनुभवात्मक दृश्यमान प्रगति एवं विकास किया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने ओ.बी.सी योजना के साथ-ही-साथ योजना अनुदान के अंतर्गत वित्तीय सहायता मंजूर किया है। दिनांक 17 नवंबर 2013, महिला सुविधाएँ केंद्र का उद्घाटन डॉ. के. कृपारानी, आई.टी. की माननीय मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा किया गया । अनुसंधान और प्रकाशन भवन का उद्घाटन डॉ. एम. पल्लंराजू, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 23 जनवरी 2014 को किया गया । छात्रा शयन गृह और आगति गैलरि, महामहिम डॉ. जे.बी. पट्टनायक, असम के राज्यपाल और विद्यापीठ के माननीय कुलाधिपति द्वारा 5 मार्च 2014 को उद्घाटित किया गया । एस.सी/एस.टी और अल्प संख्याक छात्रों को बढावा देने हेतु कई सुविधाएँ दी है। कुलमिलाकर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक उर्वरक है, सुविधा, प्रदर्शन और आधारभूत संरचनादि विकास के परिणाम है।

पुनः एक बार, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जो विद्यापीठ की उन्नति हेतु निरंतर अपना योगदान देते आ रहे हैं और उपलब्धि के लिए प्रयास कर रहे हैं।

(प्रो. हरेकृष्ण शतपथी)
कुलपति

अनुक्रमणिका

वार्षिक प्रतिवेदन

विषय	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन	3-4
शैक्षक सत्र 2013-14 की मुख्य विशेषताएँ	6
प्रतिवेदन एक नजर 2013-14	7-12
प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	14
विद्वत् परिषद के सदस्य (शैक्षिक सदस्य)	15
वित्त समिति के सदस्य (वित्त सदस्य)	16
विद्यापीठ के अधिकारी	17
विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता	17
विद्यापीठ के विभाग	18
प्राध्यापक वर्ग सूची	19-21
प्रस्तावना	22
I. शैक्षिक - कार्यक्रम	22-40
अ.शैक्षिक	23-43
आ.अनुसंधान	29
इ. प्रकाशन	34
ई. प्रशिक्षण	34
उ. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला	35
II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ	44-49
III. पाठ्येतर गतिविधियाँ	50-67
IV. विशेष कार्यक्रम	68-85
V. परियोजनाएँ	86-94
VI. आधारिक संरचना	95-99
VII. प्रशासन	100

शैक्षिक सत्र 2013-14 की मुख्य विशेषताएँ

- ❐ वर्ष के दौरान सभी अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछडे वर्ग समुदायों की आरक्षित रिक्यों को भर दिया गया है ।
- ❐ प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान 2688 नई किताबें पुस्तकालय को प्राप्त हुई ।
- ❐ दिनांक 5 मार्च, 2014 सत्रवाँ दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया ।
- ❐ दिनांक 23.01.2014 से 25.01.2014 तक आठवें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव का आयोजन किया गया और 25 विश्वविद्यालयों / कॉलेजों ने भाग लिया ।
- ❐ दिनांक 4 दिसंबर से 10 दिसंबर 2013 और 27 फरवरी से 2 फरवरी 2014 तक राष्ट्रीय सेवा योजना के पाँच इकाईयों के माध्यम से विद्यापीठ ने संगठित सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया ।
- ❐ उत्कृष्टता केंद्र के कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं।
- ❐ आचार्य के नए छात्रों के लिए सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- ❐ अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछडे और अल्पसंख्यक संबंधित छात्रों के लिए कैरियर कौउन्सलिंग सेल, नेट, प्रशिक्षण केंद्र और उपचारात्मक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से हर एक शैक्षिक वर्ष में शिक्षण दिया जा रहा है ।
- ❐ विद्यापीठ में महिला सुविधाएँ केंद्र दिनांक 17 नवंबर 2013 को डा. के. कृपाराणी, राज्यमंत्री, आई.टी. भारत सरकार द्वारा उद्घाटित किया गया ।
- ❐ स्वमी विवेकानंद की 150 वीं जयंजी मनाया गया ।
- ❐ भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 124 वीं जयंती के अवसर 42 श्रद्धांजली समर्पित किया गया ।
- ❐ छः अनुसंधान परियोजनाएँ और एक सामान्य अनुसंधान परियोजना मंजूर की गई और परियोजनाएँ प्रगति पर है ।

प्रतिवेदन पर एक नजर - 2013-14

1.	संस्था का नाम एवं पता	:	राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय तिरुपति - 517 507
2.	स्थापना वर्ष	:	1961
3.	मानित विश्वविद्यालय स्तर का मान्यता वर्ष	:	1987
4.	कुलाधिपति का नाम	:	**डॉ. जानकी वल्लभ पट्नायक**
5.	कुलपति का नाम	:	**प्रो. हरेकृष्ण शतपथी**
6.	कुलसचिव का नाम	:	प्रो. के.आर.एस. मेनोन (31.8.2013 तक) प्रो. आर.के. ठाकुर (1.9.2013 से 29.12.2013 तक) प्रो. सी. उमाशंकर (30.12.2013 से)
7.	विद्यापीठ के प्राधीकारी	:	
	7.1 बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट के सदस्य	:	सूची संलग्न है
	7.2 विद्वत् परिषद के सदस्य	:	सूची संलग्न है
	7.3 वित्त समिति के सदस्य	:	सूची संलग्न है
8.	संस्थान का परिसर	:	41.48 एकड
9.	कुल छात्रों की संख्या	:	1778
10.	कुल अध्यापक कर्मचारियों की संख्या	:	81
11.	कुल अध्यापकेतर कर्मचारियों की संख्या	:	79
12.	आधारिक संरचना	:	

12.1 **छात्रावास :** विद्यापीठ के परिसर में सात (सप्ताचल) छात्रावासों का निर्माण किया गया है । (1) शेषाचल (2) वेदाचल (3) गरुडाचल (4) पद्माचल (5) विद्याचल (6) नीलाचल और (7) सिंहाचल को विद्यापीठ में अध्ययन करनेवाले छात्र एवं छात्राओं के निवास एवं भोजन हेतु आवश्यकतानुसार बनाए गए हैं । एक और छात्रवास सिंहाचल नाम से निर्माण किया गया है । वह संपूर्ण रूप से शोध छात्रों संबंधी है।

12.2 **शैक्षिक भवन :** शैक्षिक भवन का निर्माण सभी प्राध्यापक एवं छात्रों के अध्ययन हेतु कक्षाएँ बनाई गई हैं। बनाया हुआ परिसर 5365.78 वर्ग मीटर है । प्रस्तुत शैक्षिक भवन के पास ही दूसरा शैक्षिक भवन का निर्माण किया ।

12.3 **अतिरिक्त शैक्षिक भवन :** एक अतिरिक्त शैक्षिक भवन

12.4 **प्रशासनिक भवन :** इस भवन में कई कार्यालय हैं - कुलपति, कुलसचिव, वित्ताधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, स्थापना कार्यालय और प्रशासनिक इकाइयाँ, वित्त और लेखा-परीक्षा इकाइ आदि । इस भवन का परिसर 1479.00 वर्ग मीटर है ।

12.5 **इंडोर स्टेडिएम :** इस इंडोर स्टेडिएम का निर्माण छात्र एवं कर्मचारियों के खेल-कूद हेतु अवश्यकतानुसार निर्माण किया गया है । इसमें बहुविध व्यायाम शाला के 16 कार्य केंद्र है । बनाया हुआ परिसर 850.00 वर्ग मीटर है ।

12.6 **खेल मैदान :** इस खेल मैदान को विश्वविद्यालय में सभी खेल - कूद हेतु बनाया गया है । इसका परिसर 5.00 एकड है ।

12.7 **शिक्षा भवन :** इसको प्राध्यापक एवं छात्रों के अध्ययन हेतु कक्षाएँ अवश्यकतानुसार निर्माण किया गया है । इस शिक्षा विभाग में मनः शास्त्र प्रयोग शाला और बहु-विध भाषा प्रयोगालय है। इसको 2005.50 वर्ग मीटर परिसर में निर्माण किया गया है ।

12.8 **अगाऊ कंप्यूटर केंद्र :** इस में छात्रों के अवश्यकतानुसार करीब 100 कंप्यूटर ई-प्रशिक्षण हेतु बनाए गए हैं । फिलहाल वि.अ.ए. के वित्तीय सहायता से उच्छ - स्थानीय कंप्यूटर केंद्र बनाया गया है।

12.9 **संस्कृत - नेट केंद्र :** इसमें उत्कृष्ठता केंद्र कार्यक्रम के निदेशक को कार्यालय, रामायण और महाभारत परियोजनाएँ चलाई जाती हैं । इस के अलावा, इस में आडियो - विडियो रिकार्डिंग हेतु ई-स्टूडियो विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बनाई गई है ।

12.10 **संक्रमण निवास /अतिथि गृह :** अतिथि गृह में बारह कमरे हैं उसमें एक विशेष अतिथि के लिए उपयुक्त एवं एक शयनशाला है । इसके निर्माण का परिसर 433.00 वर्ग मीटर है । अतिथि गृह/संक्रमण निवास में मौजूदा मंजिल पर और एक मंजिल पुननिर्मित किया गया। इस वर्ष में अतिथिगृह में एक लिफ्ट को भी व्यवस्थित किया गया ।

12.11 **ग्रंथालय :** ग्रंथालय भवन में महत्वपूर्ण किताबों का संग्रह है । पत्रिकाएँ एवं पांडुलिपियाँ इसमें 98.568 किताबें और 3,897 पांडुलिपियाँ संग्रहित हैं । इसके ग्राहकों में 150 भारतीय पत्रकार एवं 10 विलायती पत्रकार हर साल आते हैं । वि.अ.ए. के सहायता से इस ग्रंथालय को इन्फ्लीबनेट कार्यक्रम के अधीन पूरे स्वचालित बनाया गया है । इसके निर्माण का परिसर 150.21.18 वर्ग मीटर है ।

12.12 **कर्मचारी मकान :** विद्यापीठ ने दो टाइप - V मकान, एक टाइप - IV मकान, एक टाइप - III मकान, एक टाइप - II मकान और दो टाइप - I मकान 22 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को निवास हेतु बनाया गया है । इस वर्ष के दौरान विद्यापीठ ने वरिष्ठ शिक्षकों हेतु एक नए प्रकार, टाइप - IV मकान जिसके चार आपर्टमेंट बन गये हैं। जल्द ही यह निवास हेतु दे दिए जाएंगे । परिसर का उद्घाटन माननीय आसम के राज्यपाल प्रज्ञान वाचस्पति डॉ. जे.बी. पट्टनायक द्वारा उद्घाटित किया गया ।

12.13 **अनुसंधान और प्रकाशन भवन :** अनुसंधान और प्रकाशन वन डॉ. एम. पल्लंराजू, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सकराकर, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 23, जनवरी, 2014 को उद्घाटित किया गया ।

12.14 **महिला सुविधाएँ केंद्र :** महिला सुविधाएँ केंद्र डॉ. के. कृपाराणी, राज्यमंत्री, आई.टी. भारत सरकार द्वारा दिनांक 17 नवंबर, 2013, विद्यापीठ में आयोजित किया गया ।

12.15 **आंध्र बैंक भवन :** बैंक कर्मचारियों तथा छात्रों की और जनता की रकम की लेन देन की आवश्यताओं की पूर्ति कर रही है ।

12.16 **डाक - घर :** विभागीय डाकॉघर विद्यापीठ के छात्र, कर्मचारी और जनता का भी सेवा कर रही है।

12.17 **विश्वविद्यालय कैंटिन भवन :** कैंटिन आई.आर.टी.सी. द्वारा संचालित है जो कर्मचारी, छात्र और जनता की जरूरतों की पूर्ति करती है ।

12.18 **ए.टी.एम. सुविधा :** आंध्र बैंक, विद्यापीठ के शाखा ए.टी.एम. की विस्तार सेवा परिसर में महिला छात्रायाँ/ कर्मचारियों की सेवार्थ संचलित है ।

12.19 **योग मंदिर भवन :** योग और ध्यान कक्षाएँ छात्रों की, कर्मचारियों तथा जनता की भी जरूरतों की पूर्ति के लिए है ।

13. शैक्षिक कार्यक्रम :

13.1 **औपचारिक कार्यक्रम :** प्राक - शास्त्री ; शास्त्री (बी.ए.) ; बी.ए. ; बी.एससी. आचार्य (एम.ए.), एम्.ए.(हिंदी) ;

13.2 **अनुसंधान कार्यक्रम :** एम.फिल (विशिष्टाचार्य), पी.एच.डी.(विद्यावारिधी), डी.लिट (विद्यावाचस्पति)

13.3 **डिप्लोमा और प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम :** डिप्लोमा में मंदिर संस्कृति ; पौरोहित्य ; वेब तकनीकी ; योग विज्ञान ; प्राकृतिक भाषा प्रक्रमण ; संस्कृत एवं कानून ; प्रबंधन प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम : मंदिर संस्कृति ; पौरोहित्य ; प्रयोजन मूलक अंग्रेजी और ज्योतिष ।

13.4 **दूरस्थ शिक्षा :** प्राक - शास्त्री ; शास्त्री (बी.ए.) ; आचार्य (एम.ए.) ; संस्कृत में प्रमाण - पत्र; संस्कृत में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर योग विज्ञान ।

13.5 **नवाचारी पाठ्यक्रम :** वि.अ.ए. के मदद से विद्यापीठ में निम्न पाठ्यक्रमों का नवाचारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है : शाब्दबोध में एम.ए. ; एम्.ए.आई.टि(प्राचीनी भारत प्रबन्धन तकनिकों में मास्टर (दो वर्ष))।

13.6 **सेतु पाठ्यक्रम :** स्नातकोत्तर में प्रवेश लेनेवालों को विद्यापीठ में छात्रों के ज्ञान विकास हेतु सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया जाता है ।

14. परियोजनाएँ-

14.1 **पारंपरिक शास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र :** वि.अ.ए. ने विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी है और XI वी योजना के अंतर्गत 3.00 करोड रुपये की मंजूरी भी की है । सी.ओ.ई. के अंतर्गत निम्न कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है -

1. शास्त्र वारिधि (प्रमुख पारंपरिक शास्त्र के विषय पर अध्ययन)
2. प्रकाशन
3. संस्कृत स्वंय अध्यय कीट्स
4. लिपि विकास प्रदर्शिनी
5. संस्कृत - नेट गतिविधि का विस्तार
6. सामान्य भाषा मास्टर का प्रक्रमण

7. शास्त्रीक - डिस्कोर्सेस का आडियो-विडियो प्रलेखिकरण
8. आडियो-विडियो रिकार्डिंग केंद्र
9. पांडुलिपियों का डिजिटिलैजेशन
10. प्राचीन लिपियों के अध्ययन उपकरण
11. रीचुल्स में अर्टफ्याक्ट्स उपयोग प्रलेखीकरण
12. योग, दबाव प्रबंध एवं नीरोग केंद्र

14.2 **उत्कलपीठ** - उडीसा सरकार द्वारा प्रयोजित उत्कलपीठ अध्ययन केंद्र सन 2001 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में प्रारंभ किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार है -

इसके अंतर्गत भगवान जगन्नाथ संस्कृति, श्री चैतन्य की दार्शनिकता और जयदेव साहित्य का अनुसन्धान कर अमर संदेश को मुद्रित कर समाज के समक्ष रखना एक महान कार्य है ।

संपादन, संकलन और पुस्तक प्रकाशन, प्रपत्रों और आलेखों इन तीन बातों पर जोर दिया जाता है ।

प्रति वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के मार्ग दर्शन एवं कार्यान्वयन में उत्कलपीठ ने कार्य शालाएँ, गोष्ठियाँ, प्रकाशन, प्रदर्शनी आदि का आयोजन करता है ।

14.3 **सॉप (विशेष सहायता कार्यक्रम) :** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - साप के मदद से तीन विभागों को अनुदान प्राप्त हुआ है - साहित्य विभाग और शिक्षा विभाग में चलाए जा रहे हैं ।

1. **साहित्य विभाग :** 1.4.2013 से 31.3.2014 तक के वि.अ.ए. के वित्तीय सहायता के अधीन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस.I स्तर को साहित्य विभाग में पाँच साल के लिए अनुदान दिया गया है । इसके लिए रुपये 31.00 लाख तथा दो अनुसन्धान अध्येयताओं की मंजूरी दी है । इस कार्यक्रम का विषय है - **''भारत में संस्कृत काव्यशास्त्र''**। प्रो. सी. ललिताराणी समन्वयक और डॉ. के. राजगोपालन सह समन्वयक हैं ।
2. **शिक्षा विभाग :** सन 2009-2010 से वि.अ.ए. के अधिन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस. I स्तर को शिक्षा विभाग को पाँच साल के लिए दिया गया है । इसके लिए रुपये 25.50 लाख की वित्तीय सहायता की मंजूरी दी है । इस कार्यक्रम का विषय है - **''भाषा विकास एवं सामग्री उत्पादन''** ।
3. **दर्शन विभाग :** सन् 2011-12 से वि.अ.ए. के अधीन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस.I स्तर दर्शना विभाग को पाँच साल के लिए दिया गया है। इसके लिए रुपये 14.72 लाख की वित्तीय सहायता तथा दो अनुसंधान अध्येयताओं की मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम का विषय है - नव्य न्याया (गंगेशोपाध्याय द्वारा तत्त्वचिंतामणि की टीकाएँ एवं उपटीकाएँ की महत्वपूर्ण सर्वेक्षण)

15. पाठ्येतर गतिविधियाँ / पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ :

15.1 **आठ वाँ अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव :** आठ वाँ अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव का आयोजन विद्यापीठ में दिनांक 22 से 25 जनवरी, 2014 तक आयोजित किया। लगभग 220 छात्रों, कुल 25 संस्थाओं से विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया था । इस अवसर पर माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास, भारतक सरकार के डॉ. एम.एम. पल्लमराजू, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता और द्वितीय संस्कृत आयोग के अध्यक्ष प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, संसद सदस्य, तिरुपति डॉ. चिंता मोहन और श्री एम.जी. गोपाल, ऐ.ए.एस., कार्यकारी अधिकारी, उपस्थित थे । उत्सव में चैम्पियनशिप की रोलिंग पुरस्कार राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,तिरुपित ने जीता ।

15.2 **विद्यापीठ वार्षिक एवं छात्रावास दिवस :** विद्यापीठ वार्षिक एवं छात्रावास दिवस का शैक्षिक वार्षिक और छात्रावास दिवस प्रतिवेदन प्रो. एस.बी. रघुनाथाचार्य मुक्त सभांगण में दिनांक 6 & 8 मार्च, 2014 को आयोजन किया गया था ।

15.3 **वार्षिक खेल - कूद :** अलग-अलग विधाओं के इंडोर खेलों का आयोजन विद्यापीठ के कई छात्र एवं कर्मचारियों के लिए किया गया था ।

15.4 **राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ :** विद्यापीठ रा.से.यो.कार्यक्रमों के आयोजन करने का मूल उद्देश्य छात्रों में स्वतन्त्र कार्यकुशलता संबंध में शक्ति भरना है।

रा से यो के सदस्य तिरुपति के उपशहरी प्रांतों में घूमकर रक्तदान, रक्त संचारण, हृदरोग, एच.आई वी के बारे में महत्वपूर्ण विचारों से अवगत करवाया।

दिनांक 26 जनवरी 2014(गणतंत्र दिवस) राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, रक्त दान शिबिर केंद्र से समिल्लित होकर 142 इकाइयों का रक्त58 सदस्यों और कर्मचारियों से लिया गया। कुलसचिव जी, वित्तीय अधिकारी, विविध विभागों के संकाय प्रमुखों छात्रों और कर्मचारियों के उपस्थिति में कुलपति जी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया ।

15.5 **संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएँ :**

(i) **राष्ट्रीय संस्कृत जागरुकता कार्यक्रम -**

दिनांक 27 और 28 जुलाई, 2013, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया गया ।

संस्कृत के महत्व, भारतीयसंस्कृति एवं नैतिक शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए दिनांक 27 और 28 जुलाई 2013, विद्यापीठ के परिसर मे केद्रीय विद्यालय शिक्षको केलिए द्विविवसीय राष्ट्रीय संस्कृत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहला अनुसूचित प्रस्तावित शिबिर कार्यक्रम है। पचास से अधिक शिक्षक, हैदराबाद क्षेत्र, आंध्र प्रदेश एवं एरनाकुल क्षेत्र, केरल के केंद्रीय विद्यालय तथा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति, इस शिबिर मे भाग लिए थे।

(ii) ''नीलाचल और सिंहाचल का एक तुलनात्मक अध्ययन - शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के परिसर में 2 और 3 सितंबर 2013को योगमंदिरम में उत्कल पीठ द्वारा ''नीलाचल और सिंहाचल का एक तुलनात्मक अध्ययन - शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन किया गया था । डा. राधागोविंद त्रिपाठी और डा. ज्ञान रंजन पंडा संगोष्ठी के समन्वयक तथा सह समन्वयक थे ।

(iii) 'आधुनिक भारत में विवेकानंद के युग' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी -

'आधुनिक भारत में विवेकानंद के युग' पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 23 और 24 दिसंबर 2013 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के परिसर में प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु और ऋषि को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए - श्री स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के सुअवसर पर आयोजन किया गया था । डा. राणी सदाशिव मूर्ति संगोष्ठी के संजोयक थे ।

(iv) अंग्रेजी और संस्कृत के कथा साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी -

अंग्रेजी और संस्कृत के कथा साहित्य पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 3 और 4 सितंबर 2013 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था । इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से लगभग 50 विद्वानों ने भाग लिया ।

(v) ''अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषियों की सम्मेलन -

दिनांक 7 और 8 मार्च 2014, अखिल भारतीय संस्कृत महिला विद्वान सम्मेलन का आयोजन, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठम तिरुपति कें साहित्य विभाग द्वारा आयोजित किया गया। प्रो.सी.ललिताराणी संगोष्ठी की समन्वयिका थी।

15.6 उत्सवों का आयोजन /त्योहार :

(i) **संस्कृत सप्ताह का आयोजन :** दिनांक 16 से 23 अगस्त, 2013 तक विद्यापीठ में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया था।

(ii) **ओणम :** केरलावालों के नये वर्ष के उपलक्ष्य में पोंप और गैएटी का आचरण 29 अगस्त, 2013 विद्यापीठ में किया गया था ।

(iii) **पोंगल :** दिनांक 14 जनवरी, 2014 को उत्तरायण पवित्र काल और मकर संक्रांति धार्मिक त्योहार मनाया गया था।

लेखा

1.	योजनेतर अनुदान बजट प्राप्त	:	1729.98 लाख रुपये
	योजनेतर अनुदान बजट का व्यय	:	1985.19 लाख रुपये
2.	XII योजना	:	400.00 लाख रुपये
	व्यय	:	211.42 लाख रुपये
3.	आय के स्रोत	:	वि.अ.ए., ति.ति.दे. और अन्य से निधियाँ प्राप्त
4.	ति.ति.दे. अनुदान	:	50.00 लाख (2011-12 के लिए)
7.	मां.सं.वि.मं. अनुदान	:	2.60 लाख रुपये
8.	उत्कृष्ठता केंद्र अनुदान	:	-----

लेखा परीक्षा की स्थिति

वर्ष 2013-14 का सांविधानिक लेखापरीक्षा को प्रधान निदेशक लोखापरीक्षा (सेंट्रल), हैदराबाद आं.प्र. दिनांक 10.7.2014 से 28.7.2014 किया गया और प्रतिवेदन प्राप्त हुआ ।

* * *

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

प्रो. हरेकृष्ण शतपथी
कुलपति/अध्यक्ष

संयुक्त सचिव, (सी.यु. & एल.)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा
संकाय प्रमुख, साहित्य और संस्कृति संकाय
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
तिरुपति

प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री
अधिष्ठाता, वेदवेदाङ्ग संकाय
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
तिरुपति

प्रो. श्रीमति. एम.वी. रमणा,
संस्कृत विभाग,
आंध्र विश्वविद्यालय, वालटेअर,
विशाखपट्नम

प्रो. सिनीरुद्ध दास,
संस्कृत विभाग,
मद्रास विश्वविद्यालय, चेपौक,
चन्नै - 600 005

प्रो. राममूर्ति नाईडु,
सदस्य वि.अ.ए.
35, मौंटेन वियु, अपार्टमेंट
रोड.सं.2, बंजारा हिलस
हैदराबाद - 500 034

प्रो. ए.सि.शारंगी
केन्द्रीय सरकार, मा.सं.वि.मं. के नामित
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. ओ.श्रीराम लाल शर्मा
संकाय प्रमुख, दर्शन विभाग,
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

डॉ. ए. श्रीपाद भट्
सह आचार्य, ज्योतिष विभाग,
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति
(06-06-2013 तक)

डॉ. उन्निकृष्णन नंपियातिरि
सह आचार्य, ज्योतिष विभाग,
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति
(13-06-2013 से 05-02-2014 तक)

प्रो. सी. उमाशंकर
कुलसचिव / सचिव
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

विद्वत परिषद के सदस्य

प्रो. हरेकृष्ण शतपथी - कुलपति/अध्यक्ष

1. प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, आर.एस.वि.,तिरुपति - अध्यक्ष
2. प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, संकाय प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति संकाय, आर.एस.वि.,तिरुपति.
3. प्रो. आर.एल.एन्.शास्त्री,वेदवेदांग संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
4. प्रो. ओ.श्रीरामलाल शर्मा, दर्शन संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
5. प्रो.रजनी कान्त शुक्ला, संकाय प्रमुख, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति.
6. प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
7. प्रो.जी.एस.आर.कृष्ण मूर्ती, शैक्षिक समन्वयक, आर.एस.वि.,तिरुपति
8. प्रो.एम.एल.नरसिंह मूर्ति, विभागाध्यक्ष, अद्वैत वेदान्त विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
9. प्रो.जे.रामकृष्ण, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
10. प्रो.जी.एस.आर.कृष्ण मूर्ती, विभागाध्यक्ष, साहित्य विाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
11. प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, प्रभारी विभागाध्यक्ष, अनुसंधान तथा प्रकाशन विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
12. प्रो.आर.जे.रमाश्री , विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
13. डा.ए.श्रीपादभट्ट, विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग,आर.एस.वि.,तिरुपति
14. प्रो. प्रह्लाद आर जोशी, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
15. प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित, विभागाध्यक्ष, द्वैतवेदान्तविभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
16. प्रो. वी.एस. विष्णुभट्टाचार्युलु, विभागाध्यक्ष, आगम विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
17. प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपत्कुमाराचार्युलु, विभागाध्यक्ष, न्याय विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
18. डॉ. सी. राघवन, विभागाध्यक्ष, विशिष्टाद्वैत वेदांतविभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
19. डॉ. आर. दीप्ता, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
20. प्रो. एस.सत्यनारायण मूर्ति, व्याकरण विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति.
21. प्रो.वी.पुरन्दर रेड्डी, अद्वैतवेदान्त विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
22. प्रो.टी.वी.राघवाचार्युलु, आगम विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
23. प्रो. एम.एस.आर. सुब्रह्मण्य शर्मा, अद्वैत वेदांत विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
24. प्रो. सी.ललिता राणी, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
25. प्रो. एन. लता, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
26. प्रो. वी.सुजाता, आंग्ल विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
27. प्रो.सत्यनारायण आचार्य, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
28. प्रो. उन्निकृष्णन नंपियातिरी, ज्योतिष विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
29. डॉ. राणी सदाशिव मूर्ति, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
30. डॉ. सी. रंगनाथन, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
31. श्री.पी.नागमुनि रेड्डी, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
32. डॉ. राधा गेविंद त्रिपाठी, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
33. डॉ. एस. दक्षिणा मूर्ति शर्मा, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
34. प्रो. के.सी. पाढी, अध्यक्ष, पी.जी. काउन्सिल, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, 752 003 ओड़िशा
35. प्रो. आर.सी. पंडा, व्याकरण विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 221 005
36. प्रो. ए.पी. सच्चिदानंद, प्राचार्य, राजीवगाँधी परिसर, शृंगेरी
37. कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
38. कुलपति, श्री लाल बहदूर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कुतुब संस्थाक्षेत्र, नई दिल्ली
39. कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्व विद्यालय, श्री विहार, पुरी

प्रो. सी. उमा शंकर - कुलसचिव / सचिव

वित्त समिति के सदस्य

प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कुलपती	अध्यक्ष
संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
प्रो.के.राममूर्ति नाईडु 35, मौंटेन अपार्टमेंट रोड सं.2, बंजारा हिल्स हैदराबाद- 34	सदस्य
प्रो. एन.टी.वी.सुब्बा राव भूतपूर्व रैक्टर, श्री.प.म.वि. प्रोफेसर, राष्ट्रीय कानून स्कूल ऑफ भारत विश्वविद्यालय बेंगलूरु	सदस्य
वित्ताधिकारी	सचिव

विश्वविद्यालय के अधिकारी

1. **प्रो.हरेकृष्ण शतपथी**	कुलपति
2. **प्रो.के.आर.एस.मेनोन**	कुलसचिव (1.1.2013 से 31.8.2013 तक)
प्रो. आर.के. ठाकुर	कुलसचिव (1.9.2013 से 29.12.2013 तक)
प्रो. सी. उमा शंकर	कुलसचिव (30.12.2013 से)
3. **डा.टी.आंजनेयुलु**	परीक्षा नियंत्रक
4. **श्री एस.आनंद**	वित्ताधिकारी (30.06.2013 तक)
श्री.वी.जी.शिवशंकर रेड्डी	वित्ताधिकारी प्रभारी (01.07.2013 से)
5. **श्री.वी.जी.शिवशंकर रेड्डी**	उप कुलसचिव
6. **डा.के.राजगोपालन**	जन-संपर्क अधिकारी
7. **श्री.सी.वेंकटेश्वर्लु**	सहायक कुलसचिव
8. **श्री.टी.गोविंदराजन**	सहायक कुलसचिव
9. **श्रीमती एम. उषा**	सहायक कुलसचिव
10. **श्री.सी.ईश्वरय्या**	सहायक परीक्षा नियंत्रक/वि.का.

विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता

शैक्षणिक कार्य	:	**प्रो. आर्.के.ठाकुर**
वेद वेदांग संकाय	:	**प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री**
दर्शन संकाय	:	**प्रो. ओ.श्री. रामलाल शर्मा**
साहित्य और संस्कृति संकाय	:	**प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा**
शिक्षा संकाय	:	**प्रो. रजनीकांत शुक्ला**

विद्यापीठ के विभाग

- **शिक्षा शास्त्र संकाय:**

  1. शिक्षा विभाग
  2. शारीरिक शिक्षा विभाग

- **साहित्य एवं संस्कृति संकाय**

  1. साहित्य विभाग
  2. पुराणेतिहास विभाग
  3. अंग्रेजी विभाग
  4. तेलुगु विभाग
  5. हिंदी विभाग

- **अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग**

- **दर्शन संकाय**

  1. न्याय विभाग
  2. अद्वैत वेदांत विभाग
  3. विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग
  4. द्वैत वेदांत विभाग
  5. आगम विभाग
  6. मीमांसा विभाग
  7. सांख्य योग विभाग

- **वेद वेदांग संकाय**

  1. व्याकरण विभाग
  2. ज्योतिष विभाग
  3. धर्मशास्त्र विभाग
  4. वेद भाष्य विभाग
  5. कंप्यूटर विज्ञान विभाग
  6. इतिहास विभाग
  7. गणित विभाग
  8. एम.ए.आई.एम.टी. विभाग

प्राध्यापक वर्ग सूची

शिक्षा शास्त्र संकाय

❖ शिक्षा विभाग

1. प्रो. के.रविशंकर मेनोन, आचार्य एवं अधिष्ठाता (31.8.2013 तक)
2. प्रो. वी.मुरलीधर शर्मा, आचार्य
3. श्री पी. नागमुनि रेड्डी, सहायक आचार्य (चयन वर्ग)
4. प्रो. एऩ. लता, आचार्य
5. प्रो. रजनीकांत शुक्ला, आचार्य और संकाय प्रमुख (1.9.2013 से)
6. प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी, आचार्य
7. डा. पी. वेंकट राव, सह आचार्य
8. डा. राधागोविंद त्रिपाठी, सहायक आचार्य
9. के. कादम्बिनी, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)
10. डा. एस. दक्षिणा मूर्ति शमा, सहायक आचार्य
11. डा. एस. मुरलीधर राव, सहायक आचार्य
12. डा. आर. चंद्रशेखर, सहायक आचार्य (प्रथम चरण से द्वितीय चरण की पदोन्नति हुई)
13. डा. ए. सच्चिदानन्द मूर्ति, सहायक आचार्य
14. डा. ए. सुनीता, सहायक आचार्य

❖ शारीरिक शिक्षा विभाग

डा. एम.ए. आदिकेशवुलु नायुडु, सह आचार्य (सेवानिवृत्त 31.01.2013)

साहित्य एवं संस्कृति संकाय

❖ साहित्य विभाग

1. प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, आचार्य एवं संकाय प्रमुख
2. प्रो. जी. एस. आर.कृष्णमूर्ति, आचार्य
3. प्रो. सी. ललिता राणी, आचार्या
4. डा. सत्यनारायण आचार्य, सह आचार्य
5. डा. आर. सदाशिव मूर्ति, सह आचार्य
6. डा. सी. रंगनाथन, सह आचार्य
7. डा. के. राजगोपालन, सह आचार्य
8. डा. प्रदीपकुमार बाग, सहायक आचार्य
9. डा. भारत भूषण रथ, सहायक आचार्य
10. डा. जे.बी. चक्रवर्ति, सहायक आचार्य
11. के.लीनाचंद्र, सहायक आचार्य
12. डा. श्वेतपद्म शतपथी, सहायक आचार्य
13. डा. ज्ञान रंजन पण्डा, सहायक आचार्य

❖ पुराणेतिहास विभाग

1. डा. पारमिता पण्डा, सहायक आचार्य

❖ अंग्रेजी विभाग

1. प्रो. वी. सुजाता, आचार्या
2. डा. आर. दीप्ता, सह आचार्य

❖ तेलुगु विभाग

1.डा. नल्लन्ना, सहायक आचार्य
2. डा. विजयलक्ष्मी, सहायक आचार्या

❖ हिंदी विभाग

डा. टी.लता मंगेश, सहायक आचार्या

❖ अनुसन्धान एवं प्रकाशन विभाग

1. डा. सी.एच.पी. सत्यनारायण, आचार्य एवं निदेशक, दूरस्त शिक्षण
2. डा. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल, सह आचार्य
3. डा. के. सूर्यनारायण, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी
4. डा. सोमनाथ दास, सहायक आचार्य
5. डा. सी.नागराजु, सहायक आचार्य

दर्शन संकाय

❖ न्याय विभाग

1. प्रो. के. ई. गोविंदन,आचार्य (सेवानिवृत्त 31.10.2013)
2. प्रो. ओ.श्री रामलाल शर्मा,आचार्य
3. प्रो.पी.टी.जी. वाई. संपत्कुमाराचार्युलु,आचार्य

❖ अद्वैत वेदांत विभाग

1. प्रो. एम.एल. नरसिंह मूर्ति,आचार्य
2. प्रो.वी. पुरंदर रेड्डी, आचार्य और विभागाध्यक्ष
3. डा.एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा,आचार्य
4. डा.के. गणपति भट्ट, सह आचार्य
5. डा. के. विश्वनाथ, सहायक आचार्य (प्रथम चरण से द्वितीय चरण कि पदोन्नति हुई)

❖ विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग

1. प्रो. के. ई. देवनाथन्, आचार्य
   (20.2.2014 का लीन लिया - एस.वी. वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप नियुक्त हुए ।)
2. डा. सी. राघवन्, सह आचार्य

❖ द्वैत वेदांत विभाग

1. प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित,आचार्य
2. डा. नारायण,सहायक आचार्य

❖ आगम विभाग

1. प्रो.टी.वी. राघवाचार्युलु, आचार्य
2. प्रो. वी. एस. विष्णुभट्टाचार्युलु, आचार्य
3. डा. पि.टि.जि.रंग रामानुजाचार्युलु, सहायक आचार्य

❖ मीमांसा विभाग

डा. टी. एस.आर. नारायणन, सहायक आचार्य

❖ सांख्य योग और योग विज्ञान विभाग

डा. डी. ज्योति, सहायक आचार्य

वेद वेदांग संकाय

❖ व्याकरण विभाग

1. प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. प्रो. आर.एल. नरसिंह शास्त्री, आचार्य एवं अधिष्ठाता
3. प्रो. जे. रामकृष्ण,आचार्य
4. डॉ. एन.आर.रंगनाथन ताताचार्य, सहायक आचार्य
5. श्री यशस्वी, सहायक आचार्य
6. श्री सन्तोष माजी, सहायक आचार्य

❖ ज्योतिष विभाग

1. प्रो. राधाकान्त ठाकुर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट, आचार्य
3. डा. वी. उन्निकृष्णन् नम्पियातिरी, सह आचार्य
4. डा. कृष्णेश्वर झा,सहायक आचार्य
5. डा. के.एस. लवकुमार,सहायक आचार्य

❖ धर्मशास्त्र विभाग

1. डा. शितांशु भूषण पण्डा, सहायक आचार्य
2. डा. सुधांशु शेखर मोहापात्र, सहायक आचार्य

❖ वेद भाष्यम विभाग

डा. निरंजन मिश्र, सहायक आचार्य

❖ कंप्यूटर विज्ञान विभाग

1. प्रो. आर.जे. रमाश्री, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. श्री. जी. श्रीधर, सहायक आचार्य (प्रथम चरण से द्वितीय चरण कि पदोन्नति हुई)

❖ शाब्दबोध विभाग

डा. ओ.जी.पी. कल्याण शास्त्री

❖ इतिहास विभाग

डा. एस. आर. शरण्य कुमार, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)

❖ गणित विभाग

1. डा. वी. रमेश बाबु, सहायक आचार्य
2. डा. ए.चन्दुलाल, सहायक आचार्य

प्रस्तावना

तिरुमला पर्वत के पादतल में स्थित यह राष्ट्रियसंस्कृत विद्यापीठ गत पाँच दशकों से संस्कृत के अध्ययन एवं अध्यापन की दृष्टि से छात्रों एवं विद्वानों का लक्ष्य हो गया है। यहाँ देश के विभिन्न भाग से विभिन्न धर्म जाति एवं भाषा के छात्र आते हैं जिससे यह विद्यापीठ एक छोटे भारत की तरह दिखता है। यहाँ अध्ययन एवं अनुसंधान केलिए उत्कृष्ट सुविधा एवं अत्यन्त अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। नए पाठ्यक्रम, भव्यभवन, कम्पूटर आदि आधुनिक उपसाधनों ने संस्कृत अध्ययन - अध्यापन के क्षेत्र में इस विद्यापीठ को उन्नत बना दिया हे। तिरुपति शहर के मध्यभाग में अवस्थित विद्यापीठ परिसर विशाल तरू के छाया से, सुंदर बगीचे एवं मनोहर वन से अत्यंत आकर्षणीय लगता है।

स्थापना - भरत सरकार द्वारा गठित केन्द्रीय संस्कृत आयोग की 1950 वर्ष में अनुशंसा पर पारंपरिक संस्कृत की आधुनिक अनुसंधान शैली के साथ प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षामंत्रालय द्वारा तिरुपति में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति सोसाइटी नाम से एक स्वयत्त संस्था पंजीकरण करवाया। विद्यापीठ का शिलान्यास 4 जनवरी, 1962 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने किया था। तिरुमल-तिरुपति-देवस्थान ट्रष्ट बोर्ड के तत्कालीन कार्यनिर्वबणाधिकारी डाँ.सी.अन्नाराव जी ने बयालीस एकड जमीन तथा भवन निर्माण हेतु 10 लाख रूपये दिये थे।

सुविख्यात विद्वान एवं राजनेता भारत के भूतपर्वमुख्य न्यायाधीश पतंजली शास्त्री विद्यापीठ सोसाइटी के अध्यक्ष रह चुके। उसके बाद प्राच्यविद्या के प्रसिद्ध विद्वान पी. राघवन तथा लोकसभा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री.एम. अनन्तशयनम अय्यंगार जी अध्यक्ष हुए। डाँ. बी. आर. शर्माजी ने 1962-1970 तक प्रथम निर्देशक के रूप में काम किया है। श्री वेंकटराघवन, डॉ. मण्डन मिश् डॉ.आर.करुणाकरन, डॉ.एम.डी बाल सुब्रह्मण्यम एवं प्रो.एन.एस.रामानुज ताताचार्य ने क्रमशः प्राचार्य के रूप में अपने वैदुष्य एवं प्रशासनिक अनुभव से इस विद्यापीठ की सेवा की।

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को अप्रैल, 1971 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संरक्षण में शिक्षामंत्रालय की स्वायत्त संस्था का रूप दिया गया। रजत जयंती महोत्सव के दौरान वर्ष 1987 में **श्री.पी.वी.नरसिंहाराव** जी भारत सरकार के तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के यू.जीयसी अधिनियम 1956 के अनुभाग 3 (राजपत्र अध्यादेश नं.एफ.9-285 यू - 3.16 - 111987) के अनुसार विद्यापीठ को **मानित विश्वविद्यालय** घोषित किया। **मानित विश्वविद्यालय** का औपचारिक रूप से उद्घाटन दिनांक 26-8-1989 को तत्कालीन राष्ट्रपति **आर. वेंकटरामन्** के द्वारा किया गया। विद्यापीठ ने शैक्षणिक सत्र 1991 - 1992 से मानित विश्वविद्यालय के रूप में काम करना शुरू किया। उस समय से अत्यंत प्रतिष्ठित व्यक्ति जैसे पं.श्री पट्टाभिरामशास्त्री, प्रो. रमारंजन मुखर्जी और डॉ.वी.आर.पंचमुखी इस विद्यापीठ के कुलाधिपति रहे है। प्रो.एन.एस. रामानुज ताताचार्य, प्रो.एस.बी. रघुनाथाचार्य और प्रो. डी. प्रह्लादाचार्य ने क्रम से 1989 से 1994 , 1994 से 1999 और 1999 से 2004 तक कुलपति के रूप में इस विद्यापीठ की सेवा की है। वरिष्ठ आचार्य प्रो.के.ई.गोविन्दन प्रभारी कुलपति के रूप में दो वर्ष अप्रैल 2006 तक सेवा की है। दिनांक 16-06-2008 से असम के राज्यपाल **प्रज्ञानुवाचस्पति डॉ. जानकीवल्लभ पट्नायक** जी विद्यापीठ के कुलाधिपति पद पर विराजमन हैं। **प्रो.हरेकृष्णशतपथी जी विद्यापीठ के कुलपति हैं, वे 19 अप्रैल 2006 से कुलपति हैं।** अध्ययन - अध्यापन, शोध, प्रकाशन तथा संस्कृत के संरक्षण एवं प्रचार प्रसार के क्षेत्र में विद्यापीठ की उपलब्धियों को देखते हुए विद्यापीठ को निम्न उपाधियों से प्रोत्साहित एवं अलंकृत किया गया है।

- **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वा पारंपरिक शास्त्रीय विषय के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्र का मंजूर हुआ है।**
- **राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने 2003 में $ए^{+}$ श्रेणी से प्राधिकृत किया है।**

I. शैक्षणिक - कार्यक्रम

अ. शैक्षिक

संस्कृत पढनेवाले छात्रों के लिए विद्यापीठ औपचारिक अध्यापन, व्यावसायिक एवं अनौपचारिक रुप से कई पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है। 2013-2014 के लिए निम्न पाठ्यक्रमों को चलाया जा रहा हैं -

I. औपचारिक शिक्षा :

1. स्नातक पाठ्यक्रम

1. प्राक् - शास्त्री (इंटरमीडियट के समकक्ष)
2. शास्त्री (बी.ए. समकक्ष)
3. शास्त्री वेदभाष्य (बी.ए.समकक्ष)
4. बी.ए.
5. बी.एस.सी.

2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

1. आचार्य (एम्.ए.के समकक्ष) 14 शास्त्रों में
2. आचार्य संस्कृत में (शाब्दबोध प्रणाली तथा भाषा तकनीकी)
3. एम. एससी. कम्प्यूटर विज्ञान और भाषा तकनीकी

वि.अ.ए के नवाचारी कार्यक्रम

4. एम.ए.हिंदी
5. तुलनात्मक सौन्दर्य शास्त्र (साहित्य) में पी.जी.डिप्लोमा
6. एम.ए.आई.एम.टी

3.शोध कार्यक्रम

1. एम्.फिल्.(पांडुलिपि शास्त्र और पुरालिपि शास्त्र को मिलाकर 11 शास्त्रों में)
2. एम्.फिल (शिक्षा शास्त्र)
3. विद्यावारिधि -(पीएच्.डी.समानांतर) सभी शास्त्रों/साहित्य/शिक्षा शास्त्र
4. विद्यावाचस्पति (डि.लिट्.समानांतर) सभी शास्त्रों और शिक्षा में

4.वृत्तिक पाठ्यक्रम-

1. शिक्षा शास्त्री (बी. एड्. समानांतर)
2. शिक्षा आचार्य (एम्, एड्. समानांतर)

II सायंकालीन एवं अंशकालिक कार्यक्रम

1. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. योग विज्ञान
2. प्राकृति भाषा संसाधन
3. वेब तकनीकी

2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम-

1. मंदिर संस्कृति
2. पौरोहित्य
3. संस्कृत एवं कानून डिप्लोमा
4. प्रबंधन और प्राच्य अभिविन्यास

3. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

1. मंदिर संस्कृति
2. पौरोहित्य
3. प्रयोजनमूलक अंग्रेजी
4. ज्योतिष
5. ई-अधिगम

4. विद्यापीठ के निम्न वृत्ति आभिविन्यास कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वित्तीय सहायता से चलाए जानेवाले पाठ्यक्रम

1. भारतीय भाषाओं में डी.टी.पी.
2. वेब तकनीकी शास्त्र
3. पुराणेतिहास
4. वास्तु शास्त्र
5. संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन

प्रवेश प्रक्रिया - विद्यापीठ के शैक्षणिक-सत्र जून-जुलाई से शुरु होता है और अप्रैल-मई में परिक्षाएँ समाप्त हो जाती हैं अर्ध वार्षिकीय परीक्षा केवल नियमित शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रम मे होती हैं। शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षा आचार्य में नही होती है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, बि.ए. पाठयक्रम में प्रवेश के लिए पूर्वपरीक्षा के प्राप्तांक एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार को आधार माना जाता है। आचार्य (एम्.ए.) पाठयक्रम, शिक्षाशास्त्री (बि.एड) शिक्षा आचार्य(एम.एड) और विद्यावारिधि में नामांकन हेतु विद्यालय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर विद्यापीठ द्वारा प्रवेश परीक्षा ली जाती है। नेट-स्लेट-एम.फिल-पी.एच.डी उपाधिवालो को विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा से छुट दी गई है। वे नियमित या अंश कालिक के आधार पर अनुसंधान कर सकते हैं। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सूचनाएँ विश्वविद्यालय की वेबसाईट- http://www.rsvidyapeetha.ac.in पर उपलब्ध है ।

शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के स्नातकोत्तर स्तर तक के कार्यक्रम जून में ही शुरु हुए। शिक्षा शास्त्री (बी.एड) और शिक्षा आचार्य (एम.एड) और विद्यावारिधी (पी.एच.डी) के अतिरिक्त सभी पाठ्य क्रमों के लिए योग्यता परीक्षा और मौखिक के आधार पर प्रवेश दिये गये है। शिक्षा-शास्त्री (बि.एड.) शिक्षा आचार्य (एम.एड) और विद्यावारिधि (पि.एच.डी) के प्रवेश राष्ट्रीय स्थरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा क्रमशः CPSST-CPSAT औरCVVT की नामावली में आयोजित की गई नेट, स्लेट, एम.फिल, पी.एच.डी,धारकों को CVVT से छूट दी गयी है । शोधार्थी अपने शोध कार्य को नियमित या रेगुलर और निजी या प्राईवेट के रूप में आगे बढा सकते है। सभी शास्त्रों के पाठ्यक्रम को केवल संस्कृत के माध्यम से ही पढाया जाता है। और परीक्षा संस्कृत में भी आयोजित की जाती है। आधुनिक विषयों के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के लिए संबंधित भाषा शिक्षा का माध्यम और परीक्षा का माध्यम है।

परीक्षाएँ - स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियों के लिए अर्ध वार्षिकीय के अनुरूप परीक्षाएँ ली जाती है । प्राकशास्त्री (इंटर मीडियट) के लिए वार्षिक पैटर्न का पालन किया जाता है। अन्य नॉन सेमिस्टर डिप्लोमा उपधियाँ पी.जी.डिप्लोमा परीक्षाएँ मार्च और अप्रैल में रखी गयी है ।

छात्रों की भर्ती

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु
1	प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष	118	64	182	35	26	61	46	12	58	18	6	24	19	20	39	-	-	-	-	-	-
2	प्राक्-शास्त्री द्वितीय वर्ष	76	49	125	37	16	53	25	19	44	3	4	7	11	10	21	-	-	-	-	-	-
	कुल (1 & 2)	194	113	307	72	42	114	71	31	102	21	10	31	30	30	60	-	-	-	-	-	-
3	शास्त्री प्रथम वर्ष	87	62	149	34	26	60	38	26	64	9	4	13	6	6	12	-	-	-	-	-	-
4	शास्त्री द्वितीय वर्ष	68	26	94	37	16	53	22	7	29	7	3	10	2	-	2	-	-	-	-	-	-
5	शास्त्री तृतीय वर्ष	71	20	91	48	11	59	20	7	27	1	2	3	2	-	2		-	-	-	-	-
	कुल (3 - 5)	226	108	334	119	53	172	80	40	120	17	9	26	10	6	16	-	-	-	-	-	-
6	बी.एससी. प्रथम वर्ष	7	16	23	4	4	8	2	11	13	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	5	3	8	4	2	6	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	बी.एससी. तृतीय वर्ष	4	8	12	3	5	8	1	2	3	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (6 - 8)	16	27	43	11	11	22	4	14	18	1	2	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	शास्त्री वेदभाष्यम प्रथम वर्ष	13	-	13	13	-	13	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	शास्त्री वेदभाष्यम द्वितीय वर्ष	8	-	8	8	-	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	शास्त्री वेदभाष्यम तृतीय वर्ष	7	-	7	7	-	7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (9 - 11)	28	-	28	28	-	28	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	शिक्षा शास्त्री (बि.एड्)	97	57	154	63	39	102	17	12	29	15	6	21	2	-	2	-	-	-	-	-	-
	स्नातक कुल (1-12)	561	305	866	293	145	438	172	97	269	54	27	81	42	36	78	-	-	-	-	-	-
	स्नातक कुल (3-12)	367	192	559	221	103	324	101	66	167	33	17	50	12	6	18	-	-	-	-	-	-
13	आचार्य प्रथम वर्ष	132	85	217	65	43	108	49	37	86	17	4	21	1	1	2	-	-	-	-	-	-
14	आचार्य द्वितीय वर्ष	106	57	163	50	29	79	39	25	64	14	3	17	3	0	3	-	-	-	-	-	-
	कुल (13 & 14)	238	142	380	115	72	187	88	62	150	31	7	38	4	1	5	-	-	-	-	-	-
15	एम.ए. (सं.) शाब्दबोध प्रथम वर्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16	एम.ए. (सं.) शाब्दबोध द्वितीय वर्ष	2	1	3	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (15 & 16)	2	1	3	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	एम.एससी. प्रथम वर्ष	7	-	7	3	-	3	3	-	3	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
18	एम.एससी. द्वितीय वर्ष	3	3	6	2	1	3	1	1	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	10	3	13	5	1	6	4	1	5	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-

पु. - पुरुष, स्त्री - स्त्री, कु. - कुल

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु			पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु			पु	स्त्री	कु
19	एम.ए.ऐ.एम.टि. प्रथम वर्ष (२०१२-१३ से शुरू प्रशासन)	8	3	11	5	1	6	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	एम.ए.ऐ.एम.टि. द्वितीय वर्ष	9	6	15	5	4	9	4	2	6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	17	9	26	10	5	15	5	4	9	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष (२०१३-१४ से प्रवेश प्रारंभ)	5	3	8	2	-	2	3	2	5	-	1	1	-	-	-	2	2	4	-	-	-
	कुल	5	3	8	2	-	2	3	2	5	-	1	1	-	-	-	2	2	4	-	-	-
22	शिक्षा-आचार्य (एम.एड)	34	10	44	22	7	29	5	2	7	4	1	5	3	-	3	-	-	-	-	-	-
	पी.जी. कुल (13-22)	306	168	474	156	86	242	105	71	176	38	10	48	7	1	8	2	2	4	-	-	-
	व्यावसायिक पाठ्यक्रम कुल (12-22)	131	67	198	85	46	131	22	14	36	19	7	26	5	-	5	-	-	-	-	-	-
23	एम.फिल.	45+4	13+3	58+7	31+3	13+2	42+5	11	0+1	9+1	3+1	-	3+1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (23)	49	16	65	34	15	47	11	1	10	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-
24	विद्यावारिधि २०११-१२	58	15	73	47	14	61	8	1	9	1	-	1	2	-	2	-	-	-	-	-	-
25	विद्यावारिधि २०१२-१३	60 8	21 3	81 11	43 8	15 -	58 8	10 -	5 3	15 3	4 -	1 -	5 -	2 -	- -	2 -	1 -	- -	1 -	1 -	- -	1 -
26	विद्यावारिधि २०१३-१४	69	21	90	50	16	66	11	4	15	6	1	7	2	-	2	-	-	-	-	-	-
	कुल (24-26)	195	60	255	174	45	219	29	13	42	11	2	13	6	-	6	1	-	1	1	-	1
	कुल (01-26)	1111	549	1660	657	291	946	317	182	497	107	39	146	55	37	92	3	2	5	1	0	1
	प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम																					
27	पौरोहित्य मे प्रमाणपत्र	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
28	मंदिर संस्कृति मे प्रमाणपत्र	3	-	3	2	-	2	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
29	ज्योतिष मे प्रमाणपत्र	7	1	8	5	1	6	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
30	प्रयोजनमूलक अंग्रेजी	2	1	3	1	-	1	-	1	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31	वास्तुशास्त्र मे प्रमाणपत्र	2	-	2	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
32	संस्कृत में डी.टी.पी.	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (27-32)	15	2	17	11	1	12	3	1	4	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-

पु. - पुरुष, स्त्री - स्त्री, कु. - कुल

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु			पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु			पु	स्त्री	कु
	डिप्लोमा पाठ्यक्रम																					
33	पौरोहित्य में डिप्लोमा	10	1	11	8	1	9	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
34	मंदिर संस्कृति में डिप्लोमा	3	1	4	2	-	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (33 & 34)	13	2	15	10	1	11	3	1	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम																					
35	योगा में पी.जी. डिप्लोमा (सायंकालिन कार्यक्रम)	19	12	31	12	8	20	7	4	11	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
36	पी.जी. नेचुरोपती (सायंकालिन कार्यक्रम)	8	4	12	5	2	7	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
37	तुलनात्मक सौन्दर्य शास्त्र में पी.जी. डिप्लोमा में भूमंडलीय परिप्रेक्ष्य	12	2	14	10	2	12	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (35 - 37)	39	18	57	27	12	39	9	6	15	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	अन्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम																					
38	भारतीय भाषाओं में डी.टी.पी.	5	1	6	1	1	2	1	-	1	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
39	संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन में प्रमाणपत्र	4	-	4	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
40	वेब तकनीकी	-	1	1	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (38 & 40)	9	2	11	5	2	7	1	-	1	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	विद्यावारिधि २०११-१२																					
41	विद्यावारिधि २०१२-१३	2	3	5	2	-	2	-	3	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
42	विद्यावारिधि २०१३-१४	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (41-42)	5	1	6	4	1	5	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	अड्वान्सड डिप्लमो	8	4	12	7	1	8	-	3	3	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
43	भारतीय भाषाओं में डी.टी.पी.																					
44	वेब तकनीकी	6	-	6	5	-	5	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (43&44)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल योग भर्ती	1201	577	1778	722	308	1028	334	193	525	115	39	154	55	37	92	3	2	5	1	-	1

पु. - पुरुष - 1201, स्त्री - स्त्री - 577, कु. - कुल - 1201+577 = 1778 (डीडीई के छात्रों को छोडकर)

* कुल शारीरिक विकलांग अतिरिक्त

एस्.सी., एस्,टी., ओ.बी.सी.के लिए छात्रवृत्तियाँ :

सरकार द्वारा एस्.सी., एस.टी., ओ बी.सी.के छात्रों के लिए घोषित छात्रवृत्ति विद्यापीठ के द्वारा निरंतर दी जाती है।

आरक्षण नियम पालन

विद्यापीठ में भारत सरकार एवं वि.अ.ए. के अनुसार समय-समय पर लागु होनेवाले आरक्षण नियम एस.सी.,एस.टी.और ओ.बी.सी. छात्रों के संबंध में जैसा भी नियम है उसके अनुसार प्रत्येक शैक्षिक वर्ष के पाठ्यक्रम जैसे प्राक्-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा शात्रि (बी.एड्), शिक्षा आचार्य (एम.एड). एम.फिल और विद्यावारिधी (पी.एच.डी) और शिक्षक और शिक्षकेतर पदों के नियुक्ति के संबंध में भी आरक्षण का पालन किया जाता है।

योग्यता छात्रवृत्तियाँ :

योग्यता छात्रवृत्तियाँ छात्रों को गत परीक्षा के प्राप्त अंकों की प्रतिशतता के आधार पर दी जाती है। प्राक्शस्त्री प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को, शास्त्री प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों को तथा आचार्य प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को छात्र वृत्ति दी जाती है।

आ. व्यावसायिक पाठ्यक्रम :

शिक्षा संकाय

शिक्षा विभाग माध्यमिक विद्यालय के सेवा पूर्व एवं सेवारत-शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाता है। यह विभाग संस्कृत सीखने एवं शिक्षा-शोध को विकसित करने के लिए स्वतः अध्ययन उपकरण तैयार कर रहा है। निम्नलिखित पाठ्यक्रम विवरण इस प्रकारक है -

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सीट की संख्या	भर्ती
1	शिक्षा-शास्त्री(बी.एड्)	एक वर्ष	154	154
2	शिक्षा-आचार्य(एम्.एड्).	एक वर्ष	44	42
3	शिक्षा शास्त्र में एम्.फिल्.	एक वर्ष	05	04
4	विद्यावारिधी(पीएच.डी)	2-5 वर्ष		22

अनौपचारिक शिक्षा :

इग्नू की दूरशिक्षा परिषत् ने विद्यापीठ के प्रस्ताव को स्वीकृत किया और 2003-04 से दूर शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति दी। **दूर शिक्षा को डा.सी.एच्.पी. सत्यनारायण,** आचार्य, शोध एवं प्रकाशन विभाग निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2013-14 में चलाए जानेवाले प्राठ्यक्रमों का विवरण एवं भर्ती निम्न है :

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा केंद्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं, जिसका विवरण इस प्रकार है-

क्रमं.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	भर्ती
1.	प्राक्-शास्त्री	2 वर्ष	47
2.	शास्त्री/बी.ए.	3 वर्ष	48
3.	बी.ए.	3 वर्ष	11
4.	आचार्य	2 वर्ष	344
5.	योग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	29
6.	संस्कृत में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	1 वर्ष	57
7.	संस्कृत में डिप्लोमा	1 वर्ष	48

हर साल में दो बार समस्त पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क कक्षाओं का आयोजन विद्यापीठ परिसर में किया जाता है।

आ. अनुसंधान

i. प्रवेश:

विद्यापीठ ने **विद्याविारिधी** (पीएच.डी.) साहित्य में /व्याकरण/ज्योतिष (फलित और सिद्धांत), न्याय/ अद्वैत वेदांत/ विशिष्टाद्वैत वैदांत/द्वैत वेदांत/ वेदभाष्य/ आगम / और शिक्षा शास्त्र में दी जाती है।

विश्वविद्यालय उन छात्रों को विद्यावारिधी की उपाधि प्रदान करती है, जिन्होंने अपना शोधकार्य पूरा कर लिया हो तथा शोधप्रबंध का मूल्यांकन विद्यापीठ द्वारा निर्धारित विशेषज्ञ से करा लिया गया हो।

वि.अ.ए. नए नियमों के अनुसार उपाधि, संस्कृत में विद्यावारिधी लिखा रहेगा और अंग्रेजी में **डाक्टर ऑफ फिलासोफी** होगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्णयानुसार विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) तीन मानित विश्वविद्यालयों यानि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, एस्.एल्.बि.एस्.आर्.एस्.विद्यापीठ के लिए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित करने के लिए एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के फैसले के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा पहली परीक्षा CVVET-2011 आयोजित की गई है। रोटेशन के आधार पर वर्ष 2013 में यह CVVET का आयोजन करने के लिए श्री लाल बहदूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली की बारी है ।

संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा (CVVET) का आयोजन सभी केन्द्रों में अगस्त 2013 को किया गया है । सभी योग्य और चयनित उम्मीदवारों का अनुसंधान पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है। पी.एच.डी. छात्रों की संख्या एवं विभिन्न विभागों का विवरण नीचे तालिका में प्रस्तुत है ।

निदेशक द्वारा शोध पर्यवेक्षण :

क्रं. सं.	शोधार्थी का नाम	मार्गदर्शक का नाम	विभाग	प्रवेश की तिथि
1.	ए. शेकर रेड्डि	प्रो. वि. मुरलीधर शर्मा	शिक्षाशास्त्र	23.12.2013
2.	यल्. वेंकट सुब्बाराव	डा. ए. सच्चिदानन्दमूर्ति	शिक्षाशास्त्र	24.12.2013
3.	ए. चारुकेश	प्रो. वि. मुरलीधर शर्मा	शिक्षाशास्त्र	24.12.2013
4.	चिन्मया मिश्रा	प्रो. प्रलहाद आर. जेशी	शिक्षाशास्त्र	27.12.2013
5.	भारद्वाज दास	डा. आर. चन्द्रशेखर	शिक्षाशास्त्र	20.01.2014
6.	अरुपम समन्ता	डा. के. कादम्बिनी	शिक्षाशास्त्र	21.01.2014
7.	सुकबेद दास	डा. आर. चन्द्रशेखर	शिक्षाशास्त्र	21.01.2014
8.	यम. दत्तात्रेय शर्मा	प्रो. प्रलहाद आर. जोशी	शिक्षाशास्त्र	27.01.2014
9.	शिवनाम संदीप कोल्लूरु	डा. मुरलीधर राव	शिक्षाशास्त्र	27.01.2014
10.	विजय कुमार दास	प्रो. प्रलहाद आर. जोशी	शिक्षाशास्त्र	28.01.2014
11.	तापस कुमार पण्डा	डा. ए. सच्चिदानन्द मूर्ति	शिक्षाशास्त्र	28.01.2014
12.	विश्वास रावा	डा. यस. दक्षिणामूर्ति शर्मा	शिक्षाशास्त्र	28.01.2014
13.	प्रबिर बेरा	डा. पि. वेंकटराव	शिक्षाशास्त्र	28.01.2014
14.	कुमार बागेवादिमत	डा. आर. चन्द्रशेखर	शिक्षाशास्त्र	29.01.2014
15.	अन्नपूर्णा दधिय	प्रो. प्रलहाद आर. जोषी	शिक्षाशास्त्र	30.01.2014
16.	सुनिल कुमार ठाकुर	प्रो.. रजनीकांत शुक्ल	शिक्षाशास्त्र	30.01.2014
17.	महिमा तिवारी	डा. एन. लता	शिक्षाशास्त्र	30.01.2014
18.	डि. उदयकुमार	डा. सत्यनारायण आचार्य	साहित्य	24.12.2013
19.	एच.जि. अर्जुन काश्यप	प्रो. सिएच.पि. सत्यनारायण	साहित्य	03.01.2014
20.	लोहिता वड्लमूडि	प्रो. यसं. सुदर्शन शर्मा	साहित्य	20.01.2014
21.	पि. कृष्णवासु श्रीकांत	डा. भारतभूषन रथ	साहित्य	20.01.2014
22.	टि.पि. गोपाल कृष्ण	प्रो. जी.यस.आर. कृष्ममूर्ति	साहित्य	21.01.2014
23.	अशोक बाबु देवरमपाटि	डा. सी. ललिताराणि	साहित्य	21.01.2014
24.	वे. प्रद्युत कुमार दास	डा. भारतभूषन रथ	साहित्य	21.01.2014
25.	जे. चन्द्रशेखर	डा. सि. ललिताराणी	साहित्य	21.01.2014
26.	के. श्रीचन्दना	प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति	साहित्य	21.01.2014
27.	स्रवंती चिन्नलबोनिया	डा. भरतभूषण रथ	साहित्य	21.10.2014
28.	सयंता महतो	डा. सीएच.पी. सत्यनारायण	साहित्य	21.10.2014
29.	चंद्रमणि देबता	डॉ. भरतभूषण रथ	साहित्य	22.01.2014

क्रं. सं.	शोधार्थी का नाम	मार्गदर्शक का नाम	विभाग	प्रवेश की तिथि
30.	डी. शिवप्रसाद बाबू	डॉ. भरतभूषण रथ	साहित्य	22.01.2014
31.	के. हरिकृष्ण	डॉ. भरतभूषण रथ	साहित्य	22.01.2014
32.	नरेंद्र आर्य	डॉ. सी. रंगनाथन	साहित्य	23.01.2014
33.	आनंदमणिकण्टा गणेश एस.	डॉ. ज्ञानरंजन पण्डा	साहित्य	24.01.2014
34.	अमरनाथ के.	डॉ. भरतभूषण रथ	साहित्य	24.01.2014
35.	वेदप्रकाश जोशी	डॉ. के. राजगोपालन	साहित्य	27.01.2014
36.	आर. श्रीहरि	प्रो. सी. ललिताराणी	साहित्य	27.01.2014
37.	कृष्णफणींद्र के.	डॉ. आर. सदाशिवमूर्ती	साहित्य	31.01.2014
38.	वी. श्रीनिवासनारायण	प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री	व्याकरण	21.10.2014
39.	संतोष माझी	प्रो. रजनीकांत शुक्ला	व्याकरण	27.01.2014
40.	रूपा हेग्डे	प्रो.. एस.एस.मूर्ति	व्याकरण	29.01.2014
41.	प्रदीप सिंह	प्रो. रजनीकांत शुक्ला	व्याकरण	31.01.2014
42.	धर्मा दसन. वी.	डॉ. वी. उन्निकृष्ण नंपियातिरी	ज्योतिष्य	23.12.2013
43.	वी.एस. अन्नपूर्णेश्वरी	प्रो. श्रीपाद भट्ट.ए.	ज्योतिष्य	24.12.2014
44.	हृषीकेश साहु	डॉ. कृष्णेश्वर झा	ज्योतिष्य	30.12.2013
45.	ईश्वरचंद्र एम.	प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट	ज्योतिष्य	23.01.2014
46.	जोन्नवित्तुल वेंकट राम शर्मा	प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट	ज्योतिष्य	31.01.2014
47.	पलाशसंत्रा	डा. के. गणपति भट्ट	अद्वैत वेदांत	30.01.2014
48.	शिंडेमनोज अंगद	डा. के. गणपति भट्ट	अद्वैत वेदांत	18.12.2013
49.	ज्ञानानेश मराठे	प्रो. एम.एल.एन. मूर्ति	अद्वैत वेदांत	23.12.2013
50.	मनोजिद मुखर्जी	डा. के. विश्वनाथ	अद्वैत वेदांत	02.01.2014
51.	चिरंजित मंडल	डा. के. विश्वनाथ	अद्वैत वेदांत	28.01.2014
52.	सुदेश्ना दास	डा. के. गणपति भट्ट	अद्वैत वेदांत	30.01.2014
53.	जे. श्रीपादाचार	प्रो. नरसिंहाचार्य	द्वैतवेदांत	26.12.2013
54.	नरसिंहा के. आर.	प्रो. नरसिंहाचार्य	द्वैतवेदांत	30.12.2013
55.	विनय पडसलगि	प्रो. नरसिंहाचार्य	द्वैतवेदांत	31.01.2014
56.	वेणुगोपाल पुरोहित	डा. नारायण	द्वैतवेदांत	31.01.2014
57.	डी.एस. विष्णुकांत	प्रो.. वी.एस.वी.बी. चार्युलु	आगम	19.12.2013
58.	एस.एस. शिवप्रसाद शर्मा	प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु	आगम	20.12.2013
59.	टी. श्रीतेजा	प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु	आगम	23.12.2013

क्रं. सं.	शोधार्थी का नाम	मार्गदर्शक का नाम	विभाग	प्रवेश की तिथि
60.	पी. नीलकण्ठम	प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु	आगम	22.01.2014
61.	सौम्यरंजन प्रधान	डा. परमिता पण्डा	पुराणेतिहास	30.12.2013
62.	फणि अजय शर्मा स्वर्णा	डा. परमिता पण्डा	पुराणेतिहास	30.01.2014
63.	अर्वधुति दाश	डा. एस.एस. महापात्र	धर्मशास्त्र	19.12.2013
64.	सबिता बिस्वाल	डा. एस.एस. महापात्र	धर्मशास्त्र	26.12.2013
65.	प्रीति परमेश्वरी महंती	डा. एस.एस. महापात्र	धर्मशास्त्र	26.12.2013
66.	एस. नागेश्वर राव	डा. टी.एस.आर. नारायण	मीमांस	24.12.2013
67.	नीनू	डा. डी. ज्योति	सांख्ययोग	28.01.2014
68.	जगन्नाथ रथ	डा. निरंजन मिश्र	वेदभाष्य	24.12.2013
69.	गोविंद प्रसाद अधिकारी	डा. निरंजन मिश्र	वेदभाष्य	27.01.2014

विद्यापीठ से पीएच.डी.उपाधि प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रं. सं.	शोधार्थी का नाम	विभाग	मार्गदर्शक का नाम	पुरस्कार की तारीख
1.	रामबाबू झा	शिक्षाशास्त्र	प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी	02.04.2013
2.	सूर्यप्रकाश गौतम	फलित ज्योतिष्य	डा. कृष्णेश्वर झा	04.04.2013
3.	भाग्य सिंह गुर्जर	शिक्षाशास्त्र	प्रो. रजनीकांत शुक्ला	29.05.2013
4.	के. दयानिधि	विशिष्टाद्वैत वेदांत	डा. चक्रवर्ति राघवन	17.06.2013
5.	देबब्रता बेहेरा	साहित्य	डा. चक्रवर्ति रंगनाथन	17.06.2013
6.	एक्कुर्ति वेंकटेश्वर्लु	शिक्षाशास्त्र	प्रो. मुरलीधर शर्मा	17.06.2013
7.	मदन सिंह	शिक्षाशास्त्र	प्रो. रजनीकांत शुक्ला	17.06.2013
8.	एस. कृष्ण	शिक्षाशास्त्र	डा. के. कादम्बिनी	17.06.2013
9.	वी. पावनी	साहित्य	प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण	18.06.2013
10.	माधवी कोमन्दुरी	साहित्य	डा. सी. रंगनाथन	27.07.2013
11.	अबिनाश गायेन	साहित्य	डा. के. राजगोपालन	27.07.2013
12.	ए. चंद्रज्योति	साहित्य	डा. के. सूर्यनारायण	27.07.2014
13.	भजहरि दास	अद्वैत वेदांत	प्रो. एम.एस. सुब्रह्मण्यशर्मा	29.07.2013
14.	बसंत कुमार महापात्र	धर्मशास्त्र	डा. राधागोविंद त्रिपाठी	29.07.2013
15.	जयवंत चौधरी	व्याकरण	प्रो. जे. रामकृष्ण	29.07.2013
16.	प्रकाशचंद्र मिश्र	पुराणेतिहास	डा. सितांसु भूषण पण्डा	29.07.2013
17.	देवन ई.एम.	न्याय	प्रो. ओ.एस. रामलाल शर्मा	19.08.2013

क्रं. सं.	शोधार्थी का नाम	विभाग	मार्गदर्शक का नाम	पुरस्कार की तारीख
18.	सत्यजित पण्डा	न्याय	प्रो. के.ई. गोविंदन	27.08.2013
19.	वेंकटरमण भट्ट	साहित्य	प्रो. जि.यस.आर. कृष्णमूर्ति	22.09.2013
20.	वीरब्राह्मण जी.	साहित्य	डा. के. राजगोपालन	22.09.2013
21.	के.ई. गोपाल देशिकन	न्याय	प्रो. ओ. श्रीरामलाल शर्मा	24.09.2013
22.	एस.के. अशर्फ अली	अद्वैत वेदान्त	डा. के. विश्वनाथ	03.10.2013
23.	आर. विट्ठोबाचार	न्याय	प्रो. ओ.एस. श्रीरामलाल शर्मा	28.10.2013
24.	बी. बालशिव कुमार	साहित्य	प्रो. सी. ललिताराणी	30.11.2013
25.	छगनलाल शर्मा	व्याकरण	प्रो. के.वि. रामकृष्णमाचार्युलु	31.11.2013
26.	एम.जी. नंदन राव	व्याकरण	प्रो. के.वि. रामकृष्णमाचार्युलु	13.12.2013
27.	रंजन कुमार दास	शिक्षाशास्त्र	डा. पी. वेंकटराव	13.12.2013
28.	श्रीधर एस.	शाब्दबोध	प्रो. आर.एल. नरसिंह शास्त्री डा. श्रीनिवास वरखेडी	17.12.2013
29.	दण्डु पद्मजा	साहित्य	डा. राणी सदाशिवमूर्ति	28.12.2013
30.	प्रियदर्शिनी मल्लुला आई.	व्याकरण	प्रो. एस. एस. मूर्ति	31.12.2013
31.	जी. राजशेखर रेड्डी	साहित्य	डा. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल	07.01.2014
32.	पसुमर्ति श्रीनु	शिक्षाशास्त्र	डा. एस. दक्षिणामूर्ति शर्मा	23.01.2014
33.	अमरेश्वर कुमार ग्रन्धि	पुराणेतिहास	डा. परमिता पण्डा	30.01.2014
34.	के. एल. पवनकुमार	द्वैत वेदांत	प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित	12.02.2014
35.	डी.वी.वाई. नारायणशर्मा	अद्वैत वेदांत	प्रो. ओ.एस.आर.यल. शर्मा	17.02.2014
36.	रोट्टा गणपति राव	साहित्य	डा. एस. मुरलीधर राव	18.02.2014
37.	पालेटि नागेश्वर राव	साहित्य	प्रो. सी. ललिताराणी	21.02.2014
38.	डी. रेखा	साहित्य	प्रो. सी. ललिताराणी	21.02.2014
39.	सुनीता पात्र	साहित्य	डा. सत्यनारायण आचार्य	22.02.2014
40.	वि. कल्पना	साहित्य	प्रो. के. सूर्यनारायण	22.02.2014
41.	रामकृष्ण भट्ट के.	व्याकरण	प्रो. जे. रामकृष्ण	24.02.2014
42.	आर. गीता	व्याकरण	प्रो. जे. रामकृष्ण	24.02.2014
43.	पी. ललिता	साहित्य	डा. के. राजगोपालन	02.03.2014
44.	महाबल राव एम.जी.	साहित्य	प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति	02.03.2014
45.	सौम्या एम.	अद्वैत वेदांत	डा. के. गणपतिभट्ट	03.03.2014
46.	बी.वी. लक्ष्मीनारायण	शिक्षाशास्त्र	प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा	27.03.2014
47.	के. रामानुजाचार्युलु	व्याकरण	प्रो. जे. रामकृष्ण	28.03.2014

इ-प्रकाशन

सन् 2013-14 में विद्यापीठ ने कई महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का प्रकाशन किया है, वे निम्न हैं -

	ग्रन्थ का नाम	लेखक / सम्पादक	प्रधान सम्पादक
1.	वाल्मीकि रामायण - सुंदर कांडा	प्रो. पी.एम. नायक प्रो. गीर्वाणी प्रो. आ.के. ठाकुर (प्रबंधन संपादक)	प्रो. एच.के. शतपथी
2.	वक्रोक्ति सिद्धांत दृष्ट्या उत्तर रामचिरतस्य अध्ययनम	डॉ. वी. सूर्यप्रभ	प्रो. एच.के. शतपथी

शेमुषी - विद्यापीठ वार्ता पत्रिका

विद्यापीठ में मासिक रूप में शेमुषी नामक से पत्रिका निकाला जाता हैं। इस वार्ता पत्रिका में विद्यापीठ के समस्त समाचारों को प्रकाशित किया जाता है और उसे भारत के समस्त विश्वविद्यालय एवं गण्यमान्य व्यक्तियों तक पहुंचाया जाता है। साहित्य विभाग के सह-आचार्य डा. के. राजगोपालन् इस शेमुषी के संपादक है।

विभागीय पत्रिकायों

1. शिक्षा विभाग - शिक्षालोक
2. साहित्य विभाग - रसधुनी

ई. प्रशिक्षण

अ. उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र -

उद्देश्य -

विद्यापीठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वित्तीय सहायता के साथ अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र शैक्षणिक वर्ष 2007-2008 से आरंभ किया गया था। ये अनुशिक्षण केंद्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अल्पसंख्यक श्रेणियों के लिए शिक्षण कक्षाओं का आयोजन करता है। अन्यश्रेणियों तथा जिसे शिक्षण की जरूरत होती है उन्हें भी कक्षाओं में भाग लेने की अनुमती दी जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के लिए अनुशिक्षण कक्षाएँ -

उपचारात्मक कोचिंग कक्षाओं को सितंबर 2013 को शुरू किया और मार्च 2014 को बंद कर दिया। कक्षाओं को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। वर्ष 2012-13 में उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र द्वारा पाठ्यक्रम की पूर्ती - उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र द्वारा सभी शास्त्रों - (1) आचार्य प्रथम वर्ष (2) आचार्य द्वितीय वर्ष (3) शास्त्री प्रथम वर्ष (4) शास्त्री द्वितीय वर्ष (5) शास्त्री तृतीय वर्ष (6) प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष (7) प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष और (8) शिक्षा शास्त्री (बी.एड) के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्याक श्रेणियों के छात्रों के लिए कक्षाएँ आयोजित किया गया। 333 छात्रों ने इस शिक्षा से लाभान्वित हुए। 51 शिक्षकों को शिक्षण हेतु नियुक्त किया गया। उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र ने पढने की सामग्री दिया तथा समय समय पर परिक्षाएँ रखते थे।

आ. शास्त्रवारिधी अल्पकालिक पाठ्यक्रम - ज्योतिष (5.7.2013 - 5.8.2013)

दिनांक 5.7.2013 से 5.8.2013 तक उत्कृष्टता केंद्र के तहत एक महीने के लिए ज्योतिष विभाग में अल्पकालिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रो. राधाकांत ठाकुर पाठठ्यक्रम के समन्वयक थे । कई गणमान्य विद्वान ज्योतिर्विज्ञान में विविध विषयों पर व्याख्यान दिए । प्रो. के.आर.एस. मेनोन समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे । प्रो. एच.के. शतपथी अध्यक्ष थे । समापन समारोह में कुलपति ने प्रतिभागी छात्रों को प्रमाणपत्र दिए ।

उ. संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ

अ. राष्ट्रीय संस्कृत जागरुकता कार्यक्रम -

दिनांक 27 और 28 जुलाई, 2013, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया गया ।

संस्कृत के महत्व, भारतीयसंस्कृति एवं नैतिक शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए दिनांक 27 और 28 जुलाई 2013, विद्यापीठ के परिसर मे केद्रीय विद्यालय शिक्षको केलिए द्विविवसीय राष्ट्रीय संस्कृत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहला अनुसूचित प्रस्तावित शिबिर कार्यक्रम है। पचास से अधिक शिक्षक, हैदराबाद क्षेत्र, आंध्र प्रदेश एवं एरनाकुल क्षेत्र, केरल के केंद्रीय विद्यालय तथा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति, इस शिबिर मे भाग लिए थे।

श्री डी. वेंकटेश्वर्लु, प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय 1. तिरुपति, कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक थे और डॉं.राणीसदाशिवमूर्ति, सह आचार्य साहित्य विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति कार्यक्रम के समन्वयक थे।

उद्घाटन समारोह -

उद्घाटन समारोह दिनांक 27 जुलाई 2013, 10.00 बजे राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के शेक्षणीक भवन के सेमिनार हॉल मे आयोजित किया गया था, शिबिर का आरंभ दिव्य वैदिक प्रार्थना एवं सरस्वति वंदना के साथ किया गया। महा महोपाध्याय प्रो.रव्वा श्री हरि, द्रविड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और तितिदे प्रकाशन के वर्तमान मुख्य संपादक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, माननीय कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ समारोह के अध्यक्ष थे। प्रो.के.आर.एस.मेनोन, विद्यापीठ के तत्कालीन कुलसचिव अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, ने शिबिर के उद्देश्यों का विवरण सविस्तार दिया था डॉ. राणी सदाशिव मूर्ति, कार्यक्रम समन्वयक ने इस द्विदिवसीय शिबिर कार्यक्रम का सत्र वार विवरण दिया या। मुख्य अतिथि संदेश -

अध्यक्षीय भाषण-

प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, माननीय कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने अपने अध्यक्षीय भाषण मे वर्तमान स्थिति मे संस्कृत सीखने की आवश्यकता पर बलदिया। आरंभ में उन्होने विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के शिक्षको के लिए आयोजित संस्कृत जागरूकता शिबिरो का आयोजन का महान कार्य राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ को सौपने के प्रति मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति तहेदिल से आभार व्यक्त किया। इस संदर्भ मे उन्होने कहा कि शिक्षक ही जो समाज को एक साँचे मे ढालकर उसका उत्थान कर सकता है। एक उचित तरीके से बनाने के क्रममें एक उचित माध्यम की आवश्यकता होती है। उसके अनुसार संस्कृत सबसे उपयुक्त माध्यम है। भारतीय संस्कृति की उत्पत्ति, मूल्य आधारित शिक्षा की उत्पत्ति और मानव जीवन के सभी महान सिद्धांतो की उत्पत्ति संस्कृत है। भारतीय धर्म की उत्पत्ति भी संस्कृत है। धर्म जीवन की तरह है और यह सब सांप्रदायिक मतभेदों से परे मानवीय आचार संहिता है। धार्मिक जीवन व्यतीत करने के लिएह्न संस्कृत सीखना बहुत अच्छा है। हमारे दैनंदिन जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमे तीन महान पुरुष बुद्धा, आदिशंकरा और स्वामी विवेकानंदा द्वारा बताये गए करुणा, ज्ञान और कर्म मार्ग को अपनाना है। ये तीनो सभी व्यक्तियां की शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक विकास और पूरे समाज के स्वस्थ वातावरण के लिएह्न आवश्यक है। यह सच है कि संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो सब कुछ प्राप्त करने मे मदद कर सकता है। कुलपति के इस अत्यधिक प्रभावात्मक भाषण प्रतिभागियों पर सकारात्मक छाप छोड दिया है।

श्री वी.एस.प्रसाद, केंद्रीय विद्यालय 1, द्वारा दी गई धन्यवाद भाषण के साथ उद्घाटन सत्र समाप्त हो गया था। उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न शैक्षणिक सत्र जारी रखा गया। वे इस प्रकार है -

प्रारंभिक सत्र - इस सत्र मे डॉ. रानी सदाशिवमूर्ति, कार्यक्रम समन्वयक ने शिबिरके प्रतिभागियों को आधुनिक युग मे संस्कृत की संरक्षण व्यारतीय संस्कृति में, भारतीय भाषाओ, भारतीय वैज्ञानिक धरोहर और नैतिक सिद्धांतो के भारतीय तरीके की सोच पर बल दिया।

संस्कृत के पहलुओं - डाँ.वी.वी.जड्डीपाल, अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग, के प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने संस्कृत के पहलुओं पर एक उत्तेजक पावर पाइट प्रस्तुति दी।

संस्कृत प्रश्नोत्तरी - डाँ.सी.रंगनाथन, सह आचार्य, साहित्य विभाग ने प्रतिभागियों केलिए संस्कृत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया था।

रस संध्या - यह पहले दिन की अंतिम घटना है जिसमे विविध क्षेत्रों के प्रतिभागियो ने विभिन्न प्रकार के अत्यंत मधुर संस्कृत गीत गाये थे।

योग और तनाव प्रबंधन :- राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के योग मंदिर में प्रातः काल 6.00 बजे से 8.00 बजे तक योग अभ्यास और तनाव प्रबंधन का सत्र प्रतिभागियों के लिए डा. ए. राजेंद्ररेड्डी और डा. डी. ज्योति द्वारा लिया गया था ।

समकालीन समाज में संस्कृ की प्रासंगिकता :-

सिर्फ भारत के किसी भी क्षेत्र के लिए संस्कृत सीमित नहीं हैं । यह मानव समाज के लिए प्रासंगिक है । इसके अलावा संस्कृत क्षेत्रीय भाषाई मतभेदों से परे सभी भारतीयों को एकत्रित करने का महान आंतरिक शक्ति रखती है ।

यह सभी क्षेत्रीय भाषाओं को मजबूत बना सकती है । यह अन्य सभी आधुनिक धाराओं में उनके मुख्य विषय के रूप में संस्कृत अध्ययन करनेवाले सभी लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने में बराबर क्षमता रखती है । यहाँ तक कि भारतीय संस्कृति हमेशा इस भाषा से प्रभावित है । इसके साथ अंतःक्रियात्मक सत्र का आयोजन साहित्य विभाग के सह आचार्य डा. सत्यनारायण आचार्य द्वारा किया गया ।

संस्कृत विज्ञान और प्रौद्योगिकी :- प्राचीन संस्कृत साहित्य में विभिन्न विज्ञान से संबंधित कई स्वतंत्र ग्रंथ पाये जाते हैं । क्षेत्रों के सभी शाखाओं के संग्रह जैसे गणित, खगोल विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, ध्वनिकी, पर्यावरण अध्ययन, फोनेटिक्स, जेमोलॉजी, चिकित्सा, मौसमविज्ञान वास्तुकला आदि इसमें शामिल किए गये हैं ।

प्रो. जी.एस.आर.कृष्णमूति, साहित्य विभागाध्यक्ष ने प्राचीन भारतीय विद्या के ऐसे सभी वैज्ञानिक शाखाओं से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं का एक आकर्षक प्रस्तुति दी ।

संस्कृत एवं व्यक्तित्व विकास और प्राचीन भारतीय प्रबंधन कौशल :-

इस सत्र में डा. राणी सदाशिवमूर्ति ने व्यक्तित्वविकास के विभिन्न साहित्यिक स्रोतों और प्राचीन भारतीय प्रबंधन कौशल जो वेदो के रूप में पाये गये पुराणों, महाकाव्य, काव्य और अन्य साहित्यिक स्रोतों पर एक पवर पाइंट प्रस्तुति दी । उनका व्याख्यान स्व प्रबंधन, कार्य प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, संचारकौशल प्रत्यायोजन शक्तियों से संबंधित था ।

कुलपति तथा अन्य अतिथियों का समापन संदेश :-

माननीय कुलपति ने समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों से चाहे वे किसी भी विषय से संबंधित हो उन्हें अपने जीवन में संस्कृत को आमंत्रित करने का बहुत मूल्यवान संदेश दिया था । यह भारतीय संस्कृति की उत्थान, मूल्य आधारित शिक्षा को प्रोत्साहन, भविष्य में छात्र पीढियों को बेहतर जीवन प्रदान करने, तथा और भी प्रभावात्मक क्षेत्रीय भाषाओं के स्वयं भाषाई कौशलों द्वारा एक सुधारात्मक संस्कृत ज्ञान देने की उद्देश्य से किया गया है । अतः उन्हें लगता है कि भारतीय समाज सुसंस्कृत वातावरण का शुभ सार्वभौमिक भाइचारे का रास्ता देख रहा है । उन्होंने यह शिबिर का अंत नहीं बल्कि सभी के जीवन का शुभारंभ तथा जीवन पर्यं त आत्मसात, अहसास, अभ्यास और संचारण प्रक्रिया द्वारा संस्कृत के माध्यम से सही इंसान बनने की बात पर बल दिया ।

रुद्रय्या, केवी 1, तिरुपति के प्रभारी प्रधानाचार्य ने भारतीय संस्कृति की रक्षा हेतु, हमें संस्कृत सीखने और संस्कृत की संरक्षण पर बल दिया । उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को प्राथमिक स्तर से संस्कृत को नियमित विषय बनाने का शपथ लेने के लिए कहा ।

प्रो. के. आर.एस. मेनान, तत्कालीन कुलसचिव ने भारतीय संस्कृति को उपयोग कर फेंकने की संस्कृति नहीं माना बल्कि प्रयोग कर बढ़ाने की संस्कृति माना । मध्य युग में संस्कृत साहित्य के अधिकांश भागों को गलत समझा। इसलिए उन्होंने उनभागों को पुनः एक बार पढ़कर सही ढंग से भावी पीठी को प्रेषित करने की सुझाव दिया । आधुनिक शिक्षा तीन, आर एस - जरूरतों पर बल देता है वह है - पठन (Reading), लेखन (Writing) और गणित (Arithmetic) । संस्कृत शिक्षा और चार आर एस यानी की अधिकार, उत्तरदायित्व, संबंध और मनोरंजन के बिना

मानव जीवन व्यर्थ है ।

प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख ने आधुनिक शिक्षा को सभी समस्याओं का श्रोत तथा मानवीय रिश्तों का बाधक तत्व माना । एक आधुनिक शिक्षित व्यक्ति अपने माता पिता का आदर नहीं करता, जब कि संस्कृत शिक्षा मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाता है । यह शिक्षा सभी मानव समस्याओं का हल करता है ।

श्रीमती पी. विजयराजेश्वरी, केवी 2, वायुसेना अकादमी, हैदराबाद ने विद्यापीठ के निर्मल परिसर में छाये हुए शांति पूर्ण वातावरण को देखकर उन्हें गुरुकुल प्रणाली का स्मरण आ गया जहाँ संस्कृत का ज्ञान दिया जाता था। इसलिए उन्हें विद्यापीठ को ''आधुनिक गुरुकुलम'' संज्ञा से वर्णन करना सब से उपयुक्त लगता है ।

वी. श्रीकृष्ण, पीआरटी, तिरुमलगिरि - इस शिबिर के माध्यम से उन्होंने हमारी भारतीय संस्कृति और मूल्यों को सीखने तथा संस्कृत सीखने की आवश्यकता को समझाने की प्रयास किया । वर्तमान में जर्मन के केंद्रीय विद्यालयों में संस्कृत को वैकल्पिक विषय बनाया है । उन्होंने कहा कि संस्कृत को नियमित भाषा बनना है, न कि एक विदेशी भाषा की जर्मन के जैसे वैकल्पिक।

इशांत नीरद, पीआरटी (संगीत) एर्नाकुलम-

संस्कृत सीखना आज की आवश्यकता है । संस्कृत हमारी भारतीय संस्कृति का आधार है । हमारी संस्कृति दुनिया के सभी संस्कृतियों से महान है । संस्कृत हमें एक नई दिशा देता है । संस्कृत हमारी सभी समस्याओं का महत्वपूर्ण समाधान है ।

आ. ''नीलाचल और सिंहाचल का एक तुलनात्मक अध्ययन - शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के परिसर में 2 और 3 सितंबर 2013को योगमंदिरम में उत्कल पीठ द्वारा ''नीलाचल और सिंहाचल का एक तुलनात्मक अध्ययन - शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन किया गया था । डा. राधागोविंद त्रिपाठी और डा. ज्ञान रंजन पंडा संगोष्ठी के समन्वयक तथा सह समन्वयक थे ।

उद्घाटन सत्र :-

दिनांक 2.11.2013 10 बजे प्रशासनिक भवन के सभागार में उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया । यह विद्यापीठ के वेद पंडितों द्वारा किए गए वैदिकी प्रार्थना के साथ आरंभ किया गया । इस अवसर पर श्री श्री श्री बाबा सच्चिदानंद दास स्वामीजी महाराज, श्री जगन्नाथ चेतना गवेषण प्रतिष्ठानम्, पुरी के अध्यक्ष मुख्य अतिथी राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति तथा समारोह की अध्यक्षता की । तीस से अधिक विद्वानों ने संगोष्ठी में भाग लेकर अपना शोध पत्र श्री नीलाचल,

सिंहाचल और शेषाचल क्षेत्र पर प्रस्तुत किया । डा. सत्यनारायण आचार्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा डा. ज्ञानरंजन पण्डा धन्यवाद भाषण अर्पित किया था । डा. राधागोविंद त्रिपाठी उद्घाटन सत्र के संयोजक थे ।

संगोष्ठी की सत्रवार विवरण - दिनांक 2.9.2013 :-

पहला सत्र - 10.00 (उद्घाटन) दूसरा सत्र सुबह - 11.30 बजे से दुपहर 1.00 बजे

श्री रवींद्रनाथ प्रतिहारी - सत्र के अध्यक्ष : डा. निरंजन मिश्र सत्र के समन्वयक

प्रपत्र प्रस्तुतकर्ता -

श्री असिट महंती, श्री बाबा एस.दास स्वामीजी महाराज, अध्यापक सुनील रथ, श्रीरामचंद्र दास महापात्र, श्रीमती श्रद्धांजली कानूनगो, श्री रवींद्रनाथ पतिहारी ।

तीसरा सत्र : दुपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे

प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूति - सत्र के अध्यक्ष

डा. सी. रंगनाथन - सत्र के समन्वयक

प्रपत्र प्रस्तुतकर्ता -

प्रो. सी. ललिताराणी, डा. आर.सदाशिवमूर्ति, डा. के. राजगोपालन, डा. सितांशु भूषण पंडा, डा. सोमनाथ दास, डा. सुधांशु शेखर महापात्र, डा. निरंजन मिश्र, डा. परामिता पण्डा, डा. श्वेतापद्मा शतपथी, डा. जे.बी. चक्रवर्ती, डा. भरत भूषण रथ, डा. तपन कुमार घडाई, डा. प्रदीप कुमार बाघ, श्री संतोष माझी ।

दिनांक - 03.09.2013 - चौथा सत्र - सुबह 10.00 बजे से सुबह 11.30 बजे.

डा. नरेश चंद्र दास - सत्र के अध्यक्ष, डा. अजय कुमार नंदा - सत्र के समन्वयक ।

प्रपत्र प्रस्तुतकर्ता -

श्री सूर्यनारायण महापात्र, ई.आर. बलदेव सिंहरी, श्री पूर्णचंद्र गोच्चीकर, श्री हरेकृष्ण प्रतिहारी, डा. नरेश चंद्र दास पाँचवे सत्र - सुबह 11.30 बजे से 01.00 बजे

डा. सत्यनारायण आचार्य - सत्र के अध्यक्ष, डा. भरत भूषण रथ - सत्र के समन्वयक ।

प्रपत्र प्रस्तुतकर्ता -

डा. सुरेंद्र कुमार मिश्र, डा. सिद्धेश्वर महापात्र, डा. कन्हूचरण पंडा, श्री संतोष कुमार पात्र, डा. करुणाकर प्रधान, श्री बिस्वजीत सेनापति, महंता श्री रामकृष्ण दास ।

छठवाँ सत्र - दुपहर - 02.30 पजे से शाम 04.00 बजे तक ।

डा. राणी सदाशिव मूर्ति - सत्र के अध्यक्ष, डा. श्वेत पद्मा शतपथी, सत्र की समन्वयिकाय ।

प्रपत्र प्रस्तुतकर्ता -

डा. सत्यनारायण आचार्य, डा. राधागोविंद त्रिपाठी, डा. रूरू कुमार महापात्र, डा. ज्ञानरंजन पण्डा, डा. जय प्रकाश, डा. दिलीप कुमार मिश्र, डा. अजय कुमार नंदा, के. लीना चंद्रा, डा. संतोष आचार्य, डा. विद्याधर

हरिचंदन, श्री प्रसन्न कुमार पण्डा, डा. राजश्री पाड़ी ।

नीलाचलसिंहाचलयोः ऐतिहासिकपृष्ठभूमिः, सिंहाचलमन्दिरस्य मूर्त्तितत्त्वम्, सिंहाचलमन्दिरस्य कला-स्थापत्य-भास्कर्याणि, नीलाचलसिंहाचलयोः नृसिंहोपासना, नीलाचलसिंहाचलोपासनायां श्रीरामानुजः, नीलाचलस्य शास्त्रीय-भित्तिभूमिः, सिंहाचलमन्दिरे सेवा सेवकाश्च, सिंहाचलमन्दिरे दैनिकनीतिः, सिंहाचले ओडिआ-शिलालेखः, सिंहाचलमन्दिरे उत्सवाः, सिंहाचलमन्दिरम् उत्कलीय-राजवंशाश्च, सिंहाचल-नीलाचलोपासनायां वैचित्र्यम्, सिंहाचलमन्दिरस्य शास्त्रीयभित्तिः, माहारी-सानिसम्प्रदाययोः तुलनात्मकमध्ययनम्, सिंहाचलमन्दिरं प्रति श्रीनरहरितीर्थस्य अवदानम्, नीलाचलस्य रथोत्सवः शेषाचलस्य ब्रह्मोत्सवश्च, शेषाचलस्य प्रशासनिकव्यवस्था, शेषाचलमन्दिरे रीति-नीति-उत्सवाः, शेषाचलमन्दिरस्य कला स्थापत्यञ्च, शेषाचले वैष्णवोपासना, नीलमाधवः वेङ्कटेशश्च हमारे देश के विभिन्न स्थानों से आए हुए विद्वानों ने कुछ विषयों पर तुलनात्मक विचार विमर्श तथा वाद विवाद किया था ।

समापन सत्र :

समापन सत्र का आयोजन दिनांक 03.09.2013 दोपहार में आयोजित किया गया और इस सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगन्नाथ चेतना प्रतिष्ठान, पुरी के महासचिव श्री रवीन्द्र प्रतिहरी ने भाग लिया और दर्शकों के लिए बहुमूल्य संदेश दिया । इस समारोह के अध्यक्ष के रूप में प्रो. हरेकृष्ण शतपथी रहकर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए । उडीसा चैयर के अतिरिक्त संयोजक डा. ज्ञानरंजन पंडा ने समारोह का आयोजन किया तथा डा. राधागोविंद त्रिपाठी द्वारा धन्यवाद समर्पण किया गया ।

इ. 'आधुनिक भारत में विवेकानंद के युग' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी -

'आधुनिक भारत में विवेकानंद के युग' पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 23 और 24 दिसंबर 2013 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के परिसर में प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु और ऋषि को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए - श्री स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के सुअवसर पर आयोजन किया गया था । डा. राणी सदाशिव मूर्ति संगोष्ठी के संजोयक थे ।

सुबह 10.00 बजे दिसंबर 23 को आयोजित उद्घाटन सत्र में रामकृष्ण मठ, कड़पा के श्री श्री अचितानंद स्वामी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थे । रामकृष्ण समिति, तिरुपति के अध्यक्ष प्रो. पी.वी. रेड्डी ने गौरव अतिथि का स्थान ग्रहण किया राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी इस समारोह के अध्यक्ष थे। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शैक्षिक संकाय प्रमुख, प्रो. राधाकान्त ठाकुर ने अतिथियों का स्वागत किया।

देश के विभिन्न कोनों से 50 से अधिक विद्यानों ने भाग लिया और स्वामी विवेकानंद के जीवन इतिहास और

दर्शन पर अपने लेख प्रस्तुत किए और ''विवेकानंद के अमूल्य उपदेशों के माध्यम से युवा के राष्ट्रीय चरित्र'' पर प्रकाश डाला । भारतीय सनातन धर्म, विभिन्न व्यक्तिगत और सामाजिक आत्मज्ञान के पहलुओं, विश्वबन्धुत्व, वैश्विक कल्याण आदि विषयों पर विचार किया गया । उद्घाटन और समापन सत्र को मिलाकर इस समारोह को कुल आठ सत्रों में विभाजित किया गया ।

समापन सत्र राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, शैक्षिक भवन के कमरा नं 116 में 4.30 बजे मंगलवार 24.12.2013 को आयोजित किया गया था । श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति - राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रो. आलेख चन्द्र सारंगी, चिन्मय मिशन, कड़पा के अध्यक्ष श्री श्री श्री शौनक चैतन्यजी, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व औप संस्थापक कुलपति प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, क्रमशः सम्मान मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि एवं अतिथि के रूप में विराजमान थे । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी समारोह की अध्यक्षता की और डा. सत्यनारायण आचार्य समारोह के संयोजक थे ।

ई. अंग्रेजी और संस्कृत के कथा साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी -

अंग्रेजी और संस्कृत के कथा साहित्य पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 3 और 4 सितंबर 2013 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था । इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से लगभग 50 विद्वानों ने भाग लिया ।

3 सितंबर 2013, सुबह 10.00 बजे को संबलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर प्रो. ए.सी. शुक्ला (अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य) के भाषण के द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया और उन्होंने मुख्य अतिथि का स्थान ग्रहण किया । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रोफेसर हरेकृष्ण शतपथी की अध्यक्षता में समस्त कार्यक्रम का संचालन हुआ । संगोष्ठी का आरंभ प्रो. ए.सी. शुक्ला के मुख्य भाषण के साथ हुआ । प्रो. शुक्ला ने केवल कथा की परिभाषा और 20 वीं. और 21 वी. सदी में विभिन्न स्कूलों में प्रचलित कथा साहित्य और अरस्तू के समय और इसके बाद कथा साहित्य आदि पर प्रकाश डाला । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के प्रभारी कुलसचिव, प्रो. राधाकान्त ठाकूर ने बाणभट्ट की कादम्बरी को प्रथम उपन्यास कहकर दर्शकों को उस ओर आकृष्ट किया । विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी ने संस्कृत साहित्य के साथ - साथ भारत के चारों क्षेत्रों के लिए विशेष शैलियों की विविधता में विद्यमान आख्यान के प्रकारों पर प्रकाश डाला ।

आख्यानकार 'क्या कहते हैं' यही नहीं कैसे कहते हैं आदि विषयों पर भी उन्होंने विश्लेषण किया । कार्यक्रम के पहले, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. वी. सुजाता ने सभा का स्वागत किया और डा. आर. दीप्ता संगोष्ठी की संयोजिका ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया ।

उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम आरंभिक सत्र में प्रो. वी. रंगन, अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य

नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य संबंधी सिद्धान्त किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं और ये हमारे लिए किस तरह आवश्यक हैं । हमारी (भारतीय) संस्कृत परंपरा को पहचानते हुए पश्चिमी परंपरा से सामंजस्य करना । अगले वक्ता के रूप में प्रो. विश्वनाथ राव, आन्ध्र विश्वविद्यालय के पूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष ने पूर्व और पश्चिमी महाकाव्यों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया। इन सब वक्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार - विमर्श किया गया ।

दोपहर के सत्र में प्रो. टी. भारती अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में 11 लेख प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किये गये । इन 11 प्रपत्रों पर वरिष्ठ आचार्यों द्वारा विचार - विमर्श एवं सूचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किये गये हैं ।

संगोष्ठीं के दूसरे दिन अर्थात् 4 सितंबर 2013 को प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति, साहित्य विभाग के प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और प्रो. वाई. सोमलता अंग्रेजी के प्रोफेसर स्नातकोत्तर केन्द्र, काकिनाडा, आन्ध्रविश्वविद्यालय की अध्यक्षता में दो समानंतर सत्र प्रपत्र पढने के लिए शुरू हुए । इन दो सत्रों में 22 प्रपत्र प्रस्तुत किये गये थे । यह प्रो. वी. रंगन की अध्यक्षता में दूसरा पूर्ण अधिवेशन के द्वारा किया गया । इस सत्र में प्रो. वी. जयसिंह, अंग्रेजी के प्रोफेसर, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य एस.सी.एस. कालेज, पुरी ने संस्कृत फिल्म साहित्य और आदिशंकराचार्य आदि विषयों पर चर्चा की थी । प्रो. वाई. सोमलता ने लिखने की प्रक्रिया पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया । प्रो. एस. रेवती, संस्कृत के आचार्य, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई ने वेदकाल से लेकर वर्तमान तक के विभिन्न प्रकार के संस्कृत कथाकारों पर प्रकाश डाला प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति ने विशाखदत्त द्वारा रचित प्रसिद्ध नाटक 'मुद्राराक्षस' पर विश्लेषण किया । दोपहर के सत्र में 11 प्रपत्र प्रस्तुत किये गये और प्रो. वी. जयसिंह इस सत्र के अध्यक्ष थे । इस सत्र के समस्त प्रपत्रों का प्रस्तुतीकरण बौद्धिक विचारों के साथ हुआ ।

संगोष्ठी का समापन सत्र 4.30 बजे प्रो. गंगाधर मिश्र, निदेशक, उच्चशिक्षा, उडीसा, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थे । विद्यापीठ के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी समारोह के अध्यक्ष थे । प्रो. मिश्र ने अपने भाषण में यह बताया कि कथा विश्लेषण में सिद्धान्तों की आवश्यकता है या नहीं । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी ने अपने अध्यक्षीय भाषण द्वारा विद्वानों और प्रपत्र वाचकों को आकृष्ट किया और उनकी प्रतिभा की प्रशंसा की थी । श्री के. बद्रीनाथ, शोधार्थी द्वारा विद्वानों, प्रपत्रवाचकों और अंग्रेजी विभाग की ओर से संगोष्ठी में जितने भी शामिल थे, उन सभी को धन्यवाद समर्पित किया गया ।

उ. ''अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषियों की सम्मेलन - राष्ट्र के निर्माण में संस्कृत महिला विदूषियों की भूमिका'' 07.03.2014 और 08.03.2014 :-

सम्मेलन के उद्देश्य :

संस्कृत साहित्य, वेद, वेदांग, धर्मशास्त्र, सृति, पुराण, महाकाव्य, खंडकाव्य, गद्यकाव्य, रूपक इत्यादि से ओतप्रोत है । महिलाओं को ''संस्कृत साहित्य में सामाजिक नींव और हमारी संस्कृति के संरक्षक के रूप में चित्रित किया गया है । वेदों में भी अपाल, गर्गी के रूप में महिलाओं को महत्त्वपूर्ण स्थान मिलता है । समाज में भी उनको उच्च स्थान मिलता है । धर्मशास्त्रों में भी महिलों पर प्रकाश डाला गया तथा रामायण एवं महाभारत में चित्रित सीता,

द्रौपदी और अन्य स्त्रियाँ समस्त पीढियों के लिए आदर्श और अनुकरणीय महिलाओं के रूप में विद्यमान है । वे सच्चाई, सहिष्णुता और शुद्धता एवं अन्य महान गुण अथवा मूल्यों के प्रतीक हैं । महाकाव्य, खंडकाव्य और नाटक भी इनके ऊपर निर्भर हैं । शकुन्तला, पार्वती, दमयंती, सुदक्षिणा आदि भी आदर्श महिलाओं में शामिल हैं ।

सामाजिक लक्ष्य के मार्ग में पुरुषों को ही नहीं महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान है । संस्कृत साहित्य जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं और उनके बहु आयामी व्यक्तित्व की भूमिका पर बल देता है । ''अखिल भारतीय संस्कृत महिला विद्वानों का सम्मेलन'' के उद्देश्य है कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की भूमिका का निर्धारण और वे समाज को किस तरह प्रभावशाली बनाता है, उसका उजागर करना है ।

प्राचीन संस्कृत साहित्य में महिलाओं को भारतीय समाज मैं जो सम्मानित स्थान दिया गया है उस से भारतीय परंपरा को दर्शाता है । भारतीय संस्कृति में महिला को देवी, सरस्वती/ लक्ष्मी के रूप में स्वीकार किया जाता है । जहाँ पश्चिमी संस्कृति के विपरीत, महिला पूजा के साथ व्यवहार और हमारी परंपरा के अनुसार समस्थ शक्तियों के साथ संपन्न होती है । इस प्रकार यह सम्मेलन का विषय समकालीन समय के लिए प्रासंगिक विषय धारण करने के लिए उपयुक्त था ।

राष्ट्र के निर्माण में महिला संस्कृत विद्वानों की भूमिका :

उद्घाटन :

07.03.2014 को आयोजित स्ममेलन का उद्घाटन समारोह प्रो. पी. गीरवाणी, पूर्व कुलपति, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा उद्घाटित किया गया । श्रीमती डा. जयन्ती मनोहर, वैदिक साहित्य में प्रसिद्ध विद्वान, अमृतवाहिनी के प्रबन्ध न्यासी (ट्रस्टी) ने सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया । डा. जयंती मनोहर ने वेदों में कही गयी गर्गी, अत्रि महिलाओं के माध्यम से संस्कृत साहित्य में महिला विद्वानों की भूमिका और उसके द्वारा राष्ट के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रो. हरेकृष्ण शतपथी जी की अध्यक्षता में समस्त कार्यक्रम का संचालन हुआ ।

03.03.2014 को समापन सत्र का आयोजन किया गया । प्रो. ललिता राणी, साहित्य विभाग के प्रोफेसर और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समन्वयक, विशेष सहायता कार्यक्रम सम्मेलन के संयोजिका के रूप में थी और उनके प्रयासों द्वारा सफलता के लिए प्रयास किया गया ।

II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ

(अ) वाग्वर्धिनी परिषद्

वाग्वधिनी परिषद् विद्यापीठ का एक पाठ्य सहगामी गतिविधि है जो छात्रो को संगोष्ठियाँ, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि मे भाग लेने की अनुमति देता है। शैक्षिक सत्र 2013-14, विद्यापीठ परिसर के इंडोर स्टेडियम मे 24-07-2013 शाम 4.00 बजे सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया। प्रो.एच.के.शतपथी, कुलपति, मुख्य अतिथि और प्रो राधाकांत ठाकुर, शैक्षिकशंकाय प्रमुख, अध्यक्ष थे। डाँ.सी.रंगनाथन और डाँ. भरत भूषणरथ परिषद के समन्वयक और सह-समन्वयक तै, जिन्होंने संयुक्त रूप से समारोह का संयोजन किया था।

इस साल वाग्वर्धिनी परिषद् ने 15 साप्ताहिक प्रतियोगिता सत्रों का आयोजन सफलतापूर्वक किया और छात्रों मे संस्कृत बोलने की क्षमता को विकसित करने केलिए विशेष टिप्स बताये गए।

विद्यापीठ के छात्रों ने पूरे भारत में 10 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार और पदक प्राप्त किए।

विद्यापीठ के छात्रों ने निम्नलिखित प्रतियोगिता ओ मे भागलिया -

1. अखिल भारतीय प्रतियोगिता, लालबहादुर शास्त्री विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के श्लोकन्त्याक्षरी मे तृतीय पुरस्कार।
2. इस्काँन, तिरुपति, जिल स्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थाना।
3. पुरी, उडीसा के जय उत्सव मे तृतीय स्थान।
4. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की राज् स्तरीय प्रतियोगिता तिरुपति मे प्रथम स्थान।
5. कलिदास समारोह, विक्रमविश्वविद्यालय, उज्जैन में प्रथम स्थाना।
6. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विस्वविद्यालय, युवामहोत्सव, तिरुपति मे द्वितीय स्थान।
7. शास्त्रार्थसभा, त्रिपुनान्तर, केरल में द्वितीय स्थान।
8. वर्धा शिक्षा मंडल प्रतियोगिता में भाग लिया।
9. व्यास वारणासी महात्सव मे, प्रथम स्थान।
10. भोपाल परिसर के राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, अखिल भारतीय शास्त्रार्थ स्पर्धा मे छठा स्थान।

आयोजित कार्यक्रम-

वाग्वर्धिनी परिषद् ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 52 आखिल भारतीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का

आयोजन 15 तथा 16 दिसंबर 2013 को आयोजित किया था। पूरे साहस के साथ 8 वी अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव का आयोजन 22 से 25 जनवरी, 2014 किया गया था। विद्यापीठ की वार्षिक साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया था।

52 वे अखिल भारतीय राज्य स्तरीय छात्रों के शास्त्र भाषण प्रतियोगिता -

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने अपने इतिहास मे पहली बार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 52 वें अखिल भारतीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयो जन किया। यह सफलतापूर्वक राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति मे 15 और 16 दिसंबर 2013 को आयोजित किया गया था। आंध्र प्रदेश के विभिन्न प्रांतों के चार संस्थाओ ने इस कार्यक्रम मे भाग लिया था। विद्यापीठ के छात्रो को प्रतियोगिता ओ मे अधिक से अधिक स्थान प्राप्त हुए थे।

माननीय कुलपति प्रो.एच.के शतपथी ने पवित्र दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया। उत्होने अपने बीज भाषण शास्त्र महत्व संबंधित कौशलो तथा तकनीको पर जोर दिया। उन्होने छात्रो को तनीकी पहलुओ द्वारा केई शास्त्रिक विषय पर विशेष रूप से बोलने को प्रेरित किया। कुलसचिव प्रो. आर. के ठाकुर को सम्माननीय अतिथि के रूप मे आमत्रित किया गया था।

प्रो.जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति सत्र की अध्यक्षता किया था। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ.सी.रंगनाथन, वाग्वर्धिनी परिषद के समन्वयक थे। धन्यवाद भाषण डॉ भरतभूषण रथ, वाग्वर्धिनी परिषद के सह समन्वयक द्वारा दिया गया। आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु के विभिन्न प्रातो से निर्णायको को आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागी संस्थान-

1. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति
2. एस.वी.वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति
3. सुरा भारती सेवापीठ्म, कडपा
4. सुरा भारती सेवापीठ्म, मैदकूर

लगभग 35 से 40 प्रतिभागियों ने बहुत ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम मे भाग लिए थे। इस प्रतियोगिता मे 21 घटनाओं आयोजित की गई थी। छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने इस प्रतियोगिता मे 19 से अधिक पुरस्कार प्राप्त किए थे।

समापन सत्र - संस्कृत विद्वान दुनिया के चार गणमान्य व्यक्तियों के साथ मनाया गया । इन में प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, प्रो. एस.सी. सारंगी, पूर्वकुलपति, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर, सुखदेव भोई, संकाय प्रमुख, साहित्य विभाग, लालबहदुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली थे । पुरस्कार और प्रमाण पत्र विजेताओं और प्रतिभागियों के लिए प्रस्तुत किए गए ।

(आ) मैक्स मुलर क्लब

मैक्स मुलर क्लब जो अंग्रेजी विभाग के अध्यापकों के मार्गदर्शन में संस्कृत छात्रों में संगठना कौशल प्रदान करने के साथ साथ, भाषाई कौशल में सुधार लाने की एक स्वेच्छिक संगठन है । उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति करने की प्रयोजन से किया गया । शैक्षिक वर्ष 2013-14 में 8 सत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया । क्लब का उद्घाटन दिनांक 15 नवंबर 2014, विद्यापीठ के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी द्वारा किया गया । उन्होंने अपने

भाषण में अंग्रेजी सीखने के फायदों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए छात्रों को अंग्रेजी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया ।

इस शैक्षिकवर्ष में काफी देर से क्लब का आरंभ करने पर भी बहुत ही उत्साह के साथ अगले ही दिन अपने साप्ताहिक गतिविधियों को शुरू कर दिया अर्थात 16.11.2013 'एक क्षण के लिए बोलो' गतिविधि का आयोजन की गई थी । डा. भरत भूषण रथ, सहायक प्रोफेसर, साहित्य विभाग निर्णायक के रूप में आये थे । शास्त्री तृतीय वर्ष के किरण ए. भट्ट और इमेजिन महाराणा संचालक थे ।

23 नवंबर 2013, दूसरे सत्र प्राकशास्त्री के लिए ''मेरे स्कूल के दिनों'' शास्त्री और आचार्य स्तर के लिए ''हीरो सचिन'', तथा ''विफलताओं सफलता के लिए कदम हैं'' विषयों पर भाषण प्रतियोगिता को आयोजित किया गया था । डॉ. प्रताप पोतन, अंग्रेजी के अतिथि व्याख्याता निर्णायक थे । साई संतोष और नागसत्य श्री संचालक थे ।

30 नवंबर 2013, आयोजित क्लब का तीसरा सत्र निबंध लेखन प्रतियोगिता था । प्राकशास्त्री के लिए ''पर्यावरण बचाव'', शास्त्री तथा आचार्य के लिए 'क्षेत्रीय पार्टियों की बाढ-भारत की एकता के लिए खतरा'' विषय दिए गये । अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर वी. सुजाता निर्णायिक के रूप पधारी थी । जब की शास्त्री तृतीय वर्ष की माधुरी कामेश्वरी संचालिका थी ।

क्लब द्वारा 14 दिसंबर 2013 को आयोजित चौथे सत्र के दो बहुत ही रोचक प्रतियोगिताएँ थी । प्राकशास्त्री स्तर के लिए ''कहानी सुनना'' संचार कौशल में प्रतिस्पर्धा थी । शोध छात्रा आरती शर्मा, आचार्य छात्रा वैष्णवी तथा श्रवणा राजन प्रतियोगिता के न्याय निर्णेता थे । शास्त्री तृतीय वर्ष के इमेजिन महाराणा और समिरण दास संचालक थे।

21.12.2013 को आयोजित पाँचवें सत्र एक अद्वितीय गतिविधी थी । चार्लस डिकेंस के उपन्यास पर आधारित फिल्म, बीबीसी प्रोडक्शन ''ओलिवर ट्विस्ट'' दिखाई गई । तदुपरांत प्रतिभागियों को फिल्म पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखने के लिए कहा गया । सर्वश्रेष्ठ लेख को पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया । माधुरी कामेश्वरी और दिनेश शर्मा सत्र के संचालक थे ।

क्लब का छठा सत्र, 15 फरवरी 2014 को आयोजित किया गया था । उस में निम्न लिखित प्रतियोगितायें थी । प्राकशास्त्री छात्रों के लिए शब्दावली खेल, शास्त्री और आचार्य स्तर के लिए 'आजादी के बाद भारत स्थायी रूप से कुछ हासिल भी किया है' विषय पर वादविवाद आयोजित किया गया । छात्र उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा में भाग लिए थे । डा. चंदूलाल, गणित के सहायक आचार्य सत्र के निर्णायक थे । साई संतोष और माधुरी कामेश्वरी संचालक थे ।

22.2.2014 आयोजित सातवाँ सत्र में सभी छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता था । कंप्यूटर विभाग के श्री वी. सेतुराम, निर्णायक थे । डी.टी.वी. सीताराम और कमेलिआ गुहा संचालक थे ।

आठवाँ सत्र, 27 फरवरी, 2014 को आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया । यह सभी स्तरों के लिए था । रामचंद्रन स्मृति और सुरेश संचालक थे । डा. कल्याण शास्त्री, सहायक आचार्य, शाब्दबोधा निर्णायक थे।

शैक्षिक वर्ष 2013-14 मैक्समुलर अंग्रेजी क्लब का समापन समारोह 18.03.2014 को आयोजित किया गया था । विद्यापीठ के कुलपति मुख्य अतिथि थे । उन्होंने विभिन्न सत्र के विजेताओं को पुरस्कारों से पुरस्कृत किया। लगभग 52 छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया था ।

(इ) तुलसीदास हिंदी परिषद

तुलसीदास हिंदी परिषद को शैक्षिक वर्ष 2013-14 के 14.09.2013 जो बहुत गौखान्वित तिथि हिंदी दिवस के दिन उद्घाटित किया गया । प्रो. कृष्ण कचंन शर्मा, अणुविभाग, स्विम्स, समारोह के मुख्य अतिथि थे । इस अवसर पर प्रो. शर्मा विशेष रूप से दक्षिण भारतीयों को हिंदी सीखने के लाभों पर सविस्तार रूप से बताया । प्रो. राधाकंत ठाकुर, विद्यापीठ तत्कालीन कुलसचिव सम्माननीय अतिथि थे । प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति, साहित्य विभाग तथा शैक्षिक समन्वयक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में परिषद के उद्देश्य पर अपने विचारों को व्यक्त किया । डा. केशव मिश्र गणमान्य व्यक्तियों को समारोह में स्वगत किया। डा. लतामेंगेश, सहायक आचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ और तुलसीदास हिंदी परिषद की संयोजिका ने धन्यवाद भाषण अर्पण किया था । डा. मोहन नायुडु समारोह के संचालक थे। वर्ष 2013-14 के दौरान दिनांक 26 मार्च 2014 को समापन समारोह का आयोजन किया गया था। प्रो. एच. के. शतपथी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ इस उत्सव के मुख्य अतिथि थे। प्रो. आर.के. ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख अध्यक्ष थे। इस अवसर पर विभिन्न सत्रों के पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

(ई) अन्नमय्या साहित्य कलापरिषद

अन्नमाचार्य साहित्य कला परिषद, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ छात्रों की साक्षरता परिषदों में से एक है । यह अपने गतिविधियों को वर्ष 2011 में आरंभ किया था । अन्नमाचार्य साहित्य कलापरिषद का मुख्य उद्देश्य संस्कृत छात्रों को तेलुगु भाषा में लेखन, पठन, तथा भाषण की भाषाई कौशलों में सुधार लाना है ।

शैक्षिक वर्ष 2013-14 के दौरान प्रो. रव्वा श्रीहरि, माननीय कुलपति, द्रविड विश्वविद्यालय, कुप्पम, दीप प्रज्वलन कर 4 अक्टूबर 2013 को तेलुगु भाषा को जानने की आवश्यकता पर छात्रों में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित किया गया था ।

प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, पूर्व कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति ने इस अवसर पर

अन्नमाचार्य जी को न केवल तेलुगु के प्रथम मानवआलेखाकर हैं बल्कि शानदार कलात्मकता, भावनायें तथा विचारों को व्यक्त करने वाले के रूप में उल्लेखित किया । वे कामुक तथा भक्ति दोनों उपभेदों को बराबर संभालने में अग्रणी थे। तदुपरांत प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति, शैक्षिक समन्वयक तेलुगु भाषा की महानता तथा महत्वपूर्णता को छात्रों को प्रबुद्ध किया ।

साल भर में कुल मिलाकर छात्र नौ बार परिषद में एकत्र होकर भाषण, निबंध, लेखन, वादविवाद, प्रश्नोत्तरी, कविता, पठन, एक पात्राभिनय आदि प्रतियोगिताओं को विभिन्न सत्र में आयोजित किया था ।

परिषद की गतिविधियाँ 28.03.2014 कुलपति, प्रो. हरेकृष्ण शतपथी जी के अध्यक्षता में समाप्त हुई थी। उन्होंने परिषद में भाग लिए सभी छात्रों को बधाई देते हुए तेलुगु भाषा में अपने ज्ञान और दक्षता में सुधार लाने की प्रयास करने के लिए कहा । तेलुगुविभाग तथा अन्नमाचार्य कला परिषद ने आधुनिक तेलुगु भाषा के प्रसिद्ध सुधारक और कीट खोजकर्ता श्रीगिडुगु राममूर्ति पंतुलु के 150वीं जन्म दिवस समारोह का आयोजन किया था ।

(उ) सांस्कृतिक कलापरिषद

सांस्कृतिक कला परिषद् का उद्देश्य विद्यापीठ के छात्रों में सांस्कृतिक कला, ज्ञान को विकसित करना है। इस वर्ष भी स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह समारोह, गणतंत्र दिवस और अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव आदि में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। डा. आर. सदाशिव मूर्ति इस परिषद के संयोजक थे।

(ऊ) प्रयोजनमूलक संस्कृत :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संस्थापित यह प्रयोजनमूलक संस्कृत पाठ्यक्रम नोडाल केंद्र विश्वविद्यालय में चलाया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के केंद्र द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है और अलग-अलग प्रयोजनमूलक संस्कृत विषयों पर समयानुसार संगोष्ठियों का आयोजन तथा राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ज्ञान का विकास किया जाता है । इस केंद्र में आडियो दृश्य प्रयोगालय एवं ग्रंथालय है । यह केंद्र यज्ञ एकाग्रता, वैदिक संस्कार आदि पर आडियो-विडियो प्रलेखन आदि बनाया गया है। इस केंद्र द्वारा वैज्ञानिक आवरण से प्राक्-शास्त्री एवं शास्त्री छात्रों के लिए नियमित अध्यापन चलाया जाता है । यह प्रयोजनमूलक संस्कृत इकाई में अर्चकत्वं और पौरोहित्य में प्रमाण-पत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

(ऋ) सेतु पाठ्यक्रम

सेतुपाठ्यक्रम एक जोडने का पाठ्यक्रम है जो छात्रों को विशेष क्षेत्र या विषय में प्रवेश को चुनने में सक्षम बनानेवाला सुंदरतम पाठठ्यक्रम है ।

विभिन्न कार्यक्रमों में भर्ती हुए विद्यापीठ के छात्रों के लिए सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

शैक्षिक वर्ष 2013-14 के दौरान 5.7.2013 से 13.7.2013 तक 100 से अधिक छात्र विभिन्न शास्त्र

अर्थात्, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष्य, धर्मशास्त्र, वेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदान्त, द्वैत वेदांत, मिमांसा, पुराण आदि के लिए आयोजित किया गया था । हमारे विद्यापीठ सम्मानित के आचार्य बाहर से भी विद्वानों ने विभिन्न विषयों पर कई व्याख्यान दिए । प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु, न्याय विभाग के समन्वयक और डा. वी. उन्नकृष्णन नंपूतिरि, ज्योतिष्य विभाग के सहायक आचार्य, सह समन्वयक थे । समापन समारोह में प्रो. आर.के. ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख ने छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए ।

(ए.) प्रथम कुलाधिपति प्रो. एम.एम. पट्टाभिरामशास्त्री जी की स्मृति में आयोजित व्याख्यान माला :-

विद्यापीठ के प्रथम कुलाधिपति प्रो. एम.एम. पट्टाभिरामशास्त्री, मीमांसा और साहित्य के महान विद्वान के योगदान की स्मृति में संस्था ने पट्टाभिरामशास्त्री व्याख्यान माला का आरंभ किया था । इस योजना के तहत कई प्रख्यात विद्वानों को आमंत्रित किया गया । वर्ष के दौरान पट्टाभिरामशास्त्री व्याख्यानमाला 28 नवंबर 2013 को प्रो. किशोर कुणाल, पूर्वकुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय, दरभंगा, और प्रो. शिवजी उपाध्याय, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश के संपूर्णानंद स्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा दो विस्तार व्याख्यान दिये गए ।

III. पाठ्येतर गतिविधियाँ

(अ) खेलकूद प्रतियोगिता

वर्ष 2013-14 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पूरा होने के बाद सभी छात्र-छात्राओं को हर रोज सुबह 6 बजे से 7:00 बजे तक प्रशिक्षण हेतु मैदान में उपस्थित रहने की सूचना दी जाती है। यह कार्यक्रम हर साल चलाया जाता है ताकि छात्र दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धा और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धाओं को खेलने हेतु तैयार रहे। उसके बाद मुक्त व्यायाम हेतु सभी छात्र-छात्रोओं को इंडोर सभांगण में अलग-अलग खेलों का परिचयात्मक तैयारियाँ करवायी जाती है। ताकि विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जीत हासिल करें।

इंडोर सभांगण सुबह 6:00 बजे से 8: 00 बजे तक और 3:00 बजे से 7:00 बजे तक शाम में खुला रहता है। ताकि विद्यापीठ से सभी कर्मचारी और छात्र अलग-अलग खेल उपकरणों से भरपूर फायदा उठाएं ।

खेलों में भाग लेने हेतु छात्रों को बहुविध व्यायाम शाला में जो निरन्तर व्यायाम कर अपने चित को खेलों में दोडता है उसी को अंतर विश्वविद्यालय खेलो में चुना जाता है। इसके बाद दो माह तक उन छात्रों को नापा जाता है। उसके बाद उसको वार्षिक खेलों के सम्बन्ध में चुना जाता है। जो चुने जाते है वें छात्र अखिल भारतीय और अखिल विश्वविद्यालय खेलों में खेलने योग्य होते है । उन्ही को ज्यादा तैयार भी किया जाता है ।

अखिल भारतीय दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता

1. दक्षिण - अंचल अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता -

दिनांक 11 से 22 दिसंबर तकर पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी में आयोजित किया गया । 14 सदस्यों का एक दल प्रतिस्पर्धा में भाग लिया था । (1) के. मल्लिकार्जुन राव (पीएच.डी) (2) अनिल कुमार दास (एम.फिल) (3) अजित कुमार साहु (आ-2) (4) अजित कुमार (आ-2) (5) सरोज कुमार पाटिल (आ-2) (6) अद्दुनूरी राकेश (अ-2) (7) साईकम ओबय्या (आ-1) (8) रागिपाटि श्रीकांत भाषा (शा-3) (9) करय दुर्गा प्रसाद (शा-3) (10) श्रीकांत जेना (शा-3) (11) दीक्षित कुमार गौडा (शा-1) (12) कोय्यगुरु रेड्डेय्य रेड्डी (बीएससी-1) (13) प्रत्युष कुमार गड्त्य (शा-1) (14) प्रभात कुमार पण्डा (शा-1) - प्रतिभागी थे । शारीरिक शिक्षा विभाग के डा. सी. गिरिकुमार प्रबंधक थे और बी. रविकुमार दल की सहाय थे ।

2. दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय कब्बड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता -

दिनांक 3 से 8 दिसंबर 2013 तक आचार्य नागार्जुना विश्वविद्यालय, गुंटुर, आं.प्र. में आयोजित किया गया था । 10 छात्राों के एक दल ने भाग लिया था -

(1) कृष्णानंद दन्नाना (आ-2) (2) मामिललपल्लि राजेश (आ-2) (3) टि. रामगंगिरेड्डी (शा-3) (4) के. स्वमी - (शा-3) (5) वी. सुरेश (शा-3) (6) डी. काशीविश्वनाथ (शा-3) (7) पी. कृष्ण (शा-2) (8) बी. गणपति (शा-2) (9) नल्लगण्डि स्वामी (शा-2) (10) ओ. साम्बशिव राव (शा-1) - प्रतिभागी थे । डा. सी. गिरिकुमार ने दल को निर्देशित किया ।

3. दक्षिण-अंचल अंतर विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता -

दिनांक 3 से 8 दिसंबर 2013 तक आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटुर, (आंध्रप्रदेश) में आयोजित किया गया । इस प्रतियोगिता में 12 छात्रों का एक दल भाग लिया था ।

(1) एस.वी. विजयकुमार (आ-2) (2) सुरेश आलुरी (शा-3) (3 वी. सुरेश (शा-3) (4) वी. रामकृष्ण (शा-3) (5) गोलि हरीश (बीएससी-3) (6) एस. शिवनागिरेड्डी (बीएससी-3) (7) एस. राम तिरुमल रेड्डी (बीएससी-3) (8) के. राजेश (बीएससी-2) (9) एम. प्रशांत (शा-2) (10) बी. गणपति (शा-2) (11) अक्काल वेंकट पवनकुमार (शा-1) (12) योगेश त्रिवेदी - प्रतिभागी थे । उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं में छात्रों का मार्गदर्शन शिक्षा विभाग के पीटी.आई. डॉ. सी. गिरिकुमार ने किया ।

4. दक्षिण-अंचल अंतर विश्वविद्यालय वालीबाल (पुरुष) प्रतियोगिता -

2013-14 - दिनांक 6 से 10 फरवरी 2014, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति में आयोगित किया गया। कग्गा नागराजु - आ-2, अशुतोष मोहंती - आ-2, सुशांत कुमार जेना - आ2, दिलीप कुमार आचार्य - आ-1, प्रलय दास - आ-1, बत्तुल श्रीनिवास राव - आ-1, पोन्नेन कृष्ण - शा2, बी. गणपति - शा-2, सौरव मण्डल - एम.फिल, प्रतिभागी थे ।

5. अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बाल बैडमिण्टन (पुरुष) प्रतियोगिता -

दिनांक 19 से 24 दिसंबर 2013 तक अलगप्पा विश्वविद्यालय, काराईकुडि में आयोजित किया गया था । वी. पवनकुमार शमा - शा-3, डी.टी. वेंकटसीताराम शा-3, के. ब्रह्मय्या, शा-3, डी.के. विश्वनाथ - शा-2, पी.साईकुमार - शा-1, दुर्गा श्रीनिवास राव - शा1, के. बद्रीनाथ (पीएच.डी) - प्रतिभागी थे ।

6. अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलटिक प्रतियोगिता (पुरुष और स्त्री)

दिनांक 19 से 30 दिसंबर 2013 तक पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित किया गया । विद्यापीठ से 7 छात्रों का एक दल भाग लिया था ।

डा. सी. गिरिकुमार, प्रबंधक तथा वी. सेतुरामा छात्रों के साथ थे ।

वार्षिक दिवस समारोह (2013-14)

वार्षिक दिवस और छात्रावास दिवस समारोह के अवसर पर शारीरिक शिक्षा-विभाग द्वारा शैक्षिक वर्ष 2013-14 विद्यापीठ के छात्रों और कर्मचारियों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। छात्रावास के छात्रों तथा खेल प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को दिनांक 6 मार्च, 2014 को आयोजित वार्षिक और छात्रावास दिवस पर पुरस्कार, प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया था ।

विभिन्न श्रेणियों के खेलविजेताओं को विशेष रूप से आमंत्रित अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण करवाया गया । चैम्पियनस को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया था । छात्रों में - सी. निखिल, छात्राओं में - उपासना शमा ' और कर्मचारियों (पुरुषों) में वी. सेतुराम, कर्मचारियों (स्त्री में - डा. जी. ज्योति चैम्पियनशिप पाये थे ।

(आ) स्कौट्स और गैड्स -

शिक्षा विभाग ने शिक्षा शास्त्री(बी.एड.) के छात्रों को शिक्षक अनुशिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत नियमित रूप से स्कौट्स और गैड्स को चलाते हैं। हर साल इस प्रशिक्षण के द्वारा छात्रों को प्रथम चिकित्सा अध्यापन अनुभव प्राप्त करवाते हैं। और साल में एक बार उन्हे स्काउट्स मास्टर और गैट्स मास्टर 10 दिनों तक अध्यापन के अलावा पाठ्यचर्या दिलाते हैं ।

(इ) राष्ट्रिय सेवा योजना -

राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक- डॉ.एस.दक्षिणामूर्ति शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ.जे.बी.चक्रवर्ती, डॉ.परामिता पण्डा, डॉ.ए. सच्चिदानंद मूर्ति और डॉ. सी. गिरिकुमार । स्वयं सेवी प्रतिनिधि - के. नागराजु, टी. गोपी, पी. रमेश, बी. योगेश और एस. गोडलक्ष्मी, स्वयं सेवको की संख्या 250 विशेष शिबिर के लिए ।

विद्यापीठ रा.से.यो.का उद्देश्य में निस्वार्थ सेवा मनोभावों का निर्माण करना है। विद्यापीठ में पाँच रा.से.यो.इकाइयाँ है। चार लडको के लिए एक इकाई लडकियों के लिए । रा.से.यो. कार्यक्रम वर्ष 2013-14 के लिए विद्यापीठ छात्रों के नामांकन के साथ शुरु किया गया। सभी रा.से.यो.इकाईयों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रत्येक इकाई में 100 स्वयं सेवको को वर्ष 2013-14 के लिए रा.से.यो.के अंतर्गत दर्ज किया गया। इस प्रकार विद्यापीठ ने रा.से.यो. के पाँच इकाईयों में 500 स्वयं सेवको को एकत्रित किया ।

उद्देश्य - विद्यापीठ रा.से.यो.इकाइयाँ अपने सेवाओं से समाज के कई लोगों के जीवन में बदलाव लाने को प्रेरित करता हैं।

रा.से.यो. कार्यक्रम-विशेष शिबिर -

विद्यापीठ के सभी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने एक प्रकार से जादू सा बदलाव लाना चाहता है । रा.से.यो. एक ऐसा मंच है जो समाज की सेवा करता है। और कई चेहरों पर मुस्कान ला दें । समाज के लिए एक प्रकार सा त्यौहार सा निर्माण करना चाहते हैं। जहाँ पर अपनी चालाकियों को उजागर कर सकें । यह कोई आसान काम नहीं है फिर भी आगामी वर्षों के लिए विरासत में काम आ सकें ।

इकाई सं	कार्यक्रम अधिकारी	विशेष शिबिर जिन गाँवों को अपनाया	स्वयं सेवकों की संख्या
1.	डॉ.एस.दक्षिणामूर्ति शर्मा	चित्तूर	50
2.	डॉ. परामिता पण्डा	एन.आर. कम्मपल्लि	50
3.	डॉ.जे.बी.चक्रवर्ती	गोल्लपल्ली	50
4.	डॉ. ए. सच्चिदानंद मूर्ति	कोत्त कंड्रिगा	50
5.	डॉ. सी. गिरिकुमार	रामानायुडु कंड्रिग	50

सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिकूल स्थितियों को दृष्टि में रखते हुए विद्यापीठ रा.से.यो.इकाइयों ने चित्तूर जिला के उपरोक्त पिछडे गाँवों में जागरुकता लाने हेतु चुना था। रा.से.यो.लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में स्वयंसेवको ने 7 दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया । पहले तीन विशेष शिबिर दिनांक 14 से 20 दिसम्बर तक चलाया गया। अगले दो इकाइयाँ अर्थात् 4 और 5 वीं इकाइयाँ दिनांक 28 फरवरी, 2013 से 6 मार्च 2013 तक विशेष शिबिर चलाया गया। रा.से.यो.के संयोजक और कार्यक्रम अधिकारियों के नतृत्व में शिबिरों को प्रभावपूर्ण डंग से आयोजित किया था । निम्न योजनाओं द्वारा चुने हुए गाँवों में विकास लाया ।

सर्वे - रा.से.यो. के संयोजनाधिकारी के आदेशानुसार सभी छात्र सदस्यों को गाँव में घूमकर मुफ्त सर्वे किया गया। एक-एक घर जाकर उनको सरदार द्वारा प्राप्त सुविधाएँ, शिक्षा व्यवस्था, गैर सरकारी सुविधा आदि की जानकारि और आरोग्य संबधि जानकारी भी ली गई थी। उसके बाद हम अपनी ओर से कुछ बदलाव लाने हेतु नए विचार प्रकट करते हैं। यह सुनकर गाँव का सरपंच और विद्यालय मुख्याध्यापक सभी काफी प्रभावित हुए थे ।

श्रमदान - स्कूल और गाँव के चारों तरफ साफ सफाई की। खेल मैदान साफ कर उसका एक आकार भी दिए थे । हमने अलग-अलग तरह के 25 प्रकार पौधों का रोपन किया । स्कूल के चारों ओर बीज रोपण कर काफी सुंदर बनाया। स्कूल भवन को चूने से लेपन कर सफेद बनाया। इसके लिए स्कूली बच्चों और ग्रामीण से रा.से.यो.इकाईयों के सदस्यों की काफी प्रशंसाये प्राप्त हुई थीं।

गाँववालो से नाटक - समूह के सदस्यों ने स्कूल के वातावरण पर तेलुगु भाषा में एक नाटक का आयोजन किया। उसमें महिला शिक्षा संबंधी महत्व दिया गया था । तंबाकु सेवन से होने वाली हानि, शराब लेने से होने वाली बुराई पर प्रकाश डाला। इससे गाँव वाले बहुत प्रभावित हुए। हमारे सामने गाँव वालों ने यह निर्णय लिया कि शराब और धूमपान सेवन नहीं करेंगे।

आपदा प्रबंधन -बाढ और अकाल जैसे अलग-अलग परिस्थितियों का मुकाबला करना तथा आपदाओं से जीवन को कैसे बचाया जाए, इस पर एक उपयोगी व्याख्यान दिया गया। झूठी परिस्थितियों में कर्तव्यों का बोध करवाया गया। विविध आधुनिक और जीवत तकनीकों से गाँववालों को गतिविधियों का संचालन करना सिखाया ।

साक्षारता कार्यक्रम -रा.से.यो.स्वयं सेवको ने गाँवों में घूमकर स्कूल आयु के बच्चों और उनके अभिभाषकों को एक स्थान पर एकत्रित किया। उनको बालाश्रम द्वारा होने वाली हानियाँ और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। बच्चों के माता-पिता ने व्याख्यानों से प्रभावित होकर बच्चों को पास वाले स्कूल में भर्ती करवाया। यह एक मुश्किल काम था। लेकिन हम ने इसे आसान तरीके से पूरा किया ।

संस्कृति और जागरूकता कार्यक्रम :

इस वर्ष विद्यापीठ ने ग्रामीणों को नए विचारों से उत्तेजित की सोच से व्याख्यानों करने और भारतीय विरासत तथा संस्कृति पर नाटक जैसे पुराणों का प्रवचन, सनातन धर्म में सांप्रदायिक सद्भाव को अपनाया ।

स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों में ए.आई.डी.एस. और उसकी जटिलताओं, नियंत्रित करने के लि, इस खतरनाक प्रभावित सिंड्रोम से सावधानी से जीवन व्यतीत करने की जागरूकता का सर्वश्रेष्ठ तरीकों से प्रयास की ।

पर्यावरण जागरुकता -

* ग्रमामीणों को पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया गया ।
* शौचालय उपयोग और उन्हे एवं घर और परिस प्रांतो को साफ सुथरे तरीके से रखने में अभ्यसिव करना ।
* गाँवों में मंदिरों को साफ करने चूने से लेपन कर सफेद बनाया तथा मंदिरों को एक नया रूप दिया ।
* सदस्य गाँव के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों के कॉंलनियों के जाकर प्रथमचिकित्सा, परिसर नियोजन, विभिन्न संक्रमकरोंगों जैसे (मलेरिया टाइफाइड आदि) और रोगाणु रोकथाम पर व्याख्यान दिया। एड्स संबन्धी जानकारी भी दी गई थी ।
* बच्चों के लिए ‘संस्कत पढो’ शिबिर कार्यक्रम का आयोजन किया ।
* दूसरी ओर कार्यक्रम अधिकारियों और सदस्यों ने गाँव वालों को धर्म और मूल्य प्रणाली तथा संरक्षण पर व्याख्यान दिए। इसके लिए सभी की ओर से रा.से.यो.इकाइयों को अच्छी प्रशंसा प्राप्त हुई ।

✔ रक्तदान शिबिर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में 30 मार्च 2014 को आयोजित किया गया । रक्तदान से मानव जीवन की बचाव का शिक्षण छात्रों को दिया गया । उन में से करीबन 50 व्यक्तियों ने 125 इकाइयों की रक्त दान किया जो श्री वेंकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्था द्वारा सराहना की गई ।

एक दिन शिबिर -

एक दिन शिबिर कार्यक्रम भी रा.सं.वि.परिसर प्रांत में आयोजित की जाती है । 45 एकड भूमि पर विभिन्न इमारतों जैसे पुस्तकालय, शैक्षिकभवन, छात्रावास, प्रशासनिक भवनों का निर्माण किया गया । एक बडा मैदान भी है जिसमें नियमित से रा.से.यो कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इन इकाइयों ने पुस्तकालय परिसर प्रांत में स्वच्छता एवं हरा भरा पौधों का रोपण करवाया । इन इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम सूचीबद्ध है -

कंकडे और पत्थरों को निकालकर बैडमिंटन, वॉंलीबाल, और खो खो मैदान को समतल बनाया तथा क्रिकेट पिच को सीधा किया ।

* राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भव से संबंधित एन.एस.एस. सेल तिरुपति में एक बडी रैली के साथ कुलसचिव, प्रो. हरेकृष्ण शतपथी द्वारा उद्घाटित किया तथा एकत्रित राशि भेजी गई ।

* दिनांक 24 फरवरी 2014 श्री अर. गोकुल कृष्ण, युवा अधिकारी और प्रधान के की उपस्थिति में विद्यापीठ के स्वयं सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने राष्ट्रीय युवा नीति कार्यक्रम में भाग लिया । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने रैली कार्यक्रम में भाग लिया ।

संकाय सदस्यो द्वारा संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में भागीदारी-

❋ प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति

1. दिनांक 29.11.2013 तथा 30.11.2013 को श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (एस.सी.एस.वी. एच.वी. विश्वविद्यालय) कांचीपुरम, में ''प्राचीन भारत में दार्शनिक शिक्षा की नींव और वर्तमान संदर्भ में उसकी प्रासंगिकता'' पर द्वि दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
2. दिनांक 13.2.2014 संस्कृत व्याकरण विभाग, संस्कृत के श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालयों, कालडी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''पाणिनियन व्याकरण और क्षेत्रीय भाषा'' में भाग लिया ।

❋ प्रो. सत्यनारायण आचार्य

1. दिनांक 12 से 17 सितंबर, 2013 तक लखनऊ के राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन आधुनिक युग में संस्कृत का महत्व'' में भाग लिया ।
2. दिनांक 18.3.2014 ''ओडिशा की पांडुलिपि में परिलक्षित भारतीय संस्कृति'' - राष्टीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
3. दिनांक 18.3.2014 से 26.3.2014 तक, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी में धर्मशास्त्र और मानवीय मूल्यों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
4. दिनांक 18.3.2014 से 26.3.2014 तक आर.एस. संस्थान सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा आयोजित ''पुराण पुरुष पुरुषोत्तम श्री जगन्नाथ देव'', विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
5. दिनांक 18.3.2014 से 26.3.2014 तक यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''शास्त्रेषु आत्मसंस्कारा विमर्श'' आर.एस. संस्थान, सदाशिव परिसर पुरी में भाग लिया ।

❋ प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति

1. दिनांक 16.9.2013 से 20.9.2013 तक शृंगेरी के श्री श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थान में आयोजित महागणपति वाक्यार्थ विद्वत सभा (शास्त्रों में वार्षिक सम्मेलन) में भाग लिया ।

❋ प्रो. आर.एल.नरहिंह शास्त्री

1. दिनांक 24.3.2014 से 26.3.2014 तक शृंगेरी के राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान राजीव गांधी परिसर में आयोजित व्याकरण राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''स्थानिव दो देशोन ल विधो'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ **प्रो. जे. रामकृष्ण**

1. दिनांक 16.9.2013 से 20.9.2013 तक शृंगेरी के श्री श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थान में आयोजित महागणपति वाक्यार्थ विद्वत सभा (शास्त्रों में वार्षिक सम्मेलन) में ''येत्याविचारः''न विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
2. दिनांक 11.02.2014 तथा 12.02.2014 संस्कृत के श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कालडी में ''पाणिनियन व्याकरण और क्षेत्रीय भाष्याँ'' - आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

❋ **प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा**

1. दिनांक 7.1.2014 से 11.1.2014 तक एस.वी. विश्वविद्यालय और ति.ति.दे. द्वारा महाभारत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में महाभारत में मानव संबंध पर व्याख्यान दिया ।

❋ **प्रो. रजनीकांत शुक्ला**

1. दिनांक 12 जुलई 2013 तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा आयोजित सेतु पाठ्यक्रम कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के विशेषज्ञ के रूप में भाग लिए ।
2. दिनांक 24.1.2014 केरल में गुरुवायुर परिसर के राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिए ।

❋ **प्रो. प्रहलाद आर . जोशी**

1. दिनांक 4.7.2013 से 10.7.2013 तक तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शिक्षाविभाग द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित ''शैक्षिक अनुसंधान की प्रवृत्तियों'' के प्रशिक्षण में एक सप्ताह के लिए भाग लिया ।
2. दिनांक 13.9.2013 तथा 14.9.2013 वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित एन.वी. सोसाइटी और श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, गुलबर्गा, कर्नाटक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''महाभारत अध्ययनस्य सर्वकालिकत्वम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर ''विदुरनीते प्रासंगिकत'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
3. दिनांक 23.1.2014 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में आठवी. अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव, वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित तथा कैरियर कौंसिलिंग सेल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
4. दिनांक 24.3.2014 से 30.3.2014 तक वि.अ.ए. दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा ''सांख्यिकी में शैक्षिक अनुसंधान'' संकायों के लिए एक सप्ताह के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

❋ प्रो. एन. लता

1. दिनांक 4 से 10 जुलाई 2013 तक वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित शिक्षा विभाग में आयोजित ''शैक्षिक अनुसंधान की प्रवृत्तियाँ'' प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ली ।
2. दिनांक 24.3.2014 से 30.3.2014 तक वि.अ.ए. दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा ''सांख्यिकी में शैक्षिक अनुसंधान'' संकायों के लिए एक सप्ताह के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ली।
3. दिनांक 7.3.2014 से 8.3.2014 तक राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा आयोजित ''राष्ट्र निर्माण में संस्कृत महिला विदूषियों की भूमिका'', अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदुषी स्मेलन में भाग लिया ।

❋ प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट

दिनांक 11.12.2013 से 13.12.2013 तक तिरुवनंतपुरम के सरकार संस्कृत कॉलेज में ज्योतिष्य विभाग द्वारा आयोजित ''ज्योतिष और मौसम का पूर्वानुमान'' द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

❋ प्रो. आर. जे. रमाश्री

दिनांक 13.8.2013 चेन्नई के श्री कन्यका परमेश्वरी कला और विज्ञान कॉलेज में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में भाग ली ।

❋ प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित

1. दिनांक 24.6.2013 श्री कृष्ण मठ में ''भारतीय दर्शन साहित्य में वादिराज का योगदान'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
2. ति.ति.दे, तिरुमला में दास साहित्य परियोजना द्वारा आयोजित ''श्रीमान न्याय सुधा'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
3. दिनांक 12.9.2013 से 13.9.2013 तक कर्नाटक, के गुलबर्गा में एन.वी. सोसाइटी, एन.वी. आर्टस कॉलेज में ''महाभारत अध्ययनस्य सर्वकालिकत्व'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

❋ प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु

दिनांक 4.9.2013 से 6.9.2013 तक गोवर्धन पीठ शंकराचार्य मठ, पुरी, उड़ीसा में श्री जगन्नाथ दमन : पुर्थः प्रसिधार्य त्रयनम ज्ञानानम रथारोहनपूर्वक श्री विग्रहनम तथा स्पर्शः विशायकः प्रसंगः'' पर आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

❋ प्रो. वी.एस. विष्णुभट्टाचार्युलु

1. दिनांक 4.9.2013 से 6.9.2013 तक गोवर्धन पीठ शंकराचार्य मठ, पुरी, उड़ीसा में श्री जगन्नाथ दमनः पुर्थः प्रसिधार्य त्रयनम ज्ञानानम रथारोहनपूर्वक श्री विग्रहनम तथा स्पर्शः विशायकः प्रसंगः'' पर आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

❋ प्रो. ओ.एस.श्रीरामलाल शर्मा

1. नवंबर, 2013 हैदराबाद में आयोजित सपरिकर अद्वैत विद्वत सदस में भाग लिया ।
2. वामी जी के जन्म दिन समारोह के अवसर पर कांचीपुर में आयोजित अद्वैत सभा में भाग लिया।
3. मार्च, 2014 विजयवाड़ा में आयोजित महामहोपाध्याय मद्दुलपल्ली माणिक्य शास्त्री जन्मदिन समारोह, व्याख्यार्थ सभा में भाग लिया ।

❋ प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु

1. दिनांक 5 और 6 सितंबर 2013, गोवर्धन मठ, पुरी द्वारा जगन्नाथ रथोत्सव संगोष्ठी में भाग लेकर ''पांचरात्रानुसारेण रथोत्सवनियमः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
2. दिनांक 18 और 19 मार्च 2014 राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, दिल्ली के सहयोग से श्री एस.एल.बी.एस. आर.एस. विद्यापीठ द्वारा ''बुनियादी स्तर पर पांडुलिपि और प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में दो व्याख्यान दिए ।
3. दिनांक 24-25 मार्च, 2014 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में सॉप दर्शना द्वारा आयोजित ''तत्वचिंतामणि टिप्पणियाँ'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''तत्वचिंतामणि पर नरहरि की दुशनोद्धारा में तर्कप्रकरणा'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ डा. विरूपाक्ष जड्डीपाल

दिनांक 10.202014 से 12.2.2014 तक पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी में ''दक्षिण पूर्व एशिया में महाकाव्य परंपरा'' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''महाभारत की महत्वपूर्ण संशोधन संस्करण की आवश्यकता'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ डा. आर. सदाशिव मूर्ति

दिनांक 25.7.2014, इस्कॉन, बैंगलूर में भारतीय विद्याभवन, मल्टी विजन द्वारा आयोजित वैदिक साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वेदांग छंदसः'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ डा. आर. दीप्ता

1. दिनांक 3 और 4 सितंबर 2014 राष्ट्रीय संगोष्ठी ''अंग्रेजी और संस्कृत में कथा साहित्य'' का आयोजन किया ।
2. दिनांक 7 से 11 जनवरी 2014 तक एस.वी. विश्वविद्यालय ओ.आर.आई. द्वारा महाभारत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''महाभारत में कथा की तकनीक'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की ।
3. दिनांक 27 से 29 जनवरी 2014 तक एस.वी. विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित ''उमा परमेश्वर की चयनित कविताओं में अभीप्सित और अपनेपन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संस्कृति संदर्भ में कनाडा और भारत'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की ।

4. दिनांक 7 और 8 मार्च, 2014 तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषियों सम्मेलन में ''राज्य निर्माण में कुंती का स्थान'' - शीर्षक से प्रपत्र प्रस्तुत की ।

❋ डा. राधा गोविंद त्रिपाठी

1. दिनांक 2 और 3 सितंबर, 2013 ''नीलाचल और सिंहाचल की तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''नीलाचल शेषाचलायोहः प्रसादविशेषः'' प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
2. दिनांक 23.12.2013 और 24.12.2013 साव्मी विवेकानंद की 150 वीं जयंती के संदर्भ में वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित, द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''स्वामी विवेकानंद दृष्ट्या शिक्षा स्वरूपम'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
3. दिनांक 7-11 जनवरी, 2014 एस.वी. विश्वविद्यालय, ओ.आर.आई. द्वारा महाभारत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''महाभारते शैक्षिक विचारः'' प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
4. दिनांक 13.2.2014 एस.जे.एस. विश्वविद्यालय, पुरी के शिक्षा विभाग में ''शिक्षक के मानवीय मूल्यों की महत्व'' पर विस्तार व्याख्यान दिया ।
5. दिनांक 23 जनवरी 2014 तिरुपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा आयोजित ''संस्कृत छात्रों के व्यक्तित्व विकास'' एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''व्यक्तित्व विकास कर्तव्यपालनां च'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
6. दिनांक 21 से 23 मार्च 2014 सदाशिव परिसर के राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित ''पुराण पुरुषा पुरुषोत्तमह श्री जगन्नाथ'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''श्री जगन्नाथ संस्कृति सामाजिक प्रासंगिकतयः'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
7. दिनांक 24 से 30 मार्च, 2014 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में संकायों के लिए आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत ''शैक्षिक अनुसंधान में सांख्यिकी'' साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

❋ डा. आर. चंद्रशेखर

1. दिनांक 3 तथा 4 सितंबर, 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में वि.अ.ए. नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित ''अंग्रेजी और संस्कृत कथा साहित्य'' - राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''आर.के. नारायण की मालगुडी दिन की कथा शैली'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।
2. दिनांक 13.9.2013 तथा 14.9.2013 वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित एन.वी. सोसाइटी और श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, गुलबर्गा, कर्नाटक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''महाभारत अध्ययनस्य सर्वकालिकत्वम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर ''भागवतगीतायाः अलौकिक शिक्षा'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
3. दिनांक 22.10.2013, श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्वविश्वमहाविद्यालय, एनातुर, कांचीपुरम्, तमिलनाडु में संस्कृत मेतडालजी पर विस्तार व्याख्यान दिया।

4. दिनांक 23.12.2014 तथा 24.12.2014 आर.एस.विद्यापीठ तिरुपति में विवेकानंद की 150 वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित आधुनिक भारत में विवेकानंदका युग ''राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर'' स्वामीविवेकानंद के प्रवचन विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

5. दिनांक 4.7.2013 से 10.7.2013 तक वि अए द्वारा प्रायोजित शिक्षाविभाग में आयोजित विकास कार्यक्रम ''अनुसंधान में सांख्यिकी'' में भाग लिया।

6. दिनांक 7.1.2013 से 11.1.2014 तक ओ आर आई, एस.वी. विश्वविद्यालय, तितिदे के सहयोग से आयोजित अंत राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''महाभारतज्ञान का भण्डार'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

❈ डा. के. कादम्बिनी

1. दिनांक 4.7.2013 से 10.7.2013 तक वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित शिक्षा विभाग में आयोजित विकास कार्यक्रम शैक्षिक अनुसंधान की प्रवृत्तियों में भाग लिया ।

2. दिनांक 24 से 30 मार्च, 2014 तक वि.अ.ए. द्वारा शिक्षा विभाग में आयोजित ''शैक्षिक अनुसंधान में सांख्यिकी'' विकास कार्यक्रम में भाग लिया ।

3. दिनांक 7.3.2014 से 8.3.2014 तक तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषियों सम्मेलन में भाग लेकर ''संस्कृत महिला विदूषियों की भूमिका'' - पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❈ डा. परामिता पण्डा

1. दिनांक 2 और 3 सितंबर, 2013 ''नीलाचल और सिंहाचल की तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वैदिकी वाङ्मय में जगन्नाथ'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

2. दिनांक 3 तथा 4 सितंबर, 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में वि.अ.ए. नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित ''अंग्रेजी और संस्कृत कथा साहित्य'' - राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''रामायण में वाल्मीकी की कथाशैली'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

3. दिनांक 23.12.2013 और 24.12.2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा ''आधुनिक भारत में विवेकानंद का युग'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''श्री विवेरकानंदस्य धार्मिक तत्वम्'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

4. दिनांक 3-1-2014 से 5-1-2014 तक ''युवा वेदांत स्वामी विवेकानंद की विचारों'' राष्ट्रीय संगाष्ठी में भाग लेकर ''समापासम्स्करे विवेकानंदस्य भूमिका'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तत की।

5. दिनांक 3 से 5 जनवरी 2014 तक ''वेद परिजाक्शाने पद्दामानम भूमिका'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वेदपरिजाक्षाने शिक्षयः योगदानम्'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

6. दिनांक 7 और 8 मार्च 2014 तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषी सम्मेलन'' में भाग लेकर ''त्यागैकव्रती तुलसी'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की।

7. दिनांक 21-22 मार्च, 2014 धर्मशास्त्र और मानव मूल्यों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''भागवतस्य धार्मिक चिन्तने मवेविका मूल्यबोधः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

8. दिनांक 21 से 23 मार्च, 2014 ''पुराण पुरुषः पुरुषोत्तमः श्री जगन्नाथ देवः'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''श्री जगन्नाथस्य पुरुषोत्तमतत्त्वम'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

9. दिनांक 7 से 11 जनवरी 2014 तक एस.वी. विश्वविद्यालय प्राच्य अनुसंधान संस्था द्वारा महाभारत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''शांतिपर्वाणि प्रायक्षितस्यः औचित्य वर्णनम'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

10. दिनांक 8 से 15 नवंबर 2013 ''साहित्य में शिक्षण तकनीकें और अभिनव अनुसंधान की दक्षता सुधार'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग ली।

❋ डा. निरंजन मिश्र

1. दिनांक 2 और 3 सितंबर, 2013 उत्कलपीठ द्वारा आयोजित ''नीलाचल और सिंहाचल की तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''आदिवासी संस्कृतो श्री नीलाचलाधिनाथः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

2. दिनांक 16 से 18 दिसंबर 2013 श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्व विद्यालय के वेद विभाग द्वारा आयोजित ''उड़िसा में वेद प्रचार'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''उत्कले वेदिक परंपरा'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

3. दिनांक 3 तथा 4 सितंबर, 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित ''अंग्रेजी और संस्कृत कथा शैली'' - राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''अंग्रेजी और संस्कृत कथा शैली कथा शैली का संक्षिप्त विश्लेषण'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

4. दिनांक 23.12.2013 और 24.12.2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा ''आधुनिक भारत में विवेकानंद का युग'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वैराग्य राग रक्षिकः विवेकानंदः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

5. दिनांक 3 से 5 जनवरी 2014 तक एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित ''वेद परिरक्षणे वेदांग महत्वम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वेदस्य परिरक्षणे कात्यायन - श्रौतसूत्र योगदानम्'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

6. दिनांक 8-9 जनवरी 2014 राष्ट्रीय युवा केंद्र पुरी द्वारा आयोजित ''युवा और वेदांत - विवेकानंद के विचार'' - राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''विवेकानंदस्य वैदिक चिंतनम्'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

7. दिनांक 21-22 मार्च, 2014 धर्मशास्त्र विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विद्यालय, पुरी द्वारा आयोजित ''धर्मशास्त्र और मानवीय मूल्य'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वेदो मानविकामूल्य बोधः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

8. दिनांक 21 से 23 मार्च, 2014 राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा आयोजित ''पुराण पुरुषः पुरुषोत्तमः श्री जगन्नाथ देवः'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वैदिक पारंपरायाम् श्री जगन्नाथः'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

9. दिनांक 26-27 अक्तूबर 2013 जगन्नाथ मंदिर, बंजारा हिल्स, हैदराबाद द्वारा आयोजित ''मंदिर संस्कृति'' कार्यशाला में भाग लिया।

10. दिनांक 8.7.2013 से 10.7.2013 श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वनिद्यालय, पुरी में आयोजित कार्यशाला में भागलिया।

11. दिनांक 17.12.2013 से 19.12.2013 तक वेद विभाग, श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीविहार, पुरी में आयोजित संगोष्ठी में भागलेकर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

❋ डा. डी. ज्योति

1. दिनांक 2 और 3 सितंबर, 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा आयोजित ''नीलाचल और सिंहाचल की तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''भगवान वेंकटेश्वर - एक वैश्विक भगवान'' एक शीर्षक से एक प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

2. दिनांक 3 तथा 4 सितंबर, 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित ''अंग्रेजी और संस्कृत कथा शैली'' - राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वशिष्ठ की कथा तकनीकें'' शीर्षक से प्रपत्र प्रस्तुत किया।

3. दिनांक 7.3.2014 से 8.3.2014 तक तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित ''अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषियों सम्मेलन'' में भाग लेकर ''राष्ट्र निर्माण में तरिगोंड वेंगमाम्बा का योगदान'' - विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

4. दिनांक 23.12.2013 तथा 24.12.2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा ''आधुनिक भारत में विवेकानंद का युग'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''कर्मयीगोट कर्मणि वृत्तिः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

5. दिनांक 7 से 11 जनवरी 2014 तक एस.वी. विश्वविद्यालय प्राच्य अनुसंधान संस्था द्वारा महाभारत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''गीता में मन पर नियंत्रण के तरीके'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

6. दिनांक 27 से 29 जनवरी 2014 तक अंग्रेजी विभाग, एस.वी. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''कनाडा में योग की समृद्ध अभ्यास'' विषय पर प्रपत्र स्तुत किया ।

7. साहित्य एवं संस्कृति, संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा आयोजित ''साहित्य में शिक्षण तकनीक और नवीन अनुसंधान में सुधार'' - कार्यशाला में भाग ली ।

❋ डा. ए. सच्चिदानंद मूर्ति

1. दिनांक 13.9.2013 तथा 14.9.2013 एन.वी. सोसाइटी और श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, गुलबर्गा,

कर्नाटक के संयुक्त रूप से आयोजित ''महाभारत अध्ययनस्य सर्वकालिकत्वम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर ''महाभारते गीतयः प्रधानयः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

2. दिनांक 2 और 3 सितंबर, 2013 उत्कलपीठ तिरुपति द्वारा आयोजित ''नीलाचल और सिंहाचल की तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''नीलाचल शेषाचलयोः प्रसादविशेषः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

3. दिनांक 23.12.2013 और 24.12.2013 विवेकानंद की 150 वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति द्वारा आयोजित ''आधुनिक भारत में विवेकानंद का युग'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''स्वामी विवेकानंद के शिक्षा (प्रवचन)'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

4. ओ.आर.आई, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा ''महाभारत'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर ''महाभारते शैक्षिक मूल्यानि'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

5. दिनांक 4 - 10 जुलाई, 2013 तक वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शिक्षा विभाग में आयोजित ''शैक्षिक अनुसंधान में वर्तमान तकनीकें'' संकाय विकास कार्यक्रम के तहत साप्ताहिक प्रशिक्षण में भाग लिया ।

❋ डॉ. ए. सुनीता

1. दिनांक 4 - 10 जुलाई, 2013 तक वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शिक्षा विभाग में आयोजित ''शैक्षिक अनुसंधान में वर्तमान तकनीकें'' संकाय विकास कार्यक्रम के तहत साप्ताहिक प्रशिक्षण में भाग लिया ।

2. दिनांक 24 से 30 मार्च, 2014 तक वि.अ.ए. द्वारा शिक्षा विभाग में आयोजित ''शैक्षिक अनुसंधान में सांख्यिकी'' एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ली ।

3. दिनांक 7.3.2014 से 8.3.2014 तक तिरुपति के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषियों सम्मेलन में भाग लेकर ''राष्ट्र निर्माण में संस्कृत महिला विदूषियों का योगदान'' - विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ श्री यशस्वी

22 - 27 अगस्त, 2013 तक दिल्ली संस्कृत अकादमी, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में भाग लेकर ''पतंजली महाभाष्य धातुस्वरूप विमर्शः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ डा. अज्मीरा चंदूलाल

1. दिनांक 28.6.2013 एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित ''गणितीय विज्ञान में वर्तमान विकास'' (एन.एस.आर.डी.एम.एस.-2013) राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

2. दिनांक 13 और 14 सितंबर 2013 भारतीय अकादमी स्नातक कॉलेज, अनुसंधान और पी.जी. अध्ययन केंद्र, बंगलूर में आयोजित ''आनुमानिक सांख्यिकी'' - द्वि दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

❋ डा. के. गणपति भट्ट

1. दिनांक 2 - 5 सितंबर, 2013 तक वैदिकदर्शन विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएच.यू.) वाराणासी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

❋ डा. के. नारायण

1. दिनांक 24 - 25 जून 2013 तक श्री कृष्ण मठ में ''भारतीय दर्शन में वड्डीराज के योगदान'' - राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
2. दिनांक 18 - 22 जुलाई 2013 तक ति.ति.दे. तिरुपति के दास साहित्य परियोजना द्वारा ''श्रीमन्यायसुधा'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
3. दिनांक 13.9.2013 तथा 14.9.2013 एन.वी. सोसाइटी और एन.वी. आर्टस कॉलेण, गुलबर्गा, कर्नाटक के संयुक्त रूप से आयोजित ''महाभारत अध्ययनस्य सर्वकालिकत्वम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
4. दिनांक 13.12.2013 पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बंगलूर में श्री पेजावर अधोक्ष मठ द्वारा आयोजित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
5. दिनांक 21.3.2014 पूर्ण प्रज्ञ संशोधन मंदिर, पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बंगलूर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वामन पुराण में प्रह्लाद कृतार्थ यात्र वर्णनम्'' पर व्याख्यान दिया ।

❋ डा. टी. लतामंगेश

1. एस.वी. विश्वविद्यालय के प्राच्य अनुसंधान संस्था द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''महाभारत में शिक्षा का दर्शन'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
2. दिनांक 7 और 8 मार्च, 2014 साहित्य विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महिला विदूषी सम्मेलन में भाग लेकर ''संस्कृत महिला विदूषियों'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ डा. भरत भूषण रथ

दिनांक 22 - 27 अगस्त, 2013 तक दिल्ली संस्कृत अकादमी, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में भाग लेकर ''सामयिक समाजे अर्थनीतो राजनीतो च : नीति शास्त्रानाम प्रयोगः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

❋ डा. श्वेतपद्मा शतपथी

1. दिनांक 13.9.2013 से 17.9.2013 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''आधुनिक युग में संस्कृत का महत्व'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
2. दिनांक 11.3.2014 से 21.3.2014 तक भारतीय संस्कृति के रूप में परिलक्षित उडिशा की पांडुलिपि'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

3. दिनांक 11.3.2014 से 21.3.2014 तक श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''पुराण पुरुषोत्तम जगन्नाथ देव'' में भाग लिया ।

❋ लीनाचंद्रा के.

1. दिनांक 27 और 28 जुलाई 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत जागरूकता कार्यक्रम में भाग ली ।
2. दिनांक 2-3 सितंबर 2013 श्री जगन्नाथ चेतना गवेषणा प्रतिष्ठाना, पुरी के सहयोग से तिरुपति के उत्कलपीठ द्वारा आयोजित ''नीलाचल और सिंहाचल की तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' - द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''श्री वेंकटाचलस्य महात्म्यम'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।
3. दिनांक 3-4 सितंबर, 2013 आ.ए.विद्यापीठ, तिरुपति के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''राजाराव के कांतापुरा में भारतीय कथा शैली'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की।
4. दिनांक 13 से 15, 2013 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ द्वारा आयोजित ''आधुनिक युग में संस्कृत का महत्व'' - त्रि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग ली।
5. दिनांक 8 से 15 नवंबर 2013 तक आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति में साहित्य और संस्कृति के संकायों द्वारा आयोजित कार्यशाला - ''साहित्य में शिक्षण तकनीकें और अभिनव अनुसंधान'' में भाग ली ।
6. दिनांक 23-24 दिसंबर 2013 आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित ''आधुनिक भारत में विवेकानंद का युग'' द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''साहित्य प्रक्रियेशु उपन्यासः तेन विवेकानंदस्य संबंधः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की ।
7. आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित संस्कृत साप्ताहिक समारोह में भाग लेकर अलंकार शास्त्रे प्रादेशिका प्राधान्यम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रपत्र प्रस्तुत की ।
8. दिनांक 7-11 जनवरी 2014 ओ.आर.आई., एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति, ति.ति.दे. के सहयोग से ''महाभारत'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर ''महाभारत में सब से बुद्धिमान महिला - कुंती'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की ।
9. दिनांक 7-8 मार्च, 2014 आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत महिला विदूषी सम्मेलन में भाग लेकर ''राष्ट्र निर्माणे द्रौपदी स्थानः'' - विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की ।
10. आर.एस. विद्यापीठ के कैरियर कॉउसलिंग सेल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''व्यक्तित्व विकास'' में भाग लेकर ''अभिज्ञान शाकुंतले नारीनाम व्यक्तित्वविकासः'' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत की ।
12. दिनांक 25 नवंबर से 21 दिसंबर 2013 तक वि.अ.ए. द्वारा प्रायोजित, वि.अ.ए. अकादमिक स्टाफ कॉलेज में आयोजित अभिविन्यास कायक्रम में भाग लिया।

❊ डा. डी. नल्लन्न

1. बहुभाषी संस्कृत व्युत्पत्ति शब्द कोश की तैयारी पर राष्ट्रीय कार्यशाला 30 सितंबर 2013 से 3 अक्तूबर 2013 तक राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में आयोजित किया गया ।
2. दिनांक 21 और 22 दिसंबर 2013 को तेलुगु विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा ओयजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''भगवद्गीता और समकालीन समाज'' पर ''श्री विद्या प्रकाशानंद स्वामुलवारि तत्वसार विचारम'' नामक शीर्षक से एक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।
3. दिनांक 21 और 22 मार्च 2014 को तेलुगु विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति (सांस्कृतिक विभाग, आन्ध्रप्रदेश हैदराबाद) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पुट्टपर्ति नारायणाचार्युलु जीवित - साहित्यम्'' पर पुट्टपर्ति नारायणाचार्युल मेघदूतम' 'गुर्रम जाशुवा गब्बिलम तुलनात्मक परिशीलन' शीर्षक से एक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।
4. दिनांक 7 से 11 जनवरी 2014 तक ओरियंटल रिसर्ज इन्स्टीट्यूट, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति और तिरुमल तिरुपति देवस्थानम, तिरुपति द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''श्रीमद् महा भारतम्'' पर भारत, भागवताविष्कृत इतिवृत्तालु'' नाक शीर्षक से एक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।

❊ डा. सी. गिरिकुमार

1. दिनांक 21.5.2013 से 31.6.2013 तक आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुण्टूर में आयोजित पी.ई.सी.ई.टी. (शारीरिक शिक्षा कॉमन एन्ट्रेन्स टेस्ट) के लिए एक परीक्षक (फील्ड परीक्षक) के रूप में काम किया ।
2. दिनांक 10 से 11 जून 2013 तक योगी वेमना विश्वविद्यालय के तहत शारीरिक शिक्षा - जैन कॉलेज - कडपा में आयोजित द्वितीय वर्ष प्रायोगिक परीक्षा में यूजी डीपी एड बाहरी प्रायोगिक परीक्षक के रूप में काम किया ।
3. दिनांक 04 से 10 जुलाई 2013 तक संकाय विकास कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय अनुवाद आयोग द्वारा प्रायोजित शिक्षा के संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति द्वारा आयोजित ''शैक्षिक अनुसंधान में वर्तमान तकनीकें'' पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
4. दिनांक 3 से 8 दिसंबर 2013 तक आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुण्टूर (आन्ध्रप्रदेश) में आयोजित दक्षिण आंचलिक अन्तर्विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष) 2013-14 प्रतियोगिता के लिए विद्यापीठ टीम के लिए एक प्रबन्धक के रूप में काम किया ।
5. दिनांक 11 से 24 दिसंबर 2013 तक पांडिचेरी विश्वविद्यालय - पुदुच्चेरी में आयोजित दक्षिण आंचलिक विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता 2013-14 के विद्यापीठ टीम के लिए एक प्रबन्धक के रूप में काम किया ।
6. दिनांक 18 से 24 दिसंबर 2013 तक कालीकट विश्वविद्यालय, मलपुरम, केरल में आयोजित दक्षिण आंचलिक अन्तर्विश्वविद्यालय खो-खो पुरुष प्रतियोगिता 2013-14 के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ टीम के लिए एक प्रबन्धक के रूप में काम किया ।

7. दिनांक 19 से 24 दिसंबर 2013 तक अलगप्पा विश्वविद्यालय - काराईकुडि, तमिलनाडु में आयोजित अखिलभारतीय अन्तरविश्वविद्यालय बॉल-बैडमिंटन (पुरुष और महिला) प्रतियोगिता 2013-14 के विद्यापीठ टीम के लिए एक प्रबन्धक के रूप में काम किया ।

8. दिनांक 6 से 10 फरवरी 2014 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति आन्ध्रप्रदेश में आयोजित दक्षिण आंचलिक अन्तरविश्वविद्यालय वॉली बॉल (पुरुष) प्रतियोगिता 2013 - 14 के विद्यापीठ टीम के लिए एक प्रबन्धक के रूप में काम किया ।

9. दिनांक 24 से 30 मार्च 2014 तक संकाय विकास कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित ''संकाय के लिए शैक्षिक अनुसंधान में सांख्यिकी'' पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

IV . विशेष कार्यक्रम

(अ) संस्कृत सप्ताह समारोह -

संस्कृत सप्ताह समारोह (16 से 23 अगस्त 2013 तक) पिछले वर्षों के जैसे, भगवान श्री वेंकटेश्वर की कृपा से इस साल भी संस्कृत सप्ताह समारोह एक भव्य उत्सव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति परिसर में दिनांक 16 से 23 अगस्त, 2013 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के संरक्षण और निर्देशन में श्रावण पूर्णिमा के शुभ दिन के अवसर पर मनाया गया ।

उद्घाटन समारोह महोत्सव - 16.8.2013

इस महोत्सव का भव्य उद्घाटन विद्यापीठ में दर्शकों से भरे हुए इंडोर स्टडेडियम में आयोजित किया गया था। विद्वानों, छात्रों, मीडिया सदस्य और विद्यापीठ के कर्मचारियों ने इस अवसर पर भाग लेकर कार्यक्रम को संपन्न बनाया।

स्वागत भाषण

प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तथा लोकप्रिय संस्कृत कवि और विद्वान, तिरुपति ने स्वागत भाषण पर हमारे समाज पर अतुलनीय प्रभाव पर प्रकाश डाला । संस्कृत साहित्य की शिक्षायाँ, भारत के महान संतों द्वारा दिया ज्ञान का फल है जो हर समय प्रासंगिक है ।

मुख्य अतिथि संदेश

प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, प्रथम और पूर्व कुलपति, श्री वेंकटेश्वरा वेदिक विश्वविद्यालय, बहुमुखी व्यक्तित्व और वर्तमान साहित्य और संस्कृति संकाय प्रमुख इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे । उनके उदात्त और महान विचारों विद्यापीठ भर में सभी प्रगति के लिए आवश्यक मार्गदर्शन से हमेशा संस्कृत के क्षेत्र की सेवा का समर्थन करता हूँ । अपने संदेश में उन्होंने भारतीयों के जीवन पर बल दिया । संस्कृत और संस्कृत के अभाव में मनुष्य का भविष्य अंधेरा होता है । संस्कृत शिक्षा सार्वभौमिक मूल्य के लिए है । अत: संस्कृत में छिपे ज्ञान और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी संस्कृत पढ़ने वालों पर है । संस्कृत सभी दिलों को शुद्ध और पूरी दुनिया को शांत बनाता है ।

सम्मानित अतिथि का प्रेरक भाषण

प्रो. रविशंकर मेनोन, तत्कालीन कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति तथा बहु प्रज्ञावत ने

अध्ययन और अनुभवों पर दर्शकों को उत्तेजक भाषण दिया । सभी भारतीय भाषाओं पर संस्कृत का प्रभाव पर विचार को व्यक्त किया ।

अध्यक्षीय भाषण

महामहोपाध्याय प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, माननीय कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, ने अपने अध्यक्षीय भाषण के माध्यम से विद्वानों और व्यवस्थापकों की प्रशंसा जीता । उन्होंने अपने अमूल्य भाषण में संस्कृत के सभी छात्रों को देवभाषा के संतान का विचार व्यक्त किया । इसलिए संस्कृत समुदाय के सभी सदस्यों के दिल, विचारों और जीवन संस्कृतके भावों से भरा कर अमर बना देना है । अपने श्रद्धा और संस्कृत के प्रति समर्पण के कारण वैयाकरण पतंजली एक संत बने । हमें अपने आपको वैश्विक नागरिक मानना है ।

डा. राणी सदाशिव मूर्ति संस्कृत सप्ताह समारोह के समन्वयक उद्घाटन सत्र की तुलना किया, डा. सत्यनारायण आचार्य उचित रूप से धन्यवाद भाषण दिया ।

भजन संध्या - आध्यात्मिक श्रोत की ऊर्जा

पहले दिन के शाम विद्यापीठ के सभी छात्र एकत्रित हुए और अत्यंत भक्ति के साथ विभिन्न देवी देवताओं के भजन संस्कृत, उड़िया, मलयालम, तेलुगू, कन्नड, बंगाली और हिंदी में गाये । प्रतिभागी छात्रों ने बहुत ही उत्साह के साथ अपनी असाधारण प्रतिभा को प्रस्तुत किया । भजन संध्या आध्यात्मिक, मधुर भक्ति और जीवंत था । यह भावी कार्यक्रम सफल संचालन के साथ चलाने के लिए एक महान शक्ति प्रदान करने वाला था ।

दिनांक 17.8.2013 को विद्यापीठ छात्रों के लिए आयोजित प्रतियोगितायें -

विद्यापीठ के छात्रों के लिए विशेष रूप से दूसरे दिन संस्कृत गीत गान स्पर्धा, आशुभाषण स्पर्धा, रसप्रश्न और श्लोक अंत्याक्षरी का आयोजन किया गया । डा. सी. रंगनाथन, सह आचार्य, साहित्य विभाग इन प्रतियोगिताओं के संयोजक थे ।

गीतगायन स्पर्धा

पुरस्कार		पुरस्कार विजेता
प्रथम	-	बी. यशोवर्धन, बि.एससी. - III
द्वितीय	-	बरुन नंदिनि पण्डा, आ-II
तृतीय	-	बिभूतिभूषण जेना, शि.शा.

रस प्रश्न

प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
कृष्णानंदा, आ-II	अखिलेश मिश्र, आ-II	सौरभ मनदय
कृष्णा राव, शा-I	राजेश गुर्जर, आ-II	बिस्वजित मोहराना
शिवशंकर होत्ता, शा-III	सम्राट गांगुली, एम.ईडी.	बि. यसोवरधन, बी.यससी. -III
रेवती सुप्रजा - शि.शा.	नारायण अधिकारी, आ-II	महेश कुमार पांडे, शा-I

श्लोक अंत्याक्षरी

प्रथम पुरस्कार	-	शिवशंकर होत्ता, आ.-III
द्वितीय पुरस्कार	-	महेश कुमार पांडे, शा.-I

आशुभाषण

प्रथम पुरस्कार	-	शिवशंकर होत्ता, आ.-III
द्वितीय पुरस्कार	-	राजेश कुमार गुर्जर, आ-II
तृतीय पुरस्कार	-	अखिलेश मिश्र, अ.-II

18.8.2013 दिन स्थानीय शिक्षण संस्थानों के छात्रों लिए प्रतियोगितायाँ शैक्षिक संस्थानों के छात्रों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । प्रतियोगिताएँ की घटनायाँ थी सस्वर पाठ से संस्कृत गीत प्रश्नोत्तरी और संस्कृत श्लोक । विद्यालय स्तर और कॉलेज स्तर प्रतियोगितायाँ आयोजित की गई, लगभग 20 विद्यासंस्थानों से छात्रों ने भाग लिया था ।

साहित्य विभाग के डा. भरतभूषण रथ, डा. बलि चक्रवर्ति और डा. प्रदीप कुमार बाघ सहायक प्रोफेसर इन प्रतियोगिताओं को चलाया था ।

प्रतियोगिताओं के विजेता निम्नांकित हैं -

विद्यालय स्तर संस्कृत गीत प्रतियोगिता

प्रथमपुरस्कार	-	आर.वि.एस. दीप्ति, भारतीय विद्याभवन-IX
द्वितीय पुरस्कार	-	आर.नीरजा, भारतीय विद्याभवन-X
तृतीय पुरस्कार	-	बि. लक्ष्मी प्रत्यूशा, केशवरेड्डी कान्सेप्ट विद्यालय-VIII

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विद्यालय स्तर

प्रथमपुरस्कार	-	आर. सुधनवन, भारतीय विद्याभवन-IX
प्रथमपुरस्कार	-	आर. पियंवदा, भारतीय विद्याभवन-X
द्वितीय पुरस्कार	-	ए. हिमबाला पद्मिनी, रत्नम टेकनो विद्यालय-VII
तृतीय पुरस्कार	-	आर. हिरणमई, भारतीय विद्याभवन-V
तृतीय पुरस्कार	-	वि.जे. विष्णु, भारतीय विद्याभवन-V

कॉलेज स्तर

प्रथमपुरस्कार	-	जी. श्रीवल्लभन, केंद्रीय विद्यालय-XI
द्वितीय पुरस्कार	-	सौम्येश, केंद्रीय विद्यालय-XI
प्रथमपुरस्कार	-	डि. हेमनाथ नायुडु, के. कॉन्सेप्ट विद्यालय - III

द्वितीय पुरस्कार	-	वाई. लक्ष्मी वर्षिता, गीतम-II
तृतीय पुरस्कार	-	एन. पियांशु, भारतीय विद्याभवन-IV

सामूहिक - 2

प्रथमपुरस्कार	-	जि. चिरंजीवी, ब्रिलियंट हैस्कूल-VII
द्वितीय पुरस्कार	-	वि.जे. विष्णु, भारतीय विद्याभवन-V
तृतीय पुरस्कार	-	ए. इन्दुप्रिय, के. कॉन्सेप्ट स्कूल, VII

सामूहिक - 3

प्रथमपुरस्कार	-	टि. पुष्या मित्रा, के., कॉन्सेप्ट स्कूल
द्वितीय पुरस्कार	-	एन. वि. सुप्रजा, के., कॉन्सेप्ट स्कूल
तृतीय पुरस्कार	-	ए. देवीश्री, के., कॉन्सेप्ट स्कूल

दिनांक 17 और 18 अगस्त 2013 आयोजित इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक निम्नांकित थे । डॉ. सी. रंगनाथन, डॉ. भरत भूषण रथ, डॉ. बलिचक्रवर्ति, डॉ. जी. ज्योति, जॉ. श्वेतपद्मा शतपथी, डॉ. यशश्वी, डॉ. सी. नागराजु और डॉ. पी.टी.जी. रंगरामानुजाचार्युलु ।

आ) स्वतन्त्रता दिवस समारोह

15 अगस्त , 2013 को सुबह 8.15 बजे विद्यापीठ में स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया। विद्यापीठ के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी जी ने ध्वज फहराकर सभी को संबोधीत करते हुए भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण में त्री-रंगों का महत्त्व बताते हुए कई शहीदों के विचारों का अवलोकन किया। उन्होंने सभी संस्कृत विद्वानों से निवेदन किया कि इस संस्था के लिए कुछ नया कर दिखाए।

शैक्षिक संकाय अधिष्ठाता, प्रो. आ.के. ठाकुर, कई संकाय अधिष्ठाताओं, कुलसचिव प्रो. के. रविशंकर मेनोन, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यापीठ के छात्र इस समारोह में उपस्थित थे।

इ) हिंदी दिवस समारोह

दिनांक 14 सितंबर 2013 विद्यापीठ में हिंदी दिवस का उद्घाटन प्रो. कृष्णकंचन शर्मा, एस.वी.आई.एम.एस., तिरुपति द्वारा किया गया । इस उपलक्ष्य पर आयोजित भाषण, निबंध, हिंदी गायन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों पुरस्कृत किया गया ।

डॉ. टी. लतामंगेश, सहायक आचार्या, हिंदी विभाग समारोह में स्वागत तथा धन्यवाद भाषण दिया ।

ई) गणतन्त्र दिवस -

दिनांक 26 जनवरी, 2014 के सुबह 8.15 बजे विद्यापीठ में गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया था। कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी जी ने ध्वज फहराकर उपस्थित सभी को संबोधित कर भाषण दिए। शैक्षिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. आर.के. ठाकुर, कई संकाय अधिष्ठाताओं, कुलसचिव प्रो. सी. उमाशंकर, शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यापीठ के छात्रों ने इस समारोह में भाग लिए था।

उ) अम्बेडकर जयंती समारोह

दिनांक 14 अप्रैल 2013 बाबा साहेब डा. भीम अम्बेडकर जयंती को विद्यापीठ ने समर्पण भाव के साथ मनाया । डा. चिंता मोहन, संसद के माननीय सदस्य, तिरुपति, मुख्य अतिथि थे । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कुलपति अध्यक्ष थे ।

ऊ) आठ वाँ अखिल भारतीय संस्कृत छात्रों का प्रतिभा उत्सव - 2014

दिनांक 22 से 25 जनवरी 2014 तक राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने 8 वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र पतिभा समारोह का आयोजन किया । माननीय कुलपति ने डॉ. सी. रंगनाथन वाग्वर्धिनी परिषद के समन्वयक को इस महोत्सव के संयोजक तथा वाग्वर्धिनी परिषद के सहसमन्वयक डॉ. भरत भूषण रथ को इस महोत्सव के सह संयोजक के रूप में नियुक्त किया । महोत्सव के सुचारू संचालन की सुविधा के लिए कई समितियों का गठन किया गया । भारत भर से 25 टीम महोत्सव में भाग लिए । इस अवसर पर मानव संसाधन विकास के माननीय मंत्री डा. एम.एम. पल्लं राजु, ज्ञानपीठ पुरस्कार से पुरस्कृत तथा द्वितीय संस्कृत आयोग के अध्यक्ष प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, संसद के सदस्य, तिरुपति डा. चिंतामोहन और एम.जी. गोपाल, आई.ए.एस., कार्यनिर्वहण अधिकारी, तिरुमल तिरुपति देवस्थानम, समारोह के अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।

प्रतिभागी संस्थायाँ :

1. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, आं.प्र.
2. श्री वेंकटेश्वर वेदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आं.प्र.
3. श्री सुर्यपुर संस्कृत महाविदद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
4. दर्शनम संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
5. ब्रह्म श्री संस्कृत महाविद्यालय, दकोर रोड, नदीयद, गुजरात
6. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, वेद व्यास परिसर, हिमाचलप्रदेश
7. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, वेद व्यास परिसर, रणबीर परिसर, जम्मु
8. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी, कर्नाटक
9. एस.एम.एस.पी. संस्कृत स्नातक स्नातकोत्तर अध्ययन केन्द्रम, उडुपी, कर्नाटक
10. पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, बंगलूरु, कर्नाटक
11. केरल वैश्य संस्कृत विद्यापीठ, (कोट्टापुरम), त्रिसुर, केरला

12. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायुर परिसर, केरला
13. मुम्बदेवि आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मुम्बई, महाराष्ट्रा
14. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, के.जी. सोमय्या संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई, महाराष्ट्रा
15. कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विदद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्रा
16. पुने विश्वविद्यालय, पुने, महाराष्ट्रा।
17. श्री लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराई, नई दिल्ली.
18. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा।
19. श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वति विश्व महाविद्यालय, एनत्तुर, काँचीपुरम्, तमिलनाडु
20. श्री अहोबिल मठ संस्कृत कॉलेज, मधुरान्तकम।
21. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, उत्तरप्रदेश ।
22. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वारणासी, उत्तर प्रदेश
23. कालियाचौक बी.के.ए. किशोर संस्कृत महाविद्यालय,पश्चिम बंगाल।
24. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर।
25. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बृंदावन, मथुरा, उत्तरप्रदेश ।

समारोह के मुख्य अतिथि ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त पद्मभूषण प्रो.सत्यव्रत शास्त्री, द्वितीय संस्कृत आयोग के अध्यक्ष द्वारा उद्घाटन किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि हमारी संस्कृति, महाकाव्यों तथा पुराणों में छिपे मूलयों पर प्रकाश डाला। प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कुलपति समारोह की अध्यक्षता की। उन्होनें अपने अध्यक्षीय भाषण मे स्मरण किया कि संस्कृत अध्ययन से नैतिकता से रहित दुनिया से पीछा छुडवाताहै।

प्रो.राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख समारोह के प्रतिभागी दल और निर्णायकों का स्वागत किया। प्रो.एस.सुदर्शनशर्मा द्वितीय संस्कृत आयोग के सदस्य तथा साहित्य और संस्कृति के संकाय प्रमुख ने मुख्य अतिथि का संक्षिप्त विवरण दिया। डॉ.सी.रंगनाथन, वाग्वर्धिनी परिषदके समन्वयक ने महोत्सव के उद्देश्यो और लक्ष्यों को सूची बद्ध किया प्रो.सी.उमाशंकर, कुलसचिव ने धन्यवाद भाषण समर्पित किया।

पहली प्रतियोगिता अंत्याक्षरी थी, 54 प्रतियागियों ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गग संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता आयोजन किया गया। 19 प्रतिभागियों ने संस्कृत गायन प्रतियोगिता में भाग लिया।

महोत्सव की दूसरे दिन अतः 23-1-2014, साहित्य, ज्योतिष, न्याय, व्याकरण पर भाषण प्रतियोगिता का संचालन किया गया। साहित्य में 20 प्रतिभागी, ज्योतिष में 19, न्याय में 16, व्याकरण में 23 छात्रो ने भाग लिया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता ओं के अंतर्गत - एक पात्राभिनय और शास्त्रीय नृत्य का आयोजन किया गया। 13 प्रतिभागिय्रों, 15 प्रतिभागियों ने क्रमशः एक पात्राभिनय और शास्त्रीय नृत्य में भाग लिया। इस अवसर पर संस्कृत छात्रो के लिए व्यक्तित्व विकास पर कैरियर कौंऊसलिंग सेल द्वारा अखिलभारतीय प्रतिभा माहोत्सव, राष्ट्रीय संगोष्ठी को आयोजित किया । मानव संसाधन विकास, भारत सरकार के माननीय मंत्री, डॉ.एम.एम.पल्लम राजु, 8 वी अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव 2014, पूर्ण अधिवेशन का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रभावी ढग से संस्कृत के कौशलो को विकसित करने की सलाह दी। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रो. सत्यव्रत शास्त्री जी इस अवसर की शोभा बढाई। संसद सदस्य, तिरुपति डॉ. चिंतामोहन भी इस कार्यक्रम मे उपस्थित थे।

तीसरे दिन को 24-1-2014 धर्मशास्त्र, मिमांसा, सांख्या और वेदांत में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। धर्मशास्त्र में 19, मिमांसा में 15, सांख्या मे 20, और वेदांत में 19 छात्र भाग लिए। साहित्यिक प्रतियोगिता ओ के अंतर्गत समस्या पूर्ति और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। समस्यामूर्ति मे 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी मे प्रारंभिक परिक्षा का आयोजन किया गया और 8 टीमों को फइनल केलिए चुने गए और कई दौरो केबाद सर्वशेष्ठ को चुना गया। अंतिम प्रतियोगिता एक पात्रा भिनय था और 12 दलो ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया था।

दिनांक 25 जनवरी 2014 को समापन समारोह का आयोजन किया गया। श्री एम.जी.गोपाल, आई एस, कार्यकारी आधिकारी, तिरुमल तिरुपति देवस्थानम, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। ज्ञानपीठ पुस्कार विजेता प्रो.सत्यव्रत शास्त्री, सम्मानित अतिथि छात्रों को बहुमूल्य सुझाव दिए। डॉ.सी.रंगनाथन, समन्वयक ने कार्यक्रम की एक विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत की। गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओ को पुरस्कार वितरित किए। प्रथम पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, रु. 1000 एक प्रमाण पत्र, द्वितीय पुरस्कार विजेता को रजत पदक, 750 रु, एक प्रमाण पत्र, तृतीय पुरस्कार विजेता को एक कांस्य पदक, 500 रु. प्रमाणपत्र और सांत्वना पुरस्कार विजेता को 250 रु तथा एक प्रमाण पत्र दिया गया।

इस वर्ष रोलिंग शील्ड राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के छात्रों द्वारा जीता गया था। डॉ भरतभूषण रथ, सहसमन्वयक ने धन्यवाद समर्पण किया था ।

(ऋ) 17 वें दीक्षांत समारोह -

दिनांक 5 मार्च 2014 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, में 17 वे दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था। विद्वान प्रियब्रत दास सम्मानित मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। महामहिम प्रज्ञानवाचस्पति डॉ. जानकी वल्लभ पठनायक, माननीय असम के राज्यपाल तथा विद्यापीठ के कुलाधिपति ने अपना अध्यक्षीय भाषण दिया और प्रो. एच के. शतपथी, कुलपाति, विद्वनो का स्वागत किया।

17 वी. दीक्षांत समारोह में विद्यापीठ निम्नलिखित विद्वानों को मानद उपाधि से सम्मानित किया -

महामहोपाध्याय	वाचस्पाति
1. प्रो. अशोक कुमार कालिया	विद्वन प्रियब्रत दास
2. प्रो. पी.आर. रंगराजन	ब्रह्म श्री चागंटीकोटेश्वर राव
3. विद्वान श्री राजा एस. गिरिआचार्य	प्रो. एस रंगनाथ

कुल मिलाकर 108 छात्रों ने शास्त्री बीए स्नातक प्राप्त की। 108 छात्रो को स्नातकोत्तर आचार्या की डिग्री से सम्मानित किया गया। 277 उम्मीदवारो और 50 विद्वनो को क्रमशः विशिष्ट आचार्य (एम.फिल) और विद्यावारिधी पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह के दौरान 20 छात्रो को स्वर्णपदक और एन्डोमेंट नकद मिला।

विद्वान प्रियब्रत दास के दीक्षांत अभिभाषण का सार

प्राचीन समय में शिक्षा के लिए ब्रह्मचर्य और छात्र के लिए ब्रह्मचारी का नाम दिया गया था। ब्रह्मचर्य की अवधारणा वैदिक युग की एक अद्भुत खोज थी। महान बनने की आंदोलन ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मा (महान) चर्या (आंदोलन)।

एक ब्रह्मचारी विलासिता का जीवन से अपने आप को बचाता और आधिग्रहण सामग्री तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए प्रेरित करता है। शिक्षक ब्रह्माज्ञान प्रदान करता है अर्थात् देवत्व से छात्र पूर्ण जीवन जीने की शिक्षा देता है। अथर्व वेद के प्रसिद्ध सुक्ता की अंतिम कविता की कथन -

तानि कल्पद् ब्रह्मचारी सलिलस्य पृष्ठे तपोऽतिष्ठत्तप्यमान: समुद्रे।
स स्नातो बभ्रु: पिंगल: पृथिव्यां बहु रोचते।। (AV - XI - 5.26)

शिटाचार का आचार, वह समुद्रपर स्नान, भूरे, लाल कीसतह पर शानदार ढगसे तपस्या का प्रदर्शन खडा करता है।

मनुष्य निशचय तरीके से जन्म लेता है, जहाँ अन्य प्राणियाँ उनकी स्वाभाविक व्यवहार से तर्क और प्रशिक्षण के बिना जीने के लिए प्रवृत्त होते हैं। इसलिए वेद मनुष्य के दो जन्म बताये है। एक, माँ की खोक से पहला जन्म और दूसरा, अधिक महत्वपूर्ण है माँ से सीखना अर्थवेद का प्रबोधन -

“आचार्य उपनयमानो ब्रह्मचारिणं कृणुते गर्भमन्त:।
तं रात्रीस्तिस्त्रम् उदरे बिभर्ति तं जातं द्रष्टुमभिसंयन्ति देवा:।।” (AV - XI - 5.3)

एक आध्यात्मिक शिक्षक, भर्ती लिए नए छात्र को एक भ्रूण, मान कर उसे अपने पेट में तीन रातो के लिए स्थान देता है (तीन विधियों को निकालने के लिए - आधिभौतिक, अधिदैविक, और आध्यात्मिक) पर्याप्त सभी दिव्य संस्थायाँ जन्म लिए उसे देखने के लिए इकट्ठा होते है।

शिक्षा का उद्देश्य न्सांसारिक और आध्यात्मिक ज्ञान का सम्मिश्रण है - यजुर्वेद का कथन -

“अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते” (YV. XI. 14)

विज्ञान का पीछा करते हुए मृत्यु पार काबू पाना तथा आध्यात्मिकता के माध्यम से अमरत्व प्राप्त करना। आदमी के अंतिम क्षण तक मनुष्य को सच्चाई तक पहुँचना, जीवन के हर कदम सच्चाई के लिए ही है। सच्चाई तक पहुँचने के लिए वेदो ने एक सीढी की सलाह दी के बरि बताते हुए-

“व्रतेन दीक्षामाप्नोति दीक्षयाप्नोति दक्षिणाम्।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते।।” (YV. XIX. 30)

वह व्रत से अभिषेक, अभिषेक के माध्यम से दक्षता, दक्षता से श्रद्धा और श्रद्धा के माध्यम से विश्वास के आधार पर सच्चाई का ज्ञान होता है। मनुष्य के दिल में सच्चाई के मार्ग पर कई रुकावटें होते हैं। ये सब लगाव, क्रोध, वासना, लालच, गर्व और ईर्ष्या है। पक्षियों और जान वरों की बुराई, जीवन प्रतीक के रूपक में बताया गया है। ऋग्वेद की कविता -

हे प्रभु ! आप भेड, हंस, गिद्ध और कुत्ते के सभी आकर्षक दोष को भुला देते हो। अपनी देदीप्यमान की निगाहो को दु:ख कार हरण कर देते हो -

"उलूकयातुं शुशुलूकयातुं जहि श्वयातुमुत कोकयातुम्।
सुपर्णयातुमुत गृध्रयातुं दृषदेव प्र मृण रक्ष इन्द्र।। "(RV. VII. 104.22)

मनुष्य जुलाहा है जो अपने कार्यो के धागे के साथ निरंतर जीवन को बुनता है। अधिक गौरवशाली जीवन कपडा है। जुलाहा प्रकाश में बैठकर कपडा बुनता है ताकि कही बुना सामग्री में मोड या घाँठ न हो। वैसे ही मनुष्य भी ज्ञान का दीप के जरिए सभी कार्यो का प्रदर्शन करे मनुर्भावं आप जीवन रूपी कपडे का ज्ञान के प्रकाश के साथ बुन सकते हो। इस प्रकार आदमी बनने की प्रयत्न कर सकते हो। मनुष्य सांप्रदायिक विचारों को गले लगा कर घृणा, ईर्ष्या की भावना को छोडना शुरू करता है ''जनय दैवम् जन्म'' तब आप अन्य प्राणियो से अलग ही माने जाते है। जो देवत्व के लिए अपने आप को तरक्की के लिए योग्य माना। एक प्रबुद्ध की स्थिति जन्म और परमानंद की प्रभु के साथ निकटतास्थापित करता है निम्नानुसार पूरी कविता चलता है -

"तन्तुं तन्वन्नजसो भानुमन्विहि ज्योतिष्मत: पथो रक्ष धिया कृतान्।
अनुल्बणं वयत जोगुवामपो मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्।। "(RV.X. 53.6)

अब 'मधुरेण समापयेत' वेदो की प्रसिद्ध मधुर कविता की भावना के साथ मुझे निष्कर्ष पर आने दो-

"मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धव:। -
माध्वीर्न: सन्त्योषधी:।।" (RV.1.90.6)

हे पवन, हमें आपके सुखद स्पर्श लग रहा है। आप हमारे भीतर नया जीवन फैला रहे हैं। हे नदी। अपनी मीठी वर्तमान और मधुर संगीत तथा खुशी के साथ हमारे मन भर दे। पेड, पौधे, बनस्पति की दुनिया हमें अपनी शुभ कामनाएँ भेजे। लेकिन कविता में शब्द छुपा है। सच्चाई केवल निम्नलिखित उन लोगों के लिए - जो पूरी दुनिया को मिठास और सुखद देता है। दुष्ट लोगो को रचना की मिठास नजर नहीं आती।

मेरे प्रिय स्नातक, मुझे विश्वास है कि आप को वेदों और अन्य संस्कृत ग्रंथो के महान संदेश का महत्व समझ मे आ गया है। राष्ट्र आप से बहुत सारी बातों की उम्मीद रखता है। अपने गहरी शास्त्र ज्ञान के साथ और अद्वितीय कौशलो से अपने अपने तरीके से अपने प्रिय मातृभूमि की वृद्धि और विकास की योगदान में सक्षम रहे स्नातक ब्रह्मचारिणों हमारे पूर्वजो द्वारा दिए स्नातक वैदिक संदेश का पालन करना है -

"सत्यं वद " "धर्मं चर " "स्वाध्यायान्मा प्रमद:" "मातृदेवो भव" "पितृदेवो भव" "आचार्यदेवो भव" "अतिथिदेवो भव"

कुलाधिपति का भाषण -

यह विश्ववियालय समय समय पर विभिन्नक्षेत्रो मे अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त कर रहा है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों का नामांकन कई गुणा बढगया है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय ने 1700 से अधिक छात्रों को नामांकित किया है। पुरुष और महिला छात्रों की संख्या बराबर अर्थात् 50-50 है। यह खुशी की बात है। मैं इस तरह की प्रवृत्तात्मक प्रतिस्पर्धा को असम के सामान्य विश्वविद्यालयों में देखता हूँ। जहाँ देश मे सबसे ज्यादा साक्षरता राज्य मिजोरम है।

जहाँ 95 लोग साक्षर है। और मेघालय जैसे कुछ राज्यों में पुरुषो की तुलना महिलायें अधिक साक्षर है। मैं एक कहानी याद दिलाता हूँ जो आदिशंकराचार्य की दार्शन चर्चा से संबंधित थी। मंडन मिश्र एक महान विद्वान थे, निर्णायिका उभय भारती, मंडन मिश्र कि पत्नी थी जिन्हों ने चर्चा में शंकराचार्य को विजेता के रूप में घोषित किया, इस उक्ति से उन दिनों मे ही महिला ओं की उच्च सशक्तिकरण की कल्पना कर सकते है। इसीलिए कहा जाता है कि -

आगर एक आदमी को शिक्षित किया जाता है, तो
एक व्यक्ति शिक्षित होता है,
अगर एक महिला को शिक्षित किया जाता है, तो
पूरा परिवार शिक्षित होता है।

हमारा देश का इतिहास महिला विद्वानों, शासकों, और योद्धाओं की कहानियों से भरा पडा है। उडिसा के इतिहास मे रानियो की एक वंश ने उत्तराधिकार बन कर शासन किया।

यह नोट करने कि बात है कि विअए ने हमारे विश्वविद्यालय को पारंपरिक शास्त्रो के विषय मे उत्कृष्टता केंद्र के रूप मे पहचानकर, हमे प्रोत्साहित कर रही है। कई शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रम विअए के सहयोग से योजना के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है। इसके अलावा वर्त मान सत्र के दौरान शैक्षणिक कार्यक्रमों अनुसंधान गतिविधियों नियमित से, उत्कृष्टता केंद्र के क्षेत्र में प्रगति पा रहा है। छात्रों और कर्मचारियो के लिए कई नए केंद्रीय सुविधायों को जोड दिया है। विअए के सहयोग से हम संस्कृत साहित्य एक नया और प्रासंगिक व्याख्यान देने के लिए विभिन्न विषयों मे कई अभिनव पाठ्यक्रम और विशेष सहायता कार्यक्रम को बनाने में सक्षम है। बहुभाषी व्युत्तपत्ति शब्द कोश शीर्षक से परियोजना आरंभ किया गया है तथा इस संबंध में प्रगति अत्यधिक उत्साह वर्धक है।

इस संस्था की प्रगति के लिए कुलपति और उनके योग्य टीम को बधाई देता हूँ, मै उम्मीद करता हूँ कि, हमे प्रेरित करने के लिए आने वाले दिनो की सभी प्रगति जारी रहेगा।

मै इस विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के रूप मे सतत हूँ तो इस की वजह है मेरी संस्कृत के प्रति प्यार और इस विश्वविद्यालय के गतिशील नेतृत्व वाले हरेकृष्णु शतपथी के प्रतिप्यार। संस्कृत हमारे देश की आत्मा के रूप में माना जाता है और जब तक देश रहेगा यह भी मौजूद रहेगा। यह प्राचीन भाषा हमे प्रभावित करने के लिए जारी रहेगा।

यावत् स्थास्यन्ति गिरय: सरितश्च महीतले ।
तावच्च संस्कृतभाषा लोकेषु प्रचरिष्यति ।।

संस्कृत का अध्यय हमे भारत के गार्व नागरिक बनाता है, क्यों कि जो हमारी जाति, पंथ, विभिन्न क्षेत्रो और उनके देशी भाषा ओं की परवाह किए बगैर यह भाषा हमें एक साथ रहने के लिएह्न बाध्य करती है। इसका संदेश विविधता में एकता है और इस देश में जन्म लेना बहुत ही गर्व की बात है।

चित्रं जम्बूद्वीपं मनोरमं जीवितं मनुष्याणाम् ।

अतः महान बद्धा ने कहा कि जब स्वर्ण नगर लंका, रामा और लक्षमण की पहली नजर में चका चौध करता है तो तब राम लक्षमण से कहा कि -

अपि स्वर्णमयी लङ्का लक्ष्मण ! मे न रोचते

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।।

जो सोलहवी सदी के महान संत श्रीमंता माधवदेव ने लिखा कि -

धन्यधन्यकलिकाल धन्यनरतनुभाल ।

धन्य धन्य भारतवरिष

तप जप यज्ञ तेजि तो आर चरने भोजि।

तोआनाम घोषिव हरिष ।।

जो लोग जीवन की चुनौतियो का सामना करने में असफल होते है, वे अपने भाग्य या कलियुग को दोषी ठहराते है। किंतु माधवदेव वर्तमान कलियुग की प्रशंसा ही नहीं बल्कि भारतियों के रूप मे जनम लेने की प्रशंसा भी की। उन्होने हमें, जप, यज्ञ को भुलाकर भारत की महिमा का गान करने को कहा। हालांकि, हमारा उद्देश्य हमारी मातृभूमि की महिमा गाते समय हमें अपने साश्वतमूल्यो के सच्चाई पर ध्यान देना है। हमारे जीवन में नैतिकता के उच्च भावनाये वयाप्त करना है।

आज, हमारे देश में जो हो रहा है वह अत्यंत चिंता जनक है। हमारे देश के शहरों में महिलाएँ स्वतंत्र रूप से चल नही सकती। टीवी और इंटरनेट युवा को गुमराह कर रही है। यवा, स्कूल के दिनो से ही शराब पीना एक आदत बना दिया है। मादकता शहरों से गाँवो को फैल गया है।सरकार की खजाना शराब की दुकाने भरता है इसलिए सरकार आधिक से अधिक शराब की दुकाने खोलने की लाइसेंस दे रहा है इसीलिए शराब की दुकानो हर जगह बहुतायत है। राज्यों के बीच अधिक आबकारी राजस्व अर्जित करने के बीच एक प्रतियोगिता है। क्या हम इस बुरे प्रवृत्ति की ओर लड सकते है जो हमारे नैतिक गिरावट की कारण है। मुझे लगता है कि हम चाहे तो कर सकते है। जीवन में कही भी हो हमे गाँधीवादी मूल्यों को बनाए रखना है जो हमारे आजादी के दौरान, किए गए संघर्ष से लोगो की जीवन शैली में बदलाव आथा।

बारहवीं योजना के दौरान, उच्चशिक्षा ने तीन महत्वपूर्ण घटकों अर्थात् समानता, विस्तार और उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया। उच्चसिक्षा के सफल नामांकन 25 अंतर्राष्ट्रीय औसत केसाथ बराबरी पर लाया जा रहा है।

उच्च शिक्षा के विस्तार के बडे पैमाने पर योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की भर्ती की आवश्यकता है। यह एक दुष्चक्र जैसा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए, हमे गुणवत्ता स्कूलो, कॉलेजो और विश्वविद्यालयों की जरूरत है। इस तरह के संस्थानो को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए गुणवत्ता शिक्षको की जरूरत है। हमारे विश्वविद्यालय के 2/3 और कॉलेजों की 19% की गुणवत्त के मानकों पर औसत से नीचे की मूल्यांकन में है। प्राथमिक स्कूलों के विश्वविद्यालय के शिक्षण की गुणवत्ता में काफी सुधार लाना है और नैतिकता के बिना गुणवत्ता की कोई अर्थ ही नही, है।

1947 मे बहुत सालों के स्वतंत्रता बाद, हमारे तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवहरलाल ने हरू ने अलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि - एक विश्वविद्यालयमानवतावाद, कार्य के लिए, प्रगति केलिए, साहसिक विचारो केलिए, सत्य की खोज के लिए -- और मानवतावाद क्या है और सत्य की खोज क्या है, पंडित नेहरू आगे कहा, युवाओ में मूल्यो की स्थापित करने का एक जगह है विश्वविद्यालय।

एक विश्वविद्यालय अकेले विज्ञान और मानवता की शिक्षा के साथ पूरा नही माना जाता। पूरे विश्व मे भारत अपनी आध्यात्मिक शिक्षा को स्थापित करने में अनूठी भूमिका निभाया है। आध्यात्म विद्या हमारे जीवन का पहला प्राप्ति होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति सामग्री तथा आध्यात्मिक प्राप्ती की कोशि शकरना है।

अन्य देशों से गुणवत्ता शिक्षा की परंपरा हमारे देश को उपलब्ध है । विदेशी देशों से हमारे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों नलंदा, तक्षशिला, पुष्पगिरि आदि में छात्र भर्ती ले रहे हैं । हालांकि, बहुत लंबी अवधी के लिए समाज स्थिर है और भारत नवाचार और आत्म नवीकरण की कला खो दिया है । तदुपरांत पश्चिम में औद्योगिक क्रांति आई और फलस्वरूप आधुनिक विज्ञान और परिणाम स्वरूप प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पश्चिमी वर्चस्व दुनिया के 200 वर्षों के लिए हो गया।

विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री और डॉक्टरेट प्रमाण पत्र जारी करने की संस्था हीं नहीं, बल्कि ज्ञान क्षेत्र है । यह अपने अंतर्गत ज्ञान का भंडार है जो सभी चाहने वालों को ज्ञान का प्रसार करती है । अनपढ और अर्ध शिक्षित जनता को शिक्षित करने के क्रम में उत्कृष्ट शिक्षकों का उत्पादन होगा । हमारे देश में आज कई आई आईटी संस्था है । 270 विश्वविद्यालय से अधिक और कई प्रसिद्ध अनुसंधान और विकास की केंद्रीय संस्थाएँ हैं । लेकिन रैंकिंग स्थिति हाँलांकि, हमारे विश्वविद्यालयों अभी भी दुःखद है । टाइम्स उच्च शिक्षा के अनुसार दुनिया में हमारे आई आई टी 50

वें. आई आई एम 84 वें में और प्रसिद्ध जेएनयू 192 स्थान पर हैं । चीन हम से काफी आगे है । दुनिया में बीजिंग विश्वविद्यालय को 15 वीं रैंक है । वर्ष 2012 की यह स्थिति अभी भी जारी है । समकालीन समाज में संस्कृत की स्थिति का अध्ययन करने और सुझाव देने की दृष्टि से भारत सरकार ने द्वितीय संस्कृत आयोग को नियुक्त किया, यह जानकर मुझे बहुत खुशी हुई । यह आयोग इस देश के महान विद्वान प्रो. सत्यव्रतशास्त्री के नेतृत्व में है । प्रहले संस्कृत आयेग डॉ. सुनील कुमार चटर्जी की अध्यक्षता में वर्ष 1956 में नियुक्त किया गया था । आयोग की सिफारिशों के आधार पर बहुत कार्य हमारे देश में संस्कृत बढ़ावा देने के लिए किया गया है । संस्कृत को बढ़ावा देने की आधुनिक प्रवृत्ति का पूरा ढाँचा समीक्षा और भावी दिनों के लिए एक नया रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता है ।

मै आयोग को मुख्य रूप से माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम में एक अनिवार्य विषय के रूप में संस्कृत सीखने का एक प्रावधान करने की सुझाव देना चाहता हूँ । इसके अतिरिक्त सम्मेलन के बीच एक संतुलन कायम रखने की दृष्टि से विद्वान अंतर अनुशासनात्मक शोध का संचालन करे और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए भारत के नक्शे में संस्कृत शिक्षा को दिखावें.

संस्कृत हमें एकता और देश की अखंडता, उच्च स्तरीय नैतिकता और परोपकारी जीवन सिखाता है ।

संस्कृत द्वारा सिखाया गया शाश्वत संदेश हमारे जीवन भर की गतिविधियों में परिलक्षित हो सके । इस प्रकार हमारे ज्ञान का उपयोग करना चाहिए ।

शिक्षाक्षियों के रूप में आप ने अपना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया और अब आप की यात्रा ब्रह्मांड की ओर है जो कई अवसरें आपकी इंतजार में है । आप को यह नही समझना है कि आप की शिक्षा पूर्ण हो गया । हर कडी पर हमें कुछ न कुछ सीखने को प्राप्त होता है । यह पूरा ब्रह्मांड आप के लिए विश्वविद्यालय हो और सीखने की सतत प्रक्रिया जारी हो । हमे अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों के निर्वहण में हमारे शास्त्रों की महिमा को याद रखना है। आप खुले दिमाग के साथ ज्ञान के लिए सतत कोशिश करें । भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों से कहा कि - वे खुले दिमाग से सोचे और सच्चाई को सबूत के बिना स्वीकार मत करना । सौंदर्य के बल पर नहीं बल्कि दिमाग के बल पर कार्य करने को कहा।

प्रमाणं वीक्ष्य ग्राह्यं मद्वचः, न च गौरवात् ।

प्रिय स्नातक ! ज्ञान के लिए आप खुले दिमाग और अथक तलाश को जारी रखे । आप याद रखे कि आप इस महान देश के गर्व नागरिक है। आपने जो हासिल किया उस से अधिक से अधिक समाज आपसे प्राप्त करने की उम्मीद रखती है । दोस्तों मै आप सब को शुभ कामनाएँ देता हूँ, तथा अपना पथ आनंद से भरा रहे - **।। शिवास्ते सन्तु पन्थान: ।। - ।। जयहिन्द् ।।**

कुलपति संदेश -

श्रीश्रीस्वामिवेङ्कटेश्वरपदारविन्दपवित्री-कृतेऽस्मिन् तिरुपतिक्षेत्रे विराजमानेऽत्र राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठज्ञानमन्दिरे

अस्माभिः सप्तदशदीक्षान्तसमारोहः परिपाल्यते। अस्मिन् मङ्गलमयमाहेन्द्रमुहूर्ते ललितलवङ्गलता परिशीलनकोमलमलयसमीरे अस्मिन् परमानन्दसन्दोहे मधुकरनिकरकरम्बित कोकिलकूजित-कुंजकुटीरे मधुमयसरसवसन्ते यथा नवपलाशपलाशवनैः मृदुलतान्तलतान्तकलापैः वासन्तम् उपवनं विराजते, तथैव भवादृशैः निमन्त्रितातिथिनवपल्लवैः बहुविधस्नातकाभिनवकुड्मलैः विद्वत्कुसुम-तल्लजैः समावर्त्तनसभाङ्गणमिदं नितरां संशोभते इति महान् आनन्दः ।

महामहिमशालिनां कुलाधिपतीनां **महामान्यराज्यपालप्रज्ञानवाचस्पतिडाक्टर्जानकीवल्लभ-पट्टनायक**महोदयानामाध्यक्ष्ये अनुष्ठीयमानेऽस्मिन् दीक्षान्तसमारोहे अस्माकं परममाननीयसारस्वतातिथीनां डक्टर्प्रियव्रतदाशमहोदयानामुपस्थितिः अस्माकं सर्वेषां कृते यथा प्रेरणाप्रदायिनी तथा आनन्दविधायिनी । हे माननीयाः दीक्षान्तसमा- रोहसारस्वतातिथयः ! तत्रभवतां भवतां न केवलं विशिष्टवैज्ञानिकरूपेण, अपि तु वेदविद्याविशारद-निरन्तरहवनकर्मसंपादनपवित्रीतान्तःकरणरूपेण संस्कृतस्य भारतीयसंस्कृतेश्च विकाशाय मार्गदर्शनमविस्मरणीयम्। अस्माकं सौभाग्यं यत् अद्यतनमहनीययज्ञकार्यसम्पादनार्थं यथा भगवत्या पद्मावत्या सह शङ्खपाणिः मुकुन्दः तथा सुरसरस्वतीस्वरूपिण्या डक्टर् शन्नोदेवीमहोदयया सह निरन्तरमेधमानः भवान् विराजते। अवसरेऽस्मिन् अत्र विराजमानयोः उभयोः तत्रभवतोः भवतोः पार्वतीपरमेश्वकल्पयोः कृतज्ञताविनिवेदनपूर्वकम् अभिनन्दनं शुभाभिनन्दनञ्च कुर्मः ।

हे वैज्ञानिकशेखर ! प्रियकथाप्रीतिप्रभाभास्कर !
वेदानां परिरक्षणेऽनवरतं ह्यानन्दतश्च तत्पर !
शन्नोदेविविभा-विभूषिततनो ! हे वेदवित् श्रोत्रिय !
हे श्रीमन्नतिथिप्रियव्रतविभो ! तुभ्यं सदा स्वागतम् ।।

सुहृदः ! अस्माकं विश्वविद्यालयस्य कृते ये महान्तः कल्पद्रुमाः, येषां छायायां वयं सर्वे संबर्द्धिताः, संरक्षिताः, ते भवन्ति अस्माकं महामान्याः कुलाधिपतयः प्रज्ञानवाचस्पति-डाक्टर्जानकीवल्लभपट्टनायकमहोदयाः । श्रीयुक्तपट्टनायकमहोदयाः न केवलं लोकप्रियाः जननायकाः वा सुप्रसिद्धाः राष्ट्रनीतिज्ञाः, अपि तु शिक्षा-साहित्य-संस्कृत-संस्कृतिक्षेत्रेषु विश्वविश्रुताः विद्वांसः। हे मान्याः कुलाधिपतयः ! विश्वप्रसिद्धविद्यानगरीवाराणसी भवतां

विद्यासाधनाक्षेत्रम् ; आकुमारीहिमाचलं सम्पूर्णं भारतवर्षं भवतां कर्मक्षेत्रम् ; महाभारतीयचेतनायोगात् समग्रा वसुधैव भवतां कुटुम्बकम् । वनारसहिन्दुविश्वविद्यालयमदनमोहनमालव्यस्मृतिपुरस्कार-केन्द्रसाहित्य- एकाडेमी-राज्यसाहित्यएकाडेमी-साहित्यभारती-उत्कलरत्न-विश्वभारती- पुरस्कार-प्रभृति बहुवहुमानपुरस्कृता: तत्रभवन्तो भवन्त: निरन्तरं भारतीय- धर्म-दर्शन-संस्कृति-संस्कृत-परम्परासंरक्षणतत्परा: इति अद्य धारा सदाधारा सदालम्वा सरस्वती । एतदर्थं तत्रभवतां भवतां संस्कृत-संस्कृतिक्षेत्रे विद्यमानमतुलनीयं दानं विविच्य केन्द्रसर्वकारै: पुन: द्वितीयवारम् अस्य राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य कुलाधिपतिरूपेण सम्माननं कृतम् । एतेन न भवताम् ; अपि तु अस्माकं विश्वविद्यालयस्य गौरववृद्धि: सञ्जाता ; एतेन वयं धन्या:, संस्कृतवाङ्मय: धन्यतर:, समग्रविद्यापीठपरिवार: धन्यतम: । विश्वविद्यालयस्यास्य या सुमहती प्रगति: भवति ; सा केवलं भवतां मार्गदर्शनेन ; शुभाशीर्वादेन च सम्भवति । भूयोभूय: कृतज्ञताविनिवेदनपुरस्सरं वयं तत्र भवतां भवतां स्वागतं सुस्वागतञ्च व्याहराम:।

हे पूज्या: ! जननायका: ! जनमनोमाङ्गल्यसंबर्द्धका: !
भाषा-संस्कृति-संस्कृतप्रियकला-साहित्यसंरक्षका: ! ।
हे वाचस्पतय: स्वयं धिषणया हे जानकीवल्लभा: !
हे दीक्षानिरता: कुलाधिपतय: ! सुस्वागतं स्वागतम् ।।

सुहृद: ! अस्मिन् दीक्षान्तसमारोहे ये विद्वांस: सम्मानजनक-डाक्टरेट्-उपाधिना विभूषिता: भवन्ति ते भारतवर्षस्य सुविदिता: संस्कृतिसम्पन्ना: संस्कृतविद्वांस: आचार्य अशोककुमारकालिआ-आचार्यपि.आर्.रङ्गराजन्-विद्वान्श्रीराज.एस्.गिरि आचार्य-विद्वान्डक्टर्प्रियव्रतदाश-ब्रह्मश्री चागण्टिराजावीरवेङ्कटबसवकोटेश्वरराव्-आचार्यएस्.रङ्गनाथमहोदया: भवन्ति । एतेषां सर्वेषां विदुषां स्वस्वक्षेत्रेषु यत् यत् नैपुण्यमस्ति ; तेन समग्रसंस्कृतवाङ्मय: समृद्ध: भवति ; अभवत् ; भविष्यति च। ते सर्वे संस्कृतसाहित्य-व्याकरण-वेद-दर्शनादिषु शास्त्रेषु कृतभूरिपरिश्रमा:, भारतीयदर्शनपरम्परायां महान्त: यशस्विन:, मानवजाते: कल्याणाय प्रतिश्रुतिबद्धा: विशिष्टा: समाजसेविन: । एतेभ्य: सर्वेभ्य: संवर्द्धनीयेभ्य: विद्वद्वरेभ्य: अहं विश्वविद्यालयपक्षत: अभिनन्दनं शुभाभिनन्दनञ्च व्याहरामि। अन्ये च ये निमन्त्रिता: अतिथय:, प्रबन्धकपरिषद: विद्वत्परिषद: सदस्या:, आचार्या:, कर्मचारिण:, वार्ताहारा: तथा प्रियतमा: स्नातका:, गवेषका:, स्वर्णपदकविजेतार:, छात्रा:, छात्राश्च अत्र उपस्थिता: तेभ्य: सर्वेभ्य: स्वागतं सुस्वागतञ्च सानन्दं सादरं सान्तरञ्च विनिवेदयामि।

ऊ) वार्षिक एवं छात्रवास दिवस समारोह :

वर्ष के दौरान, दिनांक 6 मार्च 2014 को वार्षिक तथा छात्रावांस दिवस को. प्रो. एस. बी. रघुनाथाचार्य ओपन एयर ऑडिटोरियम मे आयोजित किया गया। श्री पोलाभास्कर, आई एएस, संयुक्त कार्यकारी अधिकारी, तिति देवस्थान्म, तिरुपति, मुख्य अतिथि थे। प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की।

छात्रावास दिवस समारोह विद्यापीठ में 8 मार्च 2014 को आयोजित की गई। प्रो.के.ई.देवनाथन, कुलपति, एस वी वैदिक विश्वविद्यालय के मुख्य अतिथि थे। प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति समारोह की अध्यक्षता की। प्रो.सी.उमाशंकर कुलसचिव, वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत की। डॉ.रानी सदाशिवमूर्ति, सांस्कृतिक समन्वयक द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों समन्वित किएगए।

ऋ) गण्यमान्यों की भेंट :

शैक्षिक, प्रशासनिक, पाठ्यक्रम और सहपाठ्यक्रम कार्यकलापों के संबंध मे निम्न लिखित गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविद्, देश के विभिन्न भागों से प्रख्यात संस्कृत विद्वानों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ.जानकी वल्लभ पट्टनायक
विद्यापीठ के माननीय कुलाधिपति

श्री एम.जी. गोपाल, ऐ.ए.एस.
कार्यकारिअधिकारी
ति.ति.दे., तिरुपति

डॉ. एम.एम.पल्लम राजु,
माननीय केंद्रीय मंत्रि,
एच.आर.डी, भारत सरकार

डॉ.चिंता मोहन,
माननीय संसद, तिरुपति

प्रो.सत्यव्रत शास्त्री,
ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित,
नई दिल्ली

डॉ. के. कुपारानी
राज्य मंत्री - राष्ट्र

क) अन्नदानम परियोजना :

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के पुराने छात्र एवं शिक्षक संघ वालों ने यह निर्णय लिया कि देश के कोने-कोने से अध्ययन हेतु आए गरीब एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को विद्यापीठ के छात्रावासों में मुफ्त रूप से खाना देना। इससे उनकी पढाई के लिए मन चिंता मुक्त रहेगा। इसके अतिरिक्त रखरखाव के लिए अन्य आवर्ती अनुदान रु. 50 लाख है। करीब 1778 छात्र विद्यापीठ में देश के अलग-अलग इलाके से आए रहते हैं। तकरीबन 1332 छात्र विद्यापीठ के हॉस्टलों में रहकर इस मुफ्त खाने का उपयोग लेंगे। इस संघ के विद्वानों, प्रोफेसरों, प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों आदि आकर अन्नदानम् परियोजना व्यवस्था में बडे उदार मन से चावल और रूपये देने का निर्णय लिए हैं।

साथ ही तिरुमल देवस्थानम, तिरुपति ने 15 लाख रूपये का दान किया है। यह आवर्ती अनुदान बच्चों को कम खर्चे में बोजन देने के लिए दिया गया है। इस कम खर्चे का भोजन का उद्घाटन दिनांक 29 जुलाई, 2008 को माननीय कुलाधिपति जी ने किया है।

ख) छात्रों की उपलब्धियाँ -

1. निम्नलिखित छात्रों ने जे आर एफ प्राप्त की -

विद्यावारिधी (पीएचडी) जे आर एफ मे भर्ती छात्र -

1. श्रीमती जी. सुमेधा - साहित्य
2. श्री. अशोक कुमार दास - ज्योतिष
3. कु. प्रभासिनी - व्याकरण
4. श्री.एन.के.जगन्नाथन - न्याय

2. राजीव गाँधी फेलोशिप -

प्रशांत कुमार निखंडिया - शिक्षाशास्त्र

3. पोस्ट - डॉक्टरल फेलोशिप -

डॉ.सुजनी, को वि.अ.ए. ने सम्मानित किया। दिल्ली मे विशेषज्ञ समिति के आगे एक प्रस्तुति देने के बाद उन्हे चुना गया है। वह डॉ आर सदाशिव मूर्ति के मर्ग दर्शन मे काम कर रही है।

V. परियोजनाएँ

अ. पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय के संबंध में उत्कृष्टता केंद्र

प्रस्तावना -

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, अपने आप में एक अलग पहचान रखता हैं। इस संस्था का मूल उद्देश्य देश में अच्छे व्यक्तित्व और अच्छे नागरिकों को निर्माण करना तथा शास्त्र-संस्कृति ते उनको ज्ञानार्जन करवाना साथ ही साथ उसका विकास करवाना है। यह संस्कृत भाषा सभी को एकता में जोडनेवाली एक मजबूत कडी है। इसलिए इसकी राष्ट्रीय संस्कृति चारों तरफ छलकती है।

विद्यापीठ की स्थापना आंध्रप्रेदश तिरुपति में भगवान श्री वेंकटेश्वर के छत्र छाया में सन 1961 में शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा की गयी थी। सन् 1987 में विद्यापीठ को भारत सरकार ने संस्कृत प्रचार प्रसार हेतु संपूर्ण रूप से मानित विश्वविद्यालय के नाम पर घोषित कर दिया था। विद्यापीठ ने निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों को शुरू किया है-

1. संस्कृतभाषा और साहित्य, शास्त्रों के शिक्षण
2. अनुसंधान और प्रकाशन
3. नवाचारी परियोजनाएँ
4. संग्रह और पांडुलिपियों का संरक्षण
5. विस्तार कार्यकलापों

उत्कृष्टता केंद्र के संबंध में -

सन् 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- नई दिल्ली ने विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्रों के अंतर्गत संस्कृत भाषा का अध्ययन-अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार हेतु उत्कृष्टा केंद्र की अनुमति दी गई थी। इसके संबंध में ३ करोड मंजूर की गई और उसके अंतर्गत शास्त्रार्थ संबंध में कई परियोजनायाँ का आरंभ राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में किया गया है।

उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत कई परियोजनाएँ चलाई जा रही हैं, वे सभी काफी महत्वपूर्ण कार्यों में अपना काम जारी रखे हुये हैं। इस योजना के अंतर्गत 13 कार्यक्रमों को लागू किया गया। यह कार्यक्रम तेजी से लुप्त होती पारंपरिक संस्कृत सीखने को अतः पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से, तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए संस्कृत शिक्षण/ अध्ययन प्रक्रिया पांडुलिपि उपकरण आदि बनाने के लिए किया गया है।

पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय से संबंधित में उत्कृष्टता केंद्र

चरण - II

दूसरा और तीसरा हफ्ता अगस्त 2007 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के उत्कृष्टता केंद्र के पारंपरिक शास्त्रों संबंध

में जांच- पडताल समिति ने निरीक्षण कर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सूचित करते ही वह उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत ग्यारह वी योजना में 3.00 करोड रुपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना की कार्य-सूची निम्न है। संबंधित पत्र संख्या 18/2002 (एन.एस./पी.ई) दिनांक 8 अक्तूबर, 2008.

प्राप्त परियोजना

1. शास्त्रवारिधि
2. प्रकाशन
3. आडियो और विडियो प्रलेखीकरण
4. आडियो - विडियो रिकार्ड केंद्र का निर्माण
5. लिपि विकास प्रदर्शिनी
6. प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन के ईलेक्ट्रानिक साधन
7. संस्कृत स्वयं अध्ययन कीट्स
8. प्रलेखीकरण अर्टफ्याक्ट्स
9. पांडुलिपियों का डिजिटिलैजेशन
10. योग, दबाव प्रबंध एवं हेलिंग केंद्र
11. संगोष्ठीयाँ/कार्यशालाएँ
12. कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा तकनालजी में स्नातकोत्तर सेतु पाठ्यक्रम

योजना के निर्णय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस योजना संबंधित विद्यापीठ के कुलपति जी ने समस्त संकाय प्रमुखों, विभाग के अध्यक्षों, अधिकारियों, संयोजनाधिकारियों और अन्य उत्कृष्टता केंद्र से संबंधितों को दिनांक 30 अक्तूबर 2008 शाम 4.00 बजे बधाई देते हुए उनसे निवेदन किए कि समिति के सभी सदस्यों ने उसे देखकर वित्तिय वर्ष के तदत सभी प्राध्यापकों को परियोजना के लिए प्रस्ताव रख कर मंजूरी लेने के लिए बताये। इसके संबंधित दिनांक 10.11.2008 सुबह 10.30 बजे कुलपति जी के अध्यक्षता में सह-समिति बैठक बुलाया गया था। माननीय कुलपति जी ने सभी सदस्यों को सराहते हुए वित्तीय वर्ष के तदत सभी प्राध्यापकों को परियोजना के लिए प्रस्ताव रख कर मंजूरी लेने के लिए बताया। उसके लिए एक एक्शन योजना भी उन्होंने तैयार की है। ग्याहवी योजना के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र द्वारा चलाए - जानेवाले चरण - II के कार्यक्रमों की सूची निम्न रूप से बनाई गई है।

पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय में उत्कृष्टता केंद्र पर लिए गए निर्णयों का प्रतिवेदन

सलाहकार समिति की बैठक -

दिनांक 13 जनवरी 2011 श्री गुणशेखरण, सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के सलाहकार समिति की बैठकमें पधारे। सभी परियोजना निर्देशकों ने लिए गए परियोजनाओं

की प्रगति और प्रत्येक परियोजना की पवरपाईंट प्रस्तुतीकरण किया। युजीसी के माननीय सदृश्य ने प्रस्तुतीयों को देखकर विभिन्न परियोजनाओं के परिणाम में लाभ पाने के लिए आवश्यक प्रतिक्रिया और बहुमूल्य सूझावों को दिया।

सलाहाकार समिति की बैठक से सी.ओई.कार्यक्रम की विभिन्न परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए। नियमित रूप से समीक्षा बैठकों को आयोजित किया गया।

1. कार्यक्रम का नाम - शास्त्रवारिधि

जुलाई-अगस्त २०१३ के दौरान ज्योतिष में ३० छात्रों को लेकर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

2. कार्यक्रम का नाम : प्रकाशन

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, ५० पुस्तकें प्रकाशित किए गए। इन पुस्तकों के अतिरिक्त, विद्यापीठ ने भारी माँग और लोकप्रिय विषय जैसे रामायण की भी सीडियों का आविष्कार किया। संस्कृत को आम आदमी के करीब लाने के लिए श्री रामानुजाचार्युलु और श्री चैतन्य महाप्रभु के जीवनी और दर्शन तथा उनके संदेशों को सरल भाषा में तैयार कर, अंतिम रूप दिया गया और प्रकाशन के लिए तैयार है।

वर्ष २०१३-१४ के दौरान कुल २३ पुस्तकें प्रकाशित किए गए थे।

3. कार्यक्रम का नाम : आडियो और विडियो प्रलेखीकरण

इस कार्यक्रम के अंतर्गत १०० घंटे / वर्ष @ शास्त्रिक प्रवचनों का रिकॉर्डिंग किया गया। व्याख्यान और शास्त्रों पर विचार विमर्श संस्कृत में परंपरागत तरीके से संबंधित चयनित विषयों - अद्वैत वेदांत और द्वैत वेदांत - १० घंटे और साहित्य शिक्षण की तकनीकें - ३५ घंटे रिकार्ड की गई हैं। यह छात्रों और शोधकर्ताओं के लाभार्थ प्रस्तुत किया जा रहा है।

4. कार्यक्रम का नाम : आडियो और विडियो रिकॉर्डिंग केंद्र

स्टूडियो के बाहर रिकॉर्डिंग : 8 वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव 2013-14, 17 वीं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, भाषण, संगाष्ठी, अखिल भारतीय संस्कृत महिला सम्मेलन और पट्टाभिरामशास्त्री व्याख्यानमाला ई-स्टूडियो में रिकॉर्डिंग किया गया।

विवेकानंद की 150 वीं जयंती समारोह, वैशेषिक उत्सव राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के अंतर्गत ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग केंद्र गतिविधियों के साथ विवेकानंद के संस्कृत गीतों का संग्रह का भी आयोजन किया गया। सीडी में कुछ गाने राष्ट्र के लोकप्रिय गायक और कर्मचारी तथा विद्यार्थियों द्वारा भी गीत गान करवाया गया।

5. कार्यक्रम का नाम : लिपि विकास प्रदर्शिनी (लिपि तथा लिखित गैलरी)

लिखित गैलरी परियोजना का आयोजन तथा जगद्गुरु श्री आदिशंकराचार्य की जीवनी और दर्शन का आर्ट गैलरी की व्यवस्था की गई थी। ''इलस्ट्रेटेड लैफ हिस्टरी ऑफ श्री चैतन्य'' किताब, प्रकाशन के लिए तैयार है। श्री रामानुजाचार्य की जीवनी की दूसरा पुस्तक प्रगति पर है।

6. कार्यक्रम का नाम : प्राचीन लिपि अध्ययन के विद्युत उपकरण

उपरोक्त लिखित विषय के लिए लिपि लेआउट तैयार है और एक स्वयं सीखने की सीडी का प्रारूप लागू होने की प्रक्रिया जारी है ।

7. कार्यक्रम का नाम: संस्कृत स्व- अध्ययन कीट्स (व्याकरण आसान बनाया गया (भाग-I)

इस परियोजना के तहत संस्कृत वर्णनमाला तैयार कर, अभ्यास तथा संस्कृत वर्णमाला के कुछ अभ्यास पाठ तैयार किए गए । संधि के नियम और कुछ संधि नियम के अभ्यास तैयार किया गया । संस्कृत स्व अध्ययन के अंतर्गत १ से १२ वीं कक्षा तक विभिन्न स्तरों को उद्देशित करते हुए बनाया गया । इसके लिए पाँच समूह बनाये गए । १ से ५वीं कक्षा की पाठ का अंतिम रूप कर प्रकाशन के लिए तैयार हैं ।

8. कार्यक्रम का नाम: प्रलेखिकरण अर्टिफ्याक्ट्स

i) **उद्देश्य:**

यज्ञ हवनों को करने से संस्कृतियों का पालन करने जैसा होता है। इस चरण अंधों के संबंध में किया। चित्रीकरण अडियो- विडियों द्वारा बनाया गया है। इस में प्राचीन काल के यज्ञायुधों का प्रयोग इस परियोजना में क्रमानुसार में किया गया है।

9. कार्यक्रम का नाम : पांडुलिपियों का डिजिटलाईजेसन

पांडुलिपियों को डिजिटलाईजेसन उत्कृष्टता केंद्र परियोजना में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस परियोजना में क्रमानुसार शीर्षकों को कंपोज किया गया है। पांडुलिपियों के वर्णनात्मक सूची तैयार करने के लिए परियोजना अध्येयताओं और संपादकों को नियुक्त किया गया है। वर्तमान में सूची का कार्य भी पूरा हो गया है ।

10. कार्यक्रम का नाम : योग दबाव प्रबंध और चिकित्सा केंद्र

कई शिबिरों का आयोजन योग दबाव प्रबंध के अल्पकालिक पाठठ्यक्रम के साथ किया गया ।

11. कार्यक्रम का नाम : संगोष्ठियाँ/कार्यशाला

सीओ ई परियोजनाओं के तत्व विषयों पर आयोजित संगोष्ठियाँ और कार्यशाला।

12. कार्यक्रम का नाम : स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सेतु पाठ्यक्रम - कंप्युटर विज्ञान संस्कृत भाषा तकनीकी

किए गए कार्य का विवरण

शैक्षणिक वर्ष के दौरान, निम्नलिखित गतिविधियॉ जगह ले ली :

* शैक्षणिक वर्ष 2011-12 में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली एम एस सी (कम्प्यूटर विज्ञान और भाषा तकनीकी) शुरू की गई थी ।
* शोध के एक भाग के रूप में, पहले बैच के छात्रों को सांख्यिकीय विकसित संस्कृत भाषा के लिए दोनों संज्ञा और क्रिया के लिए मार्फलाजिकल उपकरण ।

* 100%परिणाम प्रथम श्रेणी में हासिल किए गए।

* पहले बैच के सभी छात्रों को एच.डी.एफ.सी बैंक, और इन्फोसिस, बंगलौर में कार्यरत चुना गया ।

इस बढौती को देखकर छात्र अधिक संख्या में इस पाठ्यक्रम को इस वर्ष के दौरान लेने के लिए इच्छालु हैं ।

आ. उत्कलपीठ :

उडिसा सरकार द्वारा प्रायोजित उत्कलपीठ अध्ययन केंन्द्र सन् 2000 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में प्रारंभ किया गया है। उसका प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार है -

इसके अंतर्गत भगवान जगन्नाथ संस्कृति, श्री चैतन्य की दार्शनिकता और जयदेव साहित्य का अनुसन्धान कर अमर संदेश को मुद्रित कर समाज के समक्ष रखना एक महान् कार्य है।

संपादन, संकलन और पुस्तक प्रकाशन, प्रपत्रों और आलेखों इन तीन बातों पर जोर दिया जाता है ।

इस वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के मार्गदर्शन एवं कार्यान्वयन में उत्कलपीठ ने कार्यशालाएँ, गोष्ठियाँ, प्रकाशन, प्रदर्शिनी आदि का आयोजन किया है।

श्रीसारंगधार रायगुरु, आई,पी.एस (सेवानिवृत्ति), पुरी द्वारा रचित ''जगन्नाथ शक्तकल्पा'' रचना की प्रकाशन कार्य जारी है ।

इस शैक्षणिक वर्ष में प्रकाशन :

(i) दिनांक 2 और 3 सितंबर 2013 उत्कल पीठ, जगन्नाथ चेतना, पुरी के सहयोग से ''नीलाचल और सिंहाचल के तुलनात्मक अध्ययन शेषाचल के विशेष संदर्भ में'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी का उद्घाटन पुरी के स्वामीजी सच्चिदानंद दास महाराज द्वारा किया गया और प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, विद्यापीठ के कुलपति ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की । श्री रवीन्द्रनाथ प्रतिहारी श्री असित महन्ती, अध्यापक सुनील रथ, श्री रामचंद्र दास महापात्र, श्रीमती श्रद्धांजली कानून्गो, प्रो. जी.एस.आर. कृष्णूर्ति, प्रो. सी. ललिताराणी, डा. सी. रंगनाथन, डा. आर. सदाशिवमूर्ति, डा. के. राजगोपालन, डा. एस. एन. आचार्य आदि विद्वान उपस्थित थे । विद्यापीठ के कुलसचिव प्रो. आर.के. ठाकुर समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे । उपरोक्त उल्लिखित सत्रों में डा. राधागोविंद त्रिपाठी, समन्वयक, डा. ज्ञान रंजन पण्डा, सह समन्वयक डा. ए.के. नंदा रिसर्च असोसिएट और अन्य उपस्थित थे ।

(ii) प्रो. अलेख सीएच. सडंगी (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त) पूर्वकुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी ने दिनांक 10 नवंबर 2013 जगन्नाथ संस्कृत पर भाषण दिया और उत्कलपीठ द्वारा सम्मानित किया गया । कुलपति प्रो. एच.के. शतपथी समारोह की अध्यक्षता की । डा. राधागोविंद त्रिपाठी, समन्वयक, और सह-समन्वयक डा. ज्ञानरंजन पण्डा, डा. ए.के. नंदा, अनुसंधान एसोसिएट भी उपस्थित थे ।

(iii) दिनांक 30 मार्च 2014 उड़ीसा न्यायायलय के न्यायाधीश श्री देबब्रत दास द्वारा जगन्नाथ संस्कृति पर विशेष व्याख्यान दिया गया । उत्कलपीठ द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया । कुलपति प्रो. एच.के. शतपथी ने समारोह की अध्यक्षता की । डा. राधागोविंद त्रिपाठी, समन्वयक, और सह-समन्वयक डा. ज्ञानरंजन पण्डा, डा. ए.के. नंदा, अनुसंधान एसोसिएट भी उपस्थित थे ।

इ. सॉप (विशेष सहायक कार्यक्रम)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - साप के मदद से तीन विभागों को अनुदान प्राप्त हुआ है - साहित्य विभाग शिक्षा विभाग और दर्शन विभाग ने प्राप्त किया था ।

(i) साहित्य विभाग :

दिनांक 1.4.2013 से 31.3.2018 तक वि.अ.ए. ने सॉप साहित्य डी.आर.एस.-1 से डी.आर.एस.2, 5 वर्ष की अवधी के लिए उन्नयन की मंजूरी दी । सॉप में डी.आर.एस.-2 के महत्वपूर्ण क्षेत्र में ''भरत के समय से संस्कृत काव्यशास्त्र में तकनीकी शब्दों का विश्वकोश'' है । 31.00 लाख से अधिक राशी तथा प्रोजेक्ट फेलोओं की मंजूरी दी गई । प्रो. सी. ललिताराणी समन्वयक और डा. के. राजगोपालन सह समन्वयक हैं ।

प्रतिवेदन के तहत दिनांक 31.3.2014 डी.आर.एस. - द्वितीय की प्रथम सलाहकार समिति की बैठक हुई थी । नई दिल्ली, एल.बी.एस. आर.एस. विद्यापीठ के प्रो. आर.के. पाण्डेय वि.अ.ए. नामित ने बैठक में भाग लिए। अन्य सदस्य प्रो. एच.के. शतपथी, कुलपति, प्रो. सी. उमाशंकर कुलसचिव, प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, प्रो. आर.के. ठाकुर, प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति, प्रो. सी. ललिताराणी और डा. के. राजगोपालन उपस्थित थे ।

(ii) शिक्षा विभाग :

विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत शिक्षा विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग वित्तीय सहायता के लिए चयनित किया था । यह 2009-10 से पाँच वर्षों के अवधि के लिए डी.आर.एस. फेस-1 स्तर पर किया जाएगा । 29.50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता की वित्तीय दिशा में मंजूर किया गया था । ''भाषा विकास और सामग्री उत्पादन'' पर कार्यक्रम है ।

परियोजना उद्देश्य : - भाषा व्यक्ति के व्यक्तित्व के समग्र विकास में प्रमुख भूमिका निभाता है । यह भी एक एकीकृत बल है । इसलिए पाठ्यक्रम के हर स्तर पर भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है । भाषा को सरल और प्रभावी रूप में सिखाने की जिम्मेदारी शिक्षक शिक्षा विभागों पर है । शास्त्रीय भाषा भी सांस्कृतिक विकास में प्रमुख भूमिका निभाती है । इसके अतिरिक्त वे संस्कृति के संरक्षण के मुख्य श्रोत हैं । भारत एक बहुभाषी देश होने के नाते, शास्त्रीय भाषाएँ जैसे संस्कृत एक इकाई के लोगों को स्थानीय भाषा के संवर्धन के लिए सिखाया जाना चाहिए । इस वर्ष में विशेष सहायता कार्यक्रम मुख्य विषयों पर ध्यान देगा।

सलाहकार समिति की बैठ की प्रतिवेदन :- दिनांक 31 मार्च 2014 सलाहकार समीति की बैठक माननीय कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी की अध्यक्षता में की (1) प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा (सदस्य) प्रो. एन.लता (सदस्य) प्रो. के. रविशंकर मैनोन, समन्वयक, प्रो. रजनीकांत शुक्ल, सह समन्वयक बैठक में भाग लिए । समन्वयक ने सलाहकार समिति के सदस्यों का स्वागत किया । समिति के गतिविधियों की समेकित प्रतिवेदन की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया । डी.आर.एस. -2 की भविष्य योजना की सविस्तार से चर्चा की गई । सदस्यों ने किए गए गतिविधियों की प्रभावशाली प्रतिवेदन वि.अ.ए. को सहमति भेजने की राय दी ।

वर्ष 2013-14 के दौरान किए गए महत्वपूर्ण कार्य :-

(1) शास्त्रीय भाषा शिक्षण के मौजूदा तरीकों की समीक्षा संस्कृत के विशेष संदर्भ में (पूर्ण)

(2) संस्कृत प्रयोग की शिक्षा देने के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का आयोजन किया गया।

(3) विभिन्न अधिग्रहण भाषा सिद्धांतों की प्रदर्शनी प्राचीन भारतीय दार्शनिक ग्रंथों में प्रदर्शन - सामग्री एकत्रित किया गया ।

(iii) दर्शन विभाग :

प्रतिष्ठित विशेष सहायता कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के दर्शन विभाग की मंजूरी विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी गई । गंगेश उपाध्याय की तत्व चिंतामणि पर टिप्पणियाँ और उपटीकाओं का महत्वपूर्ण सर्वेक्षण'' परियोजना शीर्षक है । प्रो. ओ.श्रीरामलाल शर्मा समन्वयक और प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु अतिरिक्त समन्वयक हैं ।

दिनांक 10 दिसंबर 2013 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में कुलपति के कक्ष में दूसरा सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया । कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी ने बैठक की अध्यक्षता की । वाराणासी के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वैदिक दर्शन विभाग के प्रो. राजाराम शुकग्ल को बाहरी विशेषज्ञ के रूपमें और प्रो. के.ई. देवनाथन तथा के. रामसूर्यनारायण आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया । प्रो. ओ. श्रीरामलाल शर्मा, सॉप दर्शना के समन्वयक और प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपत्कुमाराचार्युलु अतिरिक्त समन्वयक ने बैठक की कार्यवाही की जानकारी दी । परियोजना के लिए गए प्रगति की जाँच सदस्यों ने अच्छी तरह से की थी । समिति के सदस्यों ने परियोजना की प्रगति पर अपनी संतुष्टि की पुष्टी कर परियोजना की समुन्नति के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए ।

सॉप से संबंधित संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की भेंट -

न्याय विभाग, विशेष सहायता कार्यक्रम से संबधित संकाय सदस्यों और परियोजना अध्येताओं ने विभिन्न स्थानों और पुस्तकालयों - अडयार पुस्तकालय, जी.ओ.एम.एल., चेन्नई, सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजाऊर, बी.एच.यु. वारणासी, श्री वेंकटेश्वर प्राच्य पुस्तकालय, प्राच्य अनुसंधान पुस्तकालय, मैसूर, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पुस्तकालय, दरभंगा, का दौरा किया और विभिन्न पांडुलिपियों से प्रासंगिक और आवश्यक डेटा सॉप प्रगति के लिए किया ।

सदस्य की भेंट :-

प्राच्य कॉलेज के डा. विश्वनाथ शास्त्री, प्राचार्य को परियोजना की प्रगति निर्धारित करने के लिए विद्वान अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था । उन्होंने देश भर में गंगोपाध्याय के तत्वचिंतामणि की टिप्पणियों पर विभिन्न प्रकार के पांडुलिपियों की बहुमूल्य जानकारी दी । उन्होंने अलोक सिद्धाञ्जनम नामित अलोका, तत्व चिंतामणि की टिप्पणी पर श्री अन्नंभट्ट द्वारा लिखित उपटिप्पणियों पर एक विस्तृत ब्योरा दिया । उन्होंने तत्वचिंतामणि जयदेव और अन्नंभट्ट के टिप्पणियों के संदर्भ पुस्तकें बताया । उन्होंने तर्कसंग्रहदीपिका, तर्कसंग्रह दीपिका प्रकाशिका, न्याय सिद्धांतामुक्तावलि और दिनकरी जैसे प्रकरण ग्रंथों के बारे में परियोजना अध्येताओं को समझाया ताकि वे तत्वचिंतामणि के मुख्य पाठ को समझ सके ।

अब तक किए गए कार्य का प्रतिवेदन :-

परियोजना का कार्य सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा बनाई योजना के अनुसार किया जा रहा है । सलाहकार समिति के सुझावानुसार, गंगोपाध्याय का तत्वचिंतामणि पर प्रकाशित अप्रकाशित कार्यों को सूचीबद्ध किया गया । योजनानुसार तत्वचिंतामणि की उपलब्ध टिप्पणियाँ तथा उपटिप्पणियों जो देश भर मुद्रित या । पांडुलिपियों में हैं उन्हें पहचान कर सूची तैयार की गई है । सलाहकार समिति के निर्देशानुसार इन सूचियाँ को क्रमादेशित या डेटाबेस में संग्रहीत किया गया ।

परियोजना गंगोपाध्याय का तत्वचिंतामणि की मुद्रित पुस्तकों पर एक ग्रंथ सूची तैयार की गई । यह तत्वचिंतामणि और अपनी टिप्पणियों पर अनुसंधान कर रही शोध छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा । विभिन्न विषयों से संबंधित ग्रंथ सूची सब के लिए लाभदायक होगा । यह बडी आसानी से पूरे पुस्तकों का अध्ययन किए बिना पुस्तक की पहचान कर चर्चा की विषय बनाकर पूरी जानकारी देती है ।

अप्रकाशित कार्यानुसार, देश भर के पुस्तकालयों से डेटा एकत्रित किया गया था । नए पुस्तक सूचियों की मदद से कई अप्रकाशित तत्वचिंतामणि की टिप्पणियाँ तथा उपटिप्पणियाँ को पहचाना गया । देश भर के विभिन्न भागों से उपलब्ध पांडुलिपियाँ जैसे - अडयार पुस्तकालय, जी.ओ.एम.एल. पुस्तकालय, तंजाऊर, सऱ्वति महल पुस्तकालय, गंगानाथ झा अनुसंधान संस्था, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, एस.वी. प्राच्य अनुसंधान पुस्तकालय आदि सूची बद्ध किया गया । तत्वचिंतामणि पर अप्रकाशित कार्यों का एक और डेटाबेस तैयार करने का कार्य प्रगति पर है । कई दुर्लभ पांडुलिपियों का नकल किया गया ।

सलाहकार समिति द्वारा तैयार किए गए योजना अनुसार तत्वचिंतामणि की टिप्पणियाँ और उपटिप्पणियों के लेखकों की सूची बनाया गया । सूची लेखक का समय, जन्म स्थान, पारिवारिक संबंध और तत्वचिंतामणि पर किए गए कार्य से संबंधित है । सूची नव्य न्याय और गंगोपाध्याय से संबंधित विभिन्न संदर्भ सूचियों की सहायता से तैयार किया गया है ।

द्विदिवसीय संगोष्ठी में प्रख्यात विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रपत्रों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया।

विभाग के संकाय सदस्यों को आधारिक संरचना की सुविधाएँ :

विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत, दर्शन विभाग 5 कंप्यूटर, इंटरनेट, रिप्रोग्राफिक सुविधा अर्थात् जेराक्स मशीन, स्कैनर, लेजर जेट प्रिंट, स्टील अलमिर, यूपीएस. लॉप-टॉप आदि उचित आचरण और शोधकार्य कार्यान्वयन के लिए सज्जित किया गया ।

पुस्तकालय का विकास :- विशेष सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत, विभाग ने विभिन्न श्रेणियों में 200 से अधिक पुस्तके अर्थात् प्राचीन न्याय, नव्यन्याय, वैशेषिका, मिमांसा, सांख्य, वेदांत, शब्दकोश और विश्वकोश संबंधित पुस्तकालय विकसित किया । परियोजना 25 संस्करणों की नए पुस्तक सूची, संस्कृत वर्णमाला रजिस्टर और मद्रास विश्वविद्यालय के लेखक से संबद्ध कार्य है । नई पुस्तक सूची पत्र देश के विभिन्न भागों में उपलब्ध गंगोपाध्याय की तत्वचिंतामणि पर विभिन्न दुर्लभ पांडुलिपियों को खोजने में बहुत उपयोगी है ।

इस वर्ष, उपरोक्त पुस्तकों के अलावा, दर्शन शास्त्र की विभिन्न शाखाओं पर 200 से अधिक पुस्तकें खरीदी गयी है। मुर्दित रूप में उपलब्ध तत्त्वचिंतामणि सिद्धांतो की बेहतर समझ के लिए, तत्त्वचिंतामणि से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में संबंधित कई पुस्तकें खरीदी गयी।

ई. प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएँ

1. 3 वर्ष की अवधी के लिए ''संस्कृत के बहु शब्द भाव निकालना'' शीर्षक परियोजना वि.अ.ए. द्वारा मंजूर की गई। प्रो. आर.जे. रमाश्री मुख्य अन्वेषिका है। 11,85,800/- की राशी मंजूर किया गया था और रुपये 7,16,800/- की राशी पहले किस्त के रूप में जारी किया गया था। राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि का इंतजार है।

2. दो वर्ष की अवधी के लिए ''श्रीमदांध्र भागवत में मानवीय मूल्य'' शीर्षक परियोजना वि.अ.ए. द्वारा मंजूर की गई। डा. नल्लन्ना प्रधान अन्वेषक हैं। रु 4,95,800/- मंजूर किया गया था और रुपये 3,57,500/- की राशि - पहले किस्त के रूप में जारी किया गया था। राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि की प्रतीक्षा है।

3. सामान्य अनुसंधान परियोजना :- दो वर्ष की अवधी के लिए ''कुछ गुणवत्ता आश्वासन पहलुओं की वेब डिजाईनिंग भारत विश्वविद्यालय वेब साइटों की विशेष संदर्भ में'' शीर्षक परियोजना मंजूर की गई। डा. जी. श्रीधर प्रधान अन्वेषक हैं। रु. 1,80,000/- की राशि मंजूर किया गया था और रु. 1,20,000/- की राशी पहले किस्त के रूपमें जारी की गई। राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि की प्रतीक्षा है।

4. प्रमुख अनुसंधान परियोजना :- दो वर्ष की अवधी के लिए ''गीतगोविंद की नकल में लिखा अप्रकाशित राग काव्यों के महत्वपूर्ण संस्करण नामक परियोजना को मंजूर किया गया। डा. सोमनाथ दास प्रधान अन्वेषक हैं। रु. 5,49,100/- की राशी मंजूर किया गया था और रु. 3,21,100/- की रकम पहले किस्त के रूप में जारी किया गया। राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि की इंतजार है।

5. ''भारत में संस्कृत पत्रिकाओं की प्रलेखीकरण'' शीर्षक से दो वर्ष की परियोजना मंजूर की गई। डा. जी. गोपालरेड्डी (सेवानिवृत्त) प्रधान अन्वेषक हैं। रु. 5,69,300/- की राशि मंजूर किया गया था और रु. 3,32,800/- की राशी पहले किस्त के रूप में मंजूर की गई। रकम खर्च की जा चुकी है। और अनुदान की शेष राशि की प्रतीक्षा है।

6. प्रमुख अनुसंधान परियोजना : - ''व्युत्पत्ति विषयक बहुभाषी शब्दकोष की तैयारी'' शीर्षक दो वर्ष की परियोजना मंजूर की गई थी। डा. के. सूर्यनारायण प्रधान अन्वेषक हैं। रु. 10,00,000/- की राशि मंजूर किया गया था और रुपये 7,50,000/- की राशी पहले किस्त के रूप में जारी किया गया था। राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि का इंतजार है।

7. प्रमुख अनुसंधान परियोजना : - ''श्रीपति 11 वींशती की सिद्धांत शेखर भाग - 2 के अंगेजी अनुवाद संस्करण के साथ'' परियोजना मंजूर किया गया था। डा. ए. श्रीपाद भट्ट प्रधान अन्वेषक हैं। रु. 95000+95000= 1,90,000/- जारी किया गया था। राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि की इंतजार है।

VI. आधारिक संरचना

अ. ग्रंथालय :

विद्यापीठ ग्रंथालय की मुर्दित पुस्तक संग्रह 2,688 पुस्तकों जोडकर, 1,101,680 तक बढ़ गया। कुल पांडुलियों का संग्रह 8,006 शीर्षकों के साथ 3,903 तक बढ़ गया है । दिनांक 31.3.2014 के आँकडे के अनुसार श्री शिव नागेश, शोधछात्र द्वारा डिजिटल के रूप में उपहार दिया गए 6 पांडुलिपियाँ है। ग्रंथालय हर साल 150 भारती पत्रिकाएँ और 4 विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता ले रही है । वर्ष के दौरान 20,626 पुस्तकों की लेन देन है ।

अब वि.अ.ए. इन्फ्लिब्नेट् कार्यक्रमों के सहारे यह विद्यापीठ का ग्रंथालय सारा गणकीकृत हो चुका है । अर्जन, क्याटलॉगींग और परिचालन अनुभाग सारा अपने - आप कार्य करता है । ओप्याक व्यवस्था को जनता के लिए रखा गया है। बारकोडिंग किताबों का कार्य सब समाप्त हो गया है ।

अलग-अलग विषयों के किताबें और पांडुलिपियाँ आदि सब ग्रंथालय में उपलब्ध हैं । वे निम्न हैं -

साहित्य, व्याकरण, श्रीमद्भगवद्गीता, वेदांत, अद्वैत वेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत, द्वैत वेदांत, मीमांस, योग, साङ्ख्य, न्याय, वैशेषिक, उपनिषद, ज्योतिष, रामायण, महाभारत, भारतीय विज्ञान, गणितशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, भारतीय धर्म, बुद्धीजम, जैनीजम्, अन्य धर्म वैदिक साहित्य, पुराण साहित्य, पाश्चात्य तत्त्वज्ञान, इन्डोलाजी, चरित्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, ग्रंथालय शास्त्र, आयुर्वेद, हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, तेलुगु साहित्य, कला और वास्तुशास्त्र, कानून्, अन्य विशेष (महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो आदि) सम्मेलन और स्मरणोत्सव खण्ड, प्रचलित क्याटलॉग् में पांडुलिपियाँ उपस्थित हैं।

ग्रंथालय का उपयोग करनेवाले :

विश्वविद्यालय ग्रंथालय ने 1500 सदस्यों को बनाया है । हर बार ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को यह ग्रंथालय बनाती है। कम- से - कम हर दिन पाँच सौ सदस्य - ग्रंथालय का उपयोग लेते हैं । और एक सौ लोग छुट्टियों में ।

स्वचलित ग्रंथालय :

वि.अ.ए. के सहारे इस ग्रंथालय को इन्फ्लिब्नेट् योजना के अंतर्गत स्वचालित बनाया गया है । इसलिए किताबों का हिसाब लेना-देना आदि सब स्वचालित है । ओप्याक (OPAC) आवश्यकताएँ सब फिलहाल उपयोगकर्ताओं को मौजूद हैं । स्वचलित पत्रिकाएँ और लेन-देन विभाग प्रगती में है । फोन-दूरभाष, ई-मेल आदि पर भी किताबों की जानकारी देने का कार्य प्रगती में है । ग्रंथालय में विद्वानों अध्यापकों, छात्रों को अंतर्जाल सुविधा भी दी गयी है ।

आ. छात्रावास :

तीन छात्रावास छात्रों के लिए और एक छात्राओं के लिए बनाया गया है ।

छात्रों के छात्रावासों के नाम - शेषाचल, वेदाचल और गरुडाचल आदि प्राक्-शास्त्री से विद्यावारिधी तक हैं । दो अलग-अलग भोजन शाला और एक जुडा हुआ पाक गृह है। उनमें उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय भोजनों की सुविधा दी गई है । जिससे देश के अलग - अलग जगह से आए छात्र - छात्राओं को ज्यादा फायदा हो सके ।

नीलाचल छात्र वास नए भवन का नाम नीलाचल रखा गया है । इस में 150 छात्रों को रहने की सुविधा होगी।

'श्री पद्मावती महिला छात्रावास' लडकियों के लिए है । इसमें प्राक्-शास्त्री से विद्यावारिधी तक की लडकियाँ रहती हैं । अलग पाकगृह और भोजनशाला की सुविधा दी गयी है । यहाँ सुविधानुसार छात्रावास बनाने को सोचा जा रहा है ।

नये महिला छात्रावास को हाल ही में बनाकर आनेवाले छात्राओं को रहने की इंतजाम कर देने के लिए विद्यापीठ तैयार है । इसका खर्चा तकरीबन एक करोड रुपये तक आने की संभावना मानी जाती है । यहाँ कमसे कम 125 छात्राएँ रह सकती हैं।

सिंहाचल शोध छात्रावास - ग्यारहवें योजना के मुताबिक वि अ ए द्वारा शोध छात्रों के लिए स्वीकृती प्राप्त छात्रावास की निर्माण हो चुका है । दिनांक 29.12.2012, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री.एम.एम.पल्लम राजु, एम एच आर डी द्वारा उद्घाटन किया गया । अभी निर्माण कार्य चालू है। इस वर्ष के अंत तक कार्य संपन्न हो जाएगा।

अतिथि गृह - इस वर्ष के दौरान अतिथि गृह में एक और मंजिल बनाया गया। लिफ्ट को भी व्यवस्थित किया गया ।

प्रधान भवन और अन्य

1. योग मंदिर का निर्माण हुआ है ।

2. एक बृहत् पानी टन्की का निर्माण किया गया है जिसमें दो लाख लीटर पानी संग्रहित किया जा सकता है ।

3. शिक्षा भवन का दूसरे मंजिल का निर्माण किया गया है ।

4. प्रोफेसर एस.बी.रघुनाथाचार्य मुक्त सभाङ्गण का निर्माण किया गया है ।

5. आरोग्य केंद्र का निर्माण किया गया है।

6. दूसरे शैक्षिक भवन का निर्माण किया गया है।

नीव का पत्थर रखा गया

1. सिंहाचल शोध छात्रों का छात्रवास

2. टईप-IV कर्मचारी आवास

इ. मन:शास्त्र प्रयोगालय :

इस मन:शास्त्र प्रयोगशाला को वैज्ञानिकता में छात्र प्रशिक्षणता को ध्यान में रखते हुए आई.ए.एस.ई. ने निर्माण किया है । यह शाला शिक्षा शास्त्री (बी.एड्.) और शिक्षाचार्य (एम्.एड्.) छात्रों को अत्यंत उपयोगी है ।

ई. बहु भाषा माध्यम प्रयोगालय :

यह बहु भाषा माध्यम प्रयोगालय संस्कृत और अंग्रेजी प्रशिक्षणार्थियों को सुविधाजनक है । 'संस्कृत भाषिका' नामक संस्कृत प्रक्रिया सामग्री फिलहाल तैयारी में है । इसे उच्चतर पर बनाने का विचार जारी है । इस प्रयोगशाला का उपयोग, भाषा सीखनेवालों, संस्कृत, सांस्कृतिक ज्ञानि आदियों को सुविधाजनक हों इसीलिए गणकीकृत बनाया जा रहा है ।

उ. वर्णानुसार गैलरी :

वर्णानुसार गैलरी (लिपि विकास प्रदर्शनी) का निर्माण 2003 में उत्कृष्टता परियोजना के अंतर्गत किया गया है । इस वर्णानुसार गैलरी को निर्माण करने का मकसद प्राचीन युग से वर्णों का विकास करना था । (3000 बी.सी.) अब प्रांतीय स्तर पर लिपि विकासित हो रही है । (9 वी सदी ए.डी.)

आरंभ से हिंद प्रांत के नागरिकों को भाषाई ज्ञान बडाने हेतु लिखना व पढाने के लिए आसान बनाने में डा. एस्.आर. राव जैसे ख्यात विज्ञानियों का योगदान है । प्रारंभ से हिंद लिपि का संबंध सेमेटिक लिपि से ही है । अवेस्तन और वैदिक संस्कृत भाषाएँ (फोनेटिक, सेमेटीक और व्याकरण) ऐसे बहुत सारे द्रवीडियन भाषाएँ (विद्वानों से परिचर्यात हैं) हरचानीगई ऋग्वेद के समय की कही जाती है ।

ऐतिहासिक काल से हिंद लिखावट अच्छी मानी गई है । खासकर जो लिपि मुद्रित होती हैं । ये मुद्रित हिंद लिपियाँ महत्वपूर्ण हैं । उनमें लोथा नामक पाश्चात्य भारतीय शोधकर्ता ने 1950-1980 में काम किया है । यह गैलरी भी मुद्रित करने में महेजोदाडो (पाकिस्तान) और कालिबंगान (भारत) साथ ही साथ प्राचीन पूर्वी भारतीय हिस्सा, जैसे कीस्स और बरगा, डा. (सुमेर-ईराक), हिस्सार तथा बहरेन । हिंद के मुद्रित माडल वैली, मुद्रा, स्कुलाचर, ब्रोंचस आदि को लोग अपनी जीवन में अपनाने लगे । और संस्कृत इतिहास को सीखने लगे । आज-कल वेदिक कन्सेप्ट और अध्यात्मीक समय को कितना हम जानते हैं; यह सोच पर निर्भर हैं ।

ऊ. प्रसारित अंतर्जाल सुविधा :

विद्यापीठ ने अपने कर्मचारियों एवं छात्रों को अंतर्जाल की सुविधा बनाए रखी है । यह सुविधा विद्यापीठ में प्रसारित के (के.बी.पी.एस.) डिसनेट और (256 के.बी.पी.एस.) नेट में दी है ।

अंतर्जाल : यह सुविधा यहाँ के शहरी हिसाब से चलती है ।

ऋ. कंप्यूटर केंद्र :

विद्यापीठ में उपकरणों से सुसज्जित कंप्यूटर केंद्र है जो 300 से अधिक छात्रों की आवश्यकता पूरी कर सकता है । यह केंद्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सन् 1996 में मंजूर किया था । इसके मुख्य लक्ष्य निम्नलिखित हैं-

1. वेद, शास्त्र तथा आगम ग्रंथों का हैपर टेक्स्ट तैयार करना ।
2. वेद, शास्त्र, आगम के अमूल्य हस्तलिखित ग्रंथों के आलोचनात्मक संस्करण के लिए साफ्टवेर तैयार करना।
3. शोधार्थियों की सुविधा के लिए फ्लापी तथा सी.डी. में दुर्लभ ग्रंथों का संरक्षण करना ।
4. छात्रों, कर्मचारियों तथा पारंपरिक शोधार्थियों का कंप्यूटर से परिचय कराना ।
5. पाठ्यक्रम में कंप्यूटर विज्ञान/कंप्यूटर आप्लिकेशन जैसे विषयों का समावेंश करना ।
6. कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा छात्रों को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना । विद्यापीठ का वेबसाईट हैं **http://www.rsvidyapeetha.ac.in**

विशेष समिति को गणकीकृत केंद्र के बारे में वि.अ.ए. के सामने समजाकर वित्तीय खर्चा का विवरण देना है। उसके बाद विश्वविद्यालय प्रस्ताव बनाकर केंद्र के सामने रखेगी । अनुदानेतर 20,00,000/- (बीस लाख रुपये मात्र) में हार्डवेयर चीजों को खरीदना है । उसके बाद नेट वर्क संबंध में विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र सहीसलामत से बनाएगी। इसमें डा. आर.जे. रमाश्री, प्रवाचक, केंद्र का निरीक्षण करेंगी ।

ए. छात्र भोजन शाला :

‘शेषाचल’ छात्रवास में कम-से-कम 300 छात्रों के लिए भोजन शाला का प्रबंध किया गया है । यह एक बडी सुविधाजनक कार्यक्रम मानी जाती है । वेदाचल छात्रावास के बगल में ही ‘‘आनंद बाजार’’ नाम से एक नया छात्र भोजन शाला बनाया गया। लगभग 350 छात्र यहाँ भोजन ले सकते हैं। दिनांक 17 अक्टोबर 2011 को असम सरकार के माननीय राज्यपाल और सम्माननीय कुलाधिपति प्रज्ञान वाचस्पति डॉ जे.बी.पट्नायक जी ने ‘‘आनंद बाजार’’ का उद्धाटन किया।

ऐ. बहुविध व्यायाम शाला :

छात्रों के शारीरिक तंदुरुस्ती हेतु इस बहुविध व्यायाम शाला का विद्यापीठ में निर्माण किया गया है ।

यह बहुविध व्यायाम शाला के 16 केंद्र है -

कुल्हामांसपेशि : यह केंद्र कुल्हा, मांसपेशि को भी दोबारा विकास करता है । **ऊँचा चरखीदार :** यह नाडी युक्त मांसपेशि का विकास करता है । ऊँचापन, खांसी मांसपेशि, बाहें, चौडी छाती, कंधों को सुधार ने में ऊँची चरखीदार मदद करता है । जितना चाहे उतना तोलकर अपने कंधे के सहारे उठा सकते हैं । **उदर संबंधी बेंच :** यह साधन उदर संबंधी है । उदर के सहारे व्यक्ति जितना हो सके, उतना ही बोझा उठा सकता है । **भोरमुल यंत्र :** यह यंत्र बहुत ही उपयुक्त है । एक बार शरीर में ताजी हवा लेने लगे तो शरीर बडा तंदुरुस्त लगने लगता है। बडते तनाव को **रोकना :** यह यंत्र शरीर के आगे और पीछे के हिस्से का विकास करवाता है । **मरोडना :** यह व्यायाम शरीर के मांसपेशियों में ताकत भरता है । एक तरह से पूरे शरीर को तोड-मरोड करवाता है । **बांहे, हृदयंगम छल्लेदार :** इस व्यायाम शरीर के घुटने, बाहें, हथेली, माथा, एल्बो आदि मांसों का विकास करने में मदद करता है। **पेक्क डेक्क :** यह तंदुरुस्त मांसोंवाला मनाता है । और मांस, हड्डी को विकास करवाता है। **छुबकीदार:** यह यंत्र के प्रकार से हुबकी लगाने जैसा होता है । इससे शरीर के अंग-अंग फूल उठता है । मांसों में भी विकास होता है । **पैर से दबाना :** यह दोनों पैरों से चलता है । घुटने और एडियों में ताकत भरने में मदद करता है । मांस में भी विकास करता है । **स्काऊट दबाव :** इसके सहारे घ्रुटने की मांस एवं एडियों में जोर बरनेवाला होता है । **पुल्ल अप्स:** यह यंत्र अपनी तरफ ख्विंचने का होता है । यह बाहों, छाती आदि में चौडाई लाने में सफल करवाता है।

इस बहुविध व्यायाम शाला का फायदा विद्यापीठ के कर्मचारी एवं छात्र सभी डा. एम.आदिकेशवुलु नायुडु, प्रवाचक एवं अध्यक्ष, व्यायाम शिक्षा विभाग जी के निरीक्षण में ले सकते हैं ।

VII. प्रशासन

अ. नियुक्ति -

विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग के प्रो. के.ई. देवनाथन, आंध्रप्रदेश के राज्यपाल द्वारा एस.वी. वेदिक विश्वविद्यालय के द्वितीय कुलपति के रूप में नियुक्त हुए। दिनांक 19.02.2014 को कार्यभार ग्रहण किया गया।

1. ओ. कृष्ण प्रसाद - कनिष्ठ अभियंता, बिजली विभाग
2. श्री पी. के. फणी वर्मा - प्रबंधक, छात्रावास / अतिथिगृह
3. श्री वी.जी. शिवशंकर रेड्डी - उप कुलसचिव
4. प्रो. सी. उमाशंकर - कुलसचिव
5. डा. पी. वेंकट राव - शिक्षा विभाग में आचार्य

आ. पदोन्नति -

वर्ष के दौरान वि.अ.ए. के नियमों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के 37 संकाय सदस्यों को सी.ए.एस. के अंतर्गत उच्चचरण की पदोन्नति दी गई।

इ. सेवानिवृत्त -

1. श्री एस. आनंद - 30.6.2013
2. प्रो. रविशंकर मेनोन - 31.8.2013
3. प्रो. के.ई. गोविंदन - 31.10.2013

ANNUAL REPORT
2013 - 2014

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(University declared under Section 3 of UGC Act, 1956)

TIRUPATI – 517 507

Andhra Pradesh

Accredited by NAAC

&

Recognised by the UGC as

"Centre of Excellence in the Subject of Traditional Shastras"

तमसो मा ज्योतिर्गमय

EDITORIAL BOARD .....

PROF. R.K. THAKUR

PROF. GSR KRISHNAMURTHY

PROF. PRALHAD R JOSHI

DR. R. DEEPTA

DR. K. RAJAGOPALAN

DR. V. RAMESH BABU

DR. SOMANADH DASH

DR. T. LATAMANGESH

SRI V.G. SIVASANKARA REDDY

SRI C. VENKATESWARLU

FOREWORD

May I have the honour to present the Annual Report containing some of the significant curricular, extra-curricular activities of the Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati for the year 2013-14 before all concerned. A glance at the academic programmes, research activities and extra-curricular events that took place during the year 2013-14 reveals multi-dimensional exercises both in the fields of teaching and administration in conformity with the aims & objectives of the Vidyapeetha, a premiere Sanskrit institution. It is gratifying to note that because of the academic excellence, fundamental research programmes, academic and infrastructure facilities of the Vidyapeetha, the enrolment of students during the year under report has gone up. The Vidyapeetha is slowly emerging as international destination for Sanskrit learning and Research. The University has followed its academic calendar i.e. the Annual Action Plan meticulously and as such all the activities related to admission, conduct of regular and innovative, as well as part-time courses, research programmes , Bridge course, communication skills, development programmes, sports and games, conduct of examinations, publication of results and All India Sanskrit Students Talent Festival etc., have been conducted smoothly with the help and cooperation of all the faculties, officers, employees, students and others. The students of the Vidyapeetha won many prizes by participating in several competitions held at national level in various parts of the country and they have brought laurels to this institution. Our students have once again proved their excellence by winning the Rolling Shield in 8th All India Sanskrit Studnets' Talent Festival, 2014 for occupying the highest position in the country. The teachers have also taken part in national as well as international symposia and conferences and presented their papers. The University has brought out several standard publications during the year under report to promote Sanskrit literature and Indian culture across the globe. The execution of all the schemes under Centre of Excellence programme i.e. 1.Shastravaridhi (Course Study of selected major traditional sastric text); 2. Publications; 3. Audio and Video Documentation; 4. Audio-Video Recording Centre activities; 5. Lipi Vikasa Pradarsini; 6. Electronic Tools for Ancient Script Learning; 7. Sanskrit Self Learning Kits; 8. Documentation of Artefacts; 9. Digitization of Manuscripts; 10. Yoga, Stress Management and Healing Centre; 11. Seminars/Workshops; 12. Post-Graduate Courses to bridge Computer Science and Sanskrit Language Technology and implementation of other schemes sanctioned by the UGC have gained momentum because of the magnanimous support extended by the UGC.

Successful implementation of Special Assistance Programme (SAP) in the Departments of Sahitya, Education and Darsanas, execution of eight UGC sponsored major research projects and two minor research projects and introduction of several career oriented and innovative courses with the support of the UGC have been perceived as one of the unique achievements in the field of research for this institution during the year under report. The most striking feature of the concerned year is that a number of students have qualified NET and some of them have got JRF for which others have been encouraged and inspired to go ahead with their academic mission. One women scholar of the Vidyapeetha

has got the Post-Doctoral Fellow awarded by the UGC during the year under report. The placement of the pass-outs of the Vidyapeetha in various institutions of the country has been highly encouraging. Much attention has been paid to ensure the harmonious growth of body, mind and soul of our students by encouraging them to participate in physical education as well as yoga programmes. On the whole, congenial atmosphere, generated in the campus of the institution because of the whole-hearted co-operation extended by all concerned has helped the administration in achieving the aims and objects for promotion of traditional Sanskrit learning and time-tested cultural values of the country to a great extent for which the Institution has been set up.

The Institution has experienced phenomenal progress in terms of development of infrastructure with the financial support of the UGC both under the OBC scheme as well as Plan grants.

Women Facilities Centre was inaugurated on 17th November, 2013 by Dr. K. Kruparani, Hon'ble Minister for IT, Govt. of India, New Delhi. Research and Publication building was inaugurated by Dr. M. Pallam Raju, Hon'ble minister for MHRD, Govt. of India, New Delhi on 23rd January, 2014. Dormitory for girl students and Heritage Corridor was inaugurated by His Excellency Dr. J.B. Patnaik, Governor of Assam and Hon'ble Chancellor of RS Vidyapeetha, Tirupati on 5th March, 2014. Special attention has been paid to encourage the students belonging to SC/ST and minority communities by providing them extra facilities. On the whole, much care has been taken to expand the capacity of the Vidyapeetha by developing various infrastructure for its all round development.

Once again, I express my profound sense of gratitude to those who have extended their helping hand in achieving success in all fields of the Vidyapeetha.

Harekrishna Satapathy

PROF. HAREKRISHNA SATAPATHY
VICE CHANCELLOR.

CONTENTS

ANNUAL REPORT

Subjects	*Page Nos.*
Foreword	103-104
Highlights of the Academic Session 2013-14	106
Report at a Glance - 2013-14	107-112
Members of Board of Management	113
Members of Vidwat Parishad (Academic Council)	114
Members of Vitta Samiti (Finance Committee)	115
Officers of the University	116
Deans of Faculties	116
University Departments	117
List of Teaching Staff	118-120

About the Vidyapeetha

I. Academic Programmes	122-141
A. Teaching	122
B. Research	127
C. Publications	132
D. Training	132
E. Seminars/Conferences/Workshops etc.	133
II. Co-curricular Activities	142-147
III. Extra-Curricular Activities	148-163
IV. Special Features	164-180
V. Projects	181-189
VI. Infrastructure	190-194
VII. Administration	195

❖❖❖

Highlights of the Academic session 2013-14

- All the backlog vacancies reserved for SC/ST/OBC communities were filled during the year.
- 2,688 new books were acquired by the Library during the year under report.
- The 17th Concovation of the Vidyapeetha was held on 5th March, 2014.
- The 8th All India Sanskrit Students' Talent Festival 2014 was held from 22nd to 25th January, 2014 and 25 universities / colleges participated.
- The Vidyapeetha organised community development programmes through its five units of NSS from 4th December to 10th December, 2013 and 27th January to 2nd February, 2014.
- CoE programmes have been fruitfully organized.
- Bridge course was organized for the new entrants in Acharya Course.
- Career Counselling Cell, NET Coaching centre and Remedial coaching centre continued their programmes for the benefit of all students and also for to SC/ST/OBC & Minorities.
- Women's Facilities Centre was inaugurated by Dr. K. Kruparani, Minister of State, IT, Govt. of India in the Vidyapeetha on 17th November, 2013.
- Swami Vivekananda's 150 Birth Anniversary celebrated.
- Rich tributes were paid to Bharat Ratna Dr. B.R. Ambedkar on his 124th Birth anniversary.
- 6 Research Projects and 1 minor Research project are sanctioned and are under progress.

REPORT AT A GLANCE - 2013-14

1.	Name and Address of the Institution	:	**Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha** Deemed University Tirupati - 517 507 (A.P.)
2.	Year of Establishment	:	1961
3.	Year in which the Deemed University status was accorded	:	1987
4.	Name of the Chancellor	:	**Dr. Janaki Ballav Patnaik**
5.	Name of the Vice-Chancellor	:	**Prof. Harekrishna Satapathy**
6.	Name of the Registrar	:	Prof. KRS Menon (upto 31.8.2013) Prof. RK Thakur (from 1.9.2013 to 29.12.2013) Prof. C. Umashankar (30.12.2013 onwards)
7.	Authorities of the Vidyapeetha	:	
	7.1 Board of Management	:	As per list enclosed
	7.2 Vidwat Parishad (Academic Council)	:	As per list enclosed
	7.3 Vitta Samiti (Finance Committee)	:	As per list enclosed
8.	Area of the Institution (Land)	:	41.48 acres
9.	Total strength of the students	:	**1778**
10.	Total strength of the Teaching staff	:	81
11.	Total strength of the Non-Teaching staff	:	79
12.	**Infrastructure**	:	

12.1 **Hostels :** The Vidyapeetha houses on its campus seven hostels (saptachalas) namely (1) Seshachala (2) Vedachala (3) Garudachala (4) Padmachala (5) Vidyachala (6) Neelachala and (7) Simhachala for the residential and boarding requirements of boys and girls studying in the Vidyapeetha, besides housing the Research Scholars in newly constructed Simhachala hostel.

12.2 **Academic Building :** The Academic Building houses all the teachers and provides the class rooms required for teaching and learning process. The built up area is 5365.78 Sq.m. A second academic building is coming up adjacent to the present academic building.

12.3 **Additional Academic Building :** The Additional Academic Building

12.4 **Administrative Building :** It houses the offices - Vice-Chancellor, Registrar, Finance Officer, Controller of Exams, Establishment and Administration,

Finance and Accounts sections, Examination wings etc. of the Vidyapeetha. The built up area is 1479.00 Sq.m.

12.5 **Indoor Stadium :** It provides space for indoor games requirements of the students and staff. It has also a Multi-Gym with 16 work stations. The built up area is 850.00 Sq.m.

12.6 **Playground :** The Vidyapeetha Playground is a spacious, facilitating place for all sports and games requirements of the Vidyapeetha. The area covered is 5.00 Acres.

12.7 **Education Building :** It houses the teachers and class rooms required for teaching and learning process of the Dept. of Education. Apart from this, it has a psychology laboratory and multi-media language laboratory. The built up area is 2005.50 Sq.m.

12.8 **Advanced Computer Centre :** It houses nearly 100 computers for the e-learning requirements of students. It has been recently up-graded to a full-fledged computer centre with the financial assistance of the UGC.

12.9 **Sansk-Net Centre :** It houses the offices of the Directors of Centre of Excellence programme, Ramayana and Mahabharata projects. Apart from this it has a e-studio for the audio and video recording of academic and cultural programmes of the Vidyapeetha.

12.10 **Transit Hostel/Guest House :** The Vidyapeetha has a Transit hostel / Guest house catering to the needs of all guests, experts, officials etc. The built up area is 433.00 Sq.m.

The guest house / transit hostel has been renovated during this year by adding an additional floor over the existing first floor. A lift also has been provided to the guest house.

12.11 **Library :** The library houses the invaluable collection of books, journals and manuscripts. It has a collection of 98,568 books and 3,897 manuscripts. It subscribes to 150 Indian journals and 10 Foreign journals every year. The library is totally automated under the Inflibnet programme of the UGC. The built up area is 150.21.18 Sq.m.

12.12 **Research & Publication Building :** Research and Publication building was inaugurated by Dr. M. Pallam Raju, Hon'ble minister for MHRD, Govt. of India, New Delhi on 23rd January, 2014.

12.13 **Staff-Quarters :** The Vidyapeetha has two Type-V quarters, one Type-IV quarters, one Type-III quarters, one Type-II quarters and two type-I quarters accommodating 22 employees of the Vidyapeetha. A new type IV quarters consisting of four apartments to house the senior teachers in the campus has been inaugurated by Prajnana Vachaspati Dr. J.B. Patnaik, Hon'ble Governor of Assam and alloted during the year under report.

12.14 **Women Facilities Centre :** The Women's Facilities Centre was inaugurated by Dr. K. Kruparani, Minister of State, IT, Govt. of India in the Vidyapeetha on 17th November, 2013.

12.15 **Andhra Bank Building :** The Bank is catering to the needs of the staff and students and also public for their transactions.

12.16 **Post Office Building :** The Departmental Post offfice is serving the Vidyapeetha staff, students and also public.

12.17 **University Canteen Building :** The Canteen operated by the IRCTC is catering to the needs of staff, students and also public.

12.18 **ATM facility :** The Andhra Bank, Vidyapeetha Branch has provided extension facility of the ATM in the campus to serve the women students/staff in particular and other in general.

12.19 **Yoga Mandiram Building :** The Yoga and Meditation classes for the students are conducted to the needs of staff, students and also public.

13. Academic Programmes :

13.1 **Regular Courses :** Prak-Sastri ; Sastri (B.A.) ; B.A. ; B.Sc.; Acharya (M.A.); MA in Hindi ; M.Sc. in Computer Science & Language Technology

13.2 **Research Programmes :** M.Phil. (Visistacharya) ; Ph.D. (Vidyavaridhi) ; D.Litt. (Vidyavachaspati)

13.3 **Diploma & Certificate Courses :** Diploma in Temple Culture ; Pourohitya; Web-Technology ; Yoga Vijnana ; Natural Language Processing ; Sanskrit and Law ; Management. Certificate course in : Temple Culture ; Pourohitya ; Functional English and Jyotisha.

13.4 **Distance Education :** Prak-Sastri ; Sastri (B.A.) ; Acharya (M.A.) ; Certificate in Sanskrit; Diploma in Sanskrit and P.G. Diploma in Yoga Vijnana.

13.5 **Innovative Courses :** With the financial assistance of the UGC the Vidyapeetha has been running the following courses under innovative programmes : (1) P.G.Diploma in Comparative Aesthetics (Sahitya) in Global Perspective (One Year) (2) MAIMT (Master in Ancient Indian Management Techniques) - (Two years)

13.6 **Bridge Course :** The Bridge course is meant for improving the quality of learning in P.G. Entrants of the university.

14. Projects :

14.1 **Centre of Excellence in Traditional Sastras :** The UGC recognised the Vidyapeetha as the 'Centre of Excellence in the subject of Traditional Sastras' for second time and sanctioned a sum of Rs.3.00 crores during the XIth Plan period. The following activities are taken up under the CoE programme.

1. Post-Acharya Training in Sastric Studies (Sastravaridhi course).
2. Publications.

3. Preparation of Sanskrit - Self Learning Kit.
4. Lipi - Vikasa Pradarsini.
5. Extension of Sansk-Net activity.
6. Master of Natural Language Processing.
7. Audio-Video documentation of Sastric discourses.
8. Audio - Video Recording Centre.
9. Digitalisation of Manuscripts.
10. Tools for ancient script learning.
11. Documentation of Artefacts used in rituals.
12. Yoga, Stress Management and Healing Centre.

14.2 Orissa Chair :

The Centre for 'Orissa Chair' Studies in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha was set up in 2001, under the sponsorship of the Govt. of Orissa with the following objectives :

Undertaking maintenance, preservation and publication of heritage texts and manuscripts on Lord Jagannathan, Mahaprabhu Sri Chaitanya and Sri Jayadeva's Literature.

To spread the eternal message among Researchers and Contemporary Society by the Print Media.

Constitute and expound theoretical framework from the primary intellectual texts of the Jagannatha tradition.

During this current academic year, a lot of work has been done on behalf of Orissa Chair by way of Seminars, Symposia and Publication of proceedings of the seminars and Published Books etc under the guidance of administration of the Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati.

14.3 **SAP (Special Assistance Programme) :** Three departments received UGC-SAP are Dept. of Sahitya, Dept. of Education and Dept. of Darsanas.

(i) **Department of Sahitya :** The UGC has approved the upgrading of SAP (Sahitya) from DRS-I to DRS-II for the period of 5 years 1.4.2013 to 31.3.2018. The thrust area of the SAP in DRS-II is Encyclopedia of the technical terms in Sanskrit Poetics from Bharata's time. An amount of 31.00 lakhs plus two Project Fellows have been sanctioned. Prof. C. Lalitha Rani is the coordinator and Dr. K. Rajagopalan is the Additional co-ordinator.

(ii) **Department of Education :** The Department of Education was selected by the UGC for financial assistance under the Special Assistance Programme at DRS-I level for a period of five years from 2009-2010 onwards. An amount of Rs. 25.50 lakhs was sanctioned towards financial assistance. The thrust area of the programme is "**Language Development and Material Production**".

(iii) **SAP - Darsanas :** The Department of Darsana was selected by the UGC for financial support under the Special Assistance Programme at DRS-I level for a period of five years from 2011-2012 onwards. An amount of Rs. 14.72 lakhs and two project fellows was sanctioned. The thrust area of the programme is **Navya Nyaya (A critical survey of the commentaries and Sub-Commentaries on Tattvachintamani by Gangesha Upadhyaya)**

15. Extra Curricular / Co-curricular Activities :

15.1 **Organisation of 8th All India Sanskrit Students Talent Festival :** The 8th All India Sanskrit Students' Talent Festival was held in the Vidyapeetha from 22nd to 25th January 2014. About 220 students from 25 institutions participated in different cultural and literary competitions conducted on this occasion. In this connection Hon'ble Minister of Human Resource Development, Govt. of India Dr. M.M. Pallam Raju, Jnanapeeth Awardee and Second Sanskrit Commission Chairman Prof. Satyavrat Shastri, Member of Parliament, Tirupati Dr. Chinta Mohan and Sri M.G. Gopal, IAS, Executive Officer, Tirumala Tirupati Devasthanams graced the function as the Guests. Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati was the over all champion and was given the Rolling Shield.

15.2 **Vidyapeetha Annual & Hostel Day :** The Annual and Hostel Days during the year under report were held on 6th & 8th March, 2014 at Prof. S.B. Raghunathacharya Open Air Auditorium.

15.3 **Annual Sports :** Competitions in various field and indoor games were conducted for students and staff of the Vidyapeetha.

15.4 **NSS Programme -** The NSS volunteers went to the surrounding sub-urban areas of Tirupati

15.5 **Seminars / Symposia :**

(i) **A Two Day National Sanskrit Awareness Programme** was organised for Kendirya Vidyalaya Teachers in the premises of the Vidyapeetha on 27th and 28th of July, 2013 for generating awareness regarding the significance of Sanskrit, Indian Culture and Moral Education. It is the first Camp of the proposed programme sheduled. More than 50 teachers from Kendriya Vidyalaya of Hyderabad Region, Andhra Pradesh ; Ernakulam Region, Kerala and Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati participated in the Camp.

(ii) A two day National Seminar was organised by the "Orissa Chair" on the topic "A Comparative Study of Nilachala and Simhachala with a Special Reference to Seshachala" on 2nd and 3rd September, 2013 in Yoga Mandiram, R.S.Vidyapeetha Campus, Tirupati.

(iii) A two Day National Seminar on "The Epoch of Vivekananda in Modern India" was organised in connection with the Sesquicentennial Birth Anniversary of Sri Swami Vivekananda to pay the homage to the illustrious Spiritual Master and sage of the new age on 23rd and 24th, December, 2013 in the premises of the Vidyapeetha.

(iv) A two day National Seminar on Narrative Literature in English and Sanskrit was organized by the Department of English, R. S. Vidyapeetha on 3rd and 4th September, 2013. This Seminar was attended by nearly 50 scholars from various parts of the country.

(v) **All India Sanskrit Women Scholars' Conference "THE ROLE OF WOMEN SANSKRIT SCHOLARS IN NATION BUILDING" 07.03.2014 & 08.03.2014** The Inauguration Function of the Conference held on 07.03.2014. Prof. P. Geervani, Former Vice-Chancellor, Sri Padmavati Mahila University, Tirupati inaugurated the Conference.

15.6 Celebration of Festivals / Occasions

(i) **Sanskrit Week Celebrations :** Sanskrit Week celebrations were held in the Vidyapeetha from 16th to 23rd August 2013.

(ii) **Onam :** The New Year of Keralites was celebrated with pomp and gaiety in the Vidyapeetha on 29th August, 2013.

(iii) **Pongal :** The onset of Uttarayana Punyakalam i.e. Makara Sankranti was celebrated with religious fervour on 14th January, 2014.

ACCOUNTS

01.	Non-Plan Grants Received	:	Rs. 1729.98 Lakhs
.	Expenditure under non-plan grant	:	Rs. 1985.19 Lakhs
02.	XII Plan	:	Rs. 400.00 Lakhs
	Expenditure	:	Rs. 211.42 Lakhs
05.	Sources of Income	:	Funds are received from UGC, MHRD, TTD and other sources.
06.	TTD Grants	:	Rs. 50.00 Lakhs (for 2011-12)
07.	MHRD Grants	:	Rs. 2.60 Lakhs
08.	COE Grants	:	—

AUDIT POSITION

The statutory audit of accounts of the Vidypaeetha for the year 2013-14 was conducted by the Principal Director of Audit (Central) Hyderabad (A.P.), during the period from 10-7-2014 to 28-7-2014 and report is received.

* * *

MEMBERS OF THE BOARD OF MANAGEMENT

Prof. HAREKRISHNA SATAPATHY
Kulapati / Chairman

1. Joint Secretary (CU & L)
   MHRD, New Delhi.

2. **Prof. S. Sudarsana Sarma,**
   Dean, Faculty of Sahitya and Samskriti,
   R.S.Vidyapeetha, Tirupati.

3. **Prof. R.L. Narasimha Sastry,**
   Dean, Faculty of Vedavedangas,
   R.S.Vidyapeetha, Tiruapti.

4. **Prof. (Smt.) M.V. Ramana,**
   Department of Sanskrit,
   Andhra University, Waltair,
   Vizag.

5. **Prof. Siniruddha Dash,**
   Department of Sanskrit,
   University of Madras, Chepauk,
   Chennai – 600 005.

6. **Prof. K. Ramamurthy Naidu,**
   Member, UGC, New Delhi,
   # 35, Mountain View Apartments,
   Road No.2, Banjara Hills,
   Hyderabad – 500 034.

7. **Prof. A.C. Sarangi,**
   Former Vice-Chancellor,
   Utkal University, A42,
   Lingaraj Vihar, Pokhariput,
   Bhubaneshwar – 751 020.

8. **Prof. O. Sriramalala Sarma,**
   Dean, Faculty of Darsanas,
   R.S.Vidyapeetha,
   Tirupati.

9. **Dr. A. Sripada Bhat**
   Associate Professor,
   Department of Jyotisha,
   R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
   (upto 06-06-2013)

10. **Dr. Unnikrishnan Nampiyathiri,**
    Associate Professor,
    Department of Jyotisha,
    R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
    (13-06-2013 to 05-02-2014)

11. **Prof. C. Umashankar -** Secretary,
    Registrar,
    R.S.Vidyapeetha, Tirupati.

Members of Vidwat Parishad (Academic Council)

(*As per Revised MOA and UGC, (Institutions Deemed to be Universities), Regulations – 2010*)

Prof. Harekrishna Satapathy, Kulapati / Chairman

1. **Prof. Harekrishna Satapathy**, Chairman
   Vice-Chancellor,R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
2. **Prof. S. Sudarsana Sarma**, Dean, Faculty of Sahitya and Samskriti, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
3. **Prof. R.L.Narasimha Sastry**, Dean, Faculty of Vedavedangas, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
4. **Prof. O.S.Ramalala Sarma**, Dean, Faculty of Darsanas, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
5. **Prof. Rajanikant Shukla**, Dean, Faculty of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
6. **Prof. Radhakant Thakur**, Dean, Academic Affairs, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
7. **Prof. G.S.R. Krishnamurty**, Academic Coordinator, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
8. **Prof. M.L. Narasimha Murthy**, Head, Dept. of Advaita Vedanta, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
9. **Prof. J. Ramakrishna**, Head, Dept. of Vyakarana, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
10. **Prof. G.S.R. Krishnamurty**, Head, Dept. of Sahitya, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
11. **Prof. Ch.P. Satyanarayana**, Head i/c, Dept. of Research & Publications, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
12. **Prof. R.J. Ramasree**, Head, Dept. of Computer Science, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
13. **Prof. A. Sripada Bhat**, Head, Dept. of Jyotisha, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
14. **Prof. Prahlad R.Joshi**, Head, Dept. of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
15. **Prof. Narasimhacharya Purohit**, Head, Dept. of Dvaita Vedanta, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
16. **Prof. V.S. Vishnubhattacharyulu**, Head, Dept. of Agama, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
17. **Prof. P.T.G.Y. Sampathkumaracharyulu**, Head, Dept. of Nyaya, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
18. **Dr. C. Raghavan**, Head, Dept. of Visistadvaita Vedanta, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
19. **Dr. R. Deepta**, Head, Dept. of English, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
20. **Prof. S. Satyanarayana Murthy**, Dept. of Vyakarana, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
21. **Prof. V. Purandara Reddy**, Dept. of A.vedanta, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
22. **Prof. T.V. Raghavacharyulu**, Dept. of Agama, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
23. **Prof. M.S.R. Subramanya Sarma**, Dept. of A.Vedanta, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
24. **Prof. C. Lalitha Rani**, Dept of Sahitya, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
25. **Prof. N. Latha**, Dept. of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
26. **Prof. V. Sujatha**, Dept. of English, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
27. **Prof. Satyanarayan Acharya,** Dept. of Sahitya, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
28. **Prof. Unnikrishnan Nampiyathiri**, Dept. of Jyotisha, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
29. **Dr. Rani Sadasiva Murthy**, Dept. of Sahitya, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
30. **Dr. C. Ranganathan**, Dept. of Sahitya, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
31. **Sri P. Nagamuni Reddy**, Dept. of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
32. **Dr. Radha Govinda Tripathy**, Dept. of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
33. **Dr. S. Dakshina Murthy Sarma**, Dept. of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
34. **Prof. K.C. Padhi**, Chairman, PG Council, Sri Jagannath Sanskrit University, Puri–752 003, Orissa.
35. **Prof. R.C. Panda**, Department of Vyakarana, Banaras Hindu University, Varanasi – 221 005.
36. **Prof. A.P. Sachidananda**, Principal, Rajiv Gandhi Parishad, Sringeri.
37. **The Vice-Chancellor**, Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.
38. **The Vice-Chancellor**, Sri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Qutub Institutional Area, New Delhi.
39. **The Vice-Chancellor**, Sri Jagannatha Sanskrit Viswavidyalaya, Shri Vihar, Puri.

Prof. C. Umashankar
Registrar / Secretary

Members of Vitta Samiti (Finance Committee)

Prof. Harekrishna Satapathy Kulapati	**Chairman**
Joint Secretary Central and Deemed Universities M/o Human Resource Development Government of India Shastri Bhavan, New Delhi	**Member**
Prof. K. Ramamurthy Naidu 35, Mountain view Apartment Road No. 2, Banjara Hills Hyderabad – 34	**Member**
Prof. T.V. Subba Rao Former Rector, SPMVV Professor, National Law School of India University Bangalore	**Member**
Finance Officer	**Secretary**

OFFICERS OF THE UNIVERSITY

1.	**Prof. Harekrishna Satapathy**	Vice-Chancellor
2.	**Prof. KRS Menon**	Registrar (from 1.1.2013 to 31.8.2013)
	Prof. RK Thakur	Registrar (from 1.9.2013 to 29.12.2013)
	Prof. C. Umashankar	Registrar (30.12.2013 onwards)
3.	**Dr. T. Anjaneyulu**	Controller of Exams
4.	**Sri S. Anand**	Finance Officer (upto 30th June 2013)
	Sri V.G. Sivasankar Reddy	Finance Officer I/c. (1-7-2013 onwards)
5.	**Sri V.G. Sivasankar Reddy**	Deputy Registrar
6.	**Dr. K. Rajagopalan**	Public Relations Officer
7.	**Sri C. Venkateswarlu**	Assistant Registrar
8.	**Sri T. Govinda Rajan**	Assistant Registrar
9.	**Smt. M. Usha**	Assistant Registrar
10.	**Sri C. Eshwaraiah**	Asst. Controller of Examinations

DEANS OF FACULTIES

Dean, Academic Affairs	:	***Prof. R.K. Thakur***
Faculty of Veda - Vedangas	:	***Prof. R.L.N. Sastri***
Faculty of Darsana	:	***Prof. O. Sri Ramalala Sarma***
Faculty of Sahitya & Samskriti	:	***Prof. S. Sudarsana Sarma***
Faculty of Education	:	***Prof. Rajanikant Shukla***

UNIVERSITY DEPARTMENTS

❖ **Faculty of Pedagogy**

1. Dept. of Education
2. Dept. of Physical Education

❖ **Faculty of Sahitya & Samskriti**

1. Dept. of Sahitya
2. Dept. of Puranetihasa
3. Dept. of English
4. Dept. of Telugu
5. Dept. of Hindi

Dept. of Research & Publications

❖ **Faculty of Darsanas**

1. Dept. of Nyaya
2. Dept. of Advaita Vedanta
3. Dept. of Visistadvaita Vedanta
4. Dept. of Dwaita Vedanta
5. Dept. of Agama
6. Dept. of Mimamsa
7. Dept. of Sankhya Yoga

❖ **Faculty of Veda - Vedangas**

1. Dept. of Vyakarana
2. Dept. of Jyotisha
3. Dept. of Dharmasastra
4. Dept. of Vedabhashyam
5. Dept. of Computer Science
6. Dept. of History
7. Dept. of Mathematics
8. Dept. of MAIMT

LIST OF TEACHING STAFF

Faculty of Pedagogy

❖ *Department of Education*

1. Prof. K.Ravi Sankar Menon, Professor & Dean (upto 31.8.2013)
2. Prof.V.Muralidhara Sharma, Professor
3. Sri P.Nagamuni Reddy, Asst. Professor (Selection Grade)
4. Prof..N.Latha, Professor
5. Prof.Rajani Kant Shukla, Professor & Dean (from 1.9.2013)
6. Prof. Pralhad R Joshi, Professor
7. Dr. P.Venkata Rao, Associate Professor
8. Dr. Radhagovinda Tripathy, Asst. Professor
9. Dr. K. Kadambini, Asst. Professor (promoted from stage II to III)
10. Dr. S. Dakshina Murthy Sarma, Asst. Professor
11. Dr. S. Muralidhar Rao, Asst. Professor
12. Dr. R. Chandra Sekhar, Asst. Professor (promoted from stage I to II)
13. Dr. A. Sachidananda Murthy, Asst. Professor
14. Dr. A. Sunitha, Asst. Professor

❖ *Department of Physical Education*

Dr. M.Adikesavulu Naidu, Associate Professor (retired on 31.01.2013)

Faculty of Sahitya & Samskriti

❖ *Department of Sahitya*

1. Prof. S.Sudarsana Sarma, Professor & Dean
2. Prof. G.S.R.Krishnamurthy, Professor
3. Prof. C.Lalita Rani, Professor
4. Dr. Satyanarayan Acharya, Associate Professor
5. Dr.R.Sadasiva Murthy, Associate Professor
6. Dr.C.Ranganathan, Associate Professor
7. Dr.K.Rajagopalan, Associate Professor
8. Dr. Pradeep Kumar Bag, Asst. Professor
9. Dr. Bharat Bhushan Rath, Asst. Professor
10. Dr. J.B. Chakravarthy, Asst. Professor
11. Mrs. K. Leenachandra, Asst. Professor
12. Dr. Swetapadma Satapathy, Asst. Professor
13. Dr. Gyanranjan Panda, Asst. Professor

❖ *Department of Puranetihasa*

Dr. Paramita Panda, Asst. Professor

❖ *Department of English*

1. Prof.V.Sujatha, Professor
2. Dr. R.Deepta, Associate Professor

❖ *Department of Telugu*

1. Dr. D. Nallanna, Asst. Professor
2. Dr. Y. Vijayalakshmi, Asst. Professor

❖ *Department of Hindi*

Dr. T. Lathamangesh, Asst. Professor

❖ *Department of Research & Publications*

1. Prof. Ch.P.Satyanarayana, Professor & Director DDE
2. Dr.Viroopaksha V.Jaddipal, Associate Professor
3. Dr. K. Suryanarayana, Associate Professor, Head I/c.
4. Dr. Somanath Dash, Asst. Professor
5. Sri C. Nagaraju, Asst. Professor

Faculty of Darsanas

❖ *Department of Nyaya*

1. Prof. K.E. Govindan, Professor (Superannuation on 31.10.2013)
2. Prof. O. Sri Rama Lal Sarma, Professor
3. Dr. P.T.G.Y. Sampathkumaracharyulu, Professor

❖ *Department of Advaita Vedanta*

1. Prof. M.L.Narasimha Murthy, Professor
2. Prof. V. Purandar Reddy, Professor & Head
3. Prof. M.S.R.Subrahmanya Sharma, Professor
4. Dr. K. Ganapati Bhat, Associate Professor
5. Dr. K. Vishwanatha, Asst. Professor (promoted from stage I to II)

❖ *Department of Visistadvaita Vedanta*

1. Prof.K.E.Devanathan, Professor
   (Appointed as Vice-Chancellor to SV Vedic University on 20.2.2014 on lien)
2. Dr.C.Raghavan, Associate Professor

❖ *Department of Dvaita Vedanta*

1. Prof. Narasimhacharya Purohit, Professor
2. Dr. Narayana, Asst. Professor

❖ *Department of Agama*

1. Prof. T.V. Raghavacharyulu, Professor
2. Prof.V.S.Vishnu Bhattacharyulu, Professor & Head
3. Dr. PTG Ranga Ramanujacharyulu, Asst. Professor

❖ *Department of Mimamsa*

Dr. T.S.R. Narayanan, Asst. Professor

❖ *Department of Sankhya Yoga & Yoga Vijnana*

Dr. D. Jyothi, Asst. Professor

Faculty of Veda - Vedangas

❖ *Department of Vyakarana*

1. Prof.S.Satyanarayana Murthy, Professor & Head
2. Prof. R.L.Narasimha Sastry, Professor & Dean
3. Prof. J.Ramakrishna, Professor
4. Dr. N.R. Ranganath Tatacharya, Asst. Professor
5. Sri Yeshaswee, Asst. Professor
6. Sri Santosh Majhi, Asst. Professor

❖ *Department of Jyotisha*

1. Prof. R.K.Thakur, Professor & Head
2. Prof.A.Sripada Bhatt, Professor
3. Dr.V.Unnikrishnan Nampiyathri, Professor
4. Dr. Krishneswar Jha, Asst. Professor
5. Sri K.S. Lavakumar, Asst. Professor

❖ *Department of Dharmasastra*

1. Dr. Sitansu Bhushan Panda, Asst. Professor
2. Dr. Sudhanshu Sekhar Mohapatra, Asst. Professor

❖ *Department of Vedabhashyam*

Dr. Niranjan Mishra, Asst. Professor

❖ *Department of Computer Science*

1. Prof. R.J. Rama Sree, Professor & Head
2. Dr. G. Sreedhar, Asst. Professor (promoted from stage II to III)

❖ *Department of Sabdabodha*

Dr. O.G.P. Kalyana Sastry, Asst. Professor

❖ *Department of History*

Dr. S.R.Saranya Kumar, Asst. Professor (promoted from stage II to III)

❖ *Deptartment of Mathematics*

1. Dr. V. Ramesh Babu, Asst. Professor
2. Dr. A. Chandulal, Asst. Professor

❖❖❖

ABOUT THE VIDYAPEETHA

Located at the sacred foot of Tirumala Hills, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha has been the destination for students and scholars seeking Sanskrit education for the last five decades. A veritable miniature India, the Vidyapeetha has been drawing students from all corners of India, belonging to different regions, languages and creeds, for it has been providing ideal facilities, conducive atmosphere for study and research. Further, innovative and interdisciplinary courses and state-of-the-art computer facilities have made it a much sought-after institution for Sanskrit studies. Conveniently located in the centre of Tirupati town, the Campus is very attractive with tall shady trees, well laid garden walks reminiscent of ancient forest groves.

The beginnings: On the recommendations of the Central Sanskrit Commission appointed by the Government of India during 1950s, a Central Sanskrit Institute was established at Tirupati in 1961 by the Ministry of Education, Government of India for the preservation and propagation of traditional Sanskrit learning combining it with the modern methods of research. The Government of India constituted an autonomous registered body called 'Kendriya Sanskrit Vidyapeetha Tirupati Society' for the administration of the institution. The foundation stone for the Kendriya Sanskrit Vidyapeetha was laid by the then Vice-President of India, **Dr.S.Radhakrishnan on 4th January, 1962.** About forty two acres of land was leased out by the the prestigious Tirumala Tirupati Devasthanams Trust Board, headed by the then Executive Officer, Dr.C.Anna Rao, along with a munificient donation of Rs.10 lakhs towards construction of buildings.

The Vidyapeetha Society has had a galaxy of reputed scholars and statesmen as its successive Chairmen, namely, Sri Patanjali Sastry, former Chief Justice of India being the first, followed by Prof.V.Raghavan, a reputed Indologist and Sri M.Ananthasayanam Iyengar, former Speaker of Lok Sabha. Dr. B.R. Sharma acted as the first Director of the Institute from 1962 to 1970. Sri Venkata Raghavacharya, Dr.Mandan Mishra, Dr.R.Karunakaran, Dr. M.D. Balasubramanyam and Prof. N.S. Ramanuja Tatacharya served the institution in the capacity of Principal in the successive years and contributed their scholastic and administrative experience to a large extent.

Kendriya Sanskrit Vidyapeetha came under the aegis of Rashtriya Sanskrit Sansthan – an autonomous body under the Ministry of Education in April, 1971. During the Silver Jubilee celebrations in 1987, **Sri P.V.Narasimha Rao**, the then Union Minister of Human Resource Development, Government of India, declared the Vidyapeetha as a **Deemed to be a University** on the recommendations of the University Grants Commission under Section 3 of UGC Act 1956. (vide Gazette notification No.F.9-2/85 U-3 dated 16-11-1987). The Deemed University was formally inaugurated by the then President of India **Sri R.Venkataraman on 26th August, 1989.** The Vidyapeetha started functioning as a Deemed University from the academic year 1991-92.

Since then it had eminent personalities as its Chancellors, namely, Mahamahopadhyaya Sri Pattabhirama Sastri and Prof.Ramaranjan Mukherjee and Dr.V.R.Panchamukhi. Prof.N.S.Ramanuja Tatacharya (1989-1994), Prof.S.B.Raghunathacharya (1994-1999) and Prof.D.Prahlada Char (1999-2004) served the University as Vice-Chancellors. Prof. K.E. Govindan, senior Professor of the University served as the Vice-Chancellor i/c. for two years upto April, 2006. **Dr. J.B. Pattanaik,** His Excellency, Governor of Assam is the Chancellor of the Vidyapeetha from 16th June, 2008 onwards and **Prof. Harekrishna Satapathy is the Vice-Chancellor of the University from 19-4-2006 and continues to be in office for the second term also.**

For its achievements in the fields of teaching, research, publications and promotion and propagation of Sanskrit, the Vidypeetha has been bestowed with distinct awards namely,

- **Recognised by the UGC as Centre for Excellence in the subject of Traditional Sastras.**
- **Accredited at A+ level by National Assessment and Accreditation Council (NAAC) in 2003.**

I. ACADEMIC PROGRAMMES

A. TEACHING

The Vidyapeetha offers courses under Formal, Professional and Non-Formal categories for the benefit of seekers of Sanskrit learning. The following courses were offered during the Academic year 2013-2014.

I. REGULAR PROGRAMMES

1. **Under Graduate courses**
   (1) Prak-Sastri (eq. to+2/Intermediate)
   (2) Sastri (eq. to B.A.)
   (3) Sastri Vedabhashya (eq. to B.A.)
   (4) B.A.
   (5) B.Sc.
2. **Post Graduate courses**
   (1) Acharya (eq. to M.A.) in 14 Sastras
   (2) M.A. in Sanskrit (Sabdabodha Systems & Language Technology)
   (3) M.Sc. in Computer Science & Language Technology
   (4) M.A. in Hindi

   Under innovative programmes of UGC
   (5) P.G.Diploma in Comparative Aesthetics (Sahitya) in Global Perspective
   (6) MAIMT (Master in Ancient Indian Management Techniques)
3. **Research Programmes**
   (1) M.Phil. in 11 Subjects including Manuscriptology and Palaeography
   (2) M.Phil. (Education)
   (3) Vidyavaridhi (eq. to Ph.D.) in all Sastras/Sahitya/Education.
   (4) Vidyavachaspati (eq. to D.Litt.) in all Sastras and in Education
4. **Professional Courses**
   (1) Siksha Sastri (eq. to B.Ed.)
   (2) Siksha Acharya (eq. to M.Ed.)

II. EVENING AND PART-TIME PROGRAMMES

1. **P.G. Diploma Courses**
   (1) Yogavijnan
   (2) Natural Language Processing
   (3) Web Technology
2. **Diploma Courses**
   (1) Temple Culture
   (2) Pourohitya
   (3) Sanskrit & Law
   (4) Management with Oriental Orientation

3. **Certificate Courses**

(1) Temple Culture
(2) Pourohitya
(3) Functional English
(4) Jyotisha
(5) E-Learning

4. The Vidyapeetha offers the following **Career Oriented Programmes** as Add-on courses with the financial support of U.G.C.

(1) DTP in Indian Languages
(2) Web Technology
(3) Puranetihasa
(4) Vastu Sastra
(5) Translation Techniques and Creative Writing in Sanskrit and Regional Languages.

Admission procedure :

The academic year of the Vidyapeetha begins in July and concludes in April with the conduct of examinations. The Semester pattern is being followed for all Acharya regular courses except Shiksha-Acharya course. Admissions into Prak-Shastri and Shastri / BA courses are made on the basis of marks secured in the qualifying examination and personal interview. Admissions into the Acharya (M.A.) courses and Siksha - Shastri (B.Ed.), Siksha - Acharya (M.Ed.) and Vidyavaridhi (Ph.D.) are based on the **entrance test** conducted by the Vidyapeetha at National Level. Holders of NET/SLET/M.Phil. are exempted from the entrance test for Vidyavaridhi. Scholars can pursue research under either on regular or part-time basis. The admission notifications for all the courses have been placed on the University website : **http://www.rsvidyapeetha.ac.in**

For the year 2013-14 academic programmes were started in June for courses upto Post Graduation. For all courses admissions were made on the basis of marks secured in the qualifying examinations and interviews except Acharya (M.A.), Siksha Sastri (B.Ed.) and Siksha Acharya (M.Ed.) and Vidyavaridhi (Ph.D.) For Siksha Sastri (B.Ed.), Siksha Acharya (M.Ed.) and Vidyavaridhi a National Level combined Entrance Test were conducted in the nomenclature of CPSST, CPSAT and CPRT respectively. NET / SLET/ M.Phil / Ph.D. holders are exempted from CPRAT. Scholars can pursue the Research Programme under Regular / private category.

Shastras in all courses are taught in Sanskrit medium only and the examination is conducted in Sanskrit. For modern subjects the medium of instruction and examination is English and for other languages the respective language is the medium of instruction and examination.

Examinations : For PG and UG courses semester pattern of examination is followed. For Prak - Sastri (eq. to intermediate) only Annual pattern of exam is followed. The examination for all the non-semester courses i.e. Certificate, Diploma/PGDiploma were held in March and April.

STUDENTS ENROLMENT 2013-14

S. No	Name of the Course	Total Enrolment			OC			BC			SC			ST			MIN.			P.H		
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	Prak-Sastri I Year	118	64	182	35	26	61	46	12	58	18	6	24	19	20	39	-	-	-	-	-	-
2	Prak-Sastri II Year	76	49	125	37	16	53	25	19	44	3	4	7	11	10	21	-	-	-	-	-	-
	Total (1 & 2)	194	113	307	72	42	114	71	31	102	21	10	31	30	30	60	-	-	-	-	-	-
3	Sastri I Year	87	62	149	34	26	60	38	26	64	9	4	13	6	6	12	-	-	-	-	-	-
4	Sastri II Year	68	26	94	37	16	53	22	7	29	7	3	10	2	-	2	-	-	-	-	-	-
5	Sastri III Year	71	20	91	48	11	59	20	7	27	1	2	3	2	-	2		-	-	-	-	-
	Total (3 - 5)	226	108	334	119	53	172	80	40	120	17	9	26	10	6	16	-	-	-	-	-	-
6	B.Sc I Year	7	16	23	4	4	8	2	11	13	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	B.Sc II Year	5	3	8	4	2	6	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	B.Sc III Year	4	8	12	3	5	8	1	2	3	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (6 - 8)	16	27	43	11	11	22	4	14	18	1	2	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	Sastri - Vedabashyam I Year	13	-	13	13	-	13	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Sastri - Vedabashyam II Year	8	-	8	8	-	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	Sastri - Vedabashyam III Year	7	-	7	7	-	7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (9 - 11)	28	-	28	28	-	28	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	Shiksha-Sastri (B.Ed.,)	97	57	154	63	39	102	17	12	29	15	6	21	2	-	2	-	-	-	-	-	-
	Under Graduate Total (1-12)	561	305	866	293	145	438	172	97	269	54	27	81	42	36	78	-	-	-	-	-	-
	Under Graduate Total (3-12)	367	192	559	221	103	324	101	66	167	33	17	50	12	6	18	-	-	-	-	-	-
13	Acharya I Year	132	85	217	65	43	108	49	37	86	17	4	21	1	1	2	-	-	-	-	-	-
14	Acharya II Year	106	57	163	50	29	79	39	25	64	14	3	17	3	0	3	-	-	-	-	-	-
	Total (13 & 14)	238	142	380	115	72	187	88	62	150	31	7	38	4	1	5	-	-	-	-	-	-
15	MA Sanskrit Sabdabodha I Year (NILL)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16	MA Sanskrit Sabdabodha II Year	2	1	3	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (15 & 16)	2	1	3	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	M.Sc I Year	7	-	7	3	-	3	3	-	3	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
18	M.Sc II Year	3	3	6	2	1	3	1	1	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	10	3	13	5	1	6	4	1	5	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
19	MAIMT I Year (Admn. Start from 2012-13)	8	3	11	5	1	6	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	Master in Ancient Indian Management Techniques II Year	9	6	15	5	4	9	4	2	6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	17	9	26	10	5	15	5	4	9	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	M.A. HINDI I Year (Admn. Start from 2013-14)	5	3	8	2	-	2	3	2	5	-	1	1	-	-	-	2	2	4	-	-	-
	Total	5	3	8	2	-	2	3	2	5	-	1	1	-	-	-	2	2	4	-	-	-
22	Shiksha-Acharya (M.Ed.,)	34	10	44	22	7	29	5	2	7	4	1	5	3	-	3	-	-	-	-	-	-
	Post-Graduate Total (13-22)	306	168	474	156	86	242	105	71	176	38	10	48	7	1	8	2	2	4	-	-	-
	Professional Course Total (12-22)	131	67	198	85	46	131	22	14	36	19	7	26	5	-	5	-	-	-	-	-	-
23	M.Phil	45+4	13+3	58+7	31+3	13+2	42+5	11	0+1	9+1	3+1	-	3+1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Research Programme Total (23)	49	16	65	34	15	47	11	1	10	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-
24	Vidyavaridhi-2011-12	58	15	73	47	14	61	8	1	9	1	-	1	2	-	2	-	-	-	-	-	-
25	Vidyavaridhi-2012-13	60 8	21 3	81 11	43 8	15 -	58 8	10 -	5 3	15 3	4 -	1 -	5 -	2 -	- -	2 -	1 -	- -	1 -	1 -	- -	1 -
26	Vidyavaridhi-2013-14	69	21	90	50	16	66	11	4	15	6	1	7	2	-	2	-	-	-	-	-	-
	Total (24-26)	195	60	255	174	45	219	29	13	42	11	2	13	6	-	6	1	-	1	1	-	1
	Total Page 1 (01-26)	1111	549	1660	657	291	946	317	182	497	107	39	146	55	37	92	3	2	5	1	0	1

* PH Total Excluding

S. No	Name of the Course	Total Enrolment			OC			BC			SC			ST			MINORITY			P.H*		
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
	Certificate Courses																					
27	Certificate in Pourohitya	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
28	Certificate in Temple Culture	3	-	3	2	-	2	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
29	Certificate in Jyotisha	7	1	8	5	1	6	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
30	Certificate course In Functional English	2	1	3	1	-	1	-	1	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31	Certificate course In Vastu Sastra	2	-	2	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
32	DTP in Sanskrit	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(27-32)	15	2	17	11	1	12	3	1	4	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Diploma Courses													-	-	-	-	-	-	-	-	-
33	Diploma in Pourohitya	10	1	11	8	1	9	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
34	Diploma in Temple culture	3	1	4	2	-	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(33 & 34)	13	2	15	10	1	11	3	1	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	P.G.Diploma Courses																					
35	P.G.Diploma In Yoga Vijnan (Evening Course)	19	12	31	12	8	20	7	4	11	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
36	P.G.Diploma in Yoga Therapy & Stress Management	8	4	12	5	2	7	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
37	P.G. Diploma in Comparative Aesthetics in Global perspective	12	2	14	10	2	12	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(35 - 37)	39	18	57	27	12	39	9	6	15	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	ADD-ON Certificate Courses																					
38	Certificate in DTP in Indian Languages	5	1	6	1	1	2	1	-	1	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
39	Certificate in Translation Techniques & Creative writing In Sanskrit & Regional Languages	4	-	4	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
40	Certificate in Web Technology	-	1	1	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(38 & 40)	9	2	11	5	2	7	1	-	1	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	ADD-ON Diploma Courses																					
41	Diploma in Vastu Sastra	2	3	5	2	-	2	-	3	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Diploma In Translation Techniques & Creative writing In Sanskrit & Regional Languages	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
42	Diploma In DTP In Indian Languages	5	1	6	4	1	5	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(41 & 42)	8	4	12	7	1	8	-	3	3	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	ADD-ON Advanced Diploma Courses																					
43	Advanced Diploma DTP in Indian Languages	6	-	6	5	-	5	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
44	Advanced Diploma in Web Technology	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(43&44)	6	-	6	5	-	5	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total Page 2	90	28	118	65	17	82	17	11	28	8	-	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total Page 1	1111	549	1660	657	291	946	317	182	497	107	39	146	55	37	92	3	2	5	1	-	1
	Grand Total Page 1 & 2	1201	577	1778	722	308	1028	334	193	525	115	39	154	55	37	92	3	2	5	1	-	1

* PH Total Excluding

B - Boys - 1201 ; G - Girls - 577 ; T - Total = 1201+577 = 1778 (Excluding DDE Courses)

Scholarships to SCs, STs & OBCs :

The Scholarships announced by the Government of Andhra Pradesh for SC, ST & OBC students are regularly disbursed by the Vidyapeetha.

Implementation of Reservation Policy

The Vidyapeetha has been strictly implementing the rule of reservation for SC, ST and OBC candidates as per the directions issued by Govt. of India and UGC from time to time in the case of admission of the students to various courses Prak-Sastri, Sastri, Acharya, Siksha Sastri (B.Ed)., Siksha Acharya (M.Ed.), M.Phil. and Vidyavaridhi (Ph.D.) and also in the case of appointments i.e. Teaching and Non-Teaching staff.

Merit Scholarships :

Merit Scholarships are awarded to students on the basis of their percentage of marks/ merit obtained in the last qualifying examinations. Students of Prak-Sastri I year, II year, Sastri I, II, III years and students of each sastra in Acharya I and II years are given Merit Scholarships.

B . Professional Courses

Faculty of Education

The Department of Education provides pre-service and in-service teacher training courses in Sanskrit for secondary school teachers. It is also involved in preparing self-learning kits for learning Sanskrit and in developing Sanskrit pedagogical research. The following professional courses are offered under this department :

Sl. No.	Name of the Course	Duration	No. of Seats	Enrolment
1.	Siksha Sastri (B.Ed.)	one year	154	154
2.	Siksha Acharya (M.Ed.)	one year	44	42
3.	M.Phil in Education	one year	05	04
4.	Vidyavaridhi (Ph.D.)	2-5 years		22

Non-formal Education :

The Distance Education Council of the IGNOU approved the proposal of the University to start Distance Education Programme from the year 2003-04. **Prof. Ch.P. Satyanarayana**, Professor, Dept. of Research and Publications has been assigned with the responsibility of the **Distance Education Centre** of the University as its Director in-charge.

Details of Courses offered & Enrolment for the year 2013-14

The following courses are offered through the Distance Education Centre of the University and the enrolment for the year under report are as follows :

Sl. No.	Name of the Course	Duration	Enrolment
1.	Prak-Sastri	Two years	47
2.	Sastri/B.A.	Three years	48
3.	B.A.	Three years	11
4.	Acharya	Two years	344
5.	P.G. Diploma in Yoga Vijnana	One Year	29
6.	Certificate Course in Sanskrit	One year	57
7.	Diploma in Sanskrit	One year	48

Contact classes for all the above courses are being conducted twice a year in the University campus.

B. RESEARCH

i. Admissions

The Vidyapeetha offers Vidyavaridhi (Ph.D.) in Sahitya/Vyakarana/Jyotisha(Phalita, and Sidhanta) Nyaya/Advaita Vedanta/ Visistadvaita Vedanta/ Dvaita Vedanta/Vedabhashya/Agama & Education. The University shall award the degree of **Vidyavaridhi** to the students admitted as per rules of the Vidyapeetha based upon the latest guidelines of the UGC after completion of their research work duly evaluated by the examiners appointed by the Vidyapeetha for this purpose. The Sanskrit version of the degree will bear the name Vidyavaridhi and the corresponding English version of the degree will be **DOCTOR OF PHILOSOPHY.**

As per the decision of MHRD, Government of India, a combined entrance test for conducting for admission into Vidya-Varidhi (Ph.D.) programme for three deemed universities i.e Rashtriya Sanskrit Samsthan, New Delhi, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, S.L.B.S.R.S.Vidyapeetha, New Delhi on rotation basis which came into effect the year i.e. CVVET-2011 and the first examination was conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi. In the year 2013 it is the turn of Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi for conducting CVVET-2013.

Combined Vidyavaridhi Entrance Test (CVVET) was conducted in all centres in the month of August, 2013 and all the qualified and selected candidates were admitted in the research course. Statement showing number of students pursuing Ph.D. degree in various departments is furnished below :

P. NO	NAME	GUIDE	SUBJECT	CASTE	SEX	Date of Admission	R/ PT
1	A.SHEKAR REDDY	PROF. V. MURALIDHARA SHARAMA	EDUCATION	OC	M	23-12-2013	R
2	L. VENKATA SUBBARAO	DR. A. SACHIDANANDA MURTHY	EDUCATION	OC	M	24-12-2013	R
3	A.CHARUKESH	PROF. V. MURALIDHARA SARAMA	EDUCATION	OBC	M	24-12-2013	R
4	CHINMAYA MISHRA	PROF. PRLHAD R. JOSHI	EDUCATION	OC	M	27-12-2013	R
5	BHARDWAJ DAS	DR. R.CHANDRASEKHAR	EDUCATION	OC	M	20-01-2014	PT
6	ARUPAM SAMANTA	DR.K.KADAMBINI	EDUCATION	SC	M	21-01-2014	R
7	SUKBED DAS	DR.R.CHANDRASEKHAR	EDUCATION	SC	M	21-01-2014	R
8	M DATTATRAYA SHARMA	PROF. PRAHLAD R. JOSHI	EDUCATION	OC	M	27-01-2014	R
9	SIVANAGA SANDEEP KOLLURU	DR.S.MURALIDHARA RAO	EDUCATION	OC	M	27-01-2014	R
10	BIJAYA KUMAR DASH	PROF. PRAHLAD R. JOSHI	EDUCATION	OC	M	28-01-2014	R
11	TAPAS KUMAR PANDA	DR.A.SACHIDANANDA MURTHY	EDUCATION	OC	M	28-01-2014	R
12	VISHWASHRAWA	DR.S.DAKHINAMURTHY	EDUCATION	OBC	M	28-01-2014	R
13	PRABIR BERA	DR.P.VENKATA RAO	EDUCATION	OC	M	28-01-2014	R
14	KUMAR BAGEWADIMATH	DR.R.CHANDRASEKHAR	EDUCATION	OC	M	29-01-2014	R
15	ANNAPURNA DADHICH	PROF. PRAHLAD R. JOSHI	EDUCATION	OC	F	30-01-2014	PT
16	SUNIL KUMAR THAKUR	PROF.RAJANIKANTA SHUKLA	EDUCATION	OC	M	30-01-2014	PT
17	MAHIMA TIWARI	DR.N.LATHA	EDUCATION	OC	F	30-01-2014	R
18	D.UDYAKUMAR	DR. SATYANARAYANA ACHARYA	SAHITYA	OC	M	24-12-2013	R
19	HG ARJUNA KASHYAP	PROF. CH. P.SATYANARAYANA	SAHITYA	OC	M	03-01-2014	R
20	LOHITHA VADLAMUDI	PROF. S.S. SHARMA	SAHITYA	OC	M	20-01-2014	R
21	P.KRISHNAVASU SREEKANTH	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	OC	M	20-01-2014	R
22	T.P.GOPALA KRISHNA	PROF. G.S.R. KRISHNA MURTHY	SAHITYA	OC	M	21-01-2014	R
23	ASHOK BABU DEVARAMPATI	DR. C. LALITHARANI	SAHITYA	SC	M	21-01-2014	R
24	PRADYUT KUMAR DAS	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	SC	M	21-01-2014	R
25	J.CHANDRA SEKHAR	DR. C. LALITHARANI	SAHITYA	OC	M	21-01-2014	PT
26	K.SREECHANDANA	PROF. G.S.R.KRISHNA MURTHY	SAHITYA	BC	F	21-01-2014	PT

P. NO	NAME	GUIDE	SUBJECT	CASTE	SEX	Date of Admission	R/ PT
27	SRAVANTHI CHINNALABOYINA	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	BC	F	21-01-2014	R
28	SAYANTA MAHATO	PROF. CH. P.SATYANARAYANA	SAHITYA	OBC	M	21-01-2014	R
29	CHANDRAMANI DEBTA	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	OC	M	22-01-2014	R
30	D.SIVAPRASAD BABU	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	SC	M	22-01-2014	R
31	K.HARI KRISHNA	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	OC	M	22-01-2014	R
32	NARENDRA ARYA	DR.C.RANGANATHAN	SAHITYA	OBC	M	23-01-2014	R
33	ANANDA MANIKANTA GANESH .S	DR. GYANARANJAN PANDA	SAHITYA	OC	M	24-01-2014	PT
34	AMARANATH K	DR. BHARAT BHUSAN RATH	SAHITYA	BC	M	24-01-2014	R
35	VED PRAKASH JOSHI	DR.K.RAJAGOPALAN	SAHITYA	OC	M	27-01-2014	PT
36	R SREEHARI	PROF.C.LALITHA RANI	SAHITYA	OC	M	27-01-2014	PT
37	KRISHNA PHANEEDRA K	DR.R.SADASIVA MURTHY	SAHITYA	OC	M	31-01-2014	PT
38	V SRINIVASANARAYANA	PROF.R.L.N.SHASTRI	VYAKARANA	OC	M	21-10-2014	R
39	SANTOSH MAJHI	PROF.RAJANIKANTA SHUKLA	VYAKARANA	ST	M	27-01-2014	PT
40	ROOPA HEGDE	PROF. S.S.MURTHY	VYAKARANA	OC	F	29-01-2014	R
41	PRADIP SING	PROF. RAJANIKANTA SHUKLA	VYAKARANA	ST	M	31-01-2014	R
42	DHARMA DASAN V.	DR. V. UNNIKRISHNAN NAMPIYATHIRI	JYOTISHA	OBC	M	23-12-2013	R
43	V.S.ANNAPOORNESWARI	PROF. A. SRIPADA BHAT	JYOTISHA	OC	F	24-12-2013	R
44	HRUSHIKESH SAHU	DR. KRISHNESHWAR JHA	JYOTISHA	OBC	M	30-12-2013	R
45	ISHWARACHANDRA M	DR.A.SRIPADA BHAT	JYOTISHA	OC	M	23-01-2014	R
46	JONNAVITHULA VENKATARAMA SARMA	DR.A.SRIPADA BHAT	JYOTISHA	OC	M	31-01-2014	PT
47	PALASH SANTRA	DR. K. GANAPATHI BHAT	ADVAITA VEDANTA	OC	M	30-01-2014	R
48	SHINDE MANAJ ANGAD	DR. K. GANAPATHI BHAT	ADVAITA VEDANTA	OC	M	18-12-2013	R
49	JNANESHA MARATE	PROF. M.L.N.MURTY	ADVAITA VEDANTA	OC	M	23-12-2013	R
50	MANOJID MUKHERJEE	DR. K.VISWANATH	ADVAITA VEDANTA	OC	M	02-01-2014	R

P NO	NAME	GUIDE	SUBJECT	CASTE	SEX	DOA	R/ PT
51	CHIRANJIT MONDAL	DR.K.VISWANATH	ADVAITA VEDANTA	OBC	M	28-01-2014	R
52	SUDESHNA DASH	DR.K.GANAPATI BHAT	ADVAITA VEDANTA	OC	F	30-01-2014	R
53	J.SRIPAD ACHAR	PROF. NARASIMHACHAR PUROHIT	DWAITA VEDANTA	OC	M	26-12-2013	R
54	NARASIMA KR	PROF. NARASIMHACHAR PUROHIT	DWAITA VEDANTA	OC	M	30-12-2013	R
55	VINAY PADASALAGI	PROF. NARASIMHACHAR PUROHIT	DWAITA VEDANTA	OC	M	31-01-2014	R
56	VENU GOPAL PUROHIT	DR. NARAYANA	DWAITA VEDANTA	OC	M	31-01-2014	R
57	DS VISHNUKANTH	PROF. V.S.V.B CHARYULU	AGAMA	OC	M	19-12-2013	R
58	SS SIVAPRASAD SHARMA	PROF. T.V RAGVACHARYULU	AGAMA	OC	M	20-12-2013	R
59	T.SREE TEJA	PROF. T.V RAGVACHARYULU	AGAMA	OC	M	23-12-2012	R
60	P NEELAKANTAM	PROF.T.V.RAGHAVACHARYU LU	AGAMA	OC	M	22-01-2014	PT
61	SOUMYA RANJAN PRADHAN	DR. PARAMITA PANDA	PURANETIH ASA	OBC	M	30-12-2014	R
62	PHANI AJAY SARMA SWARNA	DR.PARAMITA PANDA	PURANETIH ASA	OC	M	30-01-2014	PT
63	ARWDHUTI DAS	DR. S.S. MAHAPATRA	DHARMA SASTRA	OC	F	19-12-2013	R
64	SABITA BISWAL	DR. S.S. MAHAPATRA	DHARMA SASTRA	OBC	F	26-12-2013	R
65	PREETHI PARAMESWARI MAHANTI	DR. S.S. MAHAPATRA	DHARMA SASTRA	OC	F	26-12-2013	R
66	S.NAGESWARA RAO	DR. T.S.R.NARAYANA	MIMAMSA	OC	M	24-12-2013	R
67	NEENU	DR.D.JYOTHI	SAMKHYA YOGA	SC	F	28-01-2014	R
68	JAGANNATH RATH	DR. NIRANJAN MISHRA	VEDA BHASHYAM	OC	M	24-12-2014	R
69	GOVINDA PRASAD ADHIKARI	DR.NIRANJAN MISHRA	VEDA BHASHYAM	OC	M	27-01-2014	PT

Details of Ph.D. degrees awarded by the Vidyapeetha during the year under report :

Sl. No.	Student Name	Subject	Guide	Date of Award
1	Ram Babu Jha	Education	Prof. Prahlad R.Joshi	02.04.13
2	Surya Prakash Gouttam	P.Jyotisha	Dr. Krishneswar Jha	04.04.13
3	Bhagya Singh Gurjar	Education	Prof. Rajanikant shukla	29.05.13
4	K.Dayanidhi	V.Vedanta	Dr. Chakravarthy Raghavan	17.06.13
5	Debabrata Bera	Sahitya	Dr. C.Ranganathan	17.06.13
6	Ekkurti Venkateswarlu	Education	Prof. V.Muralidhara Sharma	17.06.13
7	Madan Singh	Education	Dr. Rajanikanth Shukla	17.06.13
8	S.Krishna	Education	Dr. K.Kadambini	17.06.13
9	V.Pavani	Sahitya	Prof. Ch.P.Satyanarayana	18.06.13
10	Madhavi Komanduri	Sahitya	Dr. C.Ranganathan	27.07.13
11	Abinash Gayen	Sahitya	Dr. K.Rajagopalan	27.07.13
12	A.Chandra Jyothi	Sahitya	Dr. K.Suryanarayana	27.07.13
13	Bhajahari Das	A.Vedanta	Prof.M.S.Subrahmanya Sarma	29.07.13
14	Basanta Kumar Ray Mohapatra	Dharmasastr a	Dr. Radhagovinda Tripathy	29.07.13
15	Jaywant Chaudhari	Vyakarana	Prof. J.Ramakrishna	29.07.13
16	Prakash Chandra Mishra	Puranetihasa	Dr. Sitanshubhusan Panda	29.07.13
17	Devan.E.M.	Nyaya	Prof. O.S.Ramalal Sharma	19.08.13
18	Satyajit Panda	Nyaya	Prof. K.E.Govindan	27.08.13
19	Venkataramana Bhat	Sahitya	Prof. G.S.R.Krishnamurthy	22.09.13
20	Veerabrahman.G	Sahitya	Dr. K.Rajagopalan	22.09.13
21	K.E.Gopala Desikan	Nyaya	Prof. O.S.Ramalal Sharma	24.09.13
22	S.K.Asraf Ali	A.V.	Dr. K.Viswanath	05.10.13
23	R.Vitobachar	Nyaya	Prof. O.S.Ramalal Sharma	28.10.13
24	B.Balasiva Kumar	Sahitya	Prof. C.Lalitha Rani	30.11.13
25	Chhagan Lal Sharma	Vyakarana	Prof. K.V.Ramakrishnama-charyulu	31.11.13
26	M.G.Nandana Rao	Vyakarana	Prof. K.V.Ramakrishnama-charyulu	13.12.13
27	Ranjan Kumar Dash	Education	Dr. P.Venkat Rao	13.12.13
28	Sridhar.S	Sabdabodha	Prof. R.Lakshminarasimha Sastry Dr. Srinivasa Varakhedi	17.12.13
29	Dandu Padmaja	Sahitya	Dr. Ranisadasiva Murthy	28.12.13
30	Priyadarshini Mallula.I	Vyakarana	Prof. S.Satyanarayana Murthy	31.12.13
31	G.Rajasekhar Reddy	Sahitya	Dr. Viroopaksha V.Jaddipal	07.01.14
32	Pasumarthi Srinu	Education	Dr. S.Dakshinamurthy Sarma	27.01.14
33	Amareswara Kumar Grandi	Puranetihasa	Dr. Paramita Panda	30.01.14
34	K.L.Pavan Kumar	D.Vedanta	Prof. Narasimhachar Purohit	12.02.14
35	DVY Narayana Sarma	A.Vedanta	Prof. O.S.R.L.Sarma	17.02.14
36	Rotta Ganapati Rao	Sahitya	Dr. S.Muralidhar Rao	18.02.14
37	Paleti Nageswara Rao	Sahitya	Prof. C.Lalitha Rani	21.02.14
38	D.Rekha	Sahitya	Prof. C.Lalitya Rani	21.02.14
39	Sunita Patra	Sahitya	Dr. Satyanarayan acharya	22.02.14
40	V.Kalpana	Sahitya	Prof. K.Ramasuryanarayana	22.02.14
41	Ramakrishna Bhat.K	Vyakarana	Prof. J.Ramakrishna	24.02.14
42	R.Geetha	Vyakarana	Prof. J.Ramakrishna	24.02.14
43	P.Lalitha	Sahitya	Dr. K.Rajagopalan	02.03.14
44	Mahabala Rao.M.G.	Sahitya	Prof. G.S.R.Krishnamurthy	02.03.14
45	Soumya.M	A.Vedanta	Dr. K.Ganapati Bhat	03.03.14
46	B.V.Lakshmi Narayana	Education	Prof. V.Muralidhara Sharma	27.03.14
47	K.Ramanujacharyulu	Vyakarana	Prof. J.Ramakrishna	28.03.14

C. PUBLICATIONS

Titles published : The University published the following valuable publications during the year 2013-2014.

Name of the book	Author/Editor	General Editor
1. Valmiki Ramayana - Sundara Kanda	Prof. P.M. Nayak & Prof. Geervani Prof. R.K. Thakur (Managing Editor)	Prof. H.K. Satapathy
2. Vakroktisiddhantadrustya Uttara-ramacharitasya Adhyayanam	Dr. V. Suryaprabha	Prof. H.K. Satapathy

SEMUSHI - Newsletter of University :

The University regularly publishes a bi-monthly in-house magazine called *SEMUSHI*. This news letter focuses on the overall activities of the Vidyapeetha and is sent to all the universities of India and VIPs. Dr. K. Rajagopalan, Associate Professor, Dept. of Sahitya is the Editor of *SEMUSHI.*

Departmental Journals :

(1) Department Education - **Sikshaloka ;** (2) Dept. of Sahitya - **Rasadhuni**

D. TRAINING

A. REMEDIAL COACHING CENTRE

Objective : The Vidyapeetha has started Remedial Coaching Centre for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Minority students from the academic year 2007-08 with the financial assistance of University Grants Commission under XI plan grants. This Coaching centre has been conducting teaching classes for the students belonging to SC, ST and Minority categories. The students belonging to other categories and who are in need are also permitted to attend the coaching classes.

Coaching Classes for the academic year 2013-14 : Remedial coaching classes started in September, 2013 and closed in December, 2013. The classes were conducted successfully.

Remedial Coaching Centre covered courses for the year 2013-14 : Remedial coaching classes conducted for the students belong to SC, ST and Minority categories for all Sastras of (1) Acharya I Year (2) Acharya II Year (3) Sastri I Year (4) Sastri II Year (5) Sastri III Year (6) Prak-Sastri I Year (7) Prak-Sastri II Year and (8) Siksha Sastri (B.Ed.). About 569 students were benefitted by the coaching. About 49 Faculty members were engaged to teach the classes. The Remedial coaching centre supplied study material and conducted exams from time to time. Prof. GSR Krishna Murthy was the Co-ordinator for the programme.

B. Shastra varidhi short term course on Jyotisha (05-07-2013 to 05-08-2013) :

As a part of the Centre of Excellence Programme one month Shastra Varidhi Short Term Course on Jyotisha was organised from 05-07-2013 to 05-08-2013. Prof. Radhakant Thakur was the Co-ordinator of the Course. Many distinguished scholars experts in Jyotirvijnana delivered lectures on varios aspects of Jyotisha Sastra. Prof.K.R.S.Menon was the Chief Guest for the Valedictory function and Prof. H.K.Satapathy, Vice-Chancellor was the President. At the Valedictory Function Hon'ble Vice-Chancellor distributed Certificates to the participant students.

E. SEMINARS / CONFERENCES / WORKSHOPS

A. NATIONAL SANSKRIT AWARENESS PROGRAMME

Promoted by MHRD, Govt. of India 27th and 28th July, 2013

A Two Day National Sanskrit Awareness Programme was organised for Kendirya Vidyalaya Teachers in the premises of the Vidyapeetha on 27th and 28th of July, 2013 for generating awareness regarding the significance of Sanskrit, Indian Culture and Moral Education. It is the first Camp of the proposed programme sheduled. More than 50 teachers from Kendriya Vidyalaya of Hyderabad Region, Andhra Pradesh ; Ernakulam Region, Kerala and Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati participated in the Camp.

Shri D.Venkateswarulu, Principal, Kendriya Vidyalaya No.1, Tirupati was the Local Co-ordinator of the Programme and Dr.Rani Sadasiva Murty, Associate Professor in Sahitya of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati is the Programme Co-ordinator of the event.

INAUGURAL FUNCTION

The Inaugural Function was held on 27th July, 2013 at 10.00 A.M in the Brim-packed Seminar Hall of the Academic Building of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati. The Camp commenced with the divine Vedic Prayer followed by Saraswati Vandana by the Students of the Vidyapeetha. Mahamahopadhyaya Prof. Ravva Srihari, Former Vice-Chancellor of Dravidian University and presently the Chief Editor of TTD Publications was the Chief Guest and Prof.Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor, RSVP was the President of the Function. Prof. K.R.S.Menon, the then Registrar of the Vidyapeetha welcomed the Guests and dignitaries ; Prof.Radhakanta Thakur, Dean Academic Affairs, RSVP elaborated the details of the objectives of the Camp. Dr. Rani Sadasiva Murty, the Programme Co-ordinator gave the session wise details of the 2-day Camp Programme.

THE MESSAGE OF THE CHIEF GUEST

Prof. Ravva Srihari, the Chief Guest of the Camp, emphasized the necessity in the contemporary age to opt for Sanskrit learning in order to prepare technical glossaries and lexicons in any and every regional language of India for different scientific and technological subjects in the academic field. He also mentioned that there are a good number of Sanskrit works on disciplines like Mathematics, Architectural Science, Aeronautics, Medicine, Political Science, Ethics etc., which have all time utility for the socio-economic, political and scientific and moral development of the nation.

PRESIDENTIAL SPEECH

Prof. Hare Krishna Satapathy, Hon'ble Vice-chancellor of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha in his presidential address underscored the need for learning this language in the present day situation. At the outset he expressed his deep sense of gratitude to the MHRD, Government of India for entrusting this great task to Rashrtiya Sanskrit Vidyapeeth to conduct this kind of Sanskrit Awareness camps to the teachers of various national institutions. In this connection he said that it is the teachers who can mould and uplift the society. In order to mould it in a proper manner a proper medium is necessary. Sanskrit, according to him, is the most appropriate medium. The genesis of Indian Culture, the genesis of value based education and the genesis of all noble principles of human living is Sanskrit. The genesis of Bharatiya Dharma too is Sanskrit. Dharma is the way of life and it is the code of human conduct beyond all sectarian differences. To lead a Dharmic life learning Sanskrit is a prerequisite. He stated that KARUNA, JNANA and KARMA, of which the three great human-icons Buddha, Adi Sankara and Swami Vivekananda, can be adapted in our day to day life for our ultimate success. These three are essential for the physical, mental and spiritual growth of all individuals and the entire society in a very healthy environment. It is Sanskrit which can rightly help in achieving this. This igniting speech of the Vice chancellor left a highly positive impression over the participants.

With the vote of thanks rendered by Shri VS Prasad, Kendriya Vidyalaya 1, Tirupati the inaugural session was over. After the Inaugural session various academic sessions continued. They are as follows:

INTRODUCTORY SESSION

In this Session Dr. Rani Sadasiva Murty, the Programme Co-ordinator of the Camp elucidated to the participants the necessity of Sanskrit in preserving Indian Culture, Indian Languages, Indian Scientific Heritage and the essential ethical principles for strengthening Indian way of thinking in the modern age.

FACETS OF SANSKRIT

Dr. V.V.Jaddipal, Professor Department of Research and Publications, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, gave a stimulating power point presentation on the topic FACETS OF SANSKRIT.

SANSKRIT QUIZ

Dr. C. Ranganathan Associate Professor in Department of Sahitya conducted Sanskrit Literary Quiz for the participants.

RASA SANDHYA

This is the last of the events of the first day in which participants from different regions sang songs of different kinds very melodiously in Sanskrit.

YOGA AND STRESS MANAGEMENT

Dr. A. Rajendra Reddy and Dr. D. Jyothi took a session on Yoga Practice and Stress Management at Yogamandiram of Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth in the early morning from 6.00AM to 8.00AM for all the participants.

RELEVANCE OF SANSKRIT IN THE CONTEMPORARY SOCIETY

Sanskrit has all time relevance to human society not just confining to any region of India. It can perfectly represent Indian way of living which is ideal for being followed by all. Moreover Sanskrit has great inner power to unite all Indians beyond their regional linguistic differences. It can strengthen all regional languages too. It has equal capacity with all other modern streams of education in providing jobs to all those who study Sanskrit as their main subject. Even the Indian Culture is always influenced by this language. With this as the theme an interactive session was conducted by Dr. Satyanarayana Acharya. Associate Professor in the Department of Sahitya.

SANSKRIT SCIENCE AND TECHNOLOGY

There are several independent treatises pertaining to various sciences found in ancient Sanskrit literature. The plethora of such collection covers the fields like all branches of Mathematics, Astronomy, Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Acoustics, Environmental Studies, Phonetics, Gemmology, Medicine, Meteorology, Architecture etc.

Prof. G.S.R. Krishna Murthy, Head of the department of Sahitya, gave an attractive presentation of various concepts belonging to all such scientific branches of ancient Indian lore.

SANSKRIT AND PERSONALITY DEVELOPMENT AND ANCIENT INDIAN MANAGEMENT SKILLS

In this session, Dr. Rani Sadasiva Murty gave a power point presentation on various literary sources for personality development and ancient Indian Management skills as found in the Vedas, Puranas, Epics, Kavyas and other literary sources. The lectures encompassed the skills related to Self Management, Work Management, Crisis Management, Disaster Management, Communication Skills, Delegation of powers and so on.

VALEDICTORY MESSAGE OF THE VICE-CHANCELLOR AND OTHER GUESTS

In the Valedictory Session Hon'ble Vice Chancellor left a much valuable message to all the participants to invite Sanskrit into their lives to whichever subject they may belong to. This is for the purpose of understanding and uplifting the Indian culture, to promote the value based education for the better living of the future student generations and also for an effective improvement of

linguistic skills of their own regional languages with the help of good and thorough Sanskrit knowledge. So that he feels that the Indian Society will see an auspicious way of cultured environment striving for universal brotherhood. He felt it was not the end of the camp but is a great beginning in the lives of all, for a life time learning through the process of assimilation, realization, practice, and transmission into a perfect human being through Sanskrit.

Rudrayya, Incharge Principal of KV1, Tirupati - emphasized that to protect Indian culture, we need to learn Sanskrit and protect Sanskrit. He also declared that everyone should take a vow to make Sanskrit a regular subject right from primary level.

Prof. KRS Menon, the then Registrar - observed that Indian culture is not use and throw culture. It is use and grow culture. Most of the sections of Sanskrit literature were misunderstood in the middle ages. He suggested that those sections be reread and properly be transmitted to the future generations. Modern education emphasizes on the need of the three Rs - Reading, Writing and Arithmetic. Sanskrit education adds four more Rs to these three: Rights, Responsibilities, Relationship and Recreation without which human living is in vain, he observed.

Prof. Radhakanth Thakur, Dean, Academic Affairs - opined that modern education is the source of all problems and creates barriers in human relationship. A modern educated man doesn't even pay respect to his parents, where as Sanskrit education strengthens human values. This education solves all kinds of human problems.

Smt. P. Vijaya Rajeswari, KV2, AFA, Hyderabad - said that the serene surroundings of the Vidyapeetha and tranquility in which Sanskrit knowledge is imparted reminded her of the Gurukula system of olden days. She thought is was the most befitting to describe the Vidyapeetha as "Modern Gurukulam".

V. Shri Krishna, PRT, Tirumalagiri -

declared that through this camp they could understand' the necessity of learning Sanskrit for learning about our Indian culture and values. At present German is offered in Kendriya Vidyalayas as an optional substitute for Sanskrit. He suggested that Sanskrit should be made a regular language of learning not as an optional one like a foreign language German.

Ishanth Dev Neerad, PRT (Music), Ernakulam - asserted that it is today's necessity to learn Sanskrit. Sanskrit is the base of our Indian culture. Our culture is the greatest of all cultures in the world. Sanskrit gives us a new direction. Sanskrit is the key for all solutions of our problems.

B. Two Day National Seminar on "A Comparative Study of Nilachala and Simhachala with a special reference to Seshachala"

A two day National Seminar was organised by the "Orissa Chair" on the topic "A Comparative Study of Nilachala and Simhachala with a Special Reference to Seshachala" on 2nd and 3rd September, 2013 in Yoga Mandiram, R.S.Vidyapeetha Campus, Tirupati. Dr.Radha Govinda Tripathy & Dr.Gyana Ranjan Panda were the Co-ordinator and Addl.Co-ordinator of the Seminar.

INAUGURAL SESSION

The Inaugural Session was held on 02.11.2013 at 10 a.m. in Conference Hall of Administrative Building. It was started with Vedic Chanting performed by the Vidyapeetha Veda Pandits. On this occasion Sri Sri Sri Baba Sachidananda Das Swamiji Maharaj, President of Sri Jagannath Chetana Gaveshana Pratisthanam, Puri attended as Chief Guest and Prof.Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor, RSVP presided over the function. More than 30 numbers of scholars participated in the Seminar and presented valuable papers on Sri Nilachala, Simhachala and Seshachala Kshetras. Dr.Satya Narayan Acharya welcomed the dignitaries and the Addl. Co-cordinator Dr.Gyana Ranjan Panda proposed vote of thanks. Dr.Radha Govinda Tripathy was the convenor of Inaugural Session.

SESSION-WISE DETAILS OF THE SEMINAR

DATE– 02-09-2013

I SESSION- 10.00 A.M. : (Inauguration) **II SESSION** - 11.30 A.M. TO 01.00 P.M.

Sri Rabindranath Pratihari - Session President ;Dr. Niranjana Mishra - Session Co-ordinator

Paper Presenters

Sri Asit Mahanti, Sri Baba S.Das Swamiji Maharaj, Adhyapaka Suneel Rath, Sri Ramchandra Dasmohapatra, Smt. Shradhanjali Kanoongo, Sri Rabindranath Pratihari,

III SESSION : 02.30 P.M. TO 05.30 P.M.

Prof. G.S.R.Krishna Murthy - Session President ; Dr. C. Ranganathan - Session Co-ordinator

Paper Presenters

Prof. C. Lalitha Rani, Dr. R. Sadasiva Murthy, Dr. K. Rajgopalan, Dr. C. Ranganathan, Dr. Sitansu Bhusana Panda, Dr. Somanatha Dash , Dr. Sudhansu Shekhar Mohapatra, Dr. Niranjana Mishra, Dr. Paramita Panda, Dr. Swetapadma Satapathy, Dr. J. B. Chakrabarthi, Dr. Bharata Bhusana ratha, Dr. Tapan Kumar Ghadai, Dr. Pradeep Kumar Bag, Mr. Santosh Majhi

DATE– 03-09-2013 - IV SESSION – 10.00 A.M. TO 11.30 A.M.

Dr. Nareshchandra Dash - Session President ; Dr.Ajaya Kumar Nanda - Session Co-ordinator

Paper Presenters

Sri Suryanarayan Mahapatra, Er. Baladev Simhari, Sri Purnchandra Gochhikar, Sri Harekrushna Pratihari, Dr. Nareshchandra Dash

V SESSION– 11.30 A.M. TO 01.00 P.M.

Dr. Satyanarayan Acharya - Session President ; Dr.Bharata Bhusana Rath - Session Co-ordinator

Paper Presenters

Dr. Surendra Kumar Mishra, Dr. Sidheswara Mahapatra, Dr. Kanhucharana Panda, Sri Santosh Kumar Patra, Dr. Karunakar Pradhana, Sri Biswajit Senapati, Mahanta Sri Ramakrushna Dash.

VI SESSION– 02.30 P.M. TO 04.00 P.M.

Dr.Ranisadasiva Murthy - Session President ; Dr.Swetapadma Satapathy - Session Co-ordinator

Paper Presenters

Dr. Satyanarayana Acharya, Dr. Radhagovinda Tripathi, Dr. Rurukumara Mohapatra , Dr. Gyanaranjan Panda, Dr. Jaya Prakash, Dr. Dillip Kumar Mishra, Dr. Ajaya Kumar Nanda, K. Leena Chandra, Dr. Santosh Acharya, Dr. Bidyadhar Harichandan, Mr Prasana Kumar Panda, Dr. Rajashree Padhi.

नीलाचलसिंहाचलयोः ऐतिहासिकपृष्ठभूमिः, सिंहाचलमन्दिरस्य मूर्त्तितत्त्वम्, सिंहाचलमन्दिरस्य कला-स्थापत्य-भास्कर्याणि, नीलाचलसिंहाचलयोः नृसिंहोपासना, नीलाचलसिंहाचलोपासनायां श्रीरामानुजः, नीलाचलस्य शास्त्रीय-भित्तिभूमिः, सिंहाचलमन्दिरे सेवा सेवकाश्च, सिंहाचलमन्दिरे दैनिकनीतिः, सिंहाचले ओडिआ-शिलालेखः, सिंहाचलमन्दिरे उत्सवाः, सिंहाचलमन्दिरम् उत्कलीय-राजवंशाश्च, सिंहाचल-नीलाचलोपासनायां वैचित्र्यम्, सिंहाचलमन्दिरस्य शास्त्रीयभित्तिः, माहारी-सानिसम्प्रदाययोः तुलनात्मकमध्ययनम्, सिंहाचलमन्दिरं प्रति श्रीनरहरितीर्थस्य अवदानम्, नीलाचलस्य रथोत्सवः शेषाचलस्य ब्रह्मोत्सवश्च, शेषाचलस्य प्रशासनिकव्यवस्था, शेषाचलमन्दिरे रीति-नीति-उत्सवाः, शेषाचलमन्दिरस्य कला स्थापत्यञ्च, शेषाचले वैष्णवोपासना, नीलमाधवः वेङ्कटेशश्च are some of the highlighted topics on which scholarly and comparative discussions and debates were made by the scholars who came from different places of our Country.

VALEDICTORY SESSION

The Valedictory Session was conducted in the afternoon on 03.09.2013, where Sri Rabindra Pratihari, Secretary General of Sri Jagannatha Chetana Pratisthana, Puri participated as Chief Guest and delivered valuable message to audience. Prof. H.K.Satapathy as the President of the Function distributed the Certificates to the Participants. Dr.Gyana Ranjan Panda, Addl.Co-ordinator, Orissa Chair convened the function and Dr.R.G.Tripathy gave Vote of Thanks.

C. TWO DAY NATIONAL SEMINAR ON THE EPOCH OF VIVEKANANDA IN MODERN INDIA

A two Day National Seminar on "The Epoch of Vivekananda in Modern India" was organised in connection with the Sesquicentennial Birth Anniversary of Sri Swami Vivekananda to pay the homage to the illustrious Spiritual Master and sage of the new age on 23rd and 24th, December, 2013 in the premises of the Vidyapeetha. Dr.Rani Sadasiva Murty was the Co-ordinator of the Seminar.

In the Grand Inaugural Session of the Seminar, which was held on 23rd December, Monday at 10.00 a.m. Sri Sri Achintyananda Swamy, Ramakrishna Math, Kadapa, A.P. was the Chief Guest and Prof.P.V.Reddy, President Ramakrishna Samiti, Tirupati was the Guest of Honour. Prof.H.K.Satapathy, Vice-Chancellor presided over the function and Prof.Radhakanta Thakur,

Dean, Academic Affairs welcomed the dignitaries.

More than 50 scholars from different parts of the country participated and presented their papers on the the life history and philosophy of Swamy Vivekananda and threw light on the philosophical thoughts like "the National Character of Youth through the invaluable teachings of Vivekananda", "Various Kernel aspects of Individual and Social Enlightenment", "Universal Brother-hood and Global welfare", "Human refinement through spiritual practices", "Bharatiya Sanatana Dharma" etc. The Seminar was divided into eight sessions included the Inaugural and Valedictory Sessions.

The Valedictory Session was organised on 24-12-2013, Tuesday at 4.30 p.m. in Room No. 116 of the Academic Building, RSVP. The Presidential Awardee Professor Alekh Chandra Sarangi, Former Vice-Chancellor, Sri Jagannath Sanskrit University ; Shri Shri Shri Shaunak Chaitanyaji, President, Chinmaya Mission, Kadapa, A.P. ; Prof.S.Sudarsana Sarma, Former and Founder Vice-Chancellor of Sri Venkateswara Vedic University were the Chief Guest, Special Guest, Guest of Honour respectively. Prof.H.K.Satapathy presided over the funtion. Dr.Satyanarayana Acharya was the convenor of the function.

D. National Seminar on NARRATIVE LITERATURE IN ENGLISH AND SANSKRIT

A two day National Seminar on Narrative Literature in English and Sanskrit was organized by the Department of English, R. S. Vidyapeetha on 3rd and 4th September, 2013. This Seminar was attended by nearly 50 scholars from various parts of the country.

The Seminar was inaugurated at 10.00am on 3rd September, 2013. Prof. A. C. Sukla, former professor of English and Comparative Literature, Sambalur University, Sambalpur was the Chief Guest and Hon'ble Vice Chancellor of the Vidyapeetha Prof. Harekrishna Satapathy presided over the function. The Seminar began with the keynote address of Prof. A. C. Sukla. Prof. Sukla not only elaborated on the definition of narrative and its analysis since the times of Aristotle to various schools of Narratology of the 20th and 21st centuries. He also made a point to mention what one would gain and what one would lose by an exclusive narratological study. Prof. Radhakant Thakur, Registrar in-charge of the Vidyapeetha, brought to the notice of the audience that Banabhatta's Kadambari is the first ever novel written. The Vice-Chancellor Prof. Satapathy delineated on the varieties of

narratives seen in Sanskrit literature as well as the variety of styles particular to the four regions of India. He emphasized that the seminar is not about what narratives say but how they say it. Earlier, Prof. V. Sujatha, Head, Department of English, R. S. Vidyapeetha, welcomed the gathering and Dr. R. Deepta, the Seminar Co-ordinator presented a brief introduction to the seminar and various themes it focuses on.

After the inaugural session, there was the First Plenary Session, in which Prof. V. Rangan, Former Professor of English, Nagarjuna University, Guntur, expressed his concern over the fact that theories are overriding the study of literature and how it is absolutely necessary for us Indians to go back to our own indigenous Sanskrit tradition than to ape every new fad of the west. Prof. Viswanadha Rao, Former Professor of English, Andhra University, was the next speaker and he made a comparative study of Eastern and Western epics. After elaborating on the features of eastern and western epics he went on to prove that the Sanskrit epics are far more inclusive than their western counterparts. The session was marked by very lively debate over the issues raised by the speakers.

The paper reading session, post lunch was chaired by Prof. T. Bharati , Professor of English, SPMahila Visvavidyalayam. 11 papers by invited speakers were presented followed by enlightening discussions and informative suggestions by the senior professors.

The Second day of the Seminar i.e. 4th September, 2013, began with two parallel paper reading sessions chaired by Prof. G. S. R. Krishnamurthy, Professor of Sahitya, R. S. Vidyapeetha, Tirupati, and Prof. Y. Somlatha, Professor of English, Andhra University Post Graduate Centre, Kakinada. 22 papers were presented in the two sessions. It was followed by the second plenary session Chaired by Prof. V. Rangan. In this session, Prof. B. Jaya Singh Professor of English, Retired Principal SCS College Puri, discussed film as a narrative taking the Sanskrit film Adi Sankaracharya as the object of his analysis. Prof. Y. Somalatha presented her thoughts on the process of writing with Naipaul as her subject. Prof S. Revathy, Professor of Sanskrit ,Madras University Chennai, delineated on the various types of narratives in Sanskrit literature since the Vedas. Prof. G. S. R. Krishamurthy elaborated on how history is narrated in the famous Sanskrit play Mudraraksasa of Visakhadatta. The long post lunch session had 11 paper presenters and was chaired by Prof. B. Jaya Singh. The hallmark of the entire seminar had been the intellectual debate that followed each paper presentation.

The Seminar concluded with the Valedictory Session at 4.30. p.m. Prof. Gangadhar Mishra, Director, Higher Education, Odisha, was the Chief Guest and the Vice Chancellor, Prof. Harekrishna Satapathy presided over the function. Prof. Mishra in his Valedictory session continued the debate which started with the Key note address whether there is any need for theory at all or not and concluded that theory would certainly bring to focus the issues to be address in a narrative. He stated that just like Vladamir Prop who listed out the various combinations of narratives possible in Russian and European literature, one could also try the same with the Sanskrit literature. Prof. Hare Krishna Satapathy in his Presidential Address commended the scholars and paper presenters for their erudition. Mr. K. Badarinath, Research Scholar thanked the invitees, paper presenters and all those who were involved in the seminar on behalf of the Department of English.

E. All India Sanskrit Women Scholars' Conference "THE ROLE OF WOMEN SANSKRIT SCHOLARS IN NATION BUILDING" 07.03.2014 & 08.03.2014

THEME OF THE CONFERENCE

The Sanskrit literature comprises the Vedas, Vedangas, Dharma Shastras, Srutis, Puranas, Epics, Mahakavyas, Khanda Kavyas, Gadya Kavyas, Rupakas etc. The women are depicted in the entire Sanskrit Literature as pillars of society and guaridans of our culture. The Vedas recognized her significant role and many Vedic Seers like Apala, Gargi were women. The women were treated with esteem in the society. Like wise in Dharmasastras also the role of women is highlighted. In the epics Ramayana & Mahabharata, women like Sita, Draupadi and others are perfect models to be emulated by all in all generations. They symbolised the great values like truth, tolerance and chastity and other noble virtues. The Mahakavyas, Khandakavyas and Dramas also followed this trend and so many exemplary characters, like Sakuntala, Parvati, Damayanti, Sudakshina etc. are part of them.

In this way not only men but also women influenced the destiny of society. The Sanskrit Literature focused on the role of women and their multifaceted personalities in various spheres of life. The present All India Sanskrit Women Scholars' Conference is aimed at bringing to light the noble contributions made by women and to highlight how they shaped and moulded society in a commendable manner.

The adorable place given to the women in ancient Sanskrit Literature shows the Indian tradition regarding the esteemed regard given to the women in the society. Unlike the Western Culture, where women are seen as objects, women are regarded as Goddess Saraswati/Lakshmi in Indian Culture. Since women are all treated with veneration and endowed with all powers as per our tradition, It was appropriate to hold such conference a theme relevant to contemporary times: **THE ROLE OF WOMEN SANSKRIT SCHOLARS IN NATION BUILDING.**

INAUGURATION

The Inauguration Function of the Conference was held on 07.03.2014. Prof. P. Geervani, Former Vice-Chancellor, Sri Padmavati Mahila University, Tirupati inaugurated the Conference. Smt. Dr. Jayanti Manohar, Renowned scholar in Vedic Literature, Managing trustee of Amrutavahini attended as Guest of Honour. Dr.Jayanti Manohar threw light on the role of women Sanskrit Scholars and their contribution to Sanskrit Literature in building up of Nation while mentioning names of Vedic Seers namely Gargi, Atri etc. Prof.Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor, presided over the meeting.

The Valedictory Session was held on 08.03.2014. Prof.C.Lalitharani, Professor of Sahitya and Co-ordinator of UGC, Special Assistance Programme was the Convenor of the Conference and made all her effort for the success.

II. CO-CURRICULAR ACTIVITIES

A. Vagvardhini Parishad

The Vagvardhini Parishad is a co-curricular activity of the Vidyapeetha which is allowing students to take part in elocutions, debates, seminars, quiz etc. For the Academic Session 2013-14 it was ianaugurated in a grand success on 24-07-2013 at 4.00 P.M. in Indoor Stadium of the Vidyapeetha Campus. Prof. H.K.Satapathy, Vice-Chancellor was the Chief Guest and Prof. Radhakant Thakur, Dean, Academic Affairs was the President. Dr.C.Ranganathan and Dr.Bharat Bhushan Rath were the Co-ordinator and Addl. Co-ordinator of the Parishad, who jointly convened the Function.

This year the Vagavardhini Parishad has conducted 15 weekly competitions sessions successfully and gave special tips to develop the Sanskrit speaking capacity of the students.

The students of the Vidyapeetha have participated in 10 various competitions in all over India and won prizes and medals. The students have participated in the following competitions :

(1) 3rd Prize in Slokantakshyree - All India Competition - Lalbahadur Shastri University, New Delhi. (2) 2nd position in ISKON - Tirupati - Dist. level competition. (3) 3rd position in Glory Fest, Puri, Odisha (4) 1st position in Ujjain - Kalidas Samaroha - Vikram University (5) 1st position in State Level Competition of Rashtriya Sanskrit Samsthan - Tirupati (6) 2nd Position in Sri Venkateswar Vedic University - Youth Festival - Tirupati (7) 2nd Position in Sashtrartha Sabha - Thripunantara - Keral (8) Attended Wardha - Sikhya Mandal Competition (9) 1st Position Vyasa Mahotsava - Varanasi (10) 6th Position All India Sashtrartha Spardha - Rashtriya Sanskrit Samsthan, Bhopal campus.

Organized programmes : The Vagvardhini Parishad organized the 52nd All India State Level Shastra Elocution Competitions of Rashtriya Sanskrit Samsthan on 15th and 16th December, 2013. The 8th All India Sanskrit Students Talent Festival organized with full of courage from 22nd to 25th January, 2014. Successfully organized the Annual Literary Competitions of the Vidyapeetha.

52nd All India state level students shastra elocution competition : Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati organized the State level competitions for 52 All India Competitions of Rashtriya Sanskrit Samsthan for the first time in its history. It was successfully organized on 15th and 16th December, 2013 in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati. Four Institutions have participated in this programme from various parts of Andhra Pradesh. The students of the Vidyapeetha have got maximum positions in this competition.

Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Harekrishna Satapathy inaugurated the function by lighting

the holy lamp. The keynote address delivered by him stressed on the importance of shastra in regard to speaking skills and techniques. He inspired the students by suggesting the technical aspects of speaking on a particular shastric topic. Registrar Prof. R.K. Thakur was invited as the guest of honour.

The session was presided by Prof. GSRKrishna murthy. The convener of this programme was Dr. C. Ranganathan, Co-ordinator of Vagvardhini Parishad. Vote of thanks was rendered by Dr. Bharat Bhusan Rath, Addl. Co-ordinator of Vagvardhini Parishad. The judges were invited from various parts of Andhra Pradesh and Tamilnadu. The participant Institutions : (1) Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Tirupati (2) S. V. Vedic University, Tirupati (3) Sura Bharathi Sevapeetham, Cuddapa (4) Sura Bharathi Sevapeetham, Maidukur.

There were about 35 to 40 participants who enthusiastically participated in this event. 21 events were conducted in this competitions. Students were awarded with 1st, 2nd and 3rd prizes. Rashtirya Sanskrit, Vidyapeetha, Tirupati bagged maximum 19 - 1st prizes in this competition.

The valedictory session was observed with four dignitaries from the scholarly world of Sanskrit. Amongst them were Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor, Rashtriya Vidyapeetha, Prof. A.C. Sarangi, Former Vice-Chancellor of Sri Jagannatha Viswavidyalaya, Prof. Punkaj Chande - Former Vice-Chancellor of Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University, Ramtek, Nagpur and Prof. Sukhdev Bhoi, Dean Dept. of Sahitya of Lalbahadur Sastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi. Prizes and certificates were presented to the winners and participants.

B. Maxmuller English Club

The Maxmuller English Club is a voluntary organization of Students of the Vidyapeetha which is run under the guidance of the staff of the Department of English to improve speaking skills of Sanskrit Students in English along with imparting organizational skills in them. For the purpose of achieving the above objectives the Club organized various activities in 8 sessions in the academic year 2013-14.

The club was inaugurated on 15th November, 2014 by the Vice-Chancellor of the Vidyapeetha, Prof. Hare Krishna Satapathy. He, in his address, encouraged the students to learn English by elaborating the advantages of learning English.

Though the club started quite late this academic year, it began its weekly activities with a lot of enthusiasm the very next day i.e. 16-11-2013. “Speak for a Minute” was the activity organized. Dr. Bharat Bhushan Rath, Assistant Professor of Sahitya , Department of Sahitya came as the Judge. Kiran S. Bhatt and Imagin Maharana of Sastri IIIyear acted as Conveners.

In the second session, held on 23rd Novemebr, 2013, Elocution competition was held. The topic fo Prak- Shastri was “My School Days” while for Sastri and Acharya Level, the topics were “Sachin: the Hero” and “Failures are Stepping Stone for Success”. Dr. Potan pratap, Guest Lecturer in English came as the judge. Ch. Sai Santosh and Naga Satya Sri of Shastri III year were the Conveners.

The third session of the Club was held on 30th November, 2013. The competition conducted

was Essay Writing. The topic for Prak-Sastri was “Saving the Environment” and for Sastri and Acharya it is “Mushrooming of Regional Parties – A threat to the Unity of India”. Prof V. Sujatha, Department of English acted as the Judge while Madhuri Kameshwari of Shastri III year was the convener.

Held on 14th December, 2013, the fourth Session of the Club had two very interesting competitions. For Prak-Sastri level it was “telling a story” while it was competition in communication Skills for Sastri Students. Research Scholars Aarthi Sharma, and Acharya Students Sravana Rajan and Vaishnavi acted as Judges for the competitions. Sastri III year students Samiran Das and Imagin Maharana were the conveners.

The fifth session held on 21-12-2013 had a unique activity. The film and a BBC Production “Oliver Twist” based on the novel of Charles Dickens was screened. The participants then were asked to write a critical comment on the film and prizes were given for the best writing. Madhuri Kameshwari and Dinesh Sharma were the conveners of the session.

The Sixth session of the club was held on 15th February, 2014. It has the following competitions. Prak sastri students participated enthusiastically in Vocabulary Games while a debate was organized for Shastri and Acharya Students on the topic “Has India Achieved anything enduring since independence”. Dr. Chandulal, Assistant Professor of Maths, acted as the Judge. Sai Santhosh and Madhuri Kameshwari were the conveners.

A quiz competition for all students was held as part of the Seventh Session held on 22-02-2014. Sri V. Sethuram of the Computer Department was the Judge. DTV Seetharam and Camelia Guha acted as conveners.

The Eight session which awas held on 27th February, 2014 had “Pick and Speak” competition for all levels. Dr. Kalayana Sastri, Assistant Professor of Sabda Bhodha was the Judge while Ramachandran and Smrithi R. Suresh acted as conveners.

The Valedictory Function of the Maxmuller English Club for the year 2013 -14 was held on 18-3-2014. Prof. Hare Krishna Satapathy , the Vice-Chancellor of the Vidyapeetha came as the Chief Guest and gave away Prizes for winners of various sessions. As many as 52 students were given prizes.

C. Tulasidas Hindi Parishad

Tulasi Das Hindi Parishad was inaugurated for the year 2013-14 on the Hindi Diwas i.e. 14.09.2013 as it has been on honoured custom of the Vidyapeetha to inaugurate the Club, on the Hindi Diwas.

Prof. Krishna Kanchana Sharma, Dept. of Micro-bilogy, SVIMS was the Chief Guest of the Function. Speaking on the occasion, Prof. Sharma elaborated on the benefits of

learning Hindi especially for South Indians. Prof. Radhakant Thakur, the then Registrar i/c of the Vidyapeetha was the Guest of Honour. Prof.G.S.R.Krishna Murthy, Professor of Sahitya and Academic Co-ordinator, RSVP, in his presidential address deliberated on the purpose behind starting the Parishad in the Vidyapeetha.

Earlier Dr. Keshav Mishra welcomed the dignitaries and the invitees to the function. Dr. Latha Mangesh, Asst. Professor, Dept. of Hindi, R.S.Vidyapeetha & the Co-ordinator, Tulasi Das Hindi Parishad proposed the Vote of thanks. Dr.Mohan Naidu was the Master of Ceremony.

Valedictory function during the year 2013-14 was organized on the 26th March, 2014. Prof. HK Satapathy, Vice-Chancellor, RSVidyapeetha was the Chief Guest of celebration. Prof. RK Thakur, Dean, Academic Affairs presided over the function and distributed prizes for the prize winner of various sessions on the occasion.

D. Annamaiah Sahitya Kalaparishad

Annamacharya Sahitya Kalaparishad was one of the Literacy club of RSVidyapeetha students. It began its activities in the year 2011. The main objective of the Annamacharya Sahitya Kalaparishad is to improve the speaking, writing, reading, listening skills of the Sanskrit students in Telugu language.

The Inauguration of the parishad for the academic year 2013-14 was held on 4th October, 2013 with the Former Vice-Chancellor, Dravidian University, Kuppam Hon'ble Prof. Ravva Srihari lighting the lamp and enlightening the students on the need to learn Telugu Language.

Prof. S. Sudarsana Sarma, Former Vice-Chancellor, Sri Venkateswara Vedic University, Tirupati - speaking on the occasion declared that Annamacharya is to be recorded as the first among the humangraphers in Telugu, not only from the view point of Chronology but also for his superb artistry and range of feelings and thought. He was a pioneer in the field who could handle both amorous and devotional strains equal felicity. Later Prof. GSR Krishna Murthy, Academic Co-ordinator enlightened the students with significant and greatness of Telugu Language.

The parishad conducts various sessions throughout the year. On the whole the students gathered nine times in the year and organized different activities like Elocution, Essay Writing, debate, Quiz, Verse Poetry Competitions, mono action etc.

The parishad activities came to a close on 28.3.2014 with the Vice-Chancellor, Prof. Hare Krishna Satapathy congratulating one and all for their involvement in the parishad programmes and entreating them to continue and strive to improve their knowledge and proficiency in Telugu Language, int the Valedictory Function.

The Dept. of Telugu and Annamacharya Kalaparishad orgazined 150th Birth day celebrations of Gidugu Ramamurthy Panthulu, a well known modern Telugu language reformer and etcymologist.

E. Samskritika Kalaparishad

A Cultural club, Samskritika Kalaparishad provides platform for students of the Vidyapeetha to sharpen their artistic skills. During this year on behalf of this Parishad various Cultural programmes are conducted in connection with Independence Day, Sanskrit Week Celebrations, Republic Day and All India Sanskrit Students Talent Festival. Dr. R. Sadasiva Murty is the Co-ordinator of the Club.

F. Functional Sanskrit

The UGC has recognised this Vidyapeetha as the Nodal Centre of Functional Sanskrit Course. The Centre has played a major role in preparing the comprehensive curriculum on various aspects of Functional Sanskrit and in imparting inservice training to the teachers at National level, besides organising seminars and workshops on the utility of the subject. The Centre is equipped with an audio-visual lab and a library. The centre is preparing Audio & Video Documentation of *yajna* concepts, Vedic Samskaras etc. with a more scientific outlook. Besides, regular teaching for the Prak-Sastri and the Sastri students, the functional Sansrkit unit has started Certificate and Diploma courses in Archakatva and Pourohitya too.

G. Bridge Course

Bridge course is a ‘connecting’ course or a grooming course that enables the students to enter a particular field or Subject in chosen.

The Vidyapeetha has been conducting Bridge Courses to the students admitted in to different programmes.

For the Academic Session 2013-2014 It was conducted from 05-07-2013 to 13-07-2013, for more than 100 numbers of students from different Shastra i.e. Sahitya, Vyakarayana, Jyotisha, Dharma Shastra, Vedanta, V.Vedanta, D.Vedanta, Mimamsa, Purana and others. The Learned Professors of our Vidyapeetha and invited outside scholars delivered many lectures of different subjects. Prof.PTGY Sampatkumar Acharyulu, Prof. of Nyaya was the Co-ordinator and Dr.V.Unnikrishnan Nampoothiri, Asst. Professor of Jyotisha was the Additional Co-ordinator. In the Valedictory Function Prof. R.K.Thakur, Dean, Academic Affairs distributed the Certificates to the students.

H. Series of Extension Lectures in Memory of Prof. MM Pattabhiramasastri, First Chancellor

To commemorate the contributions of late Prof. Pattabhirama Sastri, a great scholar in Mimamsa and Sahitya and the First Chancellor of the Vidyapeetha, the institution introduced the Pattabbhirama Sastri Vyakhyanamala. Under the scheme, several eminent scholars were invited and requested to deliver lectures on various aspects of Sanskrit literature and Indian culture. During the year under report, Pattabbhirama Sastri Vyakhyanamala was inaugurated on 28th November, 2013 and, two extension lectures have been delivered by eminent scholars like Prof. Kishore Kunal, Former Vice-Chancellor, Kameshwar Singh Dharbhanga University, Darbhanga and Prof. SivjiUpadyaya, Former Vice Chancellor, Sri Sampurnananda Sanskrit University, Varanasi,U.P.

III. EXTRA-CURRICULAR ACTIVITIES

A. Sports & Games

After completion of the admissions into all courses for the year 2013-14 all the students were informed to attend morning training session from 6.00 am to 7.00 am for general conditioning of the students.

This being a regular programme, it is continued throughout the academic year to make the students fit for taking part in South Zone Inter-University tournament and All India Inter-University tournaments. After undergoing free hand exercises, the students are taken into the Indoor Stadium for giving specific coaching and training in various games and sports depending on the students' interest and talent.

The Indoor Stadium is kept open from 6:00 am to 8:00 am and from 3:00 pm to 7:00 pm for the students as well as staff members for utilizing the equipment available and also for conducting all indoor games.

The students selected for tournaments undergo circuit training in multi-gym and other gym items as required for a specific game. They are directly supervised and guided by the gym incharge and also by the experts.

After two months observation the best students are identified and selected after conducting annual games & sports taking the efficiency into consideration during active competitions. The students are then selected for different games & sports to take part in All India & Zonal Inter University tournaments. The following are the tournaments in which the students of the Vidyapeetha participated :

ALL INDIA AND SOUTH ZONE INTER UNIVERSITY TOURNAMENTS

1) **SOUTH ZONE INTER UNIVERSITY CRICKET (MEN) TOURNAMENT** was conducted from 11th to 22nd December, 2013 at Pondicherry University, Puducherry. A team consisting of 14 students participated. The participants were - 1) K.Mallikarjuna Rao (Ph.D.), 2) Anil Kumar Das (M.Phil), 3) Ajit Kumar Sahoo (A-II), 4) Ajit Mahakur (A-II), 5) Saroj Kumar Patel (A-II), 6) Addunuri Rakesh (A-II), 7) Saikam Obaiah (A-I), 8) Ragipati Srikanth Basha (S-III), 9) Karai Durga Prasad (S-III), 10) Srikantha Jena (S-III), 11) Dixit Kumar Gouda (S-I), 12) Koyyagura Reddeiah Reddy (B.Sc.-I), 13) Pratush Kumar Gadita (S-I), 14) Prabhat Kumar Panda (S-I). Dr. C.Giri Kumar, Manager, Dept. of Physical Education and B.Ravi Kumar assisted the Team.

2) **South Zone Inter University Kabaddi (Men) tournament** was held from 3rd to 8th December, 2013 at Acharya Nagarjuna University, Guntur, A.P.. A team consisting of 10 students participated. The participants were - 1) Krishna Nanda Danna (A-II), 2) Mamillapally Rajesh (A-II) (3) T.Ramagangi Reddy (S-III), 4) K.Swamy (S-III), 5) V.Suresh (S-III), 6) D.Kashi Viswanath (S-II), 7) P.Krishna (S-II), 8) B.Ganapati (S-II), 9) Nallaganti Swamy (S-II), 10) O.Sambashiva Rao (S-I). Dr.C.Girikumar assisted the team.

3) SOUTH ZONE INTER UNIVERSITY KHO-KHO (MEN) TOURNAMENT was held form 3rd to 8th December, 2013 by Acharya Nagarjuna University, Guntur (A.P). A team consisting of 12 students participated in the event. The participants were - 1) S. V. Vijayakumar, A-II ; 2) Suresh Aluri (A-II), 3) V.Suresh (S-III) ; 4) V.Ramakrishna (S-III), 5) Goli Harish (B.Sc. III) 6) S. Siva Nagendra Reddy, B.Sc-III ; 7) S. Ramtirumal Reddy, B.Sc-II ; 8) K.RAJESH, B.Sc-II ; 9) M.Prasanth (S-II), 10) B. Ganapathi, S-II 11) Akkala Venkata Pavan Kumar (S-I), 12) Yogesh Trivedi

Dr.C.Girikumar, P.T.I., Dept. of Education guided the students in all the above events.

4) SOUTH ZONE INTER UNIVERSITY VOLLEY BALL (MEN) TOURNAMENT - 2013-14 held on 6th to 10th February, 2014 at Sri Venkateswara University, Tirupati. The participants were - Kagga Nagaraju (A-II), Asutosh Mohanty (A-II), Susanta Kumar Jena (A-II), Dilip Kumar Acharya (A-I), Pralaya Dash (A-I), Battula Srinivasa Rao (A-I), Ponnena Krishna (S-II), B.Ganapati (S-II), Sourav Mondal (M.Phil.)

Dr.C.Girikumar, Manager accompanied the students.

5) ALL INDIA INTER UNIVERSITY BALL BADMINTON TOURNAMENT (MEN) held on 19th to 24th December 2013 at Alagapa University, Karaikudi. The participants are - V.Pawan Kumar Sarma (S-III), D.T.Venkata Seetharam (S-III), K.Brahmaiah (S-III), D.K.Viswanath (S-II), P.Saikumar (S-I), Durga Srinivas Rao (S-I), K.Badrinath (Ph.D.)

6) All India Inter University Athletic Meet (M&W) was held from 19th to 30th December, 2013 at the University Pubjab, Patiala. A team of 7 students from the Vidyapeetha participated.

Dr.C.Girikumar, Manager and V.Sethuram accompanied the students.

Annual Day Celebrations (2013-14) :

The Department of Physical Education has conducted competitions in sports and games for the students and staff of the Vidyapeetha on the occasion of Annual Day and Hostel Day celebrations for the year 2013-2014. Competitions for Hostel students and staff were conducted separately. All the winners of the sports and games competitions were presented with prizes and certificates on the Annual and Hostel day held on March 6th, 2014.

Prize distribution was done to Sports & Games winners in various categories by the special invitees and Shields were awarded to Sports & Games Champions. Among Students

Men - C. Nikhil, among Students Women - Upasana Sharma and among Staff Men-V. Sethu Ram, among Staff Women - Dr.D.Jyothi, stood as Champions.

B. Scouts & Guides

The Department of Education has been providing intensive training to the students by conducting regular Scout & Guide camps for Siksha Sastri (B.Ed.) students as a part of teacher-education programme. Apart from their routine training such as First-Aid and Teaching Practice, the students of Siksha Sastri are given Scout Masters and Guides captains Basic Training for 10 days in each academic year as a part of their curriculum.

C. National Service Scheme :

NSS Coordinator : Dr.S.Dakshinamurthy Sarma. **Programme Officers :** Dr.S. Dakshinamurthy, Dr. J.B.Chakravarthy, Dr. Paramitha Panda, Dr. A. Sachidananda Murthy and Dr. C. Giri Kumar **Volunteer Representatives :** K. Naga Raju, T. Gopi, P. Ramesh, B. Yogesh and S. Goda Lakshmi ; **No. of volunteers** (for special camps) : 250

The Vidyapeetha's NSS programmes are aimed at channelizing the energies of the students towards selfless service. The Vidyapeetha has five NSS Units, four for boys and one unit for girls. The NSS Programmes for the year 2013-14 commenced with the enrolment of students of Vidyapeetha. The following programmes were organised by all NSS Units. Each unit registered 100 volunteers under the National Services Scheme for the year 2013-14. Thus the Vidyapeetha had 500 volunteers all together in five NSS Units.

Objective : The Vidyapeetha NSS units aspire to change the lives of many by their contributions to the society.

NSS Programmes - Special Camps : All the units of NSS of Vidyapeetha have tried to bring a lot of awareness through NSS. The NSS has become a platform to serve the society and bring happiness and smiles on many faces.

Unit No.	Programme Officer	Special camps at adopted villages	No. of Volunteers
I.	Dr. S. Dakshinamurthy Sarma	Chitattoor	50
II.	Dr. Paramitha Panda	N.R. Kammapalli	50
III.	Dr. J.B. Chakravarthy	Gollapalli	50
IV.	Dr. A. Sachidananda Murthy	Kotta Kandriga	50
V.	Dr. C. Giri Kumar	Ramanaidu Kandriga	50

The Vidyapeetha NSS units have adopted the above mentioned backward villages in Chittoor District with a mission to bring a change by educating and creating awareness in the adverse social and economic conditions. For accomplishment of the NSS goal, NSS volunteers under the leadership of programme officers ogranized various programmes in the course of 7 days. The

first three were organized Special Camps from 4th to 10th December, 2013. The other two units i.e., Unit IV and V conducted special camps from 27th January to 2nd February, 2014. The camps were effectively led by the NSS Co-ordinator and Programme Officers. The following are the acitivities conducted for the development of the adopted villages.

- **Survey :** The NSS volunteers under the guidance of Programme Officers conducted a detailed survey of each village during the pre camp visits as well as during the camp. The volunteers understood the grievances of the people towards the government, local authorities, towards their livelihood and their problems related to health and education.
- **Shramadan :** The weeds in and around the village schools were uprooted to provide land for the playground and drill classes. In each village NSS volunteers planted 25 varieties of different flowering and fruit bearing shady trees around the school compound. The school building was white washed by the volunteers. For this the NSS volunteers got a very good appreciation from the school children and villagers.
- **Drama for villagers :** The NSS volunteers presented several social awareness dramas in Telugu, highlighting importance of education for girl child, ill effects of addictions such as tobacco-smoking, drinking-alcohol etc which was applauded by villagers who in return took pledge to give up bad habits of smoking and drinking. This event was a great sucess.
- **Disaster management :** A fruitful lecture on how to counter attack disaster and save their, and other's lives in different circumstances like floods, drought conditions was given. The volunteers brought the villagers into a mock situation of floods and shown them how to perform their jobs during these conditions. The villagers were taught various modern and lively techniques to conduct these activities.
- **Literacy programme :** The NSS volunteers went all-round the villages and other near by places for gathering the school aged children and their parents. They were taught about the importance of education, the ill effects of child labour. The parents of the children are very much impressed by the lectures and admitted their children into the nearby school. This was a tough task but peformed with ease, by the NSS.
- **Heritage and Awareness programme :** This year in a new dimension the Vidyapeetha has adopted an innovative thought provoking ideas to the villagers by giving Lectures and Dramas on Indian Heritage and Culture such as discourses on puranas and staging dramas on Sanatana Dharma for communal harmony.
- The volunteers tried their best in bringing awareness among the villagers regarding AIDS and its complications, how to control, the precautions to be taken, how to lead life if affected by this hazardous syndrome.
- **Environmental awareness :** The villagers were taught about environmental pollution, global warming and importance of tree plantation.

- Awareness was created among villagers regarding use of toilets at home and practice hygienic methods in keeping their surroundings and home clean and tidy.
- The village temples were cleaned by removing the weeds on the walls and white washed the temple. Fencing around the temple was arranged to give a new look to the temple.
- The volunteers cleaned water pond and canals in the village. The also went to SC, ST colony near the main village to spread awareness among the people on various contagious diseases like (Malaria, typhoid etc.), AIDS as well as create family planning awareness etc.
- The NSS Conducted spoken Sanskrit programme to the children of all the villages.
- The NSS volunteers also organised devotional Lectures and classes like Bhagavata Pravachanam, Bhagavadgita to the village people. These events got very good appreciation by one and all.
- The Blood Donation Camp was conducted on 30th March, 2014 at Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha. Most of the students were educated about Blood Donation to save the life of human beings. Out of them nearly 50 persons donated 125 units of Blood which was highly appreciated by the Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences (SVIMS) doctors.

The camps successfully performed their activities in villages and the camps ended up with a grand farewell arranged by the villagers. Special prizes were presented to all the participants as a token of appreciation by the Camp Coordinator.

One Day Camps :

One day camps were also conducted in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha campus. The campus consisting of 45 acres land with various building like Academic building, Administrative building, Library, Boys and Girls Hostels, Indoor Stadium, Open air auditorium and a big Play Ground provides lot of scope for taking up and conducting regular NSS activities. The NSS Units have conducted clean & green activities at Library building, Boys and Girls Hostels and at Play Ground. The various activities conducted in the campus by the NSS Units are listed below :

- Removing of weeds stone pebbles in the play ground levelling the Badminton, Volleyball and Kho-Kho courts, rolling the Cricket pitch etc. and other activities.
- In connection with National Foundation for Communal Harmony (NFCH), NSS Cell organized a Big Rally in Tirupati which was inaugurated by the Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor and collected donations and sent the amount to the concerned.
- The NSS volunteers of Vidyapeetha participated in National Youth Policy programme on 24th February, 2014 in the presence of Shri R. Gokula Krishna, Youth officer and Head. In this occasion NSS Volunteers participated in rally programme.

Participation by the Faculty Members in Seminars, Conferences, Workshops and various Academic programmes.

❋ Prof.G.S.R.Krishna Murthy

1. Attended Two Day National Seminar on Philosophical foundation of Education in Ancient India and its relevance to present day context at Sri Chandrasekharendra Saraswathi Viswa mahavidyalaya (SCSVHV University), Kanchipuram, on 29-11-2013 and 30-11-2013.
2. Attended National Seminar on Paninain Grammar and Regional Language conducted by Department Sanskrit Vyakarna, Sree Sankarcharya Universities of Sanskrit, Kalady on 13-02-2014.

❋ Prof.Satyanarayan Acharya

1. Attended National Conference on Adhunika Yuga me Samskruta ka mahatva at Rashtriya Sanskrit Sansthan, Lucknow Campus, Lucknow from 12th to 17th September, 2013.
2. Attended National Seminar on Indian Culture as reflected in the Manuscripts of Odisha, on 18-03-2014.
3. Attended National Seminar on Dharmashastra and Human Values conducted by Shri Jagannath Sanskrit Visvavidyalayam, Puri, from 18-03-2014 to 26-03-2014.
4. Attended Three Day National Seminar on Puranapurusha Purusottam, Sri Jagannath Deva, conducted by R.S.Santhan's Sadasiva Campus, Puri from 18-03-2014 to 26-03-2014.
5. Attended UGC sponsored National Seminar on " Sastreshu Athmasamskra vimarsha" at R.S.Sansthan's, Sadasiva Campus, Puri, from 18-03-2014 to 26-03-2014.

❋ Prof.S.Satyanaryana Murthy

Attended the Mahaganapati Vakyartha Vidwat Sabha (Annual Conference in Shastras) at Sri Sri Jagadguru Shanakracharya Mahasamstanam, Sringeri from 16-09-2013 to 20-09-2013.

❋ Prof.R.L.Narsimha Sastry

Attended National Seminar in Vyakarana and presented a paper on "Sthaanivadodeshoanal vidhou"at Rashtriya Sanskrit Sansthan Rajiv Gandhi Campus, Sringeri from 24-03-2014 to 26-03-2014

❋ Prof J.Ramakrishna

1. Attended the Mahaganapati Vakratha Vidwat Sabha (An Annual Conference in Shastras) and presented a paper on "Etthyavicharah" at Sri Sri Jagadguru Shankarachrya Mahasamstanam, Daskshinamaya Sri Sharadapeetha, Sringeri, from 16-09-2013 to 20-09-2013.
2. Attended National Seminar on Paninaian Grammar and Regional Languages at Sree Sankaracharya University of Sanskrit, Kalady Post, Ernakulam (Dist), Kerala from 11-02-2014 to 12-02-2014.

* **Prof. V. Muralidhara Sharma**

1. Delivered lecture on 'Human Relations in Mahabharata' in the International Conference on Mahabharata, organized by S.V.University and T.T.D. from 07-01-2014 to 11-01-2014.

* **Prof. Rajanikant Shukla**

1. Attended as a Resource Person on Education Bridge Course Programme conducted on 12th July,2013 at Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati.
2. Attended as a Resource Person National Seminar at Rashtriya Sanskrit Sansthan, Guruvayur campus, Kerala on 24-01-2014.

* **Prof. Prahlad R. Joshi**

1. Participated in one week training for faculty in 'Recent Trends in Educational Research' sponsored by UGC under faculty Development programme organized by Department of Edcuation, R.S.Vidyapeetha, Tirupati , from 04-07-2013 to 10-07-2013.
2. Attended a UGC sponsored National Seminar on 'Mahabharata adhyanasya Sarvakalikattvam' as a Resource Person and Presented a paper entitled "viduranitahe Prasangikata" jointly organized by N.V.Society and Shree Swaminarayana Gurukul at Gulbarga, Karnataka, from 13-09-2013 to 14-09-2013.
3. Attended One day National Seminar on "Personality Development for Sanskrit Students" organized by Carrier Counseling Cell sponsored by UGC during 8th All India Sanskrit Students Talent Festival 2014 at R.S.Vidyapeetha, Tirupati on 23-01-2014.
4. Attended one week Training programme for faculty on 'Statistics in Educational Research' sponsored by UGC,New Delhi organized by RSVidyapeetha, Tirupati from 24-03-2014 to 30-03-2014.

* **Prof. N. Latha**

1. Attended one Development Programme on Recent Trends in Educational Research sponsored by UGC organized at Department of Education from 04th to 10th July 2013.
2. Attended Development Programme on statistics in Educational Research sponsored by UGC organized at Department of Education from24-03-2014 to 30-03-2014.
3. Attended All India Sanskrit Women Scholars Conference on "The Role of Women Sanskrit Scholars in Nation Building" organized by R.S.Vidyapeetha,Tirupati from 07-03-2014 to 08-03-2014.

* **Prof. A. Sripada Bhat**

Attended the Two day National Seminar on Astrology and Weather forecast" organized by Department of Jyothisha, Government of Sanskrit College, Thiruvananthapuram, from 11-12-2013 to 13-12-2013.

* **Prof.R.J.Rama Sree**

Attended as a Resource Person - The International Conference at Sri Kanayaka Parameswari Arts and Science College for Women, Chennai, on 13-08-2013.

✳ **Prof.Narasimhachari Purohit**

1. Attended National Seminar on “Vadiraja’s contribution to the Indian Philosophy Literature” at Sri Krishna Mutta on 24-06-2013.
2. Attended National Seminar on Sreeman-Nyayasudha by Dasa Sahitya Project, TTD, Tirumala, from 18-07-2013 to 19-07-2013.
3. Attended National Seminar on Mahabharata adhyanasya Sarrvakalikattvam’ At N.V.Society’s, N.V.Arts college, Gulbarga, Karnataka, from 12-09-2013 to 13-09-2013.

✳ **Prof.T.V.Raghavacharyulu**

1. Attended Two Day Seminar on “Shri jagannatha damnah puryyah prasidharatha yatranam jananam ratharohanapurvaka shri vigrahanam tatha sparsha vishayakah prasangah ” at Govardhan peeth Shankaracharya Mutt, Puri Odisha, from 04-09-2013 to 06-09-2013.

✳ **Prof.V.S.Vishnubhattacharyulu**

Attended Two Day Seminar on “Shri jagannatha damnah puryyah prasidharatha yatranam jananam ratharohanapurvaka shri vigrahanam tatha sparsha vishayakah prasangah” at Govardhan peeth Shankaracharya Mutt, Puri Odisha, from 04-09-2013 to 06-09-2013.

✳ **Prof. OSRL Sarma**

1. Attended the Saparikara Adwaita Vidwat Sadas held at Hyderabad in the month of November, 2013.

3. Attended the Advaita Sabha held at Kancheepuram on the occasion of the birthday celebrations of the swamiji.

4. Attended Mahamahopadhyaya Maddulapalli Manikya Sastri birthday celebrations' vakyartha sabha held at Vijayawada in the month of march, 2014.

✳ **Prof. PTGY Sampathkumaracharyulu**

1. Seminar on Jagannatha Rathotsava, conducted by Sri Govardhan Muth, Puri on 5th and 6th September, 2013 and submitted a paper : pancaratranusarena rathostavaniyamah.
2. Delivered two lectures in the workshop on "The Basic Level Manuscriptology and Palaeography" conducted by Sri SLBS RSVidyapeetha, Delhi in collaboration with the National Manuscript Mission, Delhi on 18th and 19th March, 2014.
3. Participated in the National Seminar on Tattvacintamani - commentaries, conducted by the SAP - Darsanas, RSVidyapeetha, Tirupati on 24-25 March, 2014 and submitted a paper : Tarkaprakarana in Dushanaoddhara of Narahari on Tattvacintamani.

✳ **Dr.Viroopaksha V.Jaddipal**

Attended International Conference on Mahabharata the Epic Tradition in India and South-East Asia and presented a paper titled “Mahabharata critical edition necessity of revision” at Pondicherry University, Pondicherry, from 10-02-2014 to 12-02-2014.

* **Dr. R.Sadasiva Murthi**

  Attended National Conference on Vedic Literature and presented a paper on "Vedanga Chandas" origanised by Bharatiya Vidya Bhavan, Bengaluru held at Multi-Vision Theatre, ISKCON, Bangalore, on 25-07-2014.

* **Dr. R. Deepta**

1. Organised National Seminar on Narrative Literatures in English and Sanskrit on 3rd and 4th September, 2014.
2. Presented a paper titled "Techniques of Narration in the Mahabharata" in International Conference on the Mahabharata organised by ORI, SVUniversity from 7th to 11th January, 2014.
3. Presented a aper titled "Longing and Belonging in Select Poems of Uma Parameswara's in International conference Culture Spaces : Canada and India" organised by Dept. of English, SVUnviersity from 27th to 29th January, 2014.
4. Presented a paperr titled "Kunti : the Kingmaker and bilder" in All India Sanskrit Womens Scholars conference organized by R.S.Vidyapeetha, Tirupati on 7th and 8th March, 2014.

* **Dr. Radhagovinda Tripathy**

1. Participated & Presented a paper on " Neelachala Shesachalayoh Prasadvishesah" in the National Seminar on "A comparative Study of Nilachala and Simhachala with a special reference to Seshachala" from 2nd to 3rd September,2013.
2. Participated & Presented a paper on " Swamivivekanandadristya Shikshaswarupam" in the UGC sponsored 2 day National Seminar held in connection with the Sesquicentennial Birth Anniversary of Sri Swami Vivekananda on 23-12-2013 & 24-12.2013.
3. Submitted a paper on "Mahabharate Saiksikavicarah" in the International Conference on Mahabharatam organised and conducted by ORI, S.V.University, Tiurpati from 7-11 January,2014.
4. Delivered an extension lecture on dated 13.02.2014 on the topic entitled " Importance of Human Values for a Teacher" in the dept. of Education of S.J.S.Viswavidyalaya, Puri.
5. Participated & Presented a paper on "Vyaktittvavikasa Kartavyapalanamcha" in One day National Seminar on " Personality Development for Sanskrit Students" organized by R.S.Vidyapeetha, Tirupati on 23rd January,2014.
6. Submitted a paper on " Sri Jagannathsamskritih Samajikaprasangikata cha" in the National Seminar on " Puranapurusa Purushottamah Sri Jagannatha" organized by Sadasiva Campus of Rashtriya Sanskrit Samsthan from 21st to 23rd March,2014.
7. Participated in one week training programme for faculty in Statistics in Educational Research under faculty Development Programme organized from 24th to 30th March, 2014 in R.S.Vidyapeetha.

❋ Dr. R. Chandrasekhar

1. Attended a National Seminar on 'Narrative Literature in English and Sanskrit' and presented a paper on “R.K.Narayan’s Malgudi days-Narrative Style”. On 4th September, 2013 sponsored by Univeristy Grants Commission, New Delhi and organised by Dept. of English, R.S.Vidyapeetha, Tirupati, from 03-09-2013 to 04-09-2013.
2. Attended National Level Seminar on 'Mahabharatadhyanasya Saarvakalikattvam' as Resource Person and presented a paper entitled “Bhagavatgitayah Alaukika Shiska” jointly organized by UGC, New Delhi, Nutan Vidyalaya Society and Shree Swaminarayana Gurukul Sanskrit Mahapathashala, Gulbarga, Karnataka, on 13th and 14th September, 2013.
3. Delivered a Series of Lectures to the Student teachers of Sanskrit Methodology from 22-10-2013 at Faculty of Education, Sri Chandrasekharendra Saraswathi Viswa Mahavidyalaya, Enathur,Kanchipuram, Tamilnadu.
4. Attended National Seminar on THE EPOCH OF VIVEKANANDA IN MODERN INDIA held in connection with the Sesquicentennial Birth Anniversary of Sri Swamy Vivekananda and presented a paper on 'TEACHING OF SWAMI VIVEKANANDA' on 23-12-2014 and 24-12-2014 organised by R.S.Vidyapeeth, Tirupati.
5. Attended one week Training Programme for Faculty as Co-Ordinator on STATISTICS IN EDCUATIONAL RESEARCH under Faculty Development Programme, sponsored by UGC,New Delhi from 24-03-2014 to 30-03-2014.
6. Participated in 'International Conference on Mahabharatam' organised by Oriental Research Institutte, Sri Venkateswara University, Tirupati in colloboration with Tirumala Tirupati Devasthanams, Tirupati held during 7-11 January, 2014 and presented a paper titled 'Mahabharata - Treasure of Knowledge'.

❋ Dr. K. Kadambini

1. Attended one Development Programme on Recent Trends in Educational Research sponsored by UGC organized at Department of Education from 04-07-2013 to 10-07-2013.
2. Attended Development Programme on statistics in Educational Research sponsored by UGC organized at Department of Education from24-03-2014 to 30-03-2014.
3. Attended All India Sanskrit Women Scholars Conference on “The Role of Women Sanskrit Scholars in Nation Building” organized by R.S.Vidyapeetha,Tirupati from 07-03-2014 to 08-03-2014.

❋ Dr. Paramitha Panda

1. Attended a National Seminar on "A Comparative Study of Nilachala and Simhala with Special reference to Seshachala organised by Orissa Chair and presented a paper on 'Vaidika vangmaye Sri Jagannathah' from 2nd to 3rd september, 2013.
2. Attended a National Seminar on 'Narrative Literature in English and Sanskrit organized by Dept. of English, R.S.Vidyapeetha, Tirupati and presented a paper "Narrative Style of Valmiki" in the Ramayana from 3rd to 4th March, 2013.

3. Attended a National Seminar on 'The Epoch of Vivekananda in Modern India' organized by R.S.Vidyapeetha, Tirupati and presented a paper on 'Sri vivekanandasya Dharmika tattvam' from 23rd and 24th December, 2013.
4. Attended a National Seminar on 'The youth the vedanta swami vivekanandas views' and presented a paper on samapasamskare vivekanandasya bhoomika' from 8th to 11th January, 2014.
5. Attended A National Seminar on 'vedaparijakshane paddamanam bhoomika' and presented a paper on 'vedaparijakshane sikshayah yogadanam' from 3rd to 5th January, 2014.
6. Attended All India Sanskrit Women Scholars conference organized by R.S.Vidyapeetha, Tirupati and presented a paper on 'tyagaikavratee tulasee' from 7th to 8th March, 2014.
7. Attended a National Seminar on Dharma Shastra and Human values and presented a paper on 'Bhagavatsya Dharmikachintane mavavika mulyabodhah from 21st to 22nd March, 2014.
8. Attended a National Seminar on *puranapurushah purushottamah sri Jagannatha* devah and presented a paper on Sri jagannathasya purushottamatattvam' from 21st to 23rd march, 2014.
9. Attended a International conference on Mahabharatam organized by Oriental Research Institute, SVUniversity, Tirupati and presented a paper on 'Santiparvani prayasittasya oucitya varnanam' from 7th to 11th January 2014.
10. Attended a workshop on 'Efficiency improvement in teaching techniques and Innovatie Research in Sahitya' 8th to 15th November, 2013.

* **Dr. Niranjan Mishra**

1. Attended a National Seminar on "A Comparative Study of Nilachala and Simhala with Special reference to Seshachala organised by Orissa Chair and presented a paper on 'Adivasee samskrito sri neelachaladhinathah' from 2nd to 3rd september, 2013.
2. Attended a National Seminar on 'Veda prachar in Odhisha' and presented a paper on 'Utkale vedic parampara' organized by Dept. of Veda, Sri Jagannatha Sanskrit Vidyayala, Puri from 16th to 18th December, 2013.
3. Attended a National Seminar on 'Narrative Literature in English and Sanskrit organized by Dept. of English, R.S.Vidyapeetha, Tirupati and presented a paper "Narrative in English and Sanskrit, a brief Analysis" from 3rd to 4th March, 2013.
4. Attended a National Seminar on the Epoch of Vivekananda in Modern India and presented a paper on 'vairagyaragarasikah vivekanandah' from 23rd and 24th December, 2013.
5. Attended a National Seminar on 'Vedaparirakshane vedanganam mahattvam', organised by SV Vedic University, Tirupati and presented a paer on 'Vedasya parirakshane katyayana - sroutasutra yogadanam' from 3rd to 5th January, 2014.

6. Attended a National Seminar on "The youth and the vedanta, swami vivekanandas views' organised by National Youth Integreted Centre, Puri and presented a paper on 'Vivekanandasya vaidika chintanam' from 8th to 9th January, 2014.

7. Attended a National Seminar on "Dharmashastra and Human Values" organised by Dept. of Dharmashastra, Sri Jagannatha Sanskrit Vidyayala, Puri from 21st to 22nd March, 2014 and presented a paper on 'vedo manavikamulya bodhah'.

8. Attended a National Seminar on 'Purana purushe purushottamah Sri Jagannathah' organised by Rashtriya Sanskrit Sansthan, Sadashiva parishar, Puri and presented a paper on 'Vaidikaparamparayam Sri Jagannathah" from 21st to 23rd March, 2013.

9. Attended a Workshop on 'Temple Culture' organized by Jagannath Temple, Banjara Hills, Hyderabad during 26th and 27th, October, 2013.

❋ **Dr. D. Jyothi**

1. Presented a paper titled "Lord Venkateswara - the Universal God" in National Seminar on 'Comparative study of Neelachala and Simhachala with special reference to Seshachala organised by R.S.Vidyapeetha on 2nd and 3rd September, 2013.

2. Presented a paper titled 'Narrative Techniques of Vasishtha' in National Seminar on Narrative Literatures in English and Sanskrit on 3rd and 4th September, 2014.

3. Presented a paper entitled 'Karmayigoat Karmani vritih' in National Seminar on 'The Epoch of Vivekananda in Modern India' organised by R.S.Vidyapeetha on 23rd and 24th December, 2014.

4. Presented a paper 'Tarigonda Vengamamba's Role in Nation Building' in All India Sanskrit Women's Scholars Conference organized by R.S.Vidyapeetha on 7th and 8th March, 2014.

5. Presented a paper titled "Methods of Mind control in Gita" International Conference on Mahabharata organized by ORI, S.V.University from 7th - 11th January, 2014.

6. Presented a paper "The Prosperous Practice of Yoga in Canada" in International Conference, Culture spaces" Canada and India, organized by Dept. of English, S.V.University from 27th - 29th January, 2014.

7. Attended workshop on "Efficiecy Improvement in Teaching techniques and Innovative Research in Sahitya" conducted by Faculty of Sahitya & Samskriti, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.

❋ **Dr. A. Sachidananda Murthy**

1. Attended a UGC sponsored National Seminar on ‘Mahabharata adhyanasya Sarvakalikattvam’ as a Resource Person and Presented a paper entitled “Mahabharate geetayah pradhanyam” jointly organized by N.V.Society and Shree Swaminarayana Gurukul at Gulbarga, Karnataka, from 13-09-2013 to 14-09-2013.

2. Participated & Presented a paper on “Neelachala Shesachalayoh Prasadvishesah” in the National Seminar on “A comparative Study of Nilachala and Simhachala with a special reference to Seshachala” from 2nd to 3rd September,2013.

3. Attended National Seminar on THE EPOCH OF VIVEKANANDA IN MODERN INDIA held in connection with the Sesquicentennial Birth Anniversary of Sri Swamy Vivekananda and presented a paper on TEACHING OF SWAMI VIVEKANANDA on 23-12-2014 and 24-12-2014 organised by R.S.Vidyapeeth, Tirupati.

4. Attended International Conference on Mahabharatam as a Resource Person presented paper on “Mahabharate Saikhika Mulyani” organized by O.R.I., S.V.University, Tirupati.

5. Participated in one week training for faculty in ‘Recent Trends in Educational Research’ sponspored by UGC under faculty Development programme organized by Department of Edcuation, R.S.Vidyapeetha, Tirupati , from 04-07-2013 to 10-07-2013.

❋ **Dr. A. Suneetha**

1. Attended one Development Programme on Recent Trends in Educational Research sponsored by UGC organized at Dept. of Education from 04-07-2013 to 10-07-2013.

2. Attended one week training programme on 'Statistics in Educational Research' sponsored by UGC organized by Dept. of Education from24-03-2014 to 30-03-2014.

3. Attended All India Sanskrit Women Scholars Conference on “The Role of Women Sanskrit Scholars in Nation Building” organized by R.S.Vidyapeetha,Tirupati from 07-03-2014 to 08-03-2014.

❋ **Sri Yashaswee**

Attended International Sanskrit Conference and presented the paper entitled ‘patanjala mahabhashye dhatuswaroopa vimarsah’ at Delhi Sanskrit Academy, New Delhi, from 22-08-2013 to 27-08-2013.

❋ **Dr.Ajmeeral Chandulal**

1. Attended National Seminar on “Recent Developments in Mathematical Sciences (NSRDMS-2013)” at S.V.University, Tirupati on 28-06-2013.

2. Attended Two day Workshop on “Inferential Statistics” at Indian Academy Degree College, Centre for Research and PG Studies, Bangalore on 13th and14th September, 2013.

❋ **Dr.K.Ganapathi Bhat**

Attended National Seminar at Department of Vaidika Darshana, Benares Hindu Viswavidyalaya(BHU), Varanasi, from 02-09-2013 to 05-09-2013.

❋ **Dr. Narayana**

1. Attended National Seminar on “Vadiraja’s Contribution to the Indian Philosophy Literature” at Sri Krishna Matha Paryaya Sri Sode Vadiraja Matha, from 24-06-2013 to 25-06-2013.

2. Attended National Seminar on “Shrimanyaya Sudha” by Dasasahitya Project, TTD, Tirupati, from 18-07-2013 to 22-07-2013.

3. Attended National Seminar on Mahabharata adhyanasya Sarrvakalikattvam’ At N.V.Society’s, N.V.Arts college, Gulbarga, Karnataka, from 13-09-2013 to 14-09-2013.

4 . Attended Workshop as a Resource Person organized by Sri Pejavara Adhokshaja Matha, Udipi held at Poornaprajan Vidyapeetha, Bangalore, on 13-12-2013.

5. Attended Seminar on “Vamana Puranam” and delivered a lecture on ‘prahlada krita tirthayatra varnanam’ at Poornaprajna Samshodhana Mandiram, Poornaprajan Vidyapeetha, Bangalore, on 21-03-2014.

6. Attended Seminar on “Tattvaprakashika” and delivered a Lecture on “Jaina Siddhanta” held at Poornaprajan Samshodhana Mandiram, Poornaprajan Vidyapeetha, Bangalore, on 14-04-2014.

❋ **Dr. T. Latha Mangesh**

1. Attended the three day International conference organized by Oriental Research Institute, SV University, Tirupati and presented a paper on 'Mahabharat me siksha ka darshan'.

2. Attended the All India Sanskrit Women Scholars' Conference organized by the Dept. of Sahitya, RSVidyapeetha, Tirupati on 7th and 8th March, 2014 and presented a paper on "Women Sanskrit Scholars".

❋ **Dr. Bharat Bhusan Rath**

1. Attended International Sanskrit Conference and presented the paper entitled “samasamaikasamaje Arthanito rajanito cha nitisastranam prayogah” at Delhi Sanskrit Academy, New Delhi, from 22-08-2013 to 27-08-2013.

❋ **Dr.Swethapadma Satapathy**

1. Attended National Conference on “Adhunika Yuga me Samskruta ka mahatva” at Rashtriya Sanskrit Sansthan, Lucknow Campus, Lucknow, from 13-09-2013 to 17-09-2013.

2. Attended National Seminar on Indian Culture as reflected in the Manuscripts of Odisha, on 11-03-2014 to 21-03-2014.

3. Attended Three Day National Seminar on “Purana Purushottamah Jagannath Deva” at Sri Jagannath Sanskrit Vishvavidyalaya, Puri and Rashtriya Sanskrit Sansthan, Sadasiva Campus, Puri, from 11-03-2014 to 21-03-2014.

❋ **Leenachandra K.**

1. Participated in the two day National Sanskrit Awareness programme conducted by RSVidyapeetha, Tirupati on 27th and 28th July, 2013.

2. Presented a paper on Sri Venkatachalasya Mahatmyam in the two day national seminar on A comparative study of Neelachala and Simhachala with a special reference to

Seshachala organized by Orissa Chair in Collaboration with Sri Jagannatha Chetana Gaveshana Pratishtana, Puri at RSVidyapeetha, Tirupati on 2nd - 3rd September, 2013.

3. Presented a paper on Indian Narrative Style in Raja Rao's Kanthapura in the two day National Seminar on Narrative Literature in English and Sanskrit organized by the Dept. of English, RSVidyapeetha, Tirupati on 3rd - 4th September, 2013

4. Participated in a three day National Conference on Importance of Sanskrit in Modern Age, conducted by Rashtriya Sanskrit Santhan, Lucknow Campus, from 13-15,2013.

5. Participated in workshop on Efficiency Improvement in Teaching Techniques and innovative research in Sahitya, organized byt eh Faculty of Sahitya and Samskriti, RSVidyapeetha, Tirupati from 8th - 15th November, 2013.

6. Presented a paper on Sahitya Rachana Prakriyasu Upanyasah, Tena Vivekanandasya Sambandhah. In the two day National Seminar on Epoch of Vivekananda in modern India, organized by RSVidyapeetha, Tirupati on 23rd - 24th December, 2013.

7. Presented a paper on Alankara Sastre Pradesika Pradhanyam in a seminar on Samskruta Vangmaye Bhoogola Vijnanam on the occasion of Sanskrit week celebrations, organized by RSVidyapeetha, Tirupati 2013-14.

8. Presented a paper on Kunti, The most intelligent woman in Mahabharata in the International conference on Mahabharata organized by ORI, SVUniversity, Tirupati in collaboration with TTD, Tirupati during 7th - 11th January, 2014.

9. Prespented a paper on Raashtra Nirmaane Droupadi in All India Sanskrit Women Scholar's Conference organized by RSVidyapeetha, Tirupati on 7th - 8th March, 2014.

10. Presented a paper on Abhijnana Sakuntale Naareenaam Vyaktitva Vikasah in the one day National Seminar on Vyaktitwa Vikasah organized by Carrier Counseling cell, RSVidyapeetha, Tirupati on

11. Participated in UGC Sponsored Orientation programme organized by UGC Academic Staff College, SV University, Tirupati from 25th November to 21st December, 2013.

❋ **Dr. D. Nallanna**

1. National workshop on Preparation of Multi-Lingual Sanskrit Etymological Dictionary. Conducted by Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati from 30th September, 2013 to 3rd October, 2013.

2. Presented a paper titled "Sri Vidya Prakasananda Swamulavari "Tatvasaravicharam' - Visleshana" at the National Seminar on "Bhagavadgeeta and contemporary society" organized by the Dept. of Telugu, University of Madras, Chennai on 21st and 22nd December, 2013.

3. Presented a paper titled "Puttaparthi Narayanacharyula Meghadutam', Gurram Jashuva 'Gabbilam' tulanatmaka pariseelana" at the National Seminar on "Puttaparti Narayanacharyulu Jeevitam - Sahityam" conducted by the Dept. of Telugu,

SV University, Tirupati - 517 502, Dept. of Culture Anchra Pradesh, Hyderabad - 500 001 on 21st and 22nd March 2014.

4. Presented a paper titled "Bharata, Bhagavatavishkruta itivruttalu - tulanatmaka pariseelana" International conference on "Srimad Mahabharatam" conducted by the Oriental Research Institute, SV University, Tirupati - 517 502 and Tirumala Tirupati Devasthanams, Tirupati - 517 501 from 7th to 11th January, 2014.

* **Dr. C. Girikumar**

1. Acted as a Examiner (Field Tester) for PECET - 2013 (Physical Education Common Entrance test) held at Acharya Nagarjuna University, Guntur from 21.05.2013 to 31.06.2013
2. Acted as a External Practical Examiner for UGDPEd. 2nd year practical examinations held at Zion College of Physical Education, Kadapa, under Yogi Vemana University from 10th to 11th June, 2013.
3. Participated in One Week Training Programme for Faculty in Recent Trends in Educational Research (Sponsored by UGC under Faculty Development Programme) held on 04th to 10th July, 2013, organised by Faculty of Education, R.S.Vidyapeetha, Tirupati.
4. Acted as a Manager for the Vidyapeetha team for South Zone Inter University Kabaddi (Men) Tournament - 2013-14 held at Ahcarya Nagarjuna University, Guntur (A.P.) from 3rd to 8th December, 2013.
5. Acted as a manager for the Vidyapeetha team for South Zone Inter University Cricket (Men) Tournament - 2013-14 Pondicherry University, Puducherry from 11th to 24th December, 2013.
6. Acted as a Manager for the Vidyapeetha team for SouthZone Inter University Kho-Kho (Men) Tournament 2013-14 held at University of Calicut, Malapuram, Keral from 18th to 24th December, 2013.
7. Acted as a Manager for the Vidyapeetha team for All India Inter University Ball Badminton (Men & Women) Tournament - 2013-14 held at Alagappa University, Karaikudi, Tamilnadu from 19th to 24th December, 2013.
8. Acted as a Manager for the Vidyapeetha team for South Zone Inter University Volley Ball (Men) Tournament 2013-14 held at Sri Venkateswara University, Tirupati (AP) from 6th to 10th February, 2014.
9. Participated in One Week Training Programme for Faculty in Statistics in Educational Research (Sponsored by UGC under Faculty Development Progframme) held on 24th to 30th March, 2014. Organised by Faculty of Education, RSVidyapeetha Tirupati.

IV. SPECIAL FEATURES

A. SANSKRIT WEEK CELEBRATIONS (16th to 23rd August, 2013)

As in the previous years, with the divine grace of Lord Sri Venkateswara, this year also The Sanskrit Week Celebrations have been celebrated from 16-08-2013 to 23-08-2013 in the premises of Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Tirupati with a grand festive fervour in connection with the auspicious day of Sravana Purnima under the patronage and direction of Ministry of Human Resource Develoment, Government of India.

THE FESTIVAL INAUGURAL FUNCTION ON 16-08-2013

The grand inaugural was held in the Indoor stadium of Vidyapeetha amidst brim-packed audience. The participation of Scholars, students, artists, members of press and the staff of Vidyapeetha made this occasion a grand success.

WELCOME ADDRESS

Prof. Radhakanth Thakur, Dean, Academic Affairs of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, a popular Sanskrit poet and scholar, rendered a warm welcome address in which he underscored that the matchless influence of this language over the day to day living of our society. He further added that the teachings of Sanskrit literature are the fruits of the knowledge imparted by the great sages of India and are relevant for all times.

CHIEF GUEST'S MESSAGE

Prof. S. Sudarsana Sarma, the first and the former Vice Chancellor of Sri Venkateswara Vedic University, a multifaceted personality and present Dean of the Faculty of Sahitya and Samskriti was the chief guest of the occasion. His lofty and noble ideas always extend the essential guidance and staunch support to the over-all progress of Vidyapeetha in serving the field of Sanskrit. In his message he emphasized that Sanskrit is the way of life of Indians. In the absence of Sanskrit and Samskriti the future of the humans will be in dark. The Sanskrit teachings are of universal value. So, all the Sanskritists have a great responsibility of serving the mankind by preserving and propagating the knowledge-treasures hidden in Sanskrit. Sanskrit learning purifies the hearts of all and makes serene the entire globe.

THE INSPIRING SPEECH OF THE GUEST OF HONOUR

Prof. Ravi Sankar Menon, the then Registrar of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, a polyglot and a scholar of many knowledge spheres, as the Guest of Honour of the day delivered a thought provoking speech churned out from his decades of learning and experience. His speech consists of thoughts on the prominence and influence of Sanskrit over all Indian languages through the ages and also on the necessity of learning this language of grand legacy.

THE PEERLESS PRESIDENTIAL ADDRESS

Mahamahopadhyaya Prof. Hare Krishna Satapathy, Honourable Vice Chancellor of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, the crest-jewel among the scholars and the ablest administrator, through his Presidential Address won the admiration of all. The essence of his invaluable speech carries his views that all the students of Sanskrit are the children of that immortal language. Hence the hearts, thoughts and lives of all members of Sanskrit community should be filled with the spirit of Sanskrit and be made immortal. The grammarian Patanjali became a sage because of his dedication and reverence to Sanskrit. We should consider ourselves global citizens.

While Dr. Rani Sadasiva Murty the coordinator of the Sanskrit Week Celebrations compared the Inaugural session Dr. Satyanarayana Acharya rendered vote of thanks in a befitting manner.

BHAJAN SANDHYA- THE SPIRITUAL SOURCE OF ENERGY

In the evening of the first day all the students of Vidyapeetha gathered together and offered their bhajans in Sanskrit, Oriya, Malayalam, Telugu, Kannada, Bengali and Hindi to various Gods and Goddess with utmost devotion. The participating teams of students presented their extraordinary talents with ardent competitive spirit. The Bhajan Sandhya was spiritually rich, melodious, vibrant and devotional. It energized the environment providing a great strength for the successful conduct of all future events.

COMPETITIONS FOR VIDYAPEETHA SUDENTS ON 17-08-2013

It is on the second day Sanskrit Gitagana Spardha, Asubhashana Spardha, Rasaprasna and Sloka Antyakshari were organized exclusively for the students RSVidyapeetha. Dr. C. Ranganathan, Associate Professor in Sahitya convened all these competitions. The Winners in the Competitions were:

GITAGANA SPARDHA

1 st Prize	B. Yasovardhan, B.Sc. III	3rd Prize	Bibhutibhushan Jena, B.Ed.
2nd Prize	Baruna Nandini Panda, A II		

RASA PRASNA

1 st Prize:	2nd Prize:	3rd Prize :
Krishnananda, A II ;	Akhilesh Mishra, A II ;	Saurabh Mandai,
Krishna Rao, S I ;	Rajesh Gurjar, A II ;	Bisvajit Moharana ;
Sivasankar Hotta, S III ;	Samrat Ganguly, M.Ed. ;	B. Yashovardhan,B.Sc. III ;
Revati Supraja, B.Ed.	Narayana Adhikari, A II	Mahesh Kumar Pandey,S I

SLOKA ANTYAKSHARI

1 st Prize : Siva Sankar Hotta, S III

2nd Prize : Mahesh Kumar Pandey, S I

ASUBHASHANAM

1 sl Prize :	Siva Sankar Hotta	S III
2nd Prize :	Rajesh Kumar Gurjar	A II
3rd Prize :	Akhilesh Mishra	A II

COMPETITIONS FOR THE STUDENTS OF LOCAL EDUCATIONAL INSTITUTIONS ON 18-08-2013

On 18-08-2013, the third day of the celebrations, competitions for the students of various,educational institutions in Tirupati were held. The events of the competitions were: Sanskrit Song, Quiz and Sanskrit Sloka Recitation. The competitions were held at School level and College Level. Students from nearly 20 educational institutions participated.

Dr. Bharatabhushan Rath, Dr. Bali Chakravarthi and Dr. Pradeep Kumar Baagh, Assistant Professors in Sahitya were the conveners of these competitions. The following were the winners in the competitions.

SCHOOL LEVEL SANSKRIT SONG COMPETITION

1st Prize	:	RV.S.Deepti, Bharatiya Vidya Bhavan, IX
2nd Prize	:	R. Neeraja, Bharatiya Vidya Bhavan, IX
3rd Prize	:	B. Lakshmi Pratyusha, K.Concept School, VII
Consolation	:	A. Himabala Padmini, R.Techno School, VII

QUIZ COMPETITION SCHOOL LEVEL

1st Prize	:	R. Sudhanvan, Bharatiya Vidya Bhavan, IX
1st Prize	:	R. Priyamvada, Bharatiya Vidya Bhavan, X
2nd Prize	:	A. Himabala Padmini, Ratnam Techno School, VII
3rd Prize	:	R. Hiranmayee, Bharatiya Vidya Bhavan, V
3rd Prize	:	V.j. Vishnu, Bharatiya Vidya Bhavan, V

COLLEGE LEVEL

1st Prize	:	G. Srivallabhan, Kendriya Vidyalaya I, XI
2nd Prize	:	Saumyesh, Kendriya Vidyalaya I, XI

SCHOOL LEVEI SLOKA RECITAION COMPETITION (GROUP I)

1st Prize	:	D. Hemanth Naidu, K.Concept School, III
2nd Prize	:	Y. Lakshmi Varshitha, Gitam - II
3rd Prize	:	N. Priyamshu, Bharatiya Vidya Bhavan, IV

GROUP II

1st Prize : G. Chiranjeevi, Brilliant High School, VII
2nd Prize : V.j.Vishnu, Bharatiya Vidya Bhavan, V
3rd Prize : A. Indupriya, K. Concept School, VII

GROUP III

1 st Prize : T. Pushya Mitra, K.Concept School, VIII
2nd Prize : N.V.Supraja, K.Concept School, X
3rd Prize : A. Devisri, K.Concept School, X

The following were the judges of all the competitions of both days 17th and 18th of August, 2013 Dr.C. Ranganathan, Dr. Bharata Bhushan Rath, Dr. Bali Chakravarti, Dr. D. Jyothi, Dr. Svetha Padma, Dr. Yasasvi, Dr. Ch.Nagaraju and Dr. PTG Rangacharyulu.

B. Independence Day Celebrations

The Independence day was celebrated in Vidyapeetha on 15th August, 2013 at 8.15 a.m. Professor Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor, hoisted the National Flag and addressed the gathering. In his address while explaining the significance of Tri-Coloured Flag, Professor Satapathy highlighted the ideas of various freedom fighters. He also urged all the Sanskrit scholars to strive hard for the institution.

Professor K. Ravisankara Menon, Registrar, Professor R.K. Thakur, Dean Academic Affairs, various faculty Deans, teaching, non-teaching staff and students of the University participated in the celebrations.

C. Hindi Day Celebrations

Hindi Divas was observed on 14th September, 2013 in Vidyapeetha and inaugurated by Krishna Kanchan Sarma, Professor, Dept. of Microbiology, SVIMS, Tirupati. In this connection competitions like Elocution, Essay Writing, Hindi Songs were conducted to the Non-Hindi speaking students and staff and prizes were distributed.

Dr. T. Latha Mangesh, Asst. Professor, Dept. of Hindi welcomed the gathering and proposed Vote of thanks.

D. Republic Day Celebrations

The Republic day was celebrated in Vidyapeetha on 26th January, 2014 at 8.15 a.m. Professor Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor, hoisted the National Flag and addressed the gathering. Professor R.K. Thakur, Dean Academic Affairs, various faculty Deans,

Professor C. Umashankar, Registrar, teaching, non-teaching staff and students of the Vidyapeetha participated in the celebrations.

E. Ambedkar Jayanti Celebrated

Vidyapeetha with all dedication celebrated Baba Saheb Dr. Bhimrao Amdedkar Jayanti on 14th April 2013. Dr. Chinta Mohan, Hon'ble Member of Parliament, Tirupati constituency was the Chief Guest and Prof. Harekrishna Satapathy, Vice Chancellor was the President.

F. 8th All India Sanskrit Students' Talent Festival

Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha organized the 8th All India Sanskrit Students' Talent Festival from January 22nd to 25th January, 2014. The Vice-Chancellor appointed Dr. C. Ranganathan, the Coordinator of the Vagvardhini Parishad as the Convener of the Festival and Dr. Bharat Bhusan Rath, Additional Coordinator of Vagvardhini Parishad as the Additional Convener of the Festival. Several Committees were also formed to facilitate the smooth functioning of the Festival. 25 teams from all over India came to participate in the Festival. In this Connection Hon'ble Minister of Human Resource Development, Govt. of Inida Dr. M.M.Pallam Raju, Jnanapeeth Awardee and Second Sanskrit Commission Chairman Prof. Satyavrat Shastri, Member of Parliament , Tirupati Dr. Chinta Mohan and Sri M. G. Gopal, IAS, Executive Officer, Tirumala Tirupati Devsthanams graced as the Guests of the Function.

Participants Institutions

1. Rastriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, Andhrapradesh
2. Sri Venkateswar Vedic University, Tirupati, Andhrapradesh
3. Shree Suryapur Sanskrit Mahavidyalaya, Gujarat
4. Darshanam Sanskrit Mahavidyalaya, Ahmedabad, Gujarat
5. Brahmarshi Sanskrit Mahavidyalaya, Dakor Road, Nadiad, Gujarat
6. Rashtirya Sanskrit Sansthan , Ved Vyas Campus, Himachal Pradesh
7. Rashtirya Sanskrit Sansthan, Shri Ranbir Campus, Jammu
8. Rashtirya Sanskrit Sansthan , Rajiv Gandhi Parisara, Sringeri, Karnataka
9. S.M.S.P. Samskritha Snathaka Snathakottara Adhyayana Kendram , Udupi , Karnataka
10. Poornaprajna Vidyapeetha, Bangalore, Karnataka
11. Kerala Vyasa Samskrit Vidyapeetham, (Kottappuram) Kodungallur, Thrissur, Kerala
12. Rastriya Sanskrit Sansthan, Guruvayur Campus, Kerala
13. Mumbadevi Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya, Mumbai, Maharashtra
14. Rashtirya Sanskrit Sansthan , K.J.Somaiya Sanskrit Vidyapeetha, Mumbai, Maharashtra
15. Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University , Ramtek, Maharastra

16. University of Pune, Pune, Maharashtra
17. Sri Lal Bahadur Shastri R.S. Vidyapeetha(Deemed University), Katwaria Sarai, NEW DELHI
18. Rashtirya Sanskrit Sansthan , Sri Sadasiva Campus, Puri, Odisha
19. Sri Chandrasekharendra Saraswathi Vishwa Mahavidyalaya, Enathur, Kanchipuram, Tamilnadu
20. Sri Ahobhila Mutt Adarsh Sanskrit Maha Vidyalaya, Madurantakam, Tamilnadu
21. Rashtirya Sanskrit Sansthan, Lucknow Campus, Uttarapradesh
22. Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh
23. Kaliya Chauk B.K.A., Sanskrit Mahavidyalayaya, West Bengal
24. Rastriya Sanskrit Sansthan, Jaipur Campus, Raipur, Rajasthan
25. Shree Rangalaxmi Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya, Vrindavan, Mathura, Uttarapradesh

The Festival was inaugurated by the Chief Guest Jnanapeetha Awardee Padmabhushan Prof. Satyavrat Shastri the Chairman of Second Sanskrit Commission. In his Inaugural address, the Chief Guest highlighted our Culture and Values hidden in the Epics and Puranas. Prof. Hare Krishna Satapathy, Vice-Chancellor has presided the function. In his Presidential address, he was recollecting how Sanskrit studies more than ever have to be pursued in the world devoid of all morals.

Prof. Radhakanta Thakur, the Dean Academic Affairs welcomed the dignitaries, participating teams and Judges of the Festival. Prof. S. Sudarshna Sharma, Member of 2nd Sanskrit Commission and Dean Sahitya & Samskriti gave a brief account of the Chief Guest. Dr. C. Ranganathan, the Coordinator, Vagvardhini Parishad listed out the aims and objectives of the Festival. Prof. C. Umasankar, Registrar of R.S.Vidyapeetha delivered the Vote of Thanks.

Antyakshari was the first competition. 54 participants participated in the event. It was followed by Sanskrit Song Competitions as part of Cultural Competitions. 19 participants took part in the Sanskrit Song competition.

The Second day of the Festival i.e. 23.01.2014, saw the conduct of Elocutions on Sahitya, Jyotisha, Nyaya, Vyakarana. In Sahitya 20 participants, Jyotisha 19, Nyaya 16, Vyakarana 23 students participated. As part of the Cultural competitions - competitions in Mono Acting, Classical Dance was organized. 13 participants and 15 participants took part in Mono Acting and Classical Dance, respectively. On the occasion of All India Talent Festival a One Day National Seminar on Personality Development for Sanskrit Students was also organised un behalf of Career Counselling Cell.

Hon'ble Minister of Human Resource Development, Govt. of Inida Dr. M.M.Pallam Raju, inaugurated the plenary session of 8th All India Sanskrit Students' Talent Festival- 2014. He advised the participants to develop the skill of Sanskrit in a very effective manner. Prof. Satyavrat Shastri, Jnanapeeth Awardee has graced this occasion. Member of Parliament , Tirupati Dr. Chintamohan was also present in the Programme.

On the Third Day i.e. 24.01.09, competitions like elocutions on Dharma Sastra, Mimamsa, Samkhya and Vedanta were organized. 19 students in Dharma Sastra, 15 in Mimamsa, 20 Sankhya and 19 Vedanta participated. Samasya Poorti and Quiz were also organized as part of the literary competitions. In Samasya Poorti 47 participants took part. In Quiz, a preliminary test was conducted and 8 teams were chosen for the Finals and the quiz with several rounds was organized to choose the best team. The final competition was One Act Play and 12 teams participated in the competitions.

The Valedictory Programme was organized on 25th January 2014. Sri M. G. Gopal, IAS, Executive Officer, Tirumala Tirupati Devsthanam graced the function as the Chief Guest. Jnanapeeth Awardee Prof. Satyavrata Sastri, Guest of Honour delivered some valuable tips to the students. Dr. C. Ranganathan, coordinator red a detail report of the programme. The dignitaries distributed the Prizes to the winners. The First Prize winner got a Gold Medal, Rs.1000/- a Certificate. The Second Prize winner was given a Silver Medal, Rs.750/-, a Certificate. The Third Prize winner was given a Bronze Medal, Rs.500/- and a Certificate. The Consolation Prize included Rs. 250/- and a Certificate.

This year the Roiling Shield was clinched by the students of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati. Dr. Bharat Bhusana Rath, Addl. Coordinator delivered the Vote of Thanks.

G. 17th Convocation

The 17th Convocation of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati was held on 5th March,2014. Vidwan Priyabrata Dash attended as Honoured Chief Guest. His Excellency Prajnana Vachaspati Dr. Janaki Ballav Patnaik, Hon'ble Governor of Assom & Chancellor of the Vidyapeetha delivered the Presidential Address and Prof. H.K.Satapathy, Vice-Chancellor welcomed the Scholars.

In the 17th Convocation the Vidyapeetha conferred Honoris Causa to the following Scholars:

MAHAMAHOPADHYAYA	VACHASPATHI
Prof. Ashok Kumar Kalia	*Vidwan Priyabrata Dash*
Prof. P.R. Ranga Rajan	*Brahma Sri Chaganti Koteswara Rao*
Vidwan Sri Raja S. Giri Acharya	*Prof. S. Ranganath*

Altogether 108 students have received their Sastri(BA) Degrees; 108 students have been awarded PG/Acharya degrees; 277 candidates and 50 scholars have been conferred with Vishishtacharya (M.Phil) and Vidyavaridhi (Ph.D) degree respectively. 20 students got Gold Medals and Endowment Cash awards during Convocation.

Gist of Convocation Address of Vidwan Priyabrata Dash

The ancient term for education was Brahmacharya and the ancient name of a student was Brahmachari. The concept of Brahmacharya was an astounding discovery of the Vedic age – Brahma (great), Charya (movement). A movement towards becoming great is Brahmacharya. A Brahmachari avoids a life of luxury and puts forth all his efforts to the acquisition of both material and spiritual knowledge. The teacher imparts the knowledge of Brahma i.e. Divinity making the student to live a full life. The last verse of the famous Brahmacharya Sukta of Atharva Veda states :

तानि कल्पद् ब्रह्मचारी सलिलस्य पृष्ठे तपोऽतिष्ठत्तप्यमानः समुद्रे।
स स्नातो बभ्रुः पिंगलः पृथिव्यां बहु रोचते।। (AV - XI - 5.26)

"Shaping the manners, he stands performing penance as if on the surface of the sea, bathed, brown, ruddy and shining brilliantly on the earth" - This is the luminous appearance of Brahmachari.

Man is born as a being of instruction where as the other beings live on merely instinct which is their natural tendency to behave and to live in a certain way without reasoning and training. The Vedas, therefore, prescribe two births among men, the first from the mother and the second and more significant one from the mother of learning. The Atharva Veda exhorts.

"आचार्य उपनयमानो ब्रह्मचारिणं कृणुते गर्भमन्तः।
तं रात्रीस्तिस्रम् उदरे बिभर्ति तं जातं द्रष्टुमभिसंयन्ति देवाः।।"
(AV - XI - 5.3)

"The spiritual teacher, taking the freshly admitted student in his charge makes him an embryo within, he bears him in his belly three nights (To remove the three ignorances- Adhibhoutic, Adhidaivic and Adhyatmic). All the divine entities gather unto him to see him born."

The purpose of education is a blending of worldly and spiritual knowledge. The Yajurveda exhorts:

"अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते" (YV. XI. 14)

"Overcome death by pursuing science and gain immortality through the spiritual one."

The ultimate destination of man is to reach the truth, truth in each step of life. The Vedas prescribe a ladder to reach the truth –

"व्रतेन दीक्षामाप्नोति दीक्षयाप्नोति दक्षिणाम्।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते।।" (YV. XIX. 30)

"He gains by vow (Vrata), the virtue of consecration (diksa), by consecration he gains efficiency (daksina), by efficiency he gains faith (Sraddha) and through faith comes the knowledge of truth."

The hindrances on the path of the Truth lie in the heart of a human being. These are attachment, anger, lust, greed, pride and envy. In a metaphor, these evil traits have been symbolized as the degraded lives of birds and beasts. A verse in the Rigveda states:

"O Lord of Resplendent, may you cause total affliction to the fiendish to the garb of all my charming vices of the owl, sheep, swan, vulture, Garuda and dog. Stay such a demoniac evil by the hard stroke of your piercing stone." –

"उलूकयातुं शुशुलूकयातुं जहि श्वयातुमुत कोकयातुम्।
सुपर्णयातुमुत गृध्रयातुं दृषदेव प्र मृण रक्ष इन्द्र।। "(RV. VII. 104.22)

Man is a weaver who weaves his life ceaselessly with the threads of his actions. The nobler are his deeds, the more glorious is the life-fabric. As the weaver weaves clothes in the brightness of light to avoid joint and twist in the woven material, man likewise should perform all actions with the lamp of knowledge. 'Manurbhav' – may you weave the clothe of life with light of knowledge and thus strive to become man. All who bear the shape and form of a human being do not, in true

sense, possess the virtues of man. Man is degraded when he embraces sectarian views and starts thinking and doing in a spirit of envy, jealously and hatred. And then “Janaya Daivyam Janam” – ye man, you are worthy to elevate yourself to divinity which other beings have no chance to do. Rise to the status of an enlightened one and establish proximity with the Lord of Bliss ? The whole verse runs as follows:

“तन्तुं तन्वन्नजसो भानुमन्विहि ज्योतिष्मत: पथो रक्ष धिया कृतान्।
अनुल्बणं वयत जोगुवामपो मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्।। ”(RV.X. 53.6)

Now ‘मधुरेण समापयेत’ - Let me conclude with the feeling of the famous ‘Verse of sweetness’ in the Vedas :

“मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धव:। -
माध्वीर्न: सन्त्योषधी:।।” (RV.1.90.6)

‘O Wind, we feel your pleasant touch. You are spreading new life within us. O river ! your sweet current and sweet music fill our minds with sweetness and joy. The trees, the plants and the world of vegetation all send their good wishes to us. ‘But in the verse is concealed in the word’ – only for those following the truth, the whole world becomes sweet and pleasant. The wicked ones miss the sweetness of the creation.”

My dear Snatakas, I am confident that you have understood the significance of the noble message of the Vedas and other Sanskrit Scriptures. The nation expects a lot of things from you. With your deep knowledge in the Sastras and unique skills, you are capable of contributing something concrete to the growth and development of your beloved motherland in your own way. Let us follow the eternal Vedic message given by our forefathers to the graduating Brahmacharins.

“सत्यं वद ” “धर्मं चर ” “स्वाध्यायान्मा प्रमद:” “मातृदेवो भव” “पितृदेवो भव” “आचार्यदेवो भव” “अतिथिदेवो भव”

Address of Chancellor

It is heartening to note that the University is experiencing phenomenal progress in various fields from time to time. The enrolment of students in various courses has increased manifold. Currently, the University has more than 1700 students on its rolls and it is pleasing to know that the male-female ratio of the students is almost 50:50. I see this trend in general Universities of Assam also where equal number of male and female students compete with each other. A state with highest literacy rate today in the country, is Mizoram where 95% of people are literate and in some states like Meghalay women are more educated than men. I am reminded a story of Adi Sankaracharya who entered into a philosophical argument

with Mandan Mishra, a great scholar and leader of an important sect and Lo and behold the judge was a female, Ubhaya Bharati, wife of Mandan Mishra who adjudged Sankaracharya as the winner of the dialogue. We can imagine the high empowerment of women in those days. It is aptly said :

IF A MAN IS EDUCATED,
ONE INDIVIDUAL IS EDUCATED;
IF A WOMAN IS EDUCATED,
WHOLE FAMILY IS EDUCATED.

The history of our country is replete with the stories of women who were scholars, rulers and warriors. In the history of Odisha there was a dynastic succession of queens who ruled the land.

It is encouraging to note that our University has been identified as Centre of Excellence in the subject of Traditional Shastras by the UGC. Many academic and research programmes are being executed under this scheme with the support of the UGC. Apart from the regular academic programmes and research activities, the progress in the field of Centre of Excellence has been spectacular during the current session. Several new central facilities for the students and non-Teaching staff have been added to our existing infrastructure. We have been able to introduce several innovative courses and Special Assistance Programmes in various subjects with the support of the UGC for giving a new and relevant interpretation to Sanskrit literature. A major project entitled PREPARATION OF MULTILINGUAL ETYMOLOGICAL DICTIONARY has been undertaken and the progress in this regard is highly encouraging.

While congratulating the VC and his able team for the progress of this institution, I hope that the current trend of all round progress will continue to inspire us in days to come.

I am continuing as the Chancellor of this University because of my love of Sanskrit and love of Hare Krishna Satapathy for his dynamic leadership of this university. Sanskrit is considered as the soul of our country and as long as the country exists, this ancient-most language will continue to influence us.

यावत् स्थास्यन्ति गिरयः सरितश्च महीतले ।
तावच्च संस्कृतभाषा लोकेषु प्रचरिष्यति ।।

Study of Sanskrit makes us proud Indians because it was a language which has bound us together irrespective of our caste, creed, different regions and their native languages. Its message is unity in diversity and it is great to be born in this land of India.

चित्रं जम्बूद्वीपं मनोरमं जीवितं मनुष्याणाम् ।

So said the great Buddha. When golden city of Lanka dazzled before the eyes of Rama and Laxmana at their first sight of the city Rama told Laxmana :

अपि स्वर्णमयी लङ्का लक्ष्मण ! मे न रोचते
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।।

In Assam there was a great saint Srimanta Madhavdeva who lived in the 16th century and he wrote :

धन्यधन्यकलिकाल धन्यनरतनुभाल ।
धन्य धन्य भारतवरिष
तप जप यज्ञ तेजि तो आर चरने भोजि।
तोआनाम घोषिव हरिष ।।

When people fail to face challenges of life they blame their fate or the Kaliyug in which they live; but Madhavdeva not only praised the Kaliyug in which we live but also he praises our birth as Indians. He says we should forget everything - *Japa Tapa and Yagya* and sing the glory of India. However, our aim should be that while singing the glory of our motherland we should be true to its eternal values. The high sense of morality should pervade throughout our life.

Today, what is happening in our country is highly distressing. Women are not safe on walking freely in the cities of our country, the youth is misled by what they see in the TV and Internet. Drinking has become a habit which the young people pick up in their school days. Drunkenness has spread from cities to the villages. Wine shops galore everywhere because the government thinks they can fill their coffers and is giving license for opening more and more wine shops. There is a competition among the states to earn more excise revenue. Should, we and can we fight this evil trend of moral degradation? I feel we must. Wherever placed in life, we should uphold the Gandhian values which during our struggle for Independence changed the lifestyle of our people.

During the XII Plan period, it has been decided to concentrate on three important components of higher education viz. EQUITY, EXPANSION & EXCELLENCE. People belonging to marginalized society should have equal access to higher education. The Gross Enrolment Ratio (GER) in the field of higher education needs to be enhanced and it is to be brought on par with international average of 25%.

Expansion of higher education requires recruitment of qualified and trained teachers on a large scale. This is like a vicious circle. For quality education we need quality schools, colleges and universities and for such institutions to function effectively, you need quality teachers whose numbers is much much less than the country's requirement. 2/3rd of our university and 19% of colleges are rated as below average on quality parameters. From the primary schools to the university the quality of teaching should improve enormously and when we talk of quality ;it has no meaning without morality.

In 1947, the very year of our Independence, our the then Prime Minister Pt. Jawaharlal Nehru in his address to the students of Allahabad University said : "a university stands for humanism, for reason, for progress, for the adventure of ideas, for the search for truth…..". And what is humanism and what is the search for truth? Pt Nehru further said : "a university is also a place where we install values in our youth…. ..".

A university should not be considered complete with teaching of science and humanity alone. It is spiritual education for which India established its unique role in the world. *Adhyatma Vidya* should be the first attainment of our life. One should cultivate both material and spiritual attainment, but it was spiritual attainment which distinguished India from other countries.

Our country had got a tradition of quality education compared to the system available in other countries. At one point of time, we were receiving students from foreign countries for our reputed universities of Nalanda, Taxila, Pusphagiri etc.

However, for a pretty long period the society became static and India lost the art of innovation and self-renewal. Then came the Industrial Revolution in the West and consequent development in modern Science and Technology resulting in the Western domination of the world for more than 200 years.

The University is not just an institution to issue degrees and doctorate certificates. It must be a storehouse of knowledge, disseminating knowledge to all seekers, coming under its portals. It must produce excellent teachers in order to educate the masses living outside, particularly the illiterate and the half-literate. In our country, today, we have several IITs, more than 270 universities and many famous Central Institutes of Research and Development. But the ranking, however, of our universities in the world is still deplorable. According to Times Higher Education supplements our IITs ranked 50th in the world, IIMs 84th and the famous JNU is placed as 192nd. China is far ahead of us. The Beijing University is ranking 15th in the world. This situation of 2012 still continues.

I am happy to know that the Govt. of India has appointed the second Sanskrit Commission with a view to study the status of Sanskrit in the contemporary society and suggest various measures for its further development. This Commission is headed by a great scholar of this country Prof. Satyavrat Shastri. The first Sanskrit Commission was appointed in the year 1956 under the chairmanship of Dr. Sunit Kumar Chatterjee. Based upon the recommendations of that Commission, a lot of work has been done for promotion of Sanskrit in our country. There was a need of revisiting the entire structure of the modern trend of Sanskrit promotion and preparing a new roadmap for its development in the days to come.

I would suggest that the Commission should explore the possibilities of making a provision of learning Sanskrit as a compulsory subject mainly in secondary and higher secondary curriculum of this country. Besides, possibilities can be explored to use the modern technology to put Sanskrit in the world map of education and inspire the scholars to conduct inter-disciplinary researches with a view to striking a balance between innovation and convention.

Sanskrit teaches us unity and integrity of our country, its high standards of morality and a philanthropic approach to the world.

We should use our knowledge in such a manner that the eternal message taught by Sanskrit can be reflected in our activities throughout our life.

Friends, you all have successfully completed your work in this university as learners and you are undertaking a journey from this university to the larger universe where a lot of opportunities are waiting for you. You should not think that your learning is over when you leave the portal of the

university. Let this entire universe be a university for you and let the learning be a continuous process. We must remember the significance of our Shastras and spirit of Sanskrit while discharging our duties and responsibilities in a greater arena.

You should have an open mind and a relentless quest for knowledge. The Buddha told his disciples that they should have an open mind and should not accept anything without proof as truth. Even his own words should not be taken in its face value. He says :

प्रमाणं वीक्ष्य ग्राह्यं मद्वच:, न च गौरवात् ।

Dear Snatakas, you should continue to have an open mind and relentless quest for knowledge. You should remember that you are the proud citizens of a great country, which expects you to give more than what you have received from the society. Friends, I wish you all well. Let your path be full of bliss. **।। शिवास्ते सन्तु पन्थान: ।। - ।। जयहिन्द् ।।**

Address of Vice-Chancellor :

श्रीश्रीस्वामिवेङ्कटेश्वरपदारविन्दपवित्री-वृतेऽस्मिन् तिरुपतिक्षेत्रे विराजमानेऽत्र राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठज्ञानमन्दिरे अस्माभि: सप्तदशदीक्षान्त-समारोह: परिपाल्यते। अस्मिन् मङ्गलमयमाहेन्द्रमुहूर्ते ललितलवङ्गलता परिशीलनकोमलमलयसमीरे अस्मिन् परमानन्दसन्दोहे मधुकरनिकरकरम्बित कोकिलकूजितकुंजकुटीरे मधुमयसरसवसन्ते यथा नवपलाशपलाशवनै: मृदुलतान्तलतान्तकलापै: वासन्तम् उपवनं विराजते, तथैव भवादृशै: निमन्त्रितातिथिनवपल्लवै: बहुविधस्नातकाभिनवकुड्मलै: विद्वत्कुसुम-तल्लजै: समावर्त्तनसभाङ्गणमिदं नितरां संशोभते इति महान् आनन्द: ।

महामहिमशालिनां कुलाधिपतीनां **महामान्यराज्यपालप्रज्ञानवाचस्पतिडाक्टर्जानकीवल्लभ-पट्टनायक**महोदयानामाध्यक्ष्ये अनुष्ठीयमानेऽस्मिन् दीक्षान्तसमारोहे अस्माकं परममाननीयसारस्वतातिथीनां डक्टर्प्रियव्रतदाशमहोदयानामुपस्थिति: अस्माकं सर्वेषां कृते यथा प्रेरणाप्रदायिनी तथा आनन्दविधायिनी । हे माननीया: दीक्षान्तसमा- रोहसारस्वतातिथय: ! तत्रभवतां भवतां न केवलं विशिष्टवैज्ञानिकरूपेण, अपि तु वेदविद्याविशारद-निरन्तरहवनकर्मसंपादनपवित्रीतान्त:करणरूपेण संस्कृतस्य भारतीयसंस्कृतेश्च विकाशाय मार्गदर्शनमविस्मरणीयम्। अस्माकं सौभाग्यं यत् अद्यतनमहनीययज्ञकार्यसम्पादनार्थं यथा भगवत्या पद्मावत्या सह शङ्खपाणि: मुकुन्द: तथा सुरसरस्वतीस्वरूपिण्या डक्टर् शन्नोदेवीमहोदयया सह निरन्तरमेधमान: भवान् विराजते। अवसरेऽस्मिन् अत्र विराजमानयो: उभयो: तत्रभवतो: भवतो: पार्वतीपरमेश्वकल्पयो: कृतज्ञताविनिवेदनपूर्वकम् अभिनन्दनं शुभाभिनन्दनञ्च कुर्म: ।

हे वैज्ञानिकशेखर ! प्रियकथाप्रीतिप्रभाभास्कर !
वेदानां परिरक्षणेऽनवरतं ह्यानन्दतश्च तत्पर !

शन्नोदेवविभा-विभूषिततनो ! हे वेदवित् श्रोत्रिय !
हे श्रीमन्नतिथिप्रियव्रतविभो ! तुभ्यं सदा स्वागतम् ।।

सुहृदः ! अस्माकं विश्वविद्यालयस्य कृते ये महान्तः कल्पद्रुमाः, येषां छायायां वयं सर्वे संबर्द्धिताः, संरक्षिताः, ते भवन्ति अस्माकं महामान्याः कुलाधिपतयः प्रज्ञानवाचस्पति-डाक्टर्जानकीवल्लभपट्टनायकमहोदयाः । श्रीयुक्तपट्टनायकमहोदयाः न केवलं लोकप्रियाः जननायकाः वा सुप्रसिद्धाः राष्ट्रनीतिज्ञाः, अपि तु शिक्षा-साहित्य-संस्कृत-संस्कृतिक्षेत्रेषु विश्वविश्रुताः विद्वांसः। हे मान्याः कुलाधिपतयः ! विश्वप्रसिद्धविद्यानगरीवाराणसी भवतां विद्यासाधनाक्षेत्रम् ; आकुमारीहिमाचलं सम्पूर्णं भारतवर्षं भवतां कर्मक्षेत्रम् ; महाभारतीयचेतनायोगात् समग्रा वसुधैव भवतां कुटुम्बकम् । वनारसहिन्दुविश्वविद्यालयमदनमोहनमालव्यस्मृतिपुरस्कार-केन्द्रसाहित्य- एकाडेमी-राज्यसाहित्यएकाडेमी-साहित्यभारती-उत्कलरत्न-विश्वभारती- पुरस्कार-प्रभृति बहुवहुमानपुरस्कृताः तत्रभवन्तो भवन्तः निरन्तरं भारतीय- धर्म-दर्शन-संस्कृति-संस्कृत-परम्परासंरक्षणतत्पराः इति अद्य धारा सदाधारा सदालम्वा सरस्वती । एतदर्थं तत्रभवतां भवतां संस्कृत-संस्कृतिक्षेत्रे विद्यमानमतुलनीयं दानं विविच्य केन्द्रसर्वकारैः पुनः द्वितीयवारम् अस्य राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य कुलाधिपतिरूपेण सम्माननं कृतम् । एतेन न भवताम् ; अपि तु अस्माकं विश्वविद्यालयस्य गौरववृद्धिः सञ्जाता ; एतेन वयं धन्याः, संस्कृतवाङ्मयः धन्यतरः, समग्रविद्यापीठपरिवारः धन्यतमः । विश्वविद्यालयस्यास्य या सुमहती प्रगतिः भवति ; सा केवलं भवतां मार्गदर्शनेन ; शुभाशीर्वादेन च सम्भवति । भूयोभूयः कृतज्ञताविनिवेदनपुरस्सरं वयं तत्र भवतां भवतां स्वागतं सुस्वागतञ्च व्याहरामः।

हे पूज्याः ! जननायकाः ! जनमनोमाङ्गल्यसंबर्द्धकाः !
भाषा-संस्कृति-संस्कृतप्रियकला-साहित्यसंरक्षकाः ! ।
हे वाचस्पतयः स्वयं धिषणया हे जानकीवल्लभाः !
हे दीक्षानिरताः कुलाधिपतयः ! सुस्वागतं स्वागतम् ।।

सुहृदः ! अस्मिन् दीक्षान्तसमारोहे ये विद्वांसः सम्मानजनक-डाक्टरेट्-उपाधिना विभूषिताः भवन्ति ते भारतवर्षस्य सुविदिताः संस्कृतिसम्पन्नाः संस्कृतविद्वांसः आचार्य अशोककुमारकालिआ-आचार्यपि.आर्.रङ्गराजन्-विद्वान्श्रीराज.एस्.गिरि आचार्य-विद्वान्डक्टर्प्रियव्रतदाश-ब्रह्मश्री चागण्टिराजावीरवेङ्कटबसवकोटेश्वरराव्-आचार्यएस्.रङ्गनाथमहोदयाः भवन्ति । एतेषां सर्वेषां विदुषां स्वस्वक्षेत्रेषु यत् यत् नैपुण्यमस्ति ; तेन समग्रसंस्कृतवाङ्मयः समृद्धः भवति ; अभवत् ; भविष्यति च। ते सर्वे संस्कृतसाहित्य-व्याकरण-वेद-दर्शनादिषु शास्त्रेषु कृतभूरिपरिश्रमाः, भारतीयदर्शनपरम्परायां महान्तः यशस्विनः, मानवजातेः कल्याणाय प्रतिश्रुतिबद्धाः विशिष्टाः समाजसेविनः । एतेभ्यः सर्वेभ्यः संवर्द्धनीयेभ्यः विद्वद्वरेभ्यः अहं विश्वविद्यालयपक्षतः अभिनन्दनं शुभाभिनन्दनञ्च व्याहरामि। अन्ये च ये निमन्त्रिताः अतिथयः, प्रबन्धकपरिषदः विद्वत्परिषदः सदस्याः, आचार्याः, कर्मचारिणः, वार्ताहाराः तथा प्रियतमाः स्नातकाः, गवेषकाः, स्वर्णपदकविजेतारः, छात्राः, छात्राश्च अत्र उपस्थिताः तेभ्यः सर्वेभ्यः स्वागतं सुस्वागतञ्च सानन्दं सादरं सान्तरञ्च विनिवेदयामि।

H. Annual and Hostel Day Celebrations :

The Annual and Hostel Days during the year under report were held on 6th March, 2014 at Prof. S.B. Raghunathacharya Open Air Auditorium. Sri Pola Bhaskar, IAS, Joint Executive Officer, TTDevasthanams, Tirupati was the Chief Guest. Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor presided over the function.

Hostel Day Celebrations : Hostel Day Celebrations were held on 8th March, 2014 in the Vidyapeetha. Prof. K.E. Devanathan, Vice-Chancellor, S.V. Vedic University was the Chief Guest. Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor presided over the function. Prof. C. Umashankar, Registrar presented the Annual Report. Prizes were distributed to the students and staff. Cultural programmes were co-ordinated by Dr.Rani Sadasiva Murthy, Cultural Co-ordinator.

I. Visit of Dignitaries

The following Dignitaries, Educationists, Eminent Sanskrit Scholars and Bureaucrats from different parts of the country visited the university in connection with academic, administrative, curricular and co-curricular activities.

Dr. Janaki Ballav Patnaik,
Hon'ble Chancellor, RSVidyapeetha

Dr. MM Pallam Raju,
Hon'ble Union Minister,
HRD, Govt. of India

Sri M.G. Gopal, I.A.S.
Executive Officer, Tirumala Tirupati
Devasthanams, Tirupati

Dr. Chinta Mohan,
Hon'ble MP, Tirupati

Prof. Satyavrat Sastri,
Jnanapeeth Awardee,
New Delhi

Dr. K. Kruparani
Union Minister - State

J. Annadanam Project

The old students and Teachers' Association of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha decided to introduce Annadanam Project with an aim to provide meals to the boarders of all the Hostels of the Vidyapeetha at a subsidized rate so as to enable the poor as well as the meritorious students coming from different parts of the country to secure their study without any interruption or economic obstruction. Besides, the Tirumala Tirupati Devasthanams, Tirupati generously donated Rs. 15 lakhs as a recurring grant to provide meals to the students at subsidized rates apart from another recurring grant of Rs. 50.00 lakhs for the maintenance. The subsidized meals scheme was inaugurated by the Hon'ble Chancellor on 29th July, 2008. Out of 1778 students from various parts of the country studying in the Vidyapeetha, 1332 students are staying in the Hostels for whom meals was provided at subsidized rates.

K. Students' Achievements

(i) The following students got qualified in JRF :

(a) Students admitted into Vidyavaridhi (Ph.D.) JRF :

(i) Mrs. G. Sumedha - Sahitya

(ii) Mr. Ashok Kumar Dash - Jyotisha

(iii) Ms. Prabhasini - Vyakarana

(iv) Sri N.K. Jagannathan - Nyaya

(ii) Rajiv Gandhi Fellowship :

Prasanta Kumar Nikhandia - Education

(iii) Post-Doctoral Fellowship :

Dr. Sujani, has been given / awarded by the UGC. She has been selected from among the scholars of the Vidyapeetha after a presentation before an expert committee in Delhi. She is working under the guidance of Dr. R. Sadasiva Murty.

V. PROJECTS

A. Centre of Excellence in the Subject of Traditional Sastras

Introduction : The Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha is an institution with qualitative difference, that draws its sustenance from the enduring vision of great and noble personalities in the national scene to keep alive and help the all around growth of the magnificent tradition that underpins the best values in this country. It underscores implicitly and explicitly that Sanskrit is the key to unlock the core of our very nationhood, cultural homogeneity and loftiest of our forbearers.

The Vidyapeetha was established at Tirupati (AP), the abode of Lord Venkateswara in 1961 by the Department of Education, Government of India. In the year 1987, the Vidyapeetha was declared as a Deemed University by the Govt. of India considering its service to the cause of Sanskrit education and research. Furthering its causes, the Vidyapeetha has undertaken the following major activities.

1. Teaching of Shastras, Sanskrit language and literature
2. Research and Publications
3. Innovative Projects
4. Collection and Preservation of Manuscripts
5. Extension activities

About Centre of Excellence

In the year 2002, the University Grants Commission has recognized the Vidyapeetha as a Centre of Excellence in the Subject of Traditional Sastras recognizing the *excellent achievements*, *strength and acclaim earned by the Vidyapeetha in the field of Teaching and Research in the traditional sastras.* A grant of Rs.3 crore was sanctioned and released for taking up several projects under Centre of Excellence in the subject of Traditional Sastras in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha.

The various projects undertaken under the Centre of Excellence Programme were successfully implemented and completed by the respective Project Directors. In all, 13 programmes were implemented under this scheme. These progrmmes were aimed at reviving the fast fading traditional Sanskrit learning, use of Modern technology in Sanskrit teaching/learning process, creating tools for Manuscript Studies etc.

CENTRE OF EXCELLENCE IN THE SUBJECT OF TRADITIONAL SASTRAS

PHASE - II

Based on the recommendations of the Review Committee which visited Centre of Excellence in Traditional Sastras in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha during (2nd and 3rd week of) August 2007, the University Grants Commission was kind enough to approve and recommend the continuation of the COE programme during the XI Plan with a budget allocation of Rs. 3.00 crores for the projects as detailed below vide its letter No. 18/2002(NS/PE) dated 8th October 2008.

Projects Approved :

1. Shastravaridhi
2. Publications
3. Audio and Video Documentation
4. Audio-Video Recording Centre activities
5. Lipi Vikasa Pradarsini
6. Electronic Tools for Ancient Script Learning
7. Sanskrit Self Learning Kits
8. Documentation of Artefacts
9. Digitization of Manuscripts
10. Yoga, Stress Management and Healing Centre
11. Seminars/Workshops
12. PG Course to bridge Computer Science & Sanskrit Language Technology

Action Plan :

Regular review committee meetings consisting of all Deans, Senior Professors, Heads of Departments and Project Directors were conducted and discussed in detail about the work going on in the respective projects. After detailed discussions, the Project Directors were informed to submit project proposals along with the budgetary details for execution of different projects under the COE programme II Phase.

1. NAME OF THE PROGRAMME : SHASTRAVARIDHI : A short term course in Jyotisha with an intake of 30 students was conducted during July-August 2013.

2. NAME OF THE PROGRAMME : PUBLICATIONS : Under this programme, 50 books have been published. Besides books, the Vidyapeetha has also released CDs, dealing with popular subjects such as Ramayana, for which there is a great demand. In order to bring Sanskrit closer to the layman, a books on Sri Ramanujacharyulu and Sri Chaitanya Mahaprabhu dealing with their life history and philosophy prepared, finalised and ready to publish, in simple language to bring their messages to the common man.

During the year 2013-2014, a total number of 23 books were published.

3. NAME OF THE PROGRAMME : AUDIO & VIDEO DOCUMENTATION : Under this programme, Audio & Video recording of Shastriac discourses @ 100 hrs / year. The lectures and shastric deliberations on the selected topics delivered in traditional manner in Sanskrit by living legends of these respective Shastras - Advaita Vedanta and Dwaita Vedanta- 10 hrs and Teaching techniques of Sahtiya - 35 hrs. are recorded and are presented for the benefit of students and researchers.

4. NAME OF THE PROGRAMME : AUDIO & VIDEO RECORDING CENTRE : Recording outside the studio: The 8th All India Sanskrit Students Talent Festival 2013-14, the 17th University Convocation, speeches, Seminars, All India Women's Sanskrit Conference and Sri

Pattabhiramasastri Vyakyanamala are the other Sanskrit academic events that were recorded by the e-Studio.

Vivekananda's Sesquicentennial birth Anniversary Celebration's which are being held with Universal Festive Zeal, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha under Audio-Video Recording Centre Activities also has organized certain programmes as a part of which an Audio CD offering homage to Vivekananda trough a collection of Sanskrit songs is brought out. The songs in the CD were sung by some popular singers of the Nation and also by some staff and students of Vidyapeetha.

5. NAME OF THE PROGRAMME : LIPI VIKASA PRADARSINI (SCRIPT&SCRIPTURAL GALLERY) : The Scriptural Gallery Project was organized and arranged an Art Gallery consisting of the Life History and Philosophy of Jagadguru Sri Adisankaracharya. A Book on 'Illustrated Life History of Sri Chaitanya", is prepared, finalised and ready for publication. Another book entitled Life History of Sri Ramanujachrya is under progress.

6. NAME OF THE PROGRAMME - ELECTRONIC TOOLS FOR ANCIENT SCRIPT LEARNING : The Script layouts for the above scripts are prepared and are in the process of being implemented in a self learning CD format.

7. NAME OF THE PROGRAMME: SANSKRIT SELF LEARNING KITS : A. Grammar Made Easy (Part I) : under this project, A write up on Sanskrit Varnamala has been prepared; Drills and exercises for Sanskrit Varnamala have been prepared; Write up on Sandhi rules has been prepared (to be finalized) and Drills and Exercises for Sandhi rules have been prepared.

As part of Self Learning Kit for Sanskrit, graded lessons are being prepared aimed at various levels beginning with 1stStandard to 12th Standard. Five groups have been formed for this purpose. The lessons for the standards 1st to 5th are finalised, and ready to publication.

8. NAME OF THE PROGRAMME: DOCUMENTATION OF ARTEFACTS : The Performance of Yagnas has become a rare phenomena and it is almost extinct. Therefore it is desirable to preserve the system of its performance for posterity as a culturally significant activity. This phase envisages the visual documentation of Yagnas through audio - visual mode. The application use of the Yagnayudhas as they were used in ancient times forms the subject matter of this project.

9. NAME OF THE PROGRAMME: DIGITALIZATION OF MANUSCRIPTS : Digitization of Manuscripts is one of the major projects under the banner of Centre of Excellence. In this project, descriptive catalogue titles are being computerized and edited.

10. NAME OF THE PROGRAMME : YOGA STRESS MANAGEMENT & HEALING CENTRE : Many Summer Camps on Yoga Stress Management were organised in addition to short term courses.

11. NAME OF THE PROGRAMME : Post Graduate Courses to bridge Computer Science Sanskrit Language Technology :

During the year the following activities took place :

- The Choice Based Credit System for M.Sc.(Computer Science and Language Technology) was introduced from the academic year 2011-12 onwards.
- As a part of coursework, the students developed a Statistical Morphological tool for Sanskrit Language both for Nouns and Verbs.
- 100% results in the first division achieved.
- All the students in first batch are placed in HDFC Bank and Infosys, Bangalore and the like.

Keeping the placements in view, more number of graduate students have showed interest to join the course in this academic year also.

B. Odissa Chair

The Centre for 'Orissa Chair' Studies in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha was set up in 2000, under the sponsorship of the Govt. of Orissa.

Undertaking maintenance, preservation and publication of heritage texts and manuscripts on Lord Jagannathan, Mahaprabhu Sri Chaitanya and Sri Jayadeva's Literature.

To spread the eternal message among Researchers and Contemporary Society by the Print Media.

Constitute and expound theoretical framework from the primary intellectual texts of the Jagannatha tradition.

During this current academic year, a lot of work has been done on behalf of Odissa Chair by way of Seminars, Symposia and Publication of proceedings of the seminars and books etc under the guidance of administration of the Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati.

1. A Two Day National Seminar organized by Odisha Chair in collaboration with Jagannatha Chetana, Puri on "A Comparative Study of Nilachala and Simhachala with a special reference to Seshachala" on 2nd and 3rd September, 2013. The seminar was inaugurated by Swamiji Sachidanda Das Maharaj of Puri and Prof. Harekrishna Satapathy Vice-Chancellor of this Vidyapeetha presided over the inaugural session. Scholars Sri Rabindranath Pratihari, Sri Asit Mahanti, Adhyapaka Suneel Rath, Sri Ramachandra Dasmohapatra, Smt. Shradhanjali Kanoongo, Prof. GSR Krishna Murthy, Prof. C. Lalitha Rani, Dr. C. Ranganathan, Dr. R. Sadasiva Mruthy, Dr. K. Rajagopalan, Dr. S.N. Acharya and others were present. Prof. R.K. Thakur, Registrar of the Vidyapeetha was the Chief Guest in the valedictory session. Dr. Radhagovinda Tripathy, Co-ordinator and Addl. Co-ordinator, Dr. Gyanaranjan Panda, Dr. A.K. Nanda, Research Associate and others were present in the above said session.s
2. A Special talk on 10th November, 2013 by Prof. Alekh Ch. Sadangi (Presidential Awardee), Former Vice-Chancellor, Sri Jagannatha Sanskrit University, Puri, delivered a speech on

Jagannatha Cult and also felicitated by Odisha Chair. Prof. H.K. Satapathy, Vice-Chancellor presided over the function. Dr. Radhagovinda Tripathy, Co-ordinator and Addl. Co-ordinator, Dr. Gyanaranjan Panda, Dr. A.K. Nanda, Research Associate were also present.

3. A Special talk was delivered on Jagannatha Cult on 30th March, 2014 by Sri Debabrata Dash, Justice High Court, Odisha. He was very warmly felicitated by Odisha Chair. Prof. HK Satapathy, Vice-Chancellor, RSVP presided over the function. Dr. Radhagovinda Tripathy, Co-ordinator and Addl. Co-ordinator, Dr. Gyanaranjan Panda, Dr. A.K. Nanda, Research Associate were present.

4. Odisha Chair organised Utkala Dibas Samaroha on 1st April, 2014 at Utaradhi Sri Vaishnava Matha premises. Swamiji Sri Anirudha Ramanuja Dash was present as Guest of Honor and Prof. K.C. Mohapatra was Chief Guest and both are felicitated by Prof. HK Satapathy, Vice-Chancellor of RSVidyapeetha, Tirupati. Prof. S.N. Acharya conducted the above programme. Dr. Radhagovinda Tripathy, Co-ordinator and Addl. Co-ordinator, Dr. Gyanaranjan Panda, Dr. A.K. Nanda, Research Associate were present.

The following Publications under progress as part of activities of Odisha Chair :

(i) Jayadeva Sarbaswam by Dr. A.K. Nanda.

(ii) Gitagovinde Alankara by Dr. A.K. Nanda.

(iii) Proceedings of National Seminars is ready to publish soon.

(iv) 2nd and 3rd Complete Sanskrit works on Lord Jagannatha is ready to publish.

C. SAP (Special Assistance Programme) :

Three departments received UGC-SAP are Dept. of Sahitya, Dept. of Education and Dept. of Darsanas.

(i) Department of Sahitya :

The UGC has approved the upgrading of SAP (Sahitya) from DRS-I to DRS-II for the period of 5 years 1.4.2013 to 31.3.2018. The thrust area of the SAP in DRS-II is Encyclopedia of the technical terms in Sabnskrit Poetics from Bharata's time. An amount of 31.00 lakhs plus two Project Fellows has been sanctioned. Prof. C. Lalitha Rani is the coordinator and Dr. K. Rajagopalan is the Additional co-ordinator.

In the year under report the First Advisory Committee meeting of DRS-II took place on 31.3.2014. UGC nominee Prof. R.K. Pandey, LBSRS Vidyapeetham, New Delhi attended the meeting. Other memebers present were Prof. H.K. Satapathy, the Vice-Chanellor, Prof. C. Uma Shankar, Registrar, Prof. S. Sudarsana Sarma, Prof. R.K. Thakur, Prof. GSR Krishna Murthy, Prof. C. Lalitha Rani and Dr. K. Rajagopalan.

(ii) Department of Education :

The Dept. of Education was selected by the UGC for financial assistance under the

Special Assistance Programme (SAP-Edn.) it will be at the level of DRS phase-1 for a period of five years from 2009-10 onwards. An amount of Rs. 29.50 lakhs was sanctioned towards financial assistance. The thrust area of the programme is "Language Development and Material Production".

Objectives of the project : Language plays a major role in the overall development of the personality of an individual,. It is also a unifying force. Hence, language has an important place in the curriculum at all levels. Teacher education departments have the responsibility to make language learning simple and effective. Classical languagealso play major role in the cultural development. Moreover they are the main soure for the preservation of culture. In India being a multilingual country, classical languages like Sanskrit have to be taught for unit of the people and for the enrichment of local languages. The Special Assistance Programme will focus on the main themes in this year.

Report of the Advisory Committee Meeting : The Advisory Committee Meeting was held on 31st March, 2014 at the Chair - Prof. Harekrishna Satapathy, Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. S. Sudarsana Sarma (Member) Prof. N. Latha (Member), Prof. K. Ravisankar Menon, Co-ordinator, Prof. Rajanikanta Shukla Dry. Co-ordinator attended the meeting. The Co-ordinator welcomed all the members of the Advisory committee. The Committee reviewed the consolidated report on te activities and expressed satisfaction. The future plan for DRS-2 was discussed in detail. All the members are of the opinion that an impressive report along with the activities to be undertaken may be sent to UGC and persuade.

Work done during 2013-14 on thrust area :

(1) Review of the existing methods of Teaching classical languages with special reference to Sanskrit (Completed).

(2) Application of modern methods of teaching for teaching of Sanskrit -Experiments - conducted.

(3) Exposition of different theories of language acquisition performed in Ancient Indian Philosophical texts - Materials have been collected.

(iii) SAP - Darsanas :

The prestigious Spicial Assistance programme has been sanctioned to the Department of Darsana of RSVidyapeetha by the UGC for 5 years. The title of the project is **A critical survey of the commentaries and Sub-Commentaries on Tattvachintamani by Gangesha Upadhyaya.** Prof. O. Sri Ramlala Sarma is the co-ordinator and Prof. PTGY Sampath Kumaracharyulu is the Additional co-ordinator.

During the year under report, the Second advisory committee meeting was held on 10th December, 2013 at the Vice-Chancellor's chamber in Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupathi.

Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor presided over the meeting. Prof. Rajaram Shukla, Dept. of Vaidik Darsan, Benaras Hindu University, Varanasi was invited as an external expert. Prof. K.E. Devanathan and Prof. K. Ramasuryanarayana have been invited as internal experts. Prof. O. Ramalala Sarma, co-ordinator, SAP Darsanas conveyed the meeting and Prof. P.T.G.Y. Sampathkumaracharyulu, additional co-ordinator, SAP Darsanas documented the proceedings of the meeting. The members had thoroughly examined the progress carried out through the project. The committee members affirmed their satisfaction on the progress of the project and suggested valuable inputs for the betterment of the project.

Visit of the Faculty Members and Staff related to SAP:

The Faculty Members of the Department of Nyaya, and the Project Fellows related to Special Assistance Programme have visited different places and libraries viz. Adyar Library, GOML Chennai, Saraswati Mahal Library Tanjore, BHU Varanasi, Sri Venkateswara Oriental Library, Oriental Research Library, Mysore, Kameshwarsingh Darbhanga Sanskrit University library, Dharbhanga and collected required data from various manuscripts and also many relevant data for the progress of the SAP.

Visit of the External Member:

Dr. M. Viswanatha Sastri, Principal, SGV Oriental College, Thimmasamudram had been invited as visiting scholar to determine the progress of the project. He gave some valuable inputs on various kinds of manuscripts on commentaries of Tattvachintamani of Gangesopadhyaya available across the country. He also gave a detailed account on the sub commentary named Alokasiddhanjanam written by Sri Annambhatta on the commentary of Tattvacintamani named Aloka. He also gave a detailed account on most important topics on Tattvachintamani with references from the commentaries. He also elucidated difficult topics on Mangalavada prakaranam of Tattvachintamani with the references from commentaries of Jayadeva and Annambhatta. He also taught prakarana granthas such as Tarkasangrahadipika, Tarkasangrahadipikaprakasika, Nyayasiddhanta Mukthavali and Dinakari to the project fellows for the better understanding of the main text i.e. Tattvachintamani.

Report of the work done so far :

The project work is being carried out according to the plan chalked out by the Advisory committee members. As suggested by the Advisory Committee, the published and unpublished works on Tattvachintamani of Gangesopadhyaya have been listed out. As per the plan all the commentaries and sub commentaries of Tattvacintamani which are available in either printed form or manuscript form across the country have been identified and list has been prepared. With the guidance of the Advisory Committee these lists are programmed and stored in a database.

The project prepared a bibliography on the printed books of Tattvacintamani of Gangesopadhaya. It will be extremely useful to research scholars who are / will be doing research on Tattvacintamani and its commentaries. The bibliography also consists of short notes on various topics and deliberations that any person needing information relating to these topics

can benefit. It also contains complete information on the topics discussed in these books so that one can easily identify the book which can necessitate his need without thoroughly studying the books.

Regarding the unpublished works, data from various libraries across the country had been collected. With the help of The New Catalogus Catalogorum many unpublished commentaries and sub commentaries of Tattvacintamani have been identified. The manuscripts which are available from different parts of the country such as Adyar Library, GOML Library, Tanjore Saraswati Mahal Library, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha Library, S V Oriental Research Library, Ganganath Jha Research Institute etc. have been listed out. Work is under progress to prepare another database for the unpublished works on Tattvacintamani. Many rare manuscripts have been transcripted.

In accordance with the plan drafted by the advisory committee, a list has been prepared on the authors of the commentaries and sub commentaries of Tattvacintamani. The list consists of author's time, place of birth, family connections, and works on Tattvacintamani and other related works. The list has been prepared with the help of various bibliographies related to Navya Nyaya and Gangesopadhyaya.

The papers presented by the eminent scholars in the two-day national seminar have been printed in a book form.

Infrastructure Facilities provided to the Faculty Members of the Dept.:

Under the Special Assistance Programme, the department of Darsanas is equipped with five computers, internet facility, Reprographic facilities i.e. Xerox machine, Color Printer with Scanner, Laser jet printers, Steel Almirahs, UPS, Lap-top etc, for proper conduct and execution of Research work.

Library Developed :

Under Special Assistance Programme, the department has developed a library consisting of more than 200 books in different catagories i.e. Prachina Nyaya, Navya Nyaya, Vaiseshika, Mimansa, Sankhya, Vedanta, Dictionaries and Encyclopedias. The project also has 25 volumes of New Catalogus Catalogorum, an alphabetical register of Sanskrit and allied Works and Authors from the Madras University. The New Catalogus Catalogorum is very helpful in finding various rare manuscripts on Tattvacintamani of Gangesopadhyaya available in different parts of the country.

In addition to the above books, more than 200 books on different branches of Darsana Sastras have been purchased this year. Many commentaries and sub commentaries of Tattvacintamani which are available in printed form have been purchased. For the better understanding of Tattvacintamani theories, many books which are related either directly or indirectly to the Tattvacintamani have also purchased.

E. MAJOR RESEARCH PROJECTS :

1. Major Research Project :

A 3 year Project entitled “Extraction of multiword expressions for Sanskrit" has been sanctioned by the UGC. Prof R.J. Ramasree was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. 11,85,800/- was sanctioned and a sum of Rs 7,16,800/- was released as 1st installment. The amount has been spent and the balance of grants awaited.

2.Major Research Project :

A 2 year Project entitled “Sri Madandhra Bhagavatamlo Monavo Critrea karna" has been sanctioned by the UGC. Dr. Nallanna was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. 4,95,800/- was sanctioned a sum of Rs 3,57,500/- was released as 1st installment. The amount has been spent and the balance of grants awaited

3. Minor Research Project :

A two year Project entitled “some quality assurance aspects of web designing with specific reference to University websites in India” has been sanctioned. Dr. G. Sreedhar was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. 1,80,000/- was sanctioned a sum of Rs 1,20,000/-is released as 1st installment. The amount has been spent and the balance of grants awaited.

4. Major Research Project :

A two year Project entitled “critical Editions of unpublished Raga Kavyas written in imitation of Gita govinda” has been sanctioned. Dr. Dr. Somnath Dash was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. 5,49,100/- was sanctioned a sum of Rs 3,21,100/- was released as 1st installment. The amount has been spent and the balance of grants awaited

5 Major Research Project :

A two year Project entitled “Documentation of Sankrit Journals in India” has been sanctioned. Dr. G. Gopal Reddy (Retd) was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. 5,69,300/- was sanctioned a sum of Rs.3,32,800/- was released as 1st installment. The amount has been spent and the balance of grants awaited

6. Major Research Project :

A two year Project entitled “Multi-lingual Etymological Dictionary” has been sanctioned. Dr. K. Suryanarayana was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. 10,00,000/- was sanctioned a sum of Rs.7,50,000/- was released as 1st installment. The amount has been spent and the balance of grants awaited

7. Major Research Project :

A Project entitled “Edition with English Translation of part II of Siddhantasekhara of Sripati 11th Century” has been sanctioned. Dr.A. Sripadabhat was identified as Principal Investigator. A sum of Rs. Rs.95000+950000=1,90,000/- was released. The amount has been spent and the balance of grants awaited

VI. INFRASTRUCTURE

A. LIBRARY

The Vidyapeetha Library printed book collection has increased to 1,01,680 by adding 2,688 books. The total manuscripts collection has increased to 3,903 manuscripts with 8,006 titles with the addition to 6 nos. manuscripts in digital form as gift from Sri N. Sivaganesh, Research scholar as per the statistics on 31.03.2014. The Library is subscribing for 150 Indian Journals and 04 Foreign Journals every year. The transaction of books during the year is 20,626.

Now the Vidyapeetha Library is fully computerized under the UGC - INFLIBNET programme. Acquisition, Cataloguing and Circulation sections are fully automated. OPAC facility is provided for public access. Barcoding of books has been completed successfully.

Books on different subjects and other areas of study and Manuscripts available in the Library are as follows :

Sahitya, Vyakarana, Srimadbhagavadgita, Vedanta, Advaita Vedanta, Visistadvaita Vedanta, Dvaita Vedanta, Mimamsa, Yoga, Samkhya, Nyaya, Vaisesika, Upanishads, Ethics, Astrology, Astronomy, Ramayana, Mahabharata, Indian Science, Mathematics, Computer Science, Hindu Religion, Buddhism, Jainism, Other Religions, Vedic Literature, Purana Literature, Western Philosophy, Indology, History, Sociology, Artha Sastra, Political Science, Library Science, Ayurveda, Art and Architecture, Hindi Literature, English Literature, Telugu Literature, Law, Special Collection (Mahatma Gandhi, Swami Vivekananda, Sri Aurobindo etc.), Conference and Commemoration Volumes, Descriptive Catalogue of Manuscripts.

Library Users :

The Vidyapeetha Library consists of 1500 members. The number of people using the Library has increased. On an average five hundred members are visiting the library per day on working days and three hundred members on holidays.

B. HOSTELS

There are four Hostels for Men, two Hostels for Women and one hostel for Research Scholars exclusively.

The Men's Hostels namely **Seshachala, Vedachala and Garudachala** accommodate students from Prak-Sastri to Vidyavaradhi. Two separate mess/dinning halls with attached kitchens preparing and serving exclusively North Indian and South Indian cuisine are maintained for the benefit of students hailing from different parts of the country.

Neelachala Boys hostel : A hostel building namely 'Neelachala' has been constructed to accommodate nearly 150 students.

A Women's Hostel called Sri Padmavathi Mahila Chhatravas accommodates women students from Prak-Sastri to Vidyavaradhi. A separate mess with kitchen is maintained in the Women's Hostel.

Vidyachala Girls hostel : A hostel building namely 'Vidyachala' has been constructed to accommodate nearly 125 students.

Simhachala Research Scholars Hostel : During the XI plan period the UGC has sanctioned grants for construction of Research Scholars Hostel with facilities for Foreign students, which was inaugurated by Hon'ble Union Minister for Human Resource Development Sri M.M. Pallam Raju on 29.12.2012. Simhachala Research Scholars hostel been accommodate nearly 125 students.

Transit Hostel/Guest House : The guest house has Twelve rooms including one VIP suite and one dormitory. The built up area is 433.00 Sq.m. The guest house / transit hostel has been renovated during this year by adding an additional floor over the existing first floor. A lift also has been provided in the guest house.

C. PSYCHOLOGY LABORATORY

To facilitate training students of Education in scientific manner the Psychology laboratory is established in IASE. It has been serving a useful purpose for B.Ed. and M.Ed. students in building their mental and cognitive abilities.

D. Multi-media Language Laboratory

The Multi-media Language laboratory has facilities for both Sanskrit and English language training. The Sanskrit software 'Bhashika' has already been installed. The process to upgrade the facility has been done under Centre for Excellence programme. The laboratory can be used for language learning, subject learning, pedagogical training and various other purposes such as development of programmed instruction, computer assisted instruction and computer aided learning.

E. Alphabet gallery

Alphabet Gallery (Lipi Vikasa Pradarshini) is established in 2003 under the Centre for Excellence project. The gallery started in 2003 aims at tracing the origin, growth and development of the alphabet in India from the earliest times (3000 B.C) till the development of regional scripts (9th Century A.D.).

Beginning with the script of Indus Valley civilization (3000 B.C to 1500 B.C.) the Gallery hopes to understand the complexity of the decipherment of its writing and language as understood by Dr. S. R. Rao, emeritus scientist and archaeologist. Since the Indus script was related to the Sematic Script, Avestan and Vedic-Sanskrit languages (in phonetics, semantics and grammar), more than it was to the Dravidian languages (as formerly interpreted by scholars), its remarkable affinity with Rig Veda in terms of Sanskriti concepts and ideas has been illustrated here.

The historical context of the Indus writing has been attempted by displaying objects, especially Seals on which the script was engraved. These seals have been found in Indus Valley sites, such as Lothal in western India during archaeological excavations in 1950-1980. The gallery also consists of seals from other Indus Valley sites, such as Mohenjodaro (Pakistan) and Kalibangan (India) as well as from ancient Near Eastern sites, such as Kish and Braq, Dr (Sumer-Iraq), Hissar and Bahrein. The models of Indus Valley seals, sealings, sculptures, bronzes give us an insight into the life of the people and takes the history of Sanskrit language, the, Vedic concepts and traditions to a much earlier date than what we know.

F. Broad Band Internet Facility

The Vidyapeetha provides the following facilities for its staff and students

Inter-Net : This facility in the Vidyapeetha has the Band width of 256 KBPS of dishnet and 256KBPS of ERNET. *Intra-Net :* Intra-net is also provided for Local Area Network.

G. Dept. of Computer Science - Computer Centre

The Dept. of Computer Science is striving hard to meet the computing needs of the University administration and students. The department is now running the following courses :

* Two compulsory papers of Prak-Sastri
* Eight papers of Computer Application in Sastri
* Eight papers of Computer Science in B.Sc.
* Twelve papers in M.Sc. (Computer Science and Sanskrit Language Technology)
* Four papers in MA in Sanskrit (Sabdabodha & Sanskrit Language Technology)

The department is also handling the following career oriented courses sanctioned by the University Grants Commission (UGC) in the evening.

* Add on Course on DTP (Certificate, Diploma, Advanced Diploma)
* Add on Course on Web-Technology (Certificate, Diploma, Advanced Diploma)

In addition to the above works the department is also taking care of University website, maintenance of Hardware / Software troubleshoots and campus network. During this year, the department is also taken up the work of develop Hindi version of our website.

The staff of the Computer Science Department are actively engaged in research in participating and presenting papers in National and International conferences, seminar symposis and workshops.

H. Dining hall for students

Srinivasa dining hall was constructed adjacent to the Seshachala Hostel to accommodate about 300 students for taking their meals every day. This is a major step forward in improving amenities to students. A dining hall was constructed adjacent to Vedachala hostel namely 'Anand Bazaar'. About 350 students were taking their meals every day. The 'Anand Bazaar' was inaugurated and dedicated to the students by Prajna Vachaspati Dr. J.B. Patnaik, Hon'ble Chancellor and His Excellency Governor of Assam on 17th October, 2011.

I. Staff-Quarters :

The Vidyapeetha has two Type-V quarters, one Type-IV quarters, one Type-III quarters, one Type-II quarters and two type-I quarters accommodating 22 employees of the Vidyapeetha. A new type IV quarters consisting of four apartments to house the senior teachers in the campus has been completed and ready for occupation during the year under report.

J. Multi Gym

A Multi-Gym was established in the Vidyapeetha for the benefit of students to maintain good health. The Multi-Gym has 16 work stations, namely -

Hipflexor : This station helps to develop Hip muscles, and also helps in re-educating the muscle fibres. **High Lat Pulley :** This helps to develop Hamstrings, thigh, calf muscles. Pulley can be used to improve shoulder, lats, Triceps and Biceps of arms. Loads can be used according to the requirement of the individual capacity. **Abdominal Bench :** This can be used to reduce the belly and to firm-up and strengthen the abdominal muscles. The height can be adjusted according to the requirement and the capacity of the performer. **Rowing Machine :** Working on this station is a very good exercise in which one can condition one's entire body simultaneously increasing oxygen in-take as in AEROBICS. **Hyper-X-Tention :** This machine helps to strengthen the lower back and mid-section of the body. **Twister :** Exercise on this station reduces the waist line and stream lines the oblique-muscles, while strengthening the pelvic gurdle ligaments. **Arm, Preacher Curl :** Exercise on this station helps in developing muscle ligments in Triceps, Biceps, Elbow joint, wrist joint and Fore arm. **Peck Deck :** This is a developer of powerful pectroals muscles, deltoids, and other connected muscles. **Leg Curl :** This instrument develops the lower limbs, abdominal muscles and Gultious muscles. **Dipping :** This instrument is used to develop Pectrolis muscles, Deltoid muscles, rectus femoris muscles. It also develops the muscles tone with the required level of exercises. **Leg Press :** It gives workout for the entire legs in comfortable stance. It develops Hamstring group, Knee muscle and Sartorious major which is the longest and two joing muscle. **Squat Press :** This helps to toneup lower back muscles Rectus femosis foot and ankle muscles. **Pull Ups :** It can be used to improve shoulders, triceps, biceps of arms and stocach crunch. **Preacher :** It is specially designed to develop biceps. **Bench Press :** This is for strengthening and developing pectrolis muscles, deltoid muscles. It also helps in re-educating muscles.

The students and staff are utilising the Multi-Gym.

VII. ADMINISTRATION

Appointments :

Prof. K.E. Devanathan, Dept. of Visistadvaita Vedanta has been appointed by the Governor of AP as the 2nd Vice-Chancellor of SV Vedic University, Tirupati and assumed the charge on 19.2.2014.

(1) Sri O. Krishna Prasad – Jr. Engineer (Elec.)

(2) Sri P.K. Phani Varma – Manager, Hostels/ Guest House

(3) Sri VG. Sivasanakra Reddy – Dy. Registrar

(4) Prof. C. Umashankar – Registrar

(5) Dr. P. Venkat Rao – Professor in Education Dept.

Promotions :

37 Faculty members were promoted to higher stage of different categories as per UGC norms under CAS during the year under report.

Retirements :

(1) Sri S. Anand - 30.6.2013

(2) Prof. Ravisankar Menon – 31.8.2013

(3) Prof. K.E. Govindan – 31.10.2013

वार्षिक लेखा और परीक्षित प्रतिवेदन २०१३-१४

(सक्षम अधिकारियों द्वारा स्वीकृत)

ANNUAL ACCOUNTS & AUDIT REPORT 2013-14

(Approved by the Competent Authorities)

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(वि.अ.ए. अनुभाग 3, अधिनियम 1956 के अधीन स्थापित विश्वविद्यालय)

तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त और

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पारंपरिक शास्त्र अध्ययन के लिए

उत्कृष्ट केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(University established under section 3 of the UGC Act, 1956)

TIRUPATI – 517 507 (A.P.)

Accredited by NAAC &

Recognized by the UGC

"A Centre of Excellence in the Subject of Traditional Shastras"

Prof. HAREKRISHNA SATAPATHY

Vice-Chancellor

Prof. K Ravi Sankara Menon

Registrar I/c. (upto 31.8.2013)

Prof. RK Thakur

Registrar I/c. (from 1.9.2013 to 29.12.2013)

Prof. C. UMASHANKAR

REGISTRAR

(from 30.12.2013 onwards)

Sri S. Anand

Finance Officer (upto 30th June 2013)

Sri V.G. Sivasankar Reddy

Finance Officer I/c. (1-7-2013 onwards)

Printed and published by Reigstrar, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Deemed University, Tirupati

Ph. : 0877-2286799 ; Fax : 0877-2287809 ;

E-mail : registrar_rsvp@yahoo.co.in ; Website : www.rsvidyapeetha.ac.in

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD - 500 004.

E-Block, I[st] Floor
(Phone No: 040-23232069)

No.PDA(C)/CAB/Unit-9/RSVPT/SAR.2013-14/D 253/2014-15/229 Date: 15.10.2014

सेवा में
सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग,शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, के वर्ष 2013-14, लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, for the year 2013-14, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the year are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

संल:यथोपरि

Sd/-
(AJAIB SINGH)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
Principal Director of Audit (Central)

Endt. No.PDA(C)/CAB/Unit-9/RSVPT/SAR.2013-14/D 253/2014-15/ 230 Date: 15.10.2014

Copy to **Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor**, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati- 517 507, Andhra Pradesh, along with one copy of Annual Accounts for the year 2013-14 (English version) and D.O Management Letter, with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2013-14 (3 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

निदेशक/ प्रत्यक्ष कर & केन्द्रीय स्वायत निकायों
DIRECTOR/DT & CAB

Phones Nos. : 23236811 to 23236819 Fax No. : 040-23232294

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(वि.अ.ए. अनुभाग 3, अधिनियम 1956 के अधीन स्थापित विश्वविद्यालय)

तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)

वार्षिक लेखा और परीक्षित प्रतिवेदन २०१३-१४

(सक्षम अधिकारियों द्वारा स्वीकृत)

हिंदी अनुवाद

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरुपति

वार्षिक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन और परीक्षित लेखे - 2013-2014

अनुक्रमणिका - हिंदी अनुवाद

विषय	पृष्ठ संख्या
I. अन्तिम लेखाएँ	
1. तुलन-पत्र	1
2. आय तथा व्यय लेखा	2
3. अनुसूचियों का प्रपत्र तुलन-पत्र का भाग	3-20
4. लेखा टिप्पणी	21
5. पर्ची और वेतन लेखा (जी.आई.ए.)	22
6. पर्ची और वेतन लेखा की अनुसूचियाँ	23-33
7. पर्ची और वेतन लेखा (जी.आई.ए.बारहवीं योजना विकास और विलयन योजनाओं)	34
8. जे.आर.एफ. / राजीव गाँधी छात्रवृत्तियाँ की पर्चियाँ और वेतन	35
9. जी.पी.एफ. की पर्चियाँ और वेतन	36
10. नई पेंशन निधि की पर्चियाँ और वेतन लेखा	37
11. एच.बी.ए. पर्चियाँ और वेतन	38
12. छात्र निधि पर्चियाँ और वेतन लेखा	39
13. उपहार/विन्यास पर्ची और वेतन लेखा	40
14. परियोजनाओं की पर्चियाँ और वेतन लेखा	41
15. उत्कलपीठ की पर्ची और वेतन लेखा	42
16. उत्कृष्ठता केंद्र पर्चियाँ और वेतन लेखा	43
17. डी.डी.ई. पर्ची और वेतन लेखा	44
18. योग पर्ची और वेतन लेखा	45
19. विशेष सहायता कार्यक्रम (सॉप) (साहित्य) पर्चियाँ और वेतन लेखा	46
20. विशेष सहायता कार्यक्रम (सॉप) (शिक्षा) पर्चियाँ और वेतन लेखा	47
21. छात्रवास प्रतिष्ठापना	48
22. मेस लेखा	49
23. विशेष सहायता कार्यक्रम (सॉप) (दर्शनास) पर्चियाँ और वेतन लेखा	50
24. पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन	51
25. अभिनव कार्यक्रम - साहित्य (सौंदर्य शास्त्र)	52
26. अभिनव कार्यक्रम - शास्त्रों विभाग (प्रबंधन)	53
27. ट्रान्सिट हॉस्टल (अतिथि गृह)	54
27. सदुपयोग प्रमाण-पत्र	55-58
II. सनदि लेखाकार का प्रमाणपत्र	59
III. लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र (एजी ए.पी. द्वारा जारी)	60
IV. लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के लिए अनुबंध	61-65

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(University established under Section 3 of UGC Act, 1956)

TIRUPATI -517 507

ANNUAL ACCOUNTS FOR THE YEAR 2013-2014

(English Version)

INDEX

DETAILS OF ACCOUNTS **Pages Nos.**

I.	**Final Accounts**	
	1. Balance Sheet	67
	2. Income and Expenditure	668
	3. Schedules of Balance Sheet and Income and Expenditure	69-86
	4. Significance on Accounting Policy	87
	5. Receipt & Payment Account (GIA)	88
	6. Schedules of Receipt and Payment Account	89-99
	7. Receipt & Payment Account (GIA XII Plan General Development & Merged Schemes)	100
	8. JRF / Rajiv Gandhi Scholarships Receipts & Payment Account	101
	9. GPF Receipts & Payment Account	102
	10. New Pension Fund Receipts & Payment Account	103
	11. HBA Receipts & Payment Account	104
	12. Students Fund Receipts & Payment Account	105
	13. Gifts/Endowment Receipts & Payments	106
	14. Project Receipts & Payment Account	107
	15. Orissa Chair Receipts & Payments	108
	16. Centre of Excellence Receipts & Payments Account	109
	17. DDE Receipts & Payments Account	110
	18. Yoga Receipts & Payments Account	111
	19. SAP - Dept. of Sahitya Receipts & Payments Account	112
	20. SAP - Dept. of Educaton Receipts & Payments Account	113
	21. Hostel Establishment Receipts & Payments Account	114
	22. Mess Receipts & Payments Account	115
	23. SAP - Dept. of Darsana Receipts & Payments Account	116
	24. NMM Receipts & Payments Account	117
	25. Innovative Programme Sahitya (Aesthetics) Receipts & Payments Account	118
	26. Innovative Programme (Ancient Indian Management Techniques - MAIMT)	119
	27. Transit Hostel (Guest House) Receipts & Payments Account	120
	28. Utilisation Certificate	121-124
II.	**Certificate of Charted Accountants**	125
III.	**Audit Certificate (issued by AG A.P.)**	126
IV.	**Annexure to Audit Report**	127-133

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

तुलन पत्र 31.3.2014 तक (वित्तीय वर्ष 2013-14)

विवरण	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
कायिक / पूंजी निधि और देयताएँ			
कायिक / पूंजी निधि :	'1'	236,024,531.25	249,502,514.43
पूंजी रिजर्व	'1ए'	**264,467,487.00**	**259,467,487.00**
विशेष प्रयोजन / विन्यास निधियाँ :	'2'	211,411,609.53	159,862,988.94
चालू देयताएँ और रसद :	'2ए'	2,815,543.00	2,353,190.16
कुल :		**714,719,170.78**	**671,186,180.53**
परिसंपत्ति			
स्थिर परिसंपत्ति	'3'	172,472,798.11	172,550,215.45
निवेश - के लिए उद्दिष्ठ	'4'	160,953,775.00	166,010,858.00
चालू परिसंपत्ति, ऋण, पेशगी आदि., (निवल चालू परिसंपत्ति)	'5'	381,292,597.67	332,625,107.08
विविध व्यय (अंत तक लिखा तथा जोड़ा नहीं गया है)		-	-
कुल :		**714,719,170.78**	**671,186,180.53**
महत्वपूर्ण लेखा योजनाएँ	'16'	-	-
आकस्मिक देयताएँ और लेखा पर टिप्पणियाँ	'16'	-	-

हस्ताक्षरित

वि.जि. शिवशंकर रेड्डी
वित्ताधिकारी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

हस्ताक्षरित

प्रो. सि. उमाशंकर
कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)
वर्ष 2013-14 आय तथा व्यय लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

विवरण	अनुसूची सं.	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
आय			
अनुदान/ सहायकी	6'	173,098,000.00	170,243,868.00
शुल्क / चंदाओं से	'7'	1,640,610.00	1,593,861.00
निवेश से आय	'8'	-	-
रायल्टी, प्रकाशन से आय आदि	'9'	50,998.00	62,864.00
ब्याज अर्जित	'10'	7,349,081.00	13,265,196.00
अन्य आय	'11'	380,687.00	1,030,290.00
कुल (अ) :		**182,519,376.00**	**186,196,079.00**
व्यय			
प्रतिष्ठापना व्यय	'12'	156,750,577.00	137,112,289.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	13'	30,010,395.68	30,245,666.00
अनुदान सहायिका पर व्यय	'14'	100,000.00	2,774,417.65
सावधि जमा पर छूट	'3'	9,136,386.50	9,401,175.50
पूर्व अवधि व्यय	15'	-	-
कुल (आ) :		**195,997,359.18**	**179,533,548.15**
शेषराशि जो व्यय से अधिक है उसे स्थायी निधि (व्यय के बाद भी बचा हुआ आय) कायिक से अंतरित / पूंजी निधि		(13,477,983.18)	6,662,530.85
आवश्यक लेखा योजना, विशेष देयता तथा	'16'	-	-
लेखा पर टिप्पणी	'16'	-	-

हस्ताक्षरित

वि.जि. शिवशंकर रेड्डी
वित्ताधिकारी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

हस्ताक्षरित

प्रो. सि. उमाशंकर
कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलन पत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
अनुसूची 1 - कायिक / पूंजी निधि :		
अ. वर्ष के आरंभ में शेष राशि	249,502,514.43	242,839,983.58
संयोजत : पूंजी निधि के लिए अंशदान / कायिक निधि :	-	-
संयोजत: कटौती : शेष राशि कुल आय / (व्यय) आय एवं व्यय लेखा से अंतरिम	-13,477,983.18	6,662,530.85
	236,024,531.25	249,502,514.43
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**236,024,531.25**	**249,502,514.43**
अनुसूची 1 अ - पूंजी रिजर्व	-	
समायोजन		
आरम्भिक शेष राशि	259,467,487.00	249,467,487.00
संयोजत : चालूवर्ष पर्चियाँ		
	-	-
	-	-
	-	5,000,000.00
	-	-
	-	-
ति.ति.दे. का विकास अनुदान	5,000,000.00	5,000,000.00
विनिर्देशित कारण इतर अनुदान	-	-
	264,467,487.00	**259,467,487.00**
कुल (अ) + (आ)	**500,492,018.25**	**508,970,001.43**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलन पत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पुट-4

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
अनुसूची - 2 : विशेष प्रयोजन / विन्यास निधि		
अ. निधियों की आरम्भिक शेष राशि		
1. ई.एम.डी.	133,939.00	195,939.00
2. 12 वी. विकास योजना और मिलाई योजना	12,569,540.00	-
3. राजीव गाँधी फेलोशिप / जे.आर.एफ.	6,038,837.65	2,233,560.65
4. जी.पी.एफ्. खाता	36,663,760.00	37,165,749.00
5. नई पेंशन निधि रसीद	15,681,703.76	4,566,447.00
6. एच.बी.ए. रिवाल्विंग फंड	12,709,438.00	11,306,989.00
7. छात्रों की निधि	7,306,279.50	5,449,115.82
8. उपहार और चंदा	1,989,894.65	1,965,780.65
9. परियोजनाएँ	5,883,352.85	4,785,966.85
10. उत्कलपीठ	8,726,438.00	7,244,329.00
11. उत्कृष्ठता केंद्र	25,297,507.00	28,335,155.00
12. डी.डी.ई.	9,154,862.13	8,361,450.13
13. योग	3,940,544.00	3,601,215.00
14. सॉप (साहित्य)	962,302.50	957,911.50
15. सॉप (शिक्षा)	821,009.00	578,790.00
16. छात्रावास निर्माण खाता	2,792,843.65	2,286,200.65
17. मेस अकौंट	879,316.25	3,227,147.25
18. सॉप (दर्शनाएँ)	720,264.50	1,092,438.00
19. नेशनल पाँडुलिपि मिशन	841,381.50	792,981.50
20. नवाचारी कार्यक्रम साहित्य (सौन्दर्यशास्त्र)	4,134,682.00	4,181,780.00
21. नवाचारी कार्यक्रम विभिन्न शास्त्रों के विभाग (प्रबंधन)	2,615,093.00	2,840,000.00
22. अतिथि गृह	-	-
	159,862,988.94	**131,168,946.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलन पत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पुट-5

अनुसूची : 2 - विशेष प्रयोजन / विन्यासनिधि

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
परिवर्धनें		
1. ई.एम.डी.	145,648.00	-
2. 12 वी. योजना	40,152,461.00	13,500,000.00
3. जे.आर.एफ. / राजीव गाँधी फेलोशिप	384,526.59	7,105,804.00
4. जी.पी.एफ्. खाता	21,131,937.00	18,012,392.00
5. नई पेंशन निधि रसीद	5,303,888.00	15,258,090.76
6. एच.बी.ए. रिवाल्विंग फंड	6,317,683.00	2,980,420.00
7. छात्रों की निधि	2,299,532.00	2,614,708.00
8. उपहार और चंदा	373,472.00	219,471.00
9. परियोजनाएँ	274,257.00	2,765,305.00
10. उत्कलपीठ	989,816.00	1,787,965.00
11. उत्कृष्ठता केंद्र	1,235,621.00	495,231.00
12. डी.डी.ई.	4,888,012.00	2,499,079.00
13. योग	227,055.00	528,779.00
14. सॉप (साहित्य)	202,074.00	4,503.00
15. सॉप (शिक्षा)	7,192.00	1,375,183.00
16. छात्रावास निर्माण खाता	689,807.00	565,209.00
17. मेस अकौंट	13,447,426.00	6,276,710.00
18. सॉप (दर्शनाएँ)	536,401.00	33,234.00
19. नेशनल पाँडुलिपि मिशन	9,387.00	48,400.00
20. नवाचारी कार्यक्रम साहित्य (सौन्दर्यशास्त्र)	72,115.00	186,173.00
21. नवाचारी कार्यक्रम विभिन्न शास्त्रों के विभाग (प्रबंधन)	90,031.00	115,408.00
22. अतिथि गृह	641,907.00	-
	99,420,248.59	**76,372,064.76**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलन पत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पुट-6

अनुसूची - 2 : विशेष प्रयोजन / विन्यास निधि		
विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
कटौतियाँ :		
1. ई.एम.डी.	58,344.00	62,000.00
2. 12 वी. योजना	2,411,313.50	930,460.00
3. जे.आर.एफ. / राजीव गाँधी फेलोशिप	2,184,756.00	3,300,527.00
4. जी.पी.एफ़. खाता	12,880,746.00	18,514,381.00
5. नई पेंशन निधि रसीद	20,651.00	4,142,834.00
6. एच.बी.ए. रिवाल्विंग फंड	4,628,379.00	1,577,971.00
7. छात्रों की निधि	614,348.00	757,544.32
8. उपहार और चंदा	418,718.00	195,357.00
9. परियोजनाएँ	2,213,170.00	1,667,919.00
10. उत्कलपीठ	534,565.00	305,856.00
11. उत्कृष्टता केंद्र	2,577,661.00	3,532,879.00
12. डी.डी.ई.	2,829,976.00	1,705,667.00
13. योग	500,040.00	189,450.00
14. सॉप (साहित्य)	23,833.00	112.00
15. सॉप (शिक्षा)	242,620.00	1,132,964.00
16. छात्रावास निर्माण खाता	1,347,466.00	58,566.00
17. मेस अकौंट	12,824,312.00	8,624,541.00
18. सॉप (दर्शनाएँ)	397,973.00	405,407.50
19. नेशनल पाँडुलिपि मिशन	785,803.00	0.00
20. नवाचारी कार्यक्रम साहित्य (सौन्दर्यशास्त्र)	21,172.50	233,271.00
21. नवाचारी कार्यक्रम विभिन्न शास्त्रों के विभाग (प्रबंधन)	83,070.50	340,315.00
22. अतिथि गृह	272,710.50	-
	47,871,628.00	**47,678,021.82**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलन पत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पुट-7

अनुसूची - 2 : विशेष प्रयोजन / विन्यास निधियाँ :		
अंतिम शेषराशि :		
1. ई.एम.डी.	221,243.00	133,939.00
2. 12 वी. योजना	50,310,687.50	12,569,540.00
3. जे.आर.एफ. / राजीव गाँधी फेलोशिप	4,238,608.24	6,038,837.65
4. जी.पी.एफ्. खाता	44,914,951.00	36,663,760.00
5. नई पेंशन निधि रसीद	20,964,940.76	15,681,703.76
6. एच.बी.ए. रिवाल्विंग फंड	14,398,742.00	12,709,438.00
7. छात्रों की निधि	8,991,463.50	7,306,279.50
8. उपहार और चंदा	1,944,648.65	1,989,894.65
9. परियोजनाएँ	3,944,439.85	5,883,352.85
10. उत्कलपीठ	9,181,689.00	8,726,438.00
11. उत्कृष्ठता केंद्र	23,955,467.00	25,297,507.00
12. डी.डी.ई.	11,212,898.13	9,154,862.13
13. योग	3,667,559.00	3,940,544.00
14. सॉप (साहित्य)	1,140,543.50	962,302.50
15. सॉप (शिक्षा)	585,581.00	821,009.00
16. छात्रावास निर्माण खाता	2,135,184.65	2,792,843.65
17. मेस अकौंट	1,502,430.25	879,316.25
18. सॉप (दर्शनाएँ)	858,692.50	720,264.50
19. नेशनल पाँडुलिपि मिशन	64,965.50	841,381.50
20. नवाचारी कार्यक्रम साहित्य (सौन्दर्यशास्त्र)	4,185,624.50	4,134,682.00
21. नवाचारी कार्यक्रम विभिन्न शास्त्रों के विभाग (प्रबंधन)	2,622,053.50	2,615,093.00
22. अतिथि गृह	369,196.50	-
कुल	**211,411,609.53**	**159,862,988.94**
अनुसूची - 2 अ. : चालू देयताएँ और प्रावधान :		
1. कार्यालय खर्चा (पानी, बिजली, दूरभाष, ए.एम.सी. आदि)	**2,815,543.00**	2,353,190.16
	-	-
कुल	**2,815,543.00**	**2,353,190.16**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

31.03.2014 के अनुसार स्थिर परिसंपत्ति की अनुसूची (2013-14 की परिसंपत्ति 01-04-2004 के पूर्व)

अनुसूची - 3 स्थिर परिसंपत्ति (मूल्यह्रास परिसंपत्ति) (1/2) (1-4-2004 के पूर्व की अर्जीत परिसंपत्ति)

क्र.सं.	विवरण	कुल खंड				मूलह्रास				कुल खंड	
		1-4-2013 के अनुसार लागत	योग 2013-14	कटौतियाँ 2013-14	31-3-2014 के अनुसार लागत	1-4-2013 के अनुसार	दर प्रति शत	2013-14 साल केलिए	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2013 के अनुसार
1	**भूमि और भवन :**	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	विद्यापीठ	19299118.00	0.00	0.00	19299118.00	7135860.00	5%	608163.00	7744023.00	11555095.00	12163258.00
	शिक्षोच्चाध्ययन भवन	132500.00	0.00	0.00	132500.00	48992.00	5%	4175.00	53167.00	79333.00	83508.00
	शिक्षोच्चाध्ययन भवन - परियोजनाएँ	7650000.00	0.00	0.00	7650000.00	2828592.00	5%	241070.00	3069662.00	4580338.00	4821408.00
2	**यंत्र और उपकरण :**				0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	योजना व्यय	125703.00	0.00	0.00	125703.00	77001.00	5%	2435.00	79436.00	46267.00	48702.00
	विद्यापीठ - योजनेतर	5042094.00	0.00	0.00	5042094.00	3088684.00	5%	97671.00	3186355.00	1855739.00	1953410.00
	विद्यापीठ - दसवी योजना	2420000.00	0.00	0.00	2420000.00	1482442.00	5%	46878.00	1529320.00	890680.00	937558.00
	विद्यापीठ - एककालिक		0.00	0.00	0.00	0.00	5%	0.00	0.00	0.00	0.00
	वोकेशनल पाठ्यक्रम	74786.00	0.00	0.00	74786.00	45812.00	5%	1449.00	47261.00	27525.00	28974.00
	उपस्कार - परियोजनाएँ	1999676.00	0.00	0.00	1999676.00	1224960.00	5%	38736.00	1263696.00	735980.00	774716.00
	आई.ए.एस.ई. - उपस्कार	2203469.00	0.00	0.00	2203469.00	1349799.00	5%	42684.00	1392483.00	810986.00	853670.00
	योगा केंद्र - उपस्कार	70163.00	0.00	0.00	70163.00	42980.00	5%	1359.00	44339.00	25824.00	27183.00
	वाल्मीकि रामायण - उपस्कार	299988.00	0.00	0.00	299988.00	183766.00	5%	5811.00	189577.00	110411.00	116222.00
	विज्ञान प्रदर्शन - उपस्कार	699243.00	0.00	0.00	699243.00	428342.00	5%	13545.00	441887.00	257356.00	270901.00
	उपस्कार - उत्कलपीठ	168533.00	0.00	0.00	168533.00	103240.00	5%	3265.00	106505.00	62028.00	65293.00
	उपस्कार - सी.ओ.ई.	618766.00	0.00	0.00	618766.00	379043.00	5%	11986.00	391029.00	227737.00	239723.00
3	**उपकरण और फिक्चर्स् :**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	विद्यापीठ - योजनेतर	24655.00	0.00	0.00	24655.00	9115.00	5%	777.00	9892.00	14763.00	15540.00
	विद्यापीठ	5295864.00	0.00	0.00	5295864.00	1958147.00	5%	166886.00	2125033.00	3170831.00	3337717.00
	उत्कलपीठ		0.00	0.00	0.00	38997.00	5%	-1950.00	37047.00	-37047.00	-38997.00
	विज्ञान प्रदर्शन - सी.ओ.ई.	154958.00	0.00	0.00	154958.00	20248.00	5%	6736.00	26984.00	127974.00	134710.00
4	**टेप्स् :**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	वेद टेप्स	216835.00	0.00	0.00	216835.00	80175.00	5%	6833.00	87008.00	129827.00	136660.00
5	**ग्रन्थालय किताबें :**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	ग्रन्थालय किताबें	1876983.00	0.00	0.00	1876983.00	694015.00	5%	59148.00	753163.00	1123820.00	1182968.00
	दसवी योजना - ग्रन्थालय किताबें	4094794.00	0.00	0.00	4094794.00	1514077.00	5%	129036.00	1643113.00	2451681.00	2580717.00
	परियोजनाएँ	30016.00	0.00	0.00	30016.00	11098.00	5%	946.00	12044.00	17972.00	18918.00
	कुल	**52498144.00**	**0.00**	**0.00**	**52498144.00**	**22745385.00**		**1487639.00**	**24233024.00**	**28265120.00**	**29752759.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

31.03.2014 के अनुसार स्थिर परिसंपत्ति की अनुसूची (2013-14 की परिसंपत्ति 01-04-2004 के पूर्व)

अनुसूची - 3 स्थिर परिसंपत्ति (मूल्यह्रास परिसंपत्ति) (2/2) (1-4-2004 के पूर्व की अर्जीत परिसंपत्ति)

क्र.सं.	विवरण	कुल खंड				मूलह्रास				कुल खंड	
		1-4-2013 के अनुसार लागत	योग 2013-14	कटौतियाँ 2013-14	31-3-2014 के अनुसार लागत	1-4-2013 के अनुसार	दर प्रति शत	2013-14 साल केलिए	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2013 के अनुसार
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पेज १ की आगे लाया	52498144.00	0.00	0.00	52498144.00	22745385.00		1487639.00	24233024.00	28265120.00	29752759.00
6	**मोटार वाहनें :**								0.00	0.00	
	मोटार वाहनें	2024744.00	0.00	0.00	2024744.00	1240317.00	10%	78443.00	1318760.00	705984.00	784427.00
7	**कम्प्यूटर :**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	प्रयोगशाला और उपस्कार	36904.00	0.00	0.00	36904.00	22606.00	10%	1430.00	24036.00	12868.00	14298.00
	कम्प्यूटर केन्द्र - कम्प्यूटरें	500000.00	0.00	0.00	500000.00	306290.00	10%	19371.00	325661.00	174339.00	193710.00
	परीक्षा इकाई - कम्प्यूटरें	500000.00	0.00	0.00	500000.00	306290.00	10%	19371.00	325661.00	174339.00	193710.00
	इन्फ्लिब्नेट - उपस्कार	650000.00	0.00	0.00	650000.00	398177.00	10%	25182.00	423359.00	226641.00	251823.00
	इन्फोनेट (एर नेट इंडिया)	249600.00	0.00	0.00	249600.00	152900.00	10%	9670.00	162570.00	87030.00	96700.00
	अनु.लेखा अस्ट्रैक्ट 2009-10 अनुसूची	258868.00	0.00	0.00	258868.00	158577.00	10%	10029.00	168606.00	90262.00	100291.00
	डी.डी.ई. कम्प्यूटर	**469627.00**	0.00	0.00	469627.00	287684.00	10%	18194.00	305878.00	163749.00	181943.00
8	**पांडुलिपियाँ :**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	परियोजनाएँ	290608.00	0.00	0.00	290608.00	107452.00	5%	9158.00	116610.00	173998.00	183156.00
	राष्ट्रीय आर्चीव्स्	106709.00	0.00	0.00	106709.00	39456.00	5%	3363.00	42819.00	63890.00	67253.00
9	**प्रकाशन :**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	आगमकोश-परियोजना	84129.00	0.00		84129.00	31110.00	5%	2651.00	33761.00	50368.00	53019.00
	संस्कृत वैभवम्	486296.00	0.00	0.00	486296.00	179808.00	5%	15324.00	195132.00	291164.00	306488.00
	आगमकोश-योजनेतर	70985.00	0.00	0.00	70985.00	26247.00	5%	2237.00	28484.00	42501.00	44738.00
	विद्यापीठ	850606.00	0.00	0.00	850606.00	531471.00	5%	15957.00	547428.00	303178.00	319135.00
	दीक्षान्त समारोह	36000.00	0.00	0.00	36000.00	13303.00	5%	1135.00	14438.00	21562.00	22697.00
	भाषा चैनल	94547.00	0.00	0.00	94547.00	34958.00	5%	2979.00	37937.00	56610.00	59589.00
	कुल	**59207767.00**	**0.00**	**0.00**	**59207767.00**	**26582031.00**		**1722133.00**	**28304164.00**	**30903603.00**	**32625736.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

31.03.2014 के अनुसार स्थिर परिसंपत्ति की अनुसूची (2013-14 की परिसंपत्ति 01-04-2004 के पूर्व)

अनुसूची - 3 स्थिर परिसंपत्ति (मूल्यह्रास परिसंपत्ति) (1-4-2004 के बाद की अर्जीत परिसंपत्ति)

क्र.सं.	विवरण	कुल खंड				मूलह्रास				कुल खंड	
		1-4-2013 के अनुसार लागत	योग 2013-14	कटौतियाँ 2013-14	31-3-2014 के अनुसार लागत	1.4.2013 के अनुसार	दर प्रतिशत	2013-14 साल केलिए	31.3.2014 के अनुसार	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2013 के अनुसार
I	भूमि और भवन :	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	योजना - परिसंपत्ति	69803753.00	0.00	0.00	69803753.00	24160572.00	5%	2282159.00	26442731.00	43361022.00	45643181.00
	योजनेतर	8071805.00	0.00	0.00	8071805.00	1323324.00	5%	337424.00	1660748.00	6411057.00	6748481.00
	एककालिक नागरिक अनुदान	30343322.00	0.00	0.00	30343322.00	8136095.00	5%	1110361.00	9246456.00	21096866.00	22207227.00
	बिजली देखभाल	2472693.00	0.00	0.00	2472693.00	837318.00	5%	81769.00	919087.00	1553606.00	1635375.00
II	यंत्र और उपकरण :				0			0	0	0	
	योजना	1828231.00	0.00	0.00	1828231.00	0.00		0.00	0.00	1828231.00	1828231.00
	योजनेतर	8605086.00	0.00	0.00	8605086.00	1171012.00	5%	371704.00	1542716.00	7062370.00	**7434074.00**
	एककालिक अनुदान	879146.00	0.00	0.00	879146.00	438022.00	5%	22056.00	460078.00	419068.00	441124.00
	उत्कृष्टता केंद्र	3451120.00	0.00	0.00	3451120.00	1881038.00	5%	78504.00	1959542.00	1491578.00	1570082.00
	एम.पी.एल.ए.डी.एस.	544609.00	0.00	0.00	544609.00	0.00	5%	27230.00	27230.00	517379.00	544609.00
	डी.डी.ई.	976238.00	0.00	0.00	976238.00	288386.00	5%	34393.00	322779.00	653459.00	687852.00
	परियोजनाएँ	154370.00	0.00	0.00	154370.00	15437.00	5%	6947.00	22384.00	131986.00	138933.00
	स्यॉप् (एस+इ+डि)	723960.00	0.00	0.00	723960.00	72396.00	5%	32578.00	104974.00	618986.00	651564.00
	योग	2630200.00	0.00	0.00	2630200.00	8700.00	5%	131075.00	139775.00	2490425.00	2621500.00
	XI. वी योजना विकास	303056.00	0.00	0.00	303056.00	30306.00	5%	13638.00	43944.00	259112.00	272750.00
	नवाचारी कार्यक्रम (सौन्दर्य शास्त्र)	138330.00	0.00	0.00	138330.00	13833.00	5%	6225.00	20058.00	118272.00	124497.00
		130925919.00	***0.00***	***0.00***	***130925919.00***	***38376439.00***		***4536063.00***	***42912502.00***	***88013417.00***	***92549480.00***

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

31.03.2014 के अनुसार स्थिर परिसंपत्ति की अनुसूची

अनुसूची - 3 स्थिर परिसंपत्ति (मूल्यह्रास परिसंपत्ति) (1-4-2004 के बाद की अर्जीत परिसंपत्ति)

क्र.सं.	विवरण	कुल खंड				मूलह्रास				कुल खंड	
		1-4-2013 के अनुसार लागत	योग 2013-14	कटौतियाँ 2013-14	31-3-2014 के अनुसार लागत	1.4.2013 के अनुसार	दर प्रतिशत	2013-14 साल केलिए	31.3.2014 के अनुसार	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2013 के अनुसार
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पेज १/४ को आगे लाया	*130925919.00*	*0.00*	*0.00*	*130925919.00*	*38376439.00*		*4536063.00*	*42912502.00*	*88013417.00*	*92549480.00*
III	**कार्यालय उपकरण/सङ्गणक यन्त्र :**								0	0	
	दसवी योजना	930000.00	0.00	0.00	930000.00	526385.00	10%	40362.00	566747.00	363253.00	403615.00
	योजनेतर विद्यापीठ परिसंपत्ति	3752565.00	132610.00	0.00	3885175.00	1478584.00	10%	227398.00	1705982.00	2179193.00	2273981.00
	एककालिक	2191256.00	0.00	0.00	2191256.00	1143723.00	10%	104753.00	1248476.00	942780.00	1047533.00
	उत्कृष्टता केंद्र	832506.00	0.00	0.00	832506.00	450953.00	10%	38155.00	489108.00	343398.00	381553.00
	उत्कलपीठ	11000.00	0.00	0.00	11000.00	6208.00	10%	479.00	6687.00	4313.00	4792.00
	डी.डी.ई.	1825146.00	475000.00	0.00	2300146.00	595246.00	10%	122990.00	718236.00	1581910.00	1229900.00
	परियोजनाएँ	1574886.00	0.00	0.00	1574886.00	543516.00	10%	103137.00	646653.00	928233.00	1031370.00
	शाब्दबोध परियोजनाएँ	281000.00	0.00	0.00	281000.00	158546.00	10%	12245.00	170791.00	110209.00	122454.00
	स्यॉप	433875.00	0.00	0.00	433875.00	195028.00	10%	23885.00	218913.00	214962.00	238847.00
	योग	439044.00	0.00	0.00	439044.00	57523.00	10%	38152.00	95675.00	343369.00	381521.00
	XI. वे योजना विकास/मिलाई योजना	4409112.00	0.00	0.00	4409112.00	1615657.00	10%	279346.00	1895003.00	2514109.00	2793455.00
	नवाचारी कार्यक्रम (सौन्दर्य शास्त्र)	697400.00	0.00	0.00	697400.00	0.00	10%	69740.00	69740.00	627660.00	697400.00
	नवाचारी कार्यक्रम (एम.ए.आई.एम.टी)	0.00	1884341.00	0.00	1884341.00	0.00	10%	0.00	0.00	1884341.00	0.00
IV	**फर्निचर और फिक्सरें :**										
	बारहवी योजना	0.00	2284077.00	0.00	2284077.00	0.00	**5%**	0.00	0.00	2284077.00	0.00
	ग्यारहवी योजना विकास	777840.00	0.00	0.00	777840.00	109092.00	5%	33437.00	142529.00	635311.00	668748.00
	योजनेतर	17788231.00	2540145.00	0.00	20328376.00	2016411.00	5%	788591.00	2805002.00	17523374.00	15771820.00
	एककालिक अनुदान (उपकरण)	3378502.00	0.00	0.00	3378502.00	1125151.00	5%	112668.00	1237819.00	2140683.00	2253351.00
	उत्कृष्टता केंद्र	262203.00	0.00	0.00	262203.00	87770.00	5%	8722.00	96492.00	165711.00	174433.00
	उत्कलपीठ	190178.00	0.00	0.00	190178.00	68975.00	5%	6060.00	75035.00	115143.00	121203.00
	डी.डी.ई.	190584.00	146830.00	0.00	337414.00	46438.00	5%	7207.00	53645.00	283769.00	144146.00
	शाब्दबोधा	74500.00	0.00	0.00	74500.00	24938.00	[illegible]	2478.00	27416.00	47084.00	49562.00
	नवाचारी कार्यक्रम (सौन्दर्य शास्त्र)	1298600.00	0	0	1298600.00	64930.00	5%	61684.00	126614.00	1171986.00	1233670.00
V	**पांडुलिपियाँ :**										
	राष्ट्रीय आरचीव (परियोजनाएँ)	64798.00	0.00	0.00	64798.00	19484.00	5%	2266.00	21750.00	43048.00	45314.00
	सर्वेक्षण किए पांडुलिपियाँ	69353.00	0.00	0.00	69353.00	24878.00	5%	2224.00	27102.00	42251.00	44475.00
	उत्कृष्टता केंद्र	*28000.00*	*0.00*	*0.00*	*28000.00*	*9373.00*	*0.05*	*931.00*	*10304.00*	*17696.00*	*18627.00*
		172426498.00	*7463003*	*0*	*179889501.00*	*48745248.00*		*6622973.00*	*55368221.00*	*124521280.00*	*123681250.00*

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

31.03.2014 के अनुसार स्थिर परिसंपत्ति की अनुसूची

अनुसूची - 3 स्थिर परिसंपत्ति (मूल्यह्रास परिसंपत्ति) (1-4-2004 के बाद की अर्जीत परिसंपत्ति)

क्र.सं.	विवरण	कुल खंड				मूलह्रास				कुल खंड	
		1-4-2013 के अनुसार लागत	योग 2013-14	कटौतियाँ 2013-14	31-3-2014 के अनुसार लागत	1.4.2013 के अनुसार	दर प्रतिशत	2013-14 साल केलिए	31.3.2014 के अनुसार	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2013 के अनुसार
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पेज २/४ को आगे लाया	***172426498.00***	***7463003.00***	***0.00***	***179889501.00***	***48745248.00***		***6622973.00***	***55368221.00***	***124521280.00***	***123681250.00***
VI	**ग्रन्थालय किताबें :**										
	दसवी योजना	*1967466.00*	0.00	0.00	1967466.00	686276.00	5%	64060.00	750336.00	1217130.00	1281190.00
	ग्यारहवी योजना	1688253.00	0.00	**0.00**	1688253.00	182124.00	**5%**	75306.00	257430.00	1430823.00	**1506129.00**
	योजनेतर विद्यापीठ	1019785.00	63639.00	0.00	1083424.00	238361.00	5%	39071.00	277432.00	805992.00	781424.00
	बारहवीं योजना	417623.00	560737.00	0.00	978360.00	0.00		0.00	0.00	978360.00	417623.00
	उत्कृष्टता केंद्र	2309706.00	0.00	0.00	2309706.00	731445.00	5%	78913.00	810358.00	1499348.00	1578261.00
	उत्कलपीठ	60306.00	0.00	0.00	60306.00	17567.00	5%	2137.00	19704.00	40602.00	42739.00
	डी.डी.इ.	550857.00	0.00	0.00	550857.00	77591.00	5%	23663.00	101254.00	449603.00	473266.00
	संस्कृत वैभवम्	420299.00	0.00	0.00	420299.00	154673.00	5%	13281.00	167954.00	252345.00	265626.00
	यंत्र अनुवाद किताबें	14123.00	0.00	0.00	14123.00	5197.00	5%	446.00	5643.00	8480.00	8926.00
	परियोजनाएँ	18726.00	0.00	0.00	18726.00	4923.00	5%	690.00	5613.00	13113.00	13803.00
	स्यॉप (साहित्य, शिक्षा, दर्शनास)	987756.00	104812.00	0.00	1092568.00	112291.00	5%	43773.00	156064.00	936504.00	875465.00
	योग	162522.00	0.00	0.00	162522.00	8642.00	5%	7694.00	16336.00	146186.00	153880.00
	शाब्दबोध परियोजना	74928.00	0.00	**0.00**	74928.00	23458.00	5%	2574.00	26032.00	48896.00	51470.00
	नवाचार्य पाठ्यक्रम (सौंदर्य शास्त्र, प्रबंधन)	80540.00	0.00	**0.00**	80540.00	3422.00	5%	3856.00	7278.00	73262.00	77118.00
VII	**खेल उपकरण :**		**0**	**0**		**0**		**0**	0	**0**	**0**
	योजनेतर	348025.00	0.00	0.00	348025.00	42901.00	5%	15256.00	58157.00	289868.00	**305124.00**
	एककालिक	99450.00	0.00	0.00	99450.00	29809.00	5%	3482.00	33291.00	66159.00	69641.00
		182646863.00	***8192191.00***	***0.00***	***190839054.00***	***51063928.00***		***6997175.00***	***58061103.00***	***132777951.00***	***131582935.00***

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

31.03.2014 के अनुसार स्थिर परिसंपत्ति की अनुसूची

अनुसूची - 3 स्थिर परिसंपत्ति (मूल्यह्रास परिसंपत्ति) (1-4-2004 के बाद की अर्जीत परिसंपत्ति)

क्र.सं.	विवरण	कुल खंड				मूलह्रास				कुल खंड	
		1-4-2013 के अनुसार लागत	योग 2013-14	कटौतियाँ 2013-14	31-3-2014 के अनुसार लागत	1.4.2013 के अनुसार	दर प्रतिशत	2013-14 साल केलिए	31.3.2014 के अनुसार	31-3-2014 के अनुसार	31-3-2013 के अनुसार
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पेज ३/४ को आगे लाया	***182646863.00***	***8192191.00***	***0.00***	***190839054.00***	***51063928.00***		***6997175.00***	***58061103.00***	***132777951.00***	***131582935.00***
VIII	**प्रकाशन :**										
	योजना										
	योजनेतर विद्यापीठ	7595360.00	192376.00	365912.00	7421824.00	1538642.00	5%	302836.00	1841478.00	5580346.00	6056718.00
	XII. वी योजना	78885.00	0.00	0.00	78885.00	0.00	5%	3944.00	3944.00	74941.00	78885.00
	उत्कृष्ठता केंद्र	266415.00	0.00	0.00	266415.00	98042.00	5%	8419.00	106461.00	159954.00	168373.00
	उत्कलपीठ	51613.00	0.00	0.00	51613.00	18995.00	5%	1631.00	20626.00	30987.00	32618.00
	प्रकाशित पाठ्य पुस्तकें (एम्.एच्.आर्.डी.)	85800.00	0.00	0.00	85800.00	31576.00	5%	2711.00	34287.00	51513.00	54224.00
	शास्त्रार्थ गोष्ठी	38200.00	0.00	0.00	38200.00	14059.00	5%	1207.00	15266.00	22934.00	24141.00
	आगम कोश	336363.00	0.00	0.00	336363.00	112931.00	5%	11172.00	124103.00	212260.00	223432.00
	विज्ञान प्रदर्शन	20703.00	0.00	0.00	20703.00	7616.00	5%	654.00	8270.00	12433.00	13087.00
	XI. वी योजना विकास/मिलाई योजना	736510.00	0.00	0.00	736510.00	81602.00	5%	32745.00	114347.00	622163.00	654908.00
IX	**टेप्स :**		0.00	0.00		0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	सी.ओ.ई.	31500.00	0.00	0.00	31500.00	9442.00	5%	1103.00	10545.00	20955.00	22058.00
X	**हॉस्टल उपकरण :**	687495.00	1040314.00	0.00	1727809.00	96124.00	5%	29569.00	125693.00	1602116.00	591371.00
XI	**आरोग्य केंद्र उपकरण**		0.00	0.00				0.00	0.00	0.00	0.00
	XI. वी योजना विकास	**389704.00**	0.00	0.00	389704.00	40214.00	5%	17475.00	57689.00	332015.00	349490.00
	लडकियों की इनफ्रास्ट्रक्चर	98000.00	0.00	0.00	98000.00	25761.00	5%	3612.00	29373.00	68627.00	72239.00
	कुल योग .	***193063411.00***	***9424881.00***	***365912.00***	***202122380.00***	***53138932.00***		***7414253.00***	***60553185.00***	***141569195.00***	***139924479.00***

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूची III - वर्ष 2013-14 के लिए मूलह्रास सार

		एन.ए.वि. 31.03.2014	कुल मूलह्रास 2013-2014
कुल मूल ह्रास परिसंपत्ति (31-3-2004 तक अर्जीत)	पृ.सं. 8 एवं 9	**30,903,603.00**	**1,722,133.50**
कुल अर्जीत परिसंपत्ति (1-4-2004 के बाद अर्जीत)	पृ.सं. 10 - 13	**141,569,195.00**	**7,414,253.00**
31-3-2014 तक की कुल परिसंपत्ति का मूल्य		**172,472,798.00**	**9,136,386.50**

समकेत		ओ.बी.	योग	जांच	सी.बी.	मूलह्रास	एन.ए.वि. ३१.०३.२०१४ के अनुसार
३१.०३.२००४ तक कुल अर्जित परिसंपत्ति		59207767	0	0	59207767	28304164	30903603
०१.०४.२००४ के बाद की कुल अर्जित परिसंपत्ति		193063411	9424881	365912	202122380	60553185	141569195
	कुल परिसंपत्ति	252271178	9424881	365912	261330147	88857349	**172472798**
वर्ष २०१३-१४ में विविध शिर्षकों के अर्जीत परिसंपित्तियों का विवरण							
योग/जांच, वर्षमें			**योग**	**जांच**			
जी.आई.ए. / योजना			0				
योजनेतर			3969084	365912			
बारह वीं योजना विकास			2844814				
बारह वीं योजना जोड स्कीमस्			0				
परियोजनाएँ							
डी.डी.ई.			621830				
सॉप (एस., ई., डी.)			104812				
उत्कल पीठ							
योग			0				
नवाचार्य पाठ्यक्रम (एम.ए.आई.एमटी.)			1884341				
			9424881	**365912**			

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलनपत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
अनुसूची-4 : निवेशों के लिए निधि		
स्थिर जमा का लेखा :		
1. जी.आई.ए.	90,000,000.00	100,000,000.00
2. परियोजनाएँ	-	-
3. सी.ओ.ई.	-	-
4. उत्कलपीठ-एफ्.डी.	8,216,431.00	7,850,000.00
5. डी.डी.ई.	2,000,000.00	2,000,000.00
6. जी.पी.एफ्.	39,007,545.00	35,493,614.00
7. एच्.बी.ए.	13,027,845.00	11,996,983.00
8. उपहारों और विन्यास	1,748,587.00	1,929,645.00
9. पेंशन निधि	-	-
10. छात्रावास निर्माण खाता	1,755,270.00	1,755,270.00
11. छात्रनिधि	5,198,097.00	4,985,346.00
	-	
	-	
	-	
	-	
कुल	**160,953,775.00**	**166,010,858.00**
अनुसूची - 5 : चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण तथा पेशगियाँ		
अ. चालू परिसंपत्तियाँ		
1. वस्तुसूचियाँ (लेखन सामग्री)	-	-
2. फुटकर ऋणों एन.एस.डी.एल. एन.पी.एफ.	15,727,002.00	11,986,690.00
	-	-
	-	-
4. बैंक अंत: शेष : एस्.बी. / सी.ए.	-	
1. जी.आई.ए. और अन्य	29,430,045.83	35,076,490.83
2. 12वी. योजना	25,593,433.50	6,583,032.00
3. जे.आर.एफ./राजीव गाँधी फेलोशिप	4,238,608.24	6,038,837.65

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलनपत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
4. जी.पी.एफ़.	5,907,406.00	1,170,146.00
5. नया पेंशन निधि	5,237,938.76	3,695,013.76
6. एच.बी.ए.	1,370,897.00	712,455.00
7. छात्र निधि	3,739,366.50	2,309,933.50
8. उपहार और विन्यास	196,061.65	60,249.65
9. परियोजनाएँ	2,170,859.85	4,109,772.85
10. उत्कल पीठ	739,439.00	666,619.00
11. सी.ओ.ई.	4,155,251.00	5,497,291.00
12. डी.डी.ई.	6,080,373.13	4,644,167.13
13. योग	367,060.00	640,045.00
14. सॉप साहित्य	98,133.50	4,892.50
15. सॉप शिक्षा	85,062.00	320,490.00
16. छात्रवास निर्माण खाता	379,914.65	1,037,573.65
17. मेस खाता	1,502,430.25	879,316.25
18. सॉप (दर्शनाएँ)	66,218.50	32,602.50
19. नेशनल पाँडुलिपि मिशन	64,965.50	841,381.50
20. नवाचारी कार्यक्रम साहित्य (सौन्दर्यशास्त्र)	1,982,862.50	1,931,920.00
21. नवाचारी कार्यक्रम विभिन्न शास्त्रों के विभाग (प्रबंधन)	737,712.50	2,615,093.00
22. ट्रान्सिट हॉस्टल (अतिथि गृह)	369,197	-
5. ए.पी.एस.ई.बी. जमा	12,450	12,450.00
6. टी.टी. ट्रेडर्स (ग्यास कनेक्शन)	20,400.00	20,400.00
कुल (अ)	**110,273,088.36**	**90,886,862.77**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों का प्रपत्र तुलनपत्र का भाग (वित्तीय वर्ष 2013-14)

विवरण (अनुसूची - 5)		चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
आ) ऋण, पेशगियाँ तथा अन्य परिसंपत्ति			
1. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग कार्य हेतु पेशगी	219,661,322.31		
अ) जी.आई.ए. से पेशगी (एन.पी. देखभाल-	1,000,000.00		
आ) जी.आई.ए.से. पेशगी (टी.टी.डी. अनुदान	1,000,000.00		
इ) ओ.बी.सी. अनुदान	-		
ई) बारहवीं योजना	15,000,000.00		
उ) एनपी नागरिक सेवाएँ	-		
ऊ) एककालिक	-		
ऋ) मिलाई योजना	-		
सी.पी.डब्लू.डी. से कुल पेशगी	236,661,322.31		
निकास : भवन खर्चा प्रतिपूर्ति			
अ) नागरिक सेवा			
आ) बिजली काम (ए.एम.सी.)			
इ) राजस्व खर्चा ए.एम.सी. (बिजली)		236,661,322.31	219,661,322.31
2. लिए हुए वापसी	-	-	-
3. ली गयी पेशगी	21,675,922.00	-	-
जोड : चालू वर्ष का भुगतान	20,152,093.00	-	-
	41,828,015.00	-	-
निकास : चालू वर्ष की वसूलियाँ	14,069,493.00	27,758,522.00	21,675,922.00
4. भवन निर्माण पेशगी		-	-
निकास : वसूलियाँ		-	
5. वसूलीयोग्य धन अग्रिम	6,599,665.00	6,599,665.00	401,000.00
6. पूर्व दत्त बीमा और ए.एम.सी. खर्चा (2010-11)			
	कुल (आ)	**271,019,509.31**	**241,738,244.31**
	कुल (अ) + (आ)	**381,292,597.67**	**332,625,107.08**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचि के वित्तीय वर्ष 2013-14 की आय व्यय का भाग

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
अनुसूची - 6 : अनुदान और आर्थिक सहायता (आवर्ती)		
(अटल अनुदान और आर्थिक सहाय प्राप्त)		
अ. वि.अ.ए. से (योजनेतर)	172,998,000.00	163,534,000.00
आ. भारत सरकार से	-	-
इ. अन्य स्रोतों से (वि.अ.ए.) राजभाषा	100,000.00	100,000.00
ई. परियोजनाओं से धन स्थानांतरण (ओ.बी.सी. आदि)	-	6,609,868.00
	-	-
	173,098,000.00	**170,243,868.00**
अनुसूची - 7 : शुल्क / सदस्यताएँ		
आर. तथा पी - परीक्षा शुल्क वसूली :	1,640,610.00	1,593,861.00
		-
कुल	**1,640,610.00**	**1,593,861.00**
अनुसूची - 8 : निवेश से आय		
अ. विशेष / विन्यास निधियाँ	-	-
आ. स्व - निधियाँ	-	-
इ. परियोजनाएँ	-	
कुल	-	-
अनुसूची - 9 : रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय		
प्रकाशन की बिक्री	**50,998.00**	62,864.00
कुल	**50,998.00**	**62,864.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचि के वित्तीय वर्ष 2013-14 की आय और व्यय का भाग

विवरण		चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
अनुसूची - 10 : ब्याज आर्जित			
अ. बैंक जमा पर एफ.डी.		5,858,762.00	10,555,871.00
आ. ऋण, पेशगी		149,511.00	161,672.00
इ. बचत खाते पर ब्याज आर्जित		1,340,808.00	2,547,653.00
कुल		**7,349,081.00**	**13,265,196.00**
अनुसूची - 11 : अन्य आय			
अ. पाठ्यक्रम और आवेदन की बिक्री.		139,195.00	63,300.00
आ. अतिथि निवास का किराया		-	397,425.00
इ. अन्य आय		4,640.00	454,821.00
ई. अनुज्ञप्ति शुल्क वसूली (मकान)		161,960.00	100,055.00
उ. ग्रंथालय दंड और शुल्क		-	14,689.00
ऊ. मकानों से पानी खर्चा वसूली		-	-
ऋ. अन्य विभागों से आय		74,892.00	-
कुल		**380,687.00**	**1,030,290.00**
अनुसूची - 12 : प्रतिष्ठापना व्यय			
वेतन व भत्ते	115,208,940.00		-
	-	115,208,940.00	100,177,664.00
चिकित्सा भत्ता		2,764,195.00	1,341,732.00
यात्रा भत्ता और स्वलाभ		6,166,274.00	7,254,310.00
छात्रवृत्तियाँ		4,961,783.00	3,953,964.00
सेवा निवृत्ति लाभ	25,312,754.00	0	-
जोड : बकाय व्यय	-	25,312,754.00	22,182,743.00
एल.टी.सी.		2,336,631.00	2,201,876.00
कुल (अनुसूची - आर. तथा पी. हेच(अ)		**156,750,577.00**	**137,112,289.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचि के वित्तीय वर्ष 2013-14 की आय और व्यय का भाग

विवरण		चालू वर्ष 31.03.2014	पूर्व वर्ष 31.03.2013
अनुसूची - 13 : अन्य प्रशासनिक व्यय			
आकस्मिक व्यय : अनुसूची-एच्(बी)/आर तथा पी	32,363,585.84		
कम : पूर्व वर्ष की बकाया व्यय	2,353,190.16	30,010,395.68	30,252,540.50
कुल		**30,010,395.68**	**30,252,540.50**
अनुसूची - 14 : अनुदान पर व्यय और		-	540,857.00
(अनुसूची आई. - आर तथा पी) भाषण प्रतियोगिता आय (संस्थान)		100,000.00	2,233,560.65
कुल		**100,000.00**	**2,774,417.65**
अनुसूची - 15 : पूर्व समय का व्यय		-	-
कुल		-	-

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति - (आंध्रप्रदेश)

अनुसूची 16 : आवश्यक लेखा नीति ता लेखा पर टिप्पणी

1. विद्यापीठ की लेखा इस साल प्रोद्भवन पर आधारित है ।
2. स्थिर परिसंपत्ति को लागत मूल्य पर (किताब मूल्य) आंका गया है ।
3. स्थिर परिसंपत्ति का मूल्य पिछले साल और आगे इस साल के दौरान समांतर रेखा विधि के अंतर्गत कम किया गया है । (डब्ल्यू.डी.वी.) के आधार पर विद्यापीठ का अधिकारिक समिति ने यह निर्णय लिया है ।
4. निवेश से अन्य परियोजनाओं की आय जो सरकारी संस्थाओं से मिली उसी वर्ष के दौरान अलग-अलग प्रधानों के खातों में जमा की गई है ।
5. सेवा निवृत्ति कर्मचारियों की पेंशन तथा उपहार का खर्च वि.अ.ए. से प्राप्त अनुदान से पूरा किया गया है ।
6. विशेष प्रयोजन के लिए अलग खाता रखा गया है ।
7. सामान्य भविष्य निधि एवं नए पेंशन निधि की देखरेख के लिए विद्यापीठ अलग खाता बनाए रखा है ।
8. दिनांक 1.1.2004 से नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के लिए विद्यापीठ ने नई पेंशन नीति अपनायी है तथा उसके अनुसार लेखा निर्माण किया गया है।
9. निवेश केवल राष्ट्रीय कृत बैंकों में ही किया गया है ।
10. अति आय पर खर्चा/अति खर्चा पर ओवर आय, धनराशि कार्पस फंड को स्थानांतरण किया जाता है ।
11. तिरुपति-तिरुमल देवस्थानम् ने विद्यापीठ के लिए 41.48 एकड भूमि 99 साल तक लीज में भूदान किया है । उसका लीज भाटक हरसाल विद्यापीठ खाता से ति.ति.देवस्थान को देते हैं ।
12. नागरीक काम विद्यूत कार्यों को सी.पी.डब्ल्यू.डी. से केंद्रित विद्यापीठ जमा में से पूर्ति की जाती है और लेखा का देखभाल और आवश्यक जरूरतों को संबंधीत पुस्तक मे दर्ज किया जाता है ।
13. सभी सांविधिक वसूलियों को कर्मचारियों से बनाई जाती है और हर माह संबंधित विभागों को भेजा जाता है ।
14. सभी परियोजनाएँ/ कायिक निधियों का लेख अलग-सा बनाया जाता है और अंतिम लेखा में सम्मिलित किया जाता है ।
15. छात्रावास स्थापना और मेस लेखाओं को बनाया जाता है और अंतिम लेखा जैसा है महालेखा के आदेशानुसार परिशिष्ट किया जाता है ।
16. यू.जी.सी. मानदंडों के अनुसार अनुदान अहसास आधार पर हिसाब हैं ।
17. वि.अ.ए. के अनुसार नया पेंशन निधि को एस.एस.डी.एल. में जमा किया गया ।
18. इस वित्तीय साल से अतिथि गृह खाता भी प्रवेश किया गया है ।

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)
अनुदान मदद लेखा (लिंक किए गए अनुसूचियाँ)
बचत खाता नं. 14661010000034

पृ.सं. 21 (1/22)

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पर्चियाँ	रुपये	भुगतान	रुपये
I. प्रारम्भिक शेषराशि (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ऐ)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	156,750,577.00
आ. बैंक में शेषराशि		आ. प्रशासन व्यय	28,363,585.84
i) चालू खाता में		इ. पूर्वदत्त व्यय (2013-14)	-
ii) जमा खाता में	-	ई. बकाया व्यय (2012-13)	2,353,190.16
iii) बचत खाता में	35,076,490.83		
		II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान (अनुसूची-ओ)	-
II. अनुदान प्राप्त (अनुसूची-आ)			
अ. वि.अ.ए. से	-		
योजनेतर अनुदान	*172,998,000.00*	**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-औ)**	-
ग्यारहवीं योजना अनुदान	-	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधि	-
बारहवीं योजना अनुदान	40,000,000.00	आ. निजि निधि के अलावा	
भाषण प्रतियोगिता (संस्थान)	100,000.00		-
आ. भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद	260,000.00		
(एम.एच.आर.डी.)	-	**IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-क)**	
इ. वि.अ.ए./जे.आर.एफ./राजीव छात्रवृत्ति	-	अ. सावधि परिसंपत्तियों का क्रय	3,969,084.00
ई. अन्य रूप से / साप	5,000,000.00	आ. चालू कार्य पर व्यय	-
उ. राज्य सरकार, तिरुमल तिरुपति देवस्थान	-	(कार्य के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को भुगतान)	
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)	-		
अ. विशेष निधि	-	**V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-ख)**	
आ. एफ.डी.आर. की परिपक्वता मूल्य	10,000,000.00	अ. ई.एम.डी. को	58,344.00
इ. निजी निधि जी.आई.ए. एफ.डी.आर.एस.		आ. इंडियन काउन्सिल ऑफ सोषल शोध एम.एच.	260,000.00
		इ. बारहवीं योजना अनुदान	40,000,000.00
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		उ. बैंक शुल्क	-
अ. बैंक जमा पर	1,340,808.00	**VI. वित्तव्यय (अनुसूची-ग)**	-
आ. एफ.डी. पर	5,858,762.00	**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-घ)**	
इ. अग्रीम पर कर्मचारियों से ब्याज	149,511.00	इलक्यूशन कान्टेस्ट खर्चा (संस्थान)	100,000.00
		बी.सी./जे.आर.एफ. आदि छात्रवृत्तियाँ	-
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)	2,072,295.00	छात्रावास खर्चा (ती.ती.दे. अनुदान)	4,000,000.00
		पेशगी वसूली	20,152,093.00
		सी.पी.डब्लू.डी. को पेशगी	1,000,000.00
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)	-	सी.पी.डब्लू.डी. को पेशगी योजनेतर	1,000,000.00
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ए)		**VIII. अंत: शेष (अनुसूची-च)**	
ई.एम.डी. प्राप्त	145,648.00	अ. हाथ में नकद	-
प्रकाशन बिक्री मूल्य (अग्रिम)	365,912.00	आ. बैंक में जमा	
अग्रिम वसूली	14,069,493.00	i) चालू खाता में	-
पूर्वदत्त बीमा (2009-10)		ii) जमा खाता में एफ.डी.आर.एस.	-
		iii) बचत खाता में	*29,430,045.83*
कुल :	287,436,919.83	**कुल :**	287,436,919.83

हस्ताक्षरित
वि.जि. शिवशंकर रेड्डी
वित्ताधिकारी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

हस्ताक्षरित
सि. उमाशंकर
कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (i)

अनुसूची सं अ : प्रारम्भिक शेषराशि

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
अ	हाथ में नगद राशि			-
आ	बैंक में शेष राशि			35,076,490.83
i)	चालू खाता		-	
ii)	एफ.डी. खाता			
iii)	बचत खाता		-	
	योजनेतर अनुदान एककालिक ओ.बी. सहित	22,683,608.83	22,683,608.83	
	योजनेतर कुल		-	
	ग्यारहवी योजना का विकास	4,034,662.00	-	
	ग्यारहवी योजना जोड स्कीमस	8,215,738.00	12,250,400.00	
	ओ.बी.सी.	8,543.00	8,543.00	
		-	-	
		-		
	आय-व्यय के अलावा			
	ई.एम.डी.	*133,939.00*		
			133,939.00	
	कुल : .		35,076,490.83	35,076,490.83

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (ii)

अनुसूची सं आ : प्राप्त अनुदान

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
1	**यू.जी.सी. अनुदान (आवर्तक)**			
	योजनेतर निर्वाह (2013-14)	172,998,000.00	172,998,000.00	172,998,000.00
2	**वि.अ.ए. अनुदान (अनावर्ती)**			
	११वीं योजना विकास प्राप्त अनुदान २०१२-१३			
	ग्यारह वी योजना का जोड स्कीम	-		
	ओ.बी.सी.	-		
	बारहवीं योजना विकास अनुदान	40,000,000.00		
		40,000,000.00	40,000,000.00	40,000,000.00
3	**वि.अ.ए. अनुदान (अन्य कार्यक्रम)**	-	-	-
	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान	100,000.00	100,000.00	100,000.00
4	**मा.सं.वि.मं. से अनुदान (अनावर्ती)**			
	एम.एच.आर.डी.	260,000.00	260,000.00	260,000.00
	अ.भा.स.प्र.युवा उत्सव	-	-	-
5	**वि.अ.ए. / राज्य सरकारों से / धनराशि**			
	अ. आवर्तक अनुदान			
	आ. अनावर्तक अनुदान (ति.ति.दे.)	-	-	-
	ति.ति.दे.	5000000.00	5000000.00	5000000.00
	कुल : .	-	218,358,000.00	218,358,000.00

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा
(वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (iii)

अनुसूची सं इ : निवेश से आय

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
1	**विशेष निधियाँ**			
	अ. विन्यास निधि	-	-	-
	आ. निजी निधि जी.आई.ए. एफ.डी.आर.	10,000,000.00		-
	कुल : .	**10,000,000.00**	**10,000,000.00**	**10,000,000.00**

अनुसूची सं ई. ब्याज प्राप्त

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
1	**ब्याज प्राप्त**			
	अ. ब्याज प्राप्त			
	बचत बैंक	1,340,808.00	1,340,808.00	-
	स्थिर जमा	5,858,762.00	5,858,762.00	
	आ. स्कूटर, साइकिल आदि की अग्रीम पर ब्याज	149,511.00	149,511.00	7,349,081.00
	कुल : .	**7,349,081.00**	**7,349,081.00**	**7,349,081.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा

(वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (iv)

अनुसूची सं उ. अन्य आय

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
	अन्य आय			
	अ. प्रकाशन की बिक्री से लाभ	50,998.00	50,998.00	50,998.00
	अन्य पर्चियाँ		-	
1	परीक्षा शुल्क/पाठ्यक्रम शुल्क संग्रह	1,640,610.00	1,640,610.00	1,640,610.00
2	मकानों से पानी शुल्क	-	-	-
3	अतिथि गृह शुल्क	-	-	-
4	पाठ्यविवरण एवं अर्जी बेचने से	139,195.00	139,195.00	139,195.00
5	मकानों के लैसेन्स शुल्क	161,960.00	161,960.00	161,960.00
6	ग्रन्थालय दंड / आदि	-	-	-
7	अनुसंधान विद्वानों की विभागीय सहायता	-	-	-
	आ. क्वाईन बाक्स शुल्क	-	-	-
	आर.आई.ए.	4,640.00	4,640.00	4,640.00
	टेंडरों की बिक्री	-	-	-
	अखिल भारत प्राच्य सम्मेलन	-	-	-
	अन्यस्रोतों से किराए पर	74,892.00	74,892.00	74,892.00
	अन्य	-	-	-
	कुल : .	2,072,295.00	2,072,295.00	2,072,295.00

अनुसूची सं ऊ. लाई गई राशि/प्रतिपूर्ती

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
1				

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा

(वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (v)

अनुसूची सं ऋ. अन्य पर्चियाँ

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
	ई.एम.डी. प्राप्त	145,648.00	-	145,648.00
	बिक्री प्रकाशन का मूल्य	365,912.00	-	365,912.00
	कुल अ : .	511,560.00	511,560.00	511,560.00
	पेशगी वसूली			
1	त्योहार पेशगी	-	-	
2	पंखा पेशगी	-	-	
3	साइंकिल पेशगी	-	-	
4	कार पेशगी	14,069,493.00	14,069,493.00	14,069,493.00
5	कम्प्यूटर पेशगी	-	-	
6	अन्य पेशगी	-	-	
7	मोटर साइकिल पेशगी	-	-	
8	रियायत यात्रा छुट्टी पेशगी	-	-	
	कुल आ : .	14,069,493.00	14,069,493.00	14,069,493.00
इ.	**पूर्व भुगतान बीमा (2012-13)**	-	-	-
	कुल अ + आ + इ : .		14,581,053.00	14,581,053.00

अनुसूची सं ए. प्रतिष्ठापना तथा प्रशासनिक व्यय

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
अ	**प्रतिष्ठापना व्यय**			
	वेतन तथा भत्ता योजनेतर	115,208,940.00	-	
	ओ.बी.सी.	115,208,940.00	115,208,940.00	
	नियमित पेंशन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की			
	बकाया	14,139,124.00		
	वर्ष सेवानिवृत्ति लाभों के दौरान	11,310,480.00		
	कम : सत्यनारायणाचार्य के संबंध में एल.एस. और पेंशन वसूलियाँ	136,850.00	25,312,754.00	
	छुट्टी भुनाना	227,597.00	227,597.00	
	एलटीसी	2,336,631.00	2,336,631.00	
	बाल शिक्षा भत्ता	1,522,952.00	1,522,952.00	
	बाहरी कर्मचारियों को एल.एस और पी.एस भुगतान किया (वी सी)	236,844.00	236,844.00	
	एन.पी.एफ. कर्मचारियों की भुगतानी	2,715,626.00	2,715,626.00	
	चिकित्सा व्यय	2,764,195.00	2,764,195.00	
	यात्रा भत्ता (भारत)	1,463,255.00		
	यात्रा भत्ता (विदेश)	-	1,463,255.00	
	विद्यापीठ में छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ भुगतान	4,961,783.00	4,961,783.00	156,750,577.00
	कुल अ : .		156,750,577.00	156,750,577.00

अनुसूची सं ऐ. प्रतिष्ठापना तथा प्रशासनिक व्यय (सतत)

आ	एन.पी. प्रशासनिक व्यय			-
	किराया मूल्य तथा कर		335,580.00	
	पानी खर्चा		-	
	बिजली खर्चा		8,350,279.00	
	ग्रन्थालय पत्रिकाएँ		149,520.00	
	दूरभाष		486,365.00	
	डाक एवं तार		106,204.00	
	लेखन सामग्री तथा छपाई		958,208.00	
	महालेखा शुल्क		12,755.00	
	वैध अधिकार		11,640.00	
	मरम्मत तथा रखरखाव सार्वजनिक आदि कार्य (लघु)		243,115.00	
	कर्मचारी कार रखरखाव		648,353.00	
	समिश्रिता तथा सामान्य सतत		1,234,015.00	
	विज्ञापन		2,182,407.00	
	शैक्षिक विस्तार गतिविधियाँ		-	
	सेमिनार और सम्मेलनों		-	
	दीक्षान्त, वार्षिक समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम		1,496,464.00	
	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सदस्यता शुल्क		50,000.00	
	छात्रवास तथा अन्य सुविधाएँ		1,229,363.00	
	परीक्षाएँ		1,878,831.00	
	पुरस्कार		27,840.00	
	कानूनी व्यय		224,166.00	
	सायंकालीन पाठ्यक्रम		-	
	खेलकूद		195,561.00	
	एन.एम.आर की मजदूरी		3,305,928.00	
	राजभाषा		-	
	ए.एम.सी. - सुरक्षाबल		3,256,734.00	
	- सानिटरी		1,985,843.00	
	- बाग		1,733,805.00	
	- बीमा किस्त	159,081.00	-	
	जोड : पूर्वदत्त व्यय	-	-	
	निकास : पूर्वदत्त व्यय (2011-12)	-	159,081.00	
	पेस्ट कंट्रोल		108,000.00	
	उपकरण के लिए ए.एम.सी. आदि		346,719.00	
		-	-	
			30,716,776.00	
	निकास : बकाया व्यय (पानी और बिजली) 2011-12	505,748.00	2,353,190.16	**28,363,585.84**
	बाग, दूरवाणी, पेस्ट कंट्रोल, सेक्यूरिटी, सुलभ			
	कुल आ : .			**28,363,585.84**

अनुसूची सं. ओ : पूर्वदत्त व्यय (सतत)

क्र.सं.				
इ.	**पूर्वदत्त व्यय :**			
	पूर्वदत्त बीमा		-	
	पूर्वदत्त ए.एम.सी.		-	
	कुल इ : .		-	-
ई.	**बकाया व्यय** (2012-13)			
	वेतन और भत्ता		-	
	निवृत्ति लाभ		-	
	पानी और बिजली		2,353,190.16	
	कुल ई : .		2,353,190.16	2,353,190.16
	कुल योग (अ+आ+इ+ई) : .			187,467,353.00

अनुसूची सं औ. परियोजनाओं से बनाया हुआ वेतन/योजना स्कीम

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
1	ग्यारहवी योजना मिलाया स्कीम व्यय			
	यात्रा अनुदान	-	-	
	ग्यारहवी योजना संदर्शन समूह	-		
	सम्मेलन और संगोष्ठियाँ	-	-	-
	प्रकाशन अनुदान	-	-	-
	संदर्शन फेलों / प्राध्यापकों	-	-	-
	दिन देख रेख केंद्र	-	-	-
	खेल-कूद उपयुक्त विकास	-	-	-
	उपकरण देख-रेख आवश्यकाएँ (आई.एम.एफ.)	-	-	-
	छात्रावास केलिए विशेष अनुदान	-	-	-
	छात्राओं केलिए मूल आवश्यकताएँ	-	-	-
	शैक्षिक सुधार कार्यक्रम	-	-	-
	सम मौका सेल नेट तैयारी	-	-	-
	एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./(एनसीएल) पिछडे हुए की अनुशिक्षण	-	-	-
	वैयक्तिक और कौसल सेल स्थापना	-	-	-
	डीप-अबेल व्यक्ति के लिए सुविधाएँ	-	-	-
	अ. विशेष शिक्षा में शिक्षक तैयारी	-	-	-
	आ. विशेष आवश्यकताएँ उच्च शिक्षा केलिए	-	-	-
	इ. नेत्रहीन विकलांग शिक्षकों	-	-	-
	इंटरनल सुधार आश्वासन सेल	-	-	-
	संबंधित परियोजनाओं के लिए स्थानांतरण	-	-	-
		-	-	-
		-	-	-
		-	-	-
	कुल	-	-	-

अनुसूची सं - क. व्यय और जमा

क्र.सं.	विवरण		जी.अई.ए.	
	स्थिर जमा	-	-	-
	कुल	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (viii)

अनुसूची सं - ख : स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
1	**निवेश और भवन**			
	योजना			
	योजनेतर	-		
	एककालिक निधि	-		
	विलयन योजना		-	
2	**यंत्र और परिकर**			
	एम.पी.एल.ए.डी.एस. - एम्बुलेंस		-	
	योजना (ग्यारहवी योजना)	-		
	योजनेतर	-		
	एक कालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना			
	महिला आधारिक संरचना (दसवी योजना)		-	
3	**प्रशासनिक यंत्र / कम्प्यूटर्स**			
	योजना	-		
	योजनेतर	132,610.00		
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना	-		
	दसवी योजना (कंप्यूटर विकास)	-	132,610.00	
4	**उपकरण और जुडनार**			
	योजना	-		
	योजनेतर	2,540,145.00		
	एककालिक अनुदान			
	विलयन योजना			
			2,540,145.00	
5	**पांडुलिपियाँ**	-		
	योजना	-		
	योजनेतर	-		
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना			
	पृष्ठ कुल		**2,672,755.00**	

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (ix)

अनुसूची सं ग : स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय सतत ....

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
		बी./एफ.	2,672,755.00	
6	**ग्रन्थालय पुस्तकें**			
	योजना (ग्यारहवी योजना)			
	योजनेतर	63,839.00		
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना	-		
	राजभाषा	-	63,639.00	
7	**खेलखूद उपकरण**			
	योजना	-		
	योजनेतर			
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना	-		
			-	
8	**प्रकाशन**			
	योजना	-		
	योजनेतर	192,376.00		
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना			
			192,376.00	
9	**टेप्स और अन्य चीजें**			
	योजना	-		
	योजनेतर	-		
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना	-		
		-		
10	**हॉस्टल उपकरण**			
	योजना	-		
	योजनेतर	1,040,314.00		
	एककालिक अनुदान	-		
	विलयन योजना	-	1,040,314.00	
11	**चिकित्सा केंद्र उपकरण**		-	
	योजनेतर		-	
	ग्यारहवी योजना			
	अन्य	-	-	
	कुल योग पृष्ठ 1&2 : .	6,641,839.00	3,969,084.00	3,969,084.00

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (x)

अनुसूची सं : घ. धन वापसी अधिशेष / ऋण

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
	ई.एम.डी. वर्ष में की गयी वापसी	58,344.00	58,344.00	58,344.00
	बारहीं योजना सामान्य विकास और विलयन योजना	40,000,000.00	40,000,000.00	40,000,000.00
	एम.आर.पी. शिक्षा विभाग-पी. सुब्बरायन	260,000.00	260,000.00	260,000.00
	कुल .	40,318,344.00	40,318,344.00	40,318,344.00

अनुसूची सं च. : वित्तीय शुल्क

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
	बैंक शुल्क आदि		-	
	कुल .	-	-	-

अनुसूची सं : छ - अन्य भुगतान

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
	भाषण प्रतियोगिता व्यय (संस्थान)	100,000.00	100,000.00	100,000.00
		-	-	-
	ति.ति.दे. (छात्रावास मेस व्यय आर.ए.)	4,000,000.00	4,000,000.00	4,000,000.00
	कुल अ : .	4,100,000.00	4,100,000.00	4,100,000.00
	पेशगी चुकता	-	-	
	त्योहार पेशगी	-	-	
	एल.टी.सी. पेशगी	-	-	
	मोटार साइकिल पेशगी	-	-	
	कम्प्यूटर पेशगी	20,152,093.00	-	
	साइकिल पेशगी	-	-	
	पंखा पेशगी	-	-	
	मिश्क पेशगी	-	-	
	कार पेशगी	-	-	
	कुल आ : .	20,152,093.00	20,152,093.00	20,152,093.00
	सी.पी.डब्लू.डी. का वेतन (पेशगी)			
	योजनेतर - देखभाल	1,000,000.00		
	बारहवीं योजना नागरिक काम	-		
	ति.ति.दे. देखभाल काम	1,000,000.00		
	पेशगी/जमा			
	कुल इ : .	2,000,000.00	2,000,000.00	2,000,000.00
	कुल योग अ+आ+इ :.	26,252,093.00	26,252,093.00	26,252,093.00

अनुसूचियों के वर्षांत 31.03.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. (xi)

अनुसूची सं - ज : अंत: शेष

क्र.सं.	विवरण	सब-कुल	जी.अई.ए.	कुल योग
	हाथ में नगद राशि	1,767.00		-
	बैंक में नगद राशि			-
i)	चालू खाता			
ii)	सावधि खाता	-	-	-
iii)	बचत खाता			
	योजनेतर	16,949,859.83	16,949,859.83	16,949,859.83
	ग्यारहवी योजना विकास अनुदान	4,034,662.00	4,034,662.00	
	ग्यारह वी योजना की (18) विलयन योजना	8,215,738.00	8,215,738.00	
	कुल	-	-	12,250,400.00
	योजना के समय में अन्य योजनाएँ			
	ओ.बी.सी.	8543.00		
	कुल	**8,543.00**	**8,543.00**	**8,543.00**
	अनुदान के अलावा			
	ई.एम.डी.	221,243.00	221,243.00	221,243.00
	कुल .		**29,430,045.83**	**29,430,045.83**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

पृ.सं. 34

अनुदान मदद लेखा बारहवीं योजना विकास और विलयन योजनाओं

बचत खाता नं. 146610100042605

पृ.सं. 22 (2/22)

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पर्चियाँ	रुपये	भुगतान	रुपये
I. प्रारम्भिक शेष राशि (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ऐ)**	
अ. हाथ में नकद	-	**अ. बारहवीं योजना सामान्य विकास राजस्व**	-
आ. बैंक में शेष राशि		वेतन	-
i) चालू खाता म		**आ. बारहवीं योजना विलयन योजना राजस्व**	-
ii) जमा खाता में	-	यात्रा अनुदान	5,765.00
iii) बचत खाता में	**6,583,032.00**	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/विचारगोष्ठियों/छात्र प्रतिभा/प्रशिक्षण कार्यक्रम	615,652.00
		प्रकाशन अनुदान	
		प्रोफेसर / अध्येताओं के विजिटिं की नियुक्ति	47,293.00
		अ. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए	
		कोचिंग योजना (गैर मलाईदार परत / अल्पसंख्याक)	
		आ. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए	
II. अनुदान प्राप्त (अनुसूची-आ)		सेवा में प्रवेश के लिए कोचिंग योजना	-
		इ. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति /अल्पसंख्याक केलिए	
अ. वि.अ.ए. से		शिक्षण योजना नेट सेट तैयार करने के लिए	
बारहवीं योजना अनुदान	40,000,000.00	कैरियर और परामर्श सेल	374,179.00
		आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.)	24,000.00
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		सुखवायक अनुसूचित के जाति, जनजाति	222,100.00
		आरोग्य सोचना / छात्र सुहावनापन	1,115,208.00
		III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-औ)	
		IV. सार्वाधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-क)	
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		अ. बारहवीं योजना सामान्य विकास पूंजी	
अ. बैंक जमा पर	152,461.00	किताबें	560,737.00
आ. एफ.डी. पर		अचल संपत्तियों की खरीद	2,284,077.00
इ. अग्रीम पर कर्मचारियों से ब्याज		आ. बारहवीं योजना सामान्य विकास पूंजी	
	-	प्रकाशन अनुदान	
		V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-ख)	
		अ. ई.एम.डी. को	
			-
		VI. वित्तव्यय (अनुसूची-ग)	-
		बैंक शुल्क	7116.50
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)		**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-घ)**	
		पेशगी वसूली	**885,932.00**
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)		सी.पी.डब्लू.डी. को पेशगी	**15,000,000.00**
		VIII. अंत: शेष (अनुसूची-च)	
		अ. हाथ में नकद	
VII. अन्य पांर्चेयाॅ (अनुसूची-ए)		आ. बैंक में जमा	
		i) चालू खाता में	-
अग्रिम वसूली		ii) जमा खाता में एफ.डी.आर.एस.	
	-	iii) बचत खाता में	**25,593,433.50**
कुल :	**46,735,493.00**	**कुल :**	**46,735,493.00**

पृ.सं. 35

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)
जे.आर.एफ./राजीव गाँधी छात्रवृत्तियाँ
बचत खाता नं. 146610100020108 और 146610100041703

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 23 (3/22)

पर्चियाँ	रुपये	भुगतान	रुपये
I. प्रारम्भिक शेषराशि		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. छात्रवृत्ति भुगतान के खिलाफ	
आ. बैंक में शेषराशि		१. जे.आर.एफ	1,577,760.00
i) चालू खाता में		२. राजीवगाँधी फ़ेलोशिप	233,890.00
ii) जमा खाता में	-	३. बि.सि., एस.सि., एस.टि. छात्रवृत्ति	373,106.00
iii) बचत खाता में	6,038,837.65		
		II. विभिन्न परियोजनाओं के लिए धन के खिलाफ किए गए भुगतान	
II. अनुदान प्राप्त			
अ. मुख्य रोकड बही से सिबि अंतरित की राशि			
आ. वि.अ.ए. से			
१. जे.आर.एफ		**III. निवेश तथा जमा**	
२. राजीवगाँधी फ़ेलोशिप		अ. निजी निधियों से बाहर (एफडीआर ताजा कर दिया)	
३. राज्य सरकार खाते में उठाए जाने के लिए	**105,376.50**	आ. एफडीआर पर ब्याज पुनः निवेश	
४. राज्य सरकार छात्रवृत्ति	**1,200.00**	ई. प्रोद्भूत ब्याज	
अ. विशेष निधि			
आ. विन्यास निधि		**IV. सार्वाधि परिसंपत्तियों पर व्यय**	
इ. निजी निधियाँ	-		
III. ब्याज प्राप्त		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	
अ. बचत खाता पर	277,950.09	यू.जी.सी. को वापस अधिशेष पैसा	-
आ. एफ.डी. पर	-		
इ. प्रबंधन से ब्याज		**VI. वित्तव्यय**	
ई. जमा राशि पर अर्जित ब्याज		बैंक शुल्क	-
V. अन्य आय		**VII. अन्य भुगतान**	
टी.डी.एस.		अन्य भुगतान	
VI. लाई गई रकम		**VIII. अंतः शेष**	
अन्य रसीदें		अ. हाथ में नकद	
		आ. बैंक में शेषराशी	
VII. अन्य पार्चेयाँ		i) चालू खाता में	
अ. गणित विभाग नवीकरण		ii) जमा खाता में एफ.डी.आर.एस.	
		iii) बचत खाता में	4,238,608.24
कुल :	**6,423,364.24**	**कुल :**	**6,423,364.24**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

सामान्य भविष्य निधि खाता बचत खाता सं. : 14661010000 2078

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 24 (4/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	-
आ. बैंक शेष		आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	-
iii) बचत खाता में	**1,170,146.00**	**भुगतान**	
		III. निवेश तथा जमा	
II. प्राप्त अनुदान		अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	-
		आ. निजि निधियों के अलावा	
अ. वि.अ.ए. से	-	नया स्थिर जमा	-
		नए एफ.डी. ब्याज के अलावा अर्ज नयांतरण	
आ. भारत सरकार से		नया स्थिर जमा	-
	-	इ. एफ.डी.आर. पर अर्जीत ब्याज (संग्रह)	**6,299,534.00**
III. निवेश पर आय		**IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय**	
अ. विशेष निधि	-	अ. सावधि परिसंपत्तियों का क्रय	-
आ. विन्यास निधि		आ. चालू कार्य पर व्यय	
इ. निजी निधियाँ	-	(सी.पी.डब्लयू.डी. कार्यों से चुक्ता)	
		इ. पांडुलिपियों का क्रय	
IV. ब्याज प्राप्त			
अ. चालू खाता मे जमा (प्रोद्भूत ब्याज)	**142,345.00**	**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
आ. एफ.डी. पर (प्रति निवेश)	-	अ. भारत सरकार को	-
इ. चालू खाता में जमा एफ.डी. पर ब्याज	**259,678.00**	आ. वि.अ.ए. को	-
ई. एफ.डी.आर. पर प्रोद्भूत ब्याज	**6,299,534.00**	इ. अन्य प्रदातायो के धन को लोटा थे गए	**240.00**
		एल.आई.सी. कड़पा	-
V. अन्य आय	-	**VI. वित्त-शुल्क**	**225.00**
VI. लाई गई रकम			
VII. अन्य पर्चियाँ		**VII. अन्य भुगतान**	
एफ.डी. पक्व (प्रतिनिवेश)	**3,000,000.00**	अ. अग्रिम	**1,903,075.00**
स्थिर जमा पक्व (क्रेडिट चालूखाता को)	-	आ. निकासियों	**8,191,603.00**
जी.पी.एफ. से संग्रहित निधियाँ	-	**VIII. अंत: शेष**	
धन स्थानांतरण एक बैंक से अन्य बैंक	-	अ. हाथ में नकद	-
अन्य विभाग निधियों से संग्रह स्थानांतरित		आ. बैंक शेष	
जी.पी.एफ.	**240.00**		
चंदा	8,960,534.00	i) चालू खाता में	-
पेशगी की वापसी	**2,469,606.00**	ii) जमा खाता में	-
बाहर स्थानांतरण डी.नल्लन्ना तथा एसन.एन. के संबंध में	-	iii) बचत खाता में	**5,907,406.00**
कुल :	**22,302,083.00**	**कुल :**	**22,302,083.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

नई पेंशन निधि बचत खाता सं. : 14661010002096

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं.
25 (5/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	-
आ. बैंक शेष		आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	-
iii) बचत खाता में	3,695,013.76		
II. प्राप्त अनुदान		**III. निवेश तथा जमा**	
अ. वि.अ.ए. से	-	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	-
आ. भारत सरकार से		आ. निजि निधियों के अलावा (बनाये गये नये एफ.डी.आर.)	
इ. अन्य मूल से	-	इ. एफ.डी.आर. संग्रहोंको कुल ब्याज भुगतान	
III. निवेश पर आय		उ. प्रोद्भूत जमा पर ब्याज	
अ. विशेष निधि	-	**IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय**	
आ. विन्यास निधि	-		
इ. निजी निधियाँ	-	**V. बचा हुआ धन/ऋण**	
IV. ब्याज प्राप्त		निवृत्त कर्मचारियों को स्थानांतरित भुगतान	-
अ. बचत खाता पर	166,352.00	एनएसडीएल को भुगतान पूर्व अवधि का खर्च	3,740,312.00
आ. एफ.डी. पर	-	**VI. वित्त-शुल्क**	-
इ. प्रबंधन से ब्याज	-	बैंक शुल्क	20,651.00
ई. जमा राशि पर अर्जित ब्याज	-	**VII. अन्य भुगतान**	-
V. अन्य आय		एनएसडीएल शुल्क	-
एफ.डी.आर. का समापन	-	**VIII. अंत: शेष**	
VI. लाई गई रकम		अ. हाथ में नकद	-
पूर्व की अवधि आय उत्पन्न और एनएसडीएल को प्रेषित	-	आ. बैंक शेष	
VII. अन्य पर्चियाँ		i) चालू खाता में	-
अ. नयांतरण करने पर ब्याज	-	ii) जमा खाता में	-
कर्मचारियों से संग्रहित निधि	2,568,768.00	iii) बचत खाता में	5,237,938.76
अधिकारियों से संग्रहित निधि	2,568,768.00		
कुल :	**8,998,901.76**	**कुल :**	**8,998,901.76**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)
घर भवन पेशगी (एच.बी.ए.) बचत खाता सं. : 14661010000 2087
वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 26 (6/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	-
आ. बैंक शेष		आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान (अनुसूची-ऐ)**	-
iii) बचत खाता में	712,455.00		
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-ओ)**	
अ. वि.अ.ए. से	-	अ. इस वर्ष नए स्थिर जमा बनाए गए	2,540,634.00
आ. भारत सरकार से		आ. एफ़.डी. पक्वता, एफ़./डी. प्रतिनिवेश किए	-
इ. अन्य मूल से	-	इ. जमा पर प्रोद्भूत ब्याज प्रतिनिवेश जमा	2,428,529.00
		IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-औ)	
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)			
अ. विशेष निधि	-	**V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-क)**	-
आ. विन्यास निधि	-		
इ. निजी निधियाँ	-	**VI. वित्त-शुल्क (अनुसूची-ख)**	
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		बैंक शुल्क	-
अ. बचत खाता पर जमा	39,116.00		
आ. एफ.डी. पर (पक्व एवं प्रतिनिवेश जमा)	1,850,556.00	**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-ग)**	-
इ. प्रोद्भूत पर ब्याज	776,559.00	एच.बी.ए.भुगतान	
ई. टी.डी.एस. की वापसी	2,968.00		-
उ. एफ.डी.आर. पर पर ब्याज	2,428,529.00	**VIII. अंत: शेष (अनुसूची-घ)**	
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)	-	अ. हाथ में नकद	-
		आ. बैंक शेष	-
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)		i) चालू खाता में	-
		ii) जमा खाता में	-
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)		iii) बचत खाता में	-
एच.बी.ए. पर्चियाँ	529,877.00		1,370,897.00
कुल :	6,340,060.00	**कुल :**	6,340,060.00

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

छात्र निधि बचत खाता सं. : 14661010000197 2

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 27 (7/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	-
आ. बैंक शेष	**2,309,933.50**	आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान (अनुसूची-ऐ)**	
ii) जमा खाता में	-	स्कौटिंग और फोटोग्राफ	
iii) बचत खाता में	-	लेखन सामग्री	
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		पत्रिकाएँ	
		अध्ययन प्रशिक्षण	89,717.00
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-ओ)**	
अ. मूल परिपक्व एफ.डी.		अ. स्थिर जमा	-
ब्याज प्रोद्भूत और पुनर्निवेश	-	आ. एफडीआर पर अर्जित ब्याज	698,097.00
		IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-औ)	
		V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-क)	
		छात्रों को प्रतिनिवेश सावधानी जमा	302,950.00
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		**VI. वित्त-शुल्क (अनुसूची-ख)**	
अ. बचत खाता पर ब्याज	124,491.00	बैंक शुल्क	-
आ. एफ.डी.आप. पर प्रोद्भूत ब्याज	698,097.00	**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-ग)**	-
		अ. स्काउट शिविर विन्यास	-
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)	-	आ.प्रथम चिकित्सा	5,600.00
शुल्क / छात्रों से सावधानी जमा आदि	1,884,890.00	इ. स्टेशनरी	51,196.00
सि.वि.वि.टि. सावधानी शुल्क से	77,400.00	ई. विविध	35,866.00
यस.यल.बी.यस.		उ. मुद्रण पाठ्यक्रम पुस्तकें आदि	1,020.00
		ऊ. पत्रिका	2,216.00
		ऋ. पुरस्कार	32,618.00
		ए. पेशगी वसूली	257,500.00
		ऐ. चिकित्सा	15,765.00
		ओ. सि.वि.वि.टि. परीक्षा	7,350.00
		औ. आवेदन पत्र शुल्क वापसी	70,050.00
		VIII. अंतः शेष (अनुसूची-घ)	
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)		अ. हाथ में नकद	-
		आ. बैंक शेष	-
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)		i) चालू खाता में	-
आर. अग्रिम	214,500.00	ii) जमा खाता में	-
		iii) बचत खाता में	**3,739,366.50**
कुल :	**5,309,311.50**	**कुल :**	**5,309,311.50**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

पृ.सं. 40

उपहार एवं विन्यासों से ब्याज - बचत खाता सं. : 14661010000025

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 28 (8/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	-
आ. बैंक शेष		आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	-
iii) बचत खाता में	60,249.65	**भुगतान (अनुसूची-ऐ)**	
		छात्रों को पुरस्कार वितरण	15,500.00
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		छात्रवृत्ति	200,000.00
अ. वि.अ.ए. से	-	**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-ओ)**	
आ. भारत सरकार से		अ. स्थिर जमा पर व्यय	-
इ. अन्य मूल से	-	आ. निजि निधियों के अलावा	-
		इ. एफ.डी. पर प्रोद्भूत ब्याज	306,104.00
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		**IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-औ)**	
अ. विशेष निधि		पदक की खरीद	16,000.00
आ. विन्यास निधि	-	**V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-क)**	-
इ. निजी निधियाँ	-	अ. भारत सरकार को	
	-	आ. वि.अ.ए. को	
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		इ. अन्य बशर्ते निधियों को	
अ. बचत खाता जमा पर	4,936.00		
आ. एफ.डी. पर	52,432.00	**VI. वित्त-शुल्क (अनुसूची-ख)**	
इ. प्रोद्भूत ब्याज एफ.डी.आर. पर	306,104.00	बैंक शुल्क	-
ई. एफ.डी.आर. पर (अदिक)	300,000.00		
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)		**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-ग)**	-
श्री यम.यस. श्रीधर द्वरा दिया उपहार	-	बैंक शुल्क	56.00
प्रो. टी.यस. चंद्रन द्वरा दिया उपहार	-		
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)	-	**VIII. अंतः शेष (अनुसूची-घ)**	
	-	अ. हाथ में नकद	-
	-	आ. बैंक शेष	-
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)		i) चालू खाता में	-
उपहार प्राप्त किए माननीय मा.अ.श. अय्यंगार	-	ii) जमा खाता में	-
उपहार प्राप्त किए माननीय मा.अ.श. अय्यंगार	10,000.00	iii) बचत खाता में	196,061.65
कुल :	**733,721.65**	**कुल :**	**733,721.65**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

परियोजनाएँ - बचत खाता सं. : 146610100013418

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 29 (9/22)

पर्चियाँ	रुपये	भुगतान	रुपये
I. प्रारम्भिक शेष (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	2,213,170.00
आ. बैंक पेशगियाँ		आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	-
iii) बचत खाता में	4,109,772.85	**भुगतान (अनुसूची-ऐ)**	
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-ओ)**	
अ. वि.अ.ए. से	-	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त/विन्यास निधियाँ	-
आ. भारत सरकार से	194,000.00	आ. निजि निधियों के अलावा	
इ. अन्य रूप से (एस.वी. विश्वविद्यालय)	-		-
		IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-औ)	
		अ. कार्यालय उपकरण	-
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		आ. चालू कार्य पर व्यय	-
अ. विशेष निधि	-	इ. पांडुलिपियों का क्रय	
आ. विन्यास निधि	-	**V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-क)**	
इ. निजी निधियाँ	-	अ. भारत सरकार से	-
		आ. अन्य भविष्य निधियाँ	-
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		इ. वि.अ.ए. से	-
अ. बैंक जमा से	80,257.00		
आ. एफ.डी. से	-	**VI. वित्त-शुल्क (अनुसूची-ख)**	-
इ. प्रोद्भूत पर ब्याज (आई.ए.एस.ई.)	-	**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-ग)**	
ई. कर्मचारियों से ब्याज	-	**VIII. अंतः शेष (अनुसूची-घ)**	
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)	-	अ. हाथ में नकद राशि	-
		आ. बैंक में जमा	-
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)	-	i) चालू खाता में	-
		ii) जमा खाता में	-
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)	-	iii) बचत खाता में	2,170,859.85
कुल :	**4,384,029.85**	**कुल :**	**4,384,029.85**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

उत्कल पीठ - बचत खाता सं. : 14661010001965 2

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 30 (10/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक पेशगियाँ (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	316,000.00
आ. बैंक शेषराशि	666,619.00	आ. प्रशासनिक व्यय	218,565.00
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में		II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को	-
iii) बचत खाता में	-	भुगतान (अनुसूची-ऐ)	
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-ओ)**	
अ. वि.अ.ए. से	-	अ. सावधि परिसंपत्ति साल के दौरान	-
आ. भारत सरकार से		आ. निजी निधि से बाहर	-
इ. अन्य मूल से		इ. एफ.डी. पर प्रोदभूत ब्याज	366,431.00
		IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-औ)	
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		अ. सावधि परिसंपत्तियों का क्रय	-
अ. एफ.डी.आर. पक्व	-	आ. चालू कार्य पर व्यय	-
		(कार्य के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को भुगतान)	
आ. विन्यास निधि	-		
इ. निजी निधियाँ	-	इ. पांडुलिपियों का क्रय	
		V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-क)	-
		अ. भारत सरकार को	-
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		आ. वि.अ.आ. को	-
अ. बैंक जमा से	18,385.00	इ. अन्य भविष्य निधियों को	
आ. एफ.डी. से	605,000.00	ई. आकस्मिक व्यय	-
इ. एफ.डी. पर प्रोदभूत ब्याज	366,431.00	**VI. वित्त-शुल्क (अनुसूची-ख)**	
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)		**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-ग)**	
अ. सी.डी. और प्रकाशन क्रय	-	पेशगी की वापसी	16,000.00
		VIII. अंतः शेष (अनुसूची-घ)	
		अ. हाथ में नकद	-
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)		आ. बैंक शेष	
		i) चालू खाता में	-
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)		ii) जमा खाता में	-
विविध पर्चियाँ	-	iii) बचत खाता में	739,439.00
कुल :	**1,656,435.00**	**कुल :**	**1,656,435.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)
उत्कृष्टता केंद्र - बचत खाता सं. : 146610100000809
वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 31 (11/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय (ई. और आर.)	2,577,661.00
आ. बैंक शेष	-	आ. प्रशासनिक व्यय	-
i) चालू खाता में	-		
ii) जमा खाता में	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	-
iii) बचत खाता में	5,497,291.00	**भुगतान**	
		अन्य अग्रिम	-
II. प्राप्त अनुदान		**III. निवेश तथा जमा**	
अ. वि.अ.ए. से		अ. एफ.डी. नए निवेश	-
आ. भारत सरकार से		आ. निजि निधियों के अलावा	-
इ. अन्य मूल से	-		
		IV. सावधि परिसंपत्तियों पर व्यय	
III. निवेश पर आय		**अ. स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय**	
अ. एफ.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर	-	कंप्यूटर	-
आ. विन्यास निधि	-	उपकरण	-
इ. निजी निधियाँ		फर्निचर	-
		किताबें	-
		टेप्स	-
		आ. चालू कार्य पर व्यय	-
		(सी.पी.डब्ल्यू.डी. कार्य के लिए चुक्ता)	
IV. ब्याज प्राप्त		**इ. पांडुलिपि का क्रय**	-
अ. बैंक जमा पर	198,476.00	**V. बचा हुआ धन/ऋण**	
आ. एफ.डी. पर	-	अ. भारत सरकार को	
इ. ब्याज आई.ए.एस.ई. पर	-	आ. वि.अ.ए. को	
		इ. अन्य देय निधियों को	
V. अन्य आय	-	**VI. वित्त-शुल्क**	
		VII. अन्य भुगतान	-
VI. लाई गई रकम			
जी.आई.ए. से स्थानांतरित		**VIII. अंतः शेष**	
		अ. हाथ में नकद	-
		आ. बैंक शेष	-
VII. अन्य पर्चियाँ	-	i) चालू खाता में	-
सुधार लेना	1,037,145.00	ii) जमा खाता में	-
		iii) बचत खाता में	4,155,251.00
कुल :	**6,732,912.00**	**कुल :**	**6,732,912.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डी.डी.ई.) - बचत खाता सं. : 146610100013427

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 32 (12/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	819,474.00
आ. बैंक शेष	4,644,167.13	आ. प्रशासनिक व्यय	2,010,502.00
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	-
iii) बचत खाता में		**भुगतान (अनुसूची-ऐ)**	
		पुस्तकें	-
		उपकरण	-
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		**III. निवेश तथा जमा (अनुसूची-ओ)**	
अ. इग्नो से	2,600,000.00	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	-
आ. भारत सरकार से		आ. निजि निधियों के अलावा	-
इ. अन्य मूल से			
		IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय (अनुसूची-औ)	
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		अ. स्थिर परिसंपत्तियों का खरीद	621,830.00
अ. स्थिर जमा रसीद की वापसी	-	आ. कार्यप्रगति पर व्यय	
आ. विन्यास निधि	-	इ. पाण्डुलिपियों की खरीद	-
इ. निजी निधियाँ	-	ई. स्थिर परिसंपत्तियों की खरीद	-
		V. बचा हुआ धन/ऋण (अनुसूची-क)	-
		अ. भारत सरकार को	
		आ. वि.अ.ए. को	-
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		इ. इग्नो को	
अ. बैंक जमा पर	167,693.00	**VI. वित्त-शुल्क (अनुसूची-ख)**	
आ. एफ.डी. पर	-	**VII. अन्य भुगतान (अनुसूची-ग)**	
इ. प्रोद्भूत पर ब्याज (आई.ए.एस.ई.)		वसूली अग्रिम	
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)	-	**VIII. अंत: शेष (अनुसूची-घ)**	
		अ. हाथ में नकद	-
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)		आ. बैंक शेष	
		i) चालू खाता में	-
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)		ii) जमा खाता में	-
डी.डी.ई. पाठ्यक्रम शुल्क	2,035,113.00	iii) बचत खाता में	6,080,373.13
विविध जमा	85,206.00		
कुल :	**9,532,179.13**	**कुल :**	**9,532,179.13**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)
योग - बचत खाता सं. : 146610100007082
वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 33 (13/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष (अनुसूची-अ)		**I. व्यय : (अनुसूची-ए)**	
अ. हाथ में नकद		अ. प्रतिष्ठापना व्यय	10,500.00
आ. बैंक शेष	640,045.00	आ. प्रशासनिक व्यय	166,512.00
i) चालू खाता में		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	-
ii) जमा खाता में		**भुगतान (अनुसूची-ऐ)**	
iii) बचत खाता में		यंत्र और उपकरण	-
		किताबें	-
II. प्राप्त अनुदान (अनुसूची-आ)		**III. निवेश तथा जमा**	-
अ. वि.अ.ए. से	-	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	-
आ. भारत सरकार से		आ. निजि निधियों के अलावा	
इ. अन्य मूल से		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
		अ. स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय (कार्यालय उपकरण)	-
III. निवेश पर आय (अनुसूची-इ)		आ. कार्यप्रगति पर व्यय	
अ. विशेष निधि	-	इ. पाण्डुलिपियों की खरीदी	-
आ. विन्यास निधि	-	ई. स्थिर परिसंपत्तियों की खरीदी (किताबें)	-
इ. निजी निधियाँ	-	**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
		अ. भारत सरकार को	
		आ. वि.अ.ए. को	-
		इ. इन्नो को	
IV. ब्याज प्राप्त (अनुसूची-ई)		ई. बचा हुआ इ.एम.डि.	323,000.00
अ. बैंक जमा पर	108,322.00	**VI. वित्त-शुल्क**	
आ. एफ.डी. पर	-	बैंक शुल्क	28.00
इ. प्रोद्भूत पर ब्याज (आई.ए.एस.ई.)		**VII. अन्य भुगतान**	
V. अन्य आय (अनुसूची-उ)	118,733.00	अग्रिम	-
		VIII. अंत: शेष	
VI. लाई गई रकम (अनुसूची-ऊ)		अ. हाथ में नकद	-
		आ. बैंक शेष	
VII. अन्य पर्चियाँ (अनुसूची-ऋ)		i) चालू खाता में	-
डी.डी.ई. पाठ्यक्रम शुल्क ईएमडी.	-	ii) जमा खाता में	367,060.00
		iii) बचत खाता में	
कुल :	**867,100.00**	**कुल :**	**867,100.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

विशेष सहायता कार्यक्रम (साप) साहित्य विभाग - बचत खाता सं. : 146610100027059

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 34 (14/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	**अ. प्रतिष्ठापना व्यय**	
आ. बैंक शेष		परियोजनाओं साथियों वेतन	-
i) चालू खाता में		काम पर रखने के सेवाओं	-
ii) जमा खाता में	-	**आ. प्रशासनिक व्यय**	
iii) बचत खाता में	**4,892.50**	आकस्मिक और कार्य व्यय	-
		यात्राओं और क्षेत्र फेरायें	-
II. प्राप्त अनुदान		विजिटिंगफेलो	-
अ. वि.अ.ए. से (साप - ३)	**-**	संगोष्ठियाँ	-
आ. भारत सरकार से		सलाहकार समिति की बैठकें	**23,833.00**
इ. जी.ऐ.ए. से	**200,000.00**	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	
		III. निवेश तथा जमा	
III. निवेश पर आय		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
अ. एफ्.डी. पत्र और उसे खाता में लेने पर		अ. यंत्र और उपकरण	**-**
आ. विन्यास निधि	**-**	आ. ग्रन्थालय किताबें और पत्रिकाओं	**-**
इ. निजी निधियाँ		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	**-**
		धन का हस्तांतरण करने के लिए जी.आई.ए	
IV. ब्याज प्राप्त		**VI. वित्त-शुल्क**	
अ. बैंक जमा पर (बचत खाता)	**2,074.00**	अ. बैंक शुल्क	**-**
आ. एफ.डी. पर		**VII. अन्य भुगतान**	**-**
इ. ब्याज प्रोद्भूत बैंक पर		अ. अग्रिम वसूली	**85000.00**
V. अन्य आय		**VIII. अंत: शेष**	
VI. लाई गई रकम		अ. हाथ में नकद	**-**
जी.ऐ.ए. अग्रिम से धन हस्तांतरण	-	आ. बैंक शेष	**-**
VII. अन्य परचियाँ		i) बचत खाता में	**98,133.50**
कुल :	**206,966.50**	**कुल :**	**206,966.50**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

विशेष सहायता कार्यक्रम (साप) शिक्षा विभाग - बचत खाता सं. : 146610100016345

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 35 (15/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	**अ. प्रतिष्ठापना व्यय**	
आ. बैंक शेष	**320,490.00**	परियोजनाओं साथियों वेतन	225,720.00
i) चालू खाता में		काम पर रखने के सेवाओं	9,000.00
ii) जमा खाता में	-	**आ. प्रशासनिक व्यय**	
iii) बचत खाता में	-	आकस्मिक और काम खर्च	7,900.00
		यात्रायों और क्षेत्र फेरायें	-
II. प्राप्त अनुदान		फैलोविजिटिंग	-
अ. वि.अ.ए. (साप III)	-	संगोष्ठियाँ	-
आ. भारत सरकार से		सलाहकार समिति की बैठकें	-
इ. अन्य मूल से	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	
		III. निवेश तथा जमा	
III. निवेश पर आय		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
अ. एफ़.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर		अ. यंत्र और उपकरण	-
आ. विन्यास निधि	-	आ. ग्रन्थालय किताबें और पत्रिकाओं	-
इ. निजी निधियाँ		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
		धन का स्थानांतरण करने के लिए जी.आई.ए	
IV. ब्याज प्राप्त		**VI. वित्त-शुल्क**	
अ. बैंक जमा पर (बचत खाता)	7,192.00	अ. बैंक शुल्क	-
आ. एफ.डी. पर		**VII. अन्य भुगतान**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत		अ. वसूली योग्य अग्रिम	
V. अन्य आय		**VIII. अंत: शेष**	
VI. लाई गई रकम		अ. हाथ में नकद	-
जी.ऐ.ए. अग्रिम से धन हस्तांतरण	-	आ. बैंक शेष	-
VII. अन्य परचियाँ		i) चालू खाता में	-
		ii) जमा खाता में	
		iii) बचत खाता में	85,062.00
कुल :	**327,682.00**	**कुल :**	**327,682.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

छात्रावास प्रतिष्ठापन खाता (खाता सं. 14661010002500)

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 36 (16/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	1,347,466.00
आ. बैंक शेष	-	आ. मेस व्यय	-
i) बचत खाता में	1,037,573.65		
		इ. प्रशासनिक व्यय :	
		टी.ए./विजिटिंग फैलोस /संगोष्ठियाँ और बैठक	-
II. प्राप्त अनुदान		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	-
अ. वि.अ.ए. से	-		
आ. भारत सरकार से	-		
इ. अन्य मूल से (ति.ति.दे.)	-	**III. निवेश तथा जमा**	
		अ. एफ.डी. पर प्रोदभूत ब्याज	-
III. निवेश पर आय		आ. निजि निधियों के अलावा (आंध्रा बैंक स्थिर जमा)	-
अ. एफ़.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर			
आ. विन्यास निधि	-	**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
इ. निजी निधियाँ		अ. स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय	-
IV. ब्याज प्राप्त		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
अ. बैंक जमा पर	45,057.00		
आ. एफ.डी. पर		**VI. वित्त-शुल्क**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत	-		
V. अन्य आय		**VII. अन्य भुगतान**	-
अ. छात्रावास प्रतिष्ठापन शुल्क	644,750.00		
(छात्रों से वसूली)	-	**VIII. अंत: शेष**	
आ. अतिथि कमरा किराया	-	अ. हाथ में नकद	-
VI. लाई गई रकम		आ. बैंक शेष	-
जी.आई.ए. से सी.पी.डब्लू.डी.		i) चालू खाता में	-
जमा पर प्रतिपूर्ति		ii) जमा खाता में	-
VII. अन्य परचियाँ		iii) बचत खाता में	379,914.65
कुल :	**1,727,380.65**	**कुल :**	**1,727,380.65**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

मेस खाता (खाता सं. 146610100002494)

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 37 (17/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापना व्यय	-
आ. बैंक शेष	-	मेस व्यय और सावधानी के छात्रों के लिए वापस ज	12,824,312.00
i) चालू खाता में		आ. प्रशासनिक व्यय :	-
ii) जमा खाता में	-	टी.ए./विजिटिंग फैलोस /संगोष्ठियाँ और बैठ	-
iii) बचत खाता में	879,316.25		
खाता सं. 28341 : 273165.25		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	
खाता सं. 2494 : 1664470.00			
II. प्राप्त अनुदान		**III. निवेश तथा जमा**	
अ. वि.अ.ए. से	-	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	-
आ. भारत सरकार से	-	आ. निजि निधियों के अलावा	-
इ. रा.सं.विद्यापीठ से	7,500,000.00		
III. निवेश पर आय		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
अ. एफ्.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर		अ. स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय	-
आ. विन्यास निधि	-		
इ. निजी निधियाँ		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
IV. ब्याज प्राप्त		**VI. वित्त-शुल्क**	-
अ. बैंक जमा पर	46,543.00		
आ. एफ.डी. पर	-	**VII. अन्य भुगतान**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत			
V. अन्य आय			-
अ. मेस सावधानी जमा	1,321,000.00	**VIII. अंत: शेष**	-
आ. मेस बिल (छात्रों से वसूली)	3,968,183.00	अ. हाथ में नकद	-
इ. मेस वसूली	611,700.00	आ. बैंक शेष	-
VI. लाई गई रकम		i) चालू खाता में	-
जी.आई.ए. से सी.पी.डब्लू.डी.		ii) जमा खाता में	-
जमा पर प्रतिपूर्ति		iii) बचत खाता में	1,502,430.25
VII. अन्य परचियाँ			
कुल :	**14,326,742.25**	**कुल :**	**14,326,742.25**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

विशेष सहायता कार्यक्रम (साप) दर्शन विभाग (खाता सं. 146610100131715)

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 38 (18/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	**अ. प्रतिष्ठापना व्यय**	
आ. बैंक शेष	32,602.50	परियोजनाओं साथियों वेतन	100,000.00
i) चालू खाता में		काम पर रखने के सेवाओं	-
ii) जमा खाता में	-	**आ. प्रशासनिक व्यय**	-
iii) बचत खाता में	-	आकस्मिक और काम खर्च	100,000.00
		ट्रेवल्स और फील्ड यात्रा	25,494.00
II. प्राप्त अनुदान		फैलोविजिटिंग	4,835.00
अ. वि.अ.ए. से (साप - III)	-	सेमिनार	135,932.00
आ. भारत सरकार से		सलाहकार समिति की बैठकें	31,712.00
इ. अन्य मूल से	-	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	
		III. निवेश तथा जमा	
III. निवेश पर आय		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
अ. एफ़.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर		अ. यंत्र और उपकरण	-
आ. विन्यास निधि	-	आ. ग्रन्थालय किताबें और पत्रिकाओं	104,812.00
इ. निजी निधियाँ		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
		धन का हस्तांतरण करने के लिए जी.आई.ए	
IV. ब्याज प्राप्त		**VI. वित्त-शुल्क**	
अ. बैंक जमा पर (बचत खाता)	6,401.00	अ. बैंक शुल्क	-
आ. एफ.डी. पर		**VII. अन्य भुगतान**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत आई.ए.एस.ई. पर		अ. अग्रिम वसूली	
V. अन्य आय		**VIII. अंतः शेष**	-
VI. लाई गई रकम		अ. हाथ में नकद	27,215.00
जी.ऐ.ए. अग्रिम से धन हस्तांतरण	530,000.00	आ. बैंक शेष	-
VII. अन्य परचियाँ		i) बचत खाता में	39,003.50
कुल :	**569,003.50**	**कुल :**	**569,003.50**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन - बचत खाता सं. 146610100016178

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 39 (19/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	785,803.00
अ. हाथ में नकद	-	अ. कर्मचारियों और छात्रों को भत्ता	-
आ. बैंक शेष	-	आ. मेस व्यय	-
i) चालू खाता में	841,381.50	इ. प्रशासनिक व्यय :	-
ii) जमा खाता में	-	टी.ए./विजिटिंग फैलोस /संगोष्ठियाँ और बैठक	-
iii) बचत खाता में	-		
Ac.No. 28341 : 273165.25 Ac.No. 2494 : 1664470.00			
II. प्राप्त अनुदान		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को**	
अ. पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन से	-	**भुगतान**	
आ. भारत सरकार से		**III. निवेश तथा जमा**	
इ. अन्य मूल से (ति.ति.दे.)	-	अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	-
		आ. निजि निधियों के अलावा	-
III. निवेश पर आय			
अ. एफ्.डी. पत्र और उसे खाता में लेने पर		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
आ. विन्यास निधि	-	अ. स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय	-
इ. निजी निधियाँ			
		V. बचा हुआ धन/ऋण	-
IV. ब्याज प्राप्त		**VI. वित्त-शुल्क**	-
अ. बैंक जमा पर	9,387.00		
आ. एफ.डी. पर	-	**VII. अन्य भुगतान**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत			
V. अन्य आय		**VIII. अंत: शेष**	-
अ. मेस काषन जमा	-	अ. हाथ में नकद	-
आ. मेस बिल छात्रों से वसूली	-	आ. बैंक शेष	-
VI. लाई गई रकम		i) चालू खाता में	-
जी.आई.ए. से सी.पी.डब्लू.डी.		ii) जमा खाता में	-
जमा पर प्रतिपूर्ति		iii) बचत खाता में	64,965.50
VII. अन्य परचियाँ			
कुल :	**850,768.50**	**कुल :**	**850,768.50**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

अभिनव कार्यक्रम - साहित्य (सौंदर्य शास्त्र) - बचत खाता सं. 146610100027101

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 40 (20/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	अ. प्रतिष्ठापन व्यय	21,034.00
आ. बैंक शेष	-	पारिश्रामिक	-
i) चालू खाता में		किराया सेवा	-
ii) जमा खाता में	-	आ. प्रशासनिक व्यय	-
iii) बचत खाता में	-	संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ	-
II. प्राप्त अनुदान		पाठ्यक्रम समीक्षा बैठक	-
अ. वि.अ.ए. से	1,931,920.00	**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	
आ. भारत सरकार से			
इ. अन्य मूल से (ति.ति.दे.)	-	**III. निवेश तथा जमा**	
		अ. विशेष निधि के अतिरिक्त / विन्यास निधियाँ	
III. निवेश पर आय		आ. निजि निधियों के अलावा	-
अ. एफ्.डी. पत्र और उसे खाता में लेने पर		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	-
आ. विन्यास निधि	-	अ. यंत्र और उपकरण	-
इ. निजी निधियाँ		आ. कार्यालय उपकरण	-
		इ. फर्निचर और फिक्सर्स	-
IV. ब्याज प्राप्त		उ. ग्रंथालय किताबें	-
अ. बैंक जमा पर	72,115.00	**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
आ. एफ.डी. पर	-	**VI. वित्त-शुल्क**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत		अ. बैंक शुल्क	138.50
V. अन्य आय		**VII. अन्य भुगतान**	-
अ. मेस काषन जमा	-	**VIII. अंत: शेष**	-
आ. मेस बिल छात्रों से वसूली	-	अ. हाथ में नकद	-
VI. लाई गई रकम		आ. बैंक शेष	-
जी.आई.ए. से सी.पी.डब्लू.डी.		i) चालू खाता में	-
जमा पर प्रतिपूर्ति		ii) जमा खाता में	-
VII. अन्य परचियाँ		iii) बचत खाता में	1,982,862.50
कुल :	**2,004,035.00**	**कुल :**	**2,004,035.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

अभिनव कार्यक्रम - शास्त्रों विभाग (प्रबंधन) - बचत खाता सं. 146610100034624

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 41 (21/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	**अ. अनावर्ति**	-
आ. बैंक शेष	-	सामग्री	**1,884,341.00**
i) चालू खाता में		किताबें और समाचार पत्र	-
ii) जमा खाता में	-	सामान्य सामग्री	-
iii) बचत खाता में	**2,615,093.00**	सामान्य मरम्मत करना / वसतियाँ	-
		सेमिनारों	
II. प्राप्त अनुदान		**आ. आवर्ति**	
अ. वि.अ.ए. (साप III) से	-	काम व्यय / आकस्मिक व्यय	
आ. भारत सरकार से		सलाहकार समिति के बैठकें	
इ. अन्य मूल से (ति.ति.दे.)	-	यात्रा और क्षेत्र यात्राएँ	
		साथी का दौरा	**8,000.00**
III. निवेश पर आय		सलाहकार समिति के बैठकें	**75,000.00**
अ. एफ्.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	-
आ. विन्यास निधि	-	**III. निवेश तथा जमा**	
इ. निजी निधियाँ		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	-
		V. बचा हुआ धन/ऋण	
IV. ब्याज प्राप्त		जीआईए के लिए धन का स्थानांतरण	
अ. बैंक जमा पर (बचत खाता)	-	**VI. वित्त-शुल्क**	-
आ. एफ.डी. पर	-	बैंक शुल्क	**70.50**
इ. ब्याज प्रोद्भूत	**90,031.00**	**VII. अन्य भुगतान**	
		वसूली अग्रिम	-
V. अन्य आय		**VIII. अंतः शेष**	-
	-	अ. हाथ में नकद	-
VI. लाई गई रकम	-	आ. बैंक शेष	-
		i) चालू खाता में	-
VII. अन्य परचियाँ		ii) जमा खाता में	-
अ. अग्रिम वसूली		iii) बचत खाता में	**737,712.50**
कुल :	**2,705,124.00**	**कुल :**	**2,705,124.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.)

ट्रान्सिट हॉस्टल (अतिथि गृह) - बचत खाता सं. 146610100003619

वर्षांत 31.3.2014 तक की संचित पर्चियाँ और वेतन लेखा (वित्तीय वर्ष 2013-14)

पृ.सं. 42 (22/22)

पर्चियाँ	रकम	भुगतान	रकम
I. प्रारम्भिक शेष		**I. व्यय :**	
अ. हाथ में नकद	-	**अ. प्रतिष्ठापना व्यय**	
आ. बैंक शेष	-		
i) चालू खाता में			
ii) जमा खाता में	-	**आ. प्रशासनिक व्यय**	
iii) बचत खाता में	-	अतिथि गृह व्यय	**272,710.50**
			-
II. प्राप्त अनुदान			-
अ. वि.अ.ए. (साप III)	-		-
आ. भारत सरकार से		**II. निधियों से अनेक परियोजनाओं को भुगतान**	
इ. अन्य मूल से	-		
		III. निवेश तथा जमा	
III. निवेश पर आय		**IV. स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय**	
अ. एफ्.डी. पक्व और उसे खाता में लेने पर		अ. यंत्र और उपकरण	-
आ. विन्यास निधि	-	आ. ग्रन्थालय किताबें और पत्रिकाओं	-
इ. निजी निधियाँ		**V. बचा हुआ धन/ऋण**	-
		जी.आई.ए के लिए धन का स्थानांतरण	
IV. ब्याज प्राप्त		**VI. वित्त-शुल्क**	
अ. बैंक जमा पर (बचत खाता)	**5,467.00**	अ. बैंक शुल्क	-
आ. एफ.डी. पर		**VII. अन्य भुगतान**	-
इ. ब्याज प्रोद्भूत		अ. वसूली योग्य अग्रिम	
V. अन्य आय		**VIII. अंत: शेष**	
अतिथि गृह में कमरा किराया वसूली	**636,440.00**	अ. हाथ में नकद	-
VI. लाई गई रकम	-	आ. बैंक शेष	-
		i) चालू खाता में	-
VII. अन्य परचियाँ		ii) जमा खाता में	
अ. अग्रिम वसूली		iii) बचत खाता में	**369,196.50**
कुल :	**641,907.00**	**कुल :**	**641,907.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

सदुपयोग प्रमाण पत्र - वित्तीय वर्ष 2013-14

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदान मंजूर और वि.अ.ए./मा.सं.वि.मं./राज्य सरकार और अन्य विभागों द्वारा विभिन्न प्रमुखों के खिलाफ (विस्तृत रूप में) जारी किया है, उद्देश्य है जिसके लिए वे स्वीकृत और वित्तीय वर्ष २०१३-१४ के दौरान जारी किए गए के उपयोग लिए किया गया ।

पृ.सं.-42A

क्र. सं.	लेखा प्रमुख का नाम	१.४.२०१३ को उद्घाटन शेषराशि	प्राप्त अनुदान	व्यय में जुडा हुआ	३१.३.२०१४ को अंतिम शेष
I	**योजनेतर**	₹	₹	₹	₹
	शेष राशी १.४.२०१४२२६८३६०८.८३ को	**22683608.83**			
1	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 17.04.2013		5000000.00		
2	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 05.08.2013		16000000.00		
3	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 05.08.2013		21400000.00		
4	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 05.08.2013		8300000.00		
5	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 04.11.2013		11000000.00		
6	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 04.11.2013		40000000.00		
7	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 19.12.2013		9035000.00		
8	आरटीजीएस विअए नई दिल्ली एफ.1-1/2013 (मा.वि.) दि. 28.03.2014		62263000.00		
			172998000.00		
	बैंक ब्याज, एफ.डी.आर. पक्व ब्याज (1340808+5858762+149511)		7349081.00		
	विविध प्राप्तियाँ सीबी (161960+139195+4646+74892)		380687.00		
	परीक्षा प्राप्तियों		1640610.00	198519037.00	
	प्रकाशनों की बिक्री		416910.00		
	एफ.डी.आर. पक्व		10000000.00		
	योजनेतर की कुल	**22683608.83**	**192785288.00**	**198519037.00**	**16949859.83**
II	**ग्यारह वीं योजना अनुदान (विकास अनुदान)**				
	शेष राशी १.४.२०१३ को	4034662.00			
	प्राप्त वर्ष अनुदान के दौरान		0.00		
	भवनों के जमा सी.पी.डब्लू.डी.			0.00	
	योजना किताबें			0.00	
	कुल योग	**4034662.00**	**0.00**	**0.00**	**4034662.00**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)

सदुपयोग प्रमाण पत्र - वित्तीय वर्ष 2013-14

IIA	ग्यारह वी योजना (मर्ज किए गए योजनाओं)	₹	₹	₹	₹
	शेष राशी १.४.२०१३ को	**8215738.00**	0.00		
1	यात्रा अनुदान			0.00	
2	सम्मेलनों /संगोष्ठियों/कार्यशालाएँ			0.00	
3	प्रकाशन अनुदान			0.00	
4	नियुक्ति के विजिटिंग प्रोफेसरों/ बधुंत्व			0.00	
5	डे केयर सेंटर			0.00	
6	साहसिक खेल एवं विकास के खेल			0.00	
7	वाद्यसंगीत-विन्यास रख-रखाव सुविधा			0.00	
8	विशेष छात्रवृत्ति के निर्माण के लिए महिला छात्रावास			0.00	
9	महिलाओं के लिए मूलभूत सुविधाएँ			0.00	
10	विभागीय सुधार कार्यक्रम			0.00	
11	कोशिका समान अवसर			0.00	
a	एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. के लिए शिक्षण योजना			0.00	
b	प्रवेश के लिए एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. के लिए सेवा में शिक्षण योजना			0.00	
c	कोचिंग एस.सी./एस.टी./अल्पसंख्याकों के लिए नेट/एस.यल.ई.टी. केलिए शिक्षण योजना			0.00	
12	कैरियर परामर्श सेल			0.00	
13	अलग विकलांग व्यक्तियों के लिए सुविधाएँ			0.00	
14	विशेष शिक्षा में अध्यापक तैयार (टी.ई.पि.यस.ई.)			0.00	
15	विशेष जरूरतों उच्च शिक्षा (एच.ई.पि.यस.यन.)			0.00	
16	नेत्रहीन विकलांग शिक्षकों			0.00	
17	आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल			0.00	
	कुल	**8215738.00**	**0.00**	**0.00**	**8215738.00**
III	**ओ.बी.सी. विकास अनुदान**				
	शेष राशी 1.4.2013 को	**8543.00**			
	अनुदान प्राप्त (अनुदान प्राप्त नहीं के रूप में योजनेतर से स्थानांतरित)		**0.00**		
	उपकरणों				
	भवनों का निर्माण				
	राजस्व (वेतन)			**0.00**	
	कुल	**8543.00**	**0.00**	**0.00**	**8543.00**
IV	**योजना समय अन्य कार्यक्रम**				
	आर.यस.संस्थान (यम.हेच.आर.डी) भाषण प्रतियोगिता	0.00	100000.00	100000.00	0.00
	भारतीय विचार सभा से समाजिक मिल सार खोज यम.हेच.आर.डी.	0.00	260000.00	260000.00	0.00
	ई.एम.डी.	0.00	5000000.00	5000000.00	0.00
	ति.ति.दे.	133939.00	87304.00	0.00	221243.00
	मुख्य रोकड़ बही का महा योग	**35076490.83**	**198232592.00**	**203879037.00**	**29430045.83**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)
सदुपयोग प्रमाण पत्र - वित्तीय वर्ष 2013-14

क्र. सं.	विवरण	अथ शेष	प्राप्त अनुदान	व्यय में जुडा हुआ	३१.३.२०१४ को अंतिम शेष
V	अन्य चालू खाता	₹	₹	₹	₹
1	बारह वीं योजना	**6,583,032.00**	**40,000,000.00**	-	-
	यस.बी. / यफ.डी. से ब्याज बारहवीं योजना		**152,461.00**		
		6,583,032.00	**40,152,461.00**	**21,142,059.50**	**25,593,433.50**
2	जेआरएफ/राजीव गाँधी छात्रवृत्ति	**6,038,837.65**	**384,526.59**	**2,184,756.00**	**4,238,608.24**
3	सामान्य भविष्य निधि	1,170,146.00	21,131,937.00	16,394,677.00	5,907,406.00
4	नई पेंशन निधि	3,695,013.76	5,303,888.00	3,760,963.00	5,237,938.76
5	एच.बी.ए.	712,455.00	5,627,605.00	4,969,163.00	1,370,897.00
6	छात्र निधि	2,309,933.50	2,999,378.00	1,569,945.00	3,739,366.50
7	उपहार एवं विन्यास निधि	60,249.65	673,472.00	537,660.00	196,061.65
8	परियोजनाएँ	4,109,772.85	274,257.00	2,213,170.00	2,170,859.85
9	उत्कलपीठ	666,619.00	989,816.00	916,996.00	739,439.00
10	सी.ओ.ई.	5,497,291.00	1,235,621.00	2,577,661.00	4,155,251.00
11	दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	4,644,167.13	4,888,012.00	3,451,806.00	6,080,373.13
12	योग	640,045.00	227,055.00	500,040.00	367,060.00
13	साप साहित्य	4,892.50	202,074.00	108,833.00	98,133.50
14	साप शिक्षा	320,490.00	7,192.00	242,620.00	85,062.00
15	छात्रावास प्रतिष्ठापन खाता	1,037,573.65	689,807.00	1,347,466.00	379,914.65
16	मेस खाता	879,316.25	13,447,426.00	12,824,312.00	1,502,430.25
17	साप (दर्शनाएँ)	32,602.50	536,401.00	502,785.00	66,218.50
18	पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन	841,381.50	9,387.00	785,803.00	64,965.50
19	अभिनव कार्यक्रम - साहित्य (सौंदर्य शास्त्र)	1,931,920.00	72,115.00	21,172.50	1,982,862.50
20	अभिनव कार्यक्रम - शास्त्रों विभाग (प्रबंधन)	2,615,093.00	90,031.00	1,967,411.50	737,712.50
21	ट्रान्सिट हास्टल (अतिथि गृह)	-	641,907.00	272,710.50	369,196.50
	जोड़ : मद सं. V का सकल योग	**43,790,831.94**	**99,584,368.59**	**78,292,010.00**	**65,083,190.53**
	सभी निधियों का कुल योग	**78,867,322.77**	**297,816,960.59**	**282,171,047.00**	**94,513,236.36**

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, (मानित विश्वविद्यालय) (आं.प्र.)
सदुपयोग प्रमाण पत्र - वित्तीय वर्ष 2013-14

स्थिर जमा और उसके अंत शेष दिनांक 31-3-2014 तक

VI	विवरण	ओ.बी. १.४.२०१३ को	योग	जांच	३१.३.२०१४ को अंतिम शेष
		₹	₹	₹	₹
A	जी.आई.ए.	100,000,000.00	-	**10000000**	90,000,000.00
1	सामान्य भविष्य निधि	35,493,614.00	6,299,534.00	*2,785,603.00*	39,007,545.00
2	एच्.बी.ए.	11,996,983.00	4,969,163.00	*3,938,301.00*	13,027,845.00
3	उपहार	1,929,645.00	306,104.00	487,162.00	1,748,587.00
4	उत्कलपीठ	7,850,000.00	366,431.00	-	8,216,431.00
5	छात्र निधि	4,985,346.00	698,097.00	485,346.00	5,198,097.00
6	डी.डी.ई.	2,000,000.00	-	-	2,000,000.00
7	छात्रावास प्रतिष्ठापन	1,755,270.00	-	-	1,755,270.00
	कुल	**166,010,858.00**	**12,639,329.00**	**17,696,412.00**	**160,953,775.00**
B	एनएसडीएल प्राप्तियाँ का निवृत्ति अनुदान	11,986,690.00	**3,740,312.00**	**-**	**15,727,002.00**
	कुल योग A+B	**177,997,548.00**	**16,379,641.00**	**17,696,412.00**	**176,680,777.00**

हस्ताक्षरित

वि.जि. शिवशंकर रेड्डी
वित्ताधिकारी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

हस्ताक्षरित

प्रो. सि. उमाशंकर
कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

Naidu & Rao
Chartered Accountants

Phone : (0877) 2222098, 2228493
Mobile : 98490 46827, 98492 41022
E-mail : gvnpradeep@gmail.com

653/B, Bhavani Nagar, TIRUPATI - 517 501

CERTIFICATE

This is to certify that the Annual Accounts of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati (A.P) for the Financial Year ending 31.03.2014 (2013-14) have been prepared in accordance with the common format of Accounts prescribed for Non-profit Central Autonomous Organization by the University Grants Commission, New Delhi vide its letter No.F-17/97 (DU) dated 20.9.2003.

Date: 28.6.2014
Place: Tirupati

For M/s Naidu & Rao
Chartered Accountants

(G.Kannaiah Naidu)
Partner M.No.009421

NAIDU & RAO
FRN.002289S
TIRUPATI
CHARTERED ACCOUNTANTS

OFFICE OF THE VICE CHANCELLOR
DEEMED UNIVERSITY
18 OCT 2014
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA TIRUPATI

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय

आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)

ANDHRA PRADESH, HYDERABAD - 500 004.

E-Block, I[st] Floor

(Phone No: 040-23232069)

No.PDA(C)/CAB/Unit-9/RSVPT/SAR.2013-14/D 253/2014-15/229 Date: 15.10.2014

सेवा में

सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग,शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, के वर्ष 2013-14, लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, for the year 2013-14, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the year are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

संल:यथोपरि

Sd/-

(AJAIB SINGH)

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

Principal Director of Audit (Central)

Endt. No.PDA(C)/CAB/Unit-9/RSVPT/SAR.2013-14/D 253/2014-15/ 230 Date: 15.10.2014

Copy to **Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor**, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati- 517 507, Andhra Pradesh, along with one copy of Annual Accounts for the year 2013-14 (English version) and D.O Management Letter, with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2013-14 (3 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

निदेशक/ प्रत्यक्ष कर & केन्द्रीय स्वायत निकायों

DIRECTOR/DT & CAB

Phones Nos. : 23236811 to 23236819 Fax No. : 040-23232294

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति का वर्षांत 31 मार्च, 2014 का भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का अलग लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कार्य, अधिकार और सेवा प्रतिबंध) अधिनियम 1971 अनुभाग 20(1) के अधीन राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरुपति के 31 मार्च 2014 के वर्षांत लेखापरीक्षित तुलन-पत्र संलग्न और आय एवं व्यय लेखा। विद्यापीठ के खातों का लेखा 2015-16 तक की अवधि के लिए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को सौंपा गया है। पर्ची एवं दिनांक के समाप्ति तक का भुगतान लेखा। इन वित्तीय सूचना के लिए प्रतिबंध परिषद जिम्मेदार है हमारी जिम्मेदारी लेखापरीक्षा के वित्तीय सूचनानुसार प्रकट की जाती है।

2. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) के लेखा उपचार स्पष्टीकरण के बाद ही अलग लेखापरीक्षा प्रतिवेदन समाविष्ट करने पर ही टिप्पणी की जाती है। अच्छे लेखा तैयार, लेखा महत्ता और विवरणात्मक विचार आदि पर निर्भर होता है। वित्तीय संचालन और कानून, नियम और विनिमय (संपत्ति और विनिमयात्मक) शिकायत और दक्षता का पालन पक्ष आदि। कोई भी निरीक्षण प्रतिवेदन द्वारा प्रतिवेदित/सी.ए.जी. का अलग लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

3. हम भारत भर के सभी लेखा परीक्षाओं को अच्छे तरह से जाँच करते हैं। उन अर्जीत वित्तिय योजनाओं को परखते हुए कार्य हेतु सामग्री मुफ्त में दे दिया करते है। लेखापरीक्षा को परीक्षित करते हुए, जांच के आधार पर, रकम के व्यय को देखते हुए आधार मांगते है। लेखापरीक्षा करने के लिए महालेखाकार के परखने पर प्रबंधक आय-व्यय बनाते हैं। कुल मिलाकर वित्तीय आधार पर जांच किया जाता है। हम लेखापरीक्षक के जांच पडताल को भरोसा करते हुए हमारा मत जाहिर करते हैं।

4. हमारे लेखापरीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर हमारा मत इस प्रकार है :

   i. हमारे पास समस्त सूचना एवं विवरण है, जो लेखापरीक्षा के बारे में अच्छा ज्ञान है।

   ii. तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखा/पर्चियाँ और भुगतान लेखा परिपूर्णता प्रतिवेदन भी मंत्रालय के वित्त प्रपत्र इसके साथ अनुमोदित हुआ है।

   iii. हमारा मानना है कि विश्वविद्यालय को हमारे परीक्षार्थ पुस्तिका को लेखा संबंधित जानकारी हेतु संभालकर रखना चाहिए।

   iv. हमारी कार्यवाही प्रतिवेदन इस प्रकार है :

अ. तुलन-पत्र

अ. 1. देयताएँ:

अ. 1.1. पूंजी आरक्षण : रु. 26.45 करोड (अनुसूची-1ए)

अ.1.1.1. तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टी.टी.डी) तिरुपति वित्तीय सहायता के रूप में वार्षिक रखराव के लिए जारी 50 लाख की राशि भी इस में शामिल है जो निर्धारित कोष की न्यूनोक्ति और 50 लाख से पूँजी आरक्षण की अत्युक्ति में हुई है और घाटे की अत्युक्ति 50 लाख की घाटे है।

अ.2. परिसंपत्तियाँ

अ.2.1. स्थिर परिसंपत्तियाँ - 17.25 करोड रुपये (अनुसूची -3)

अ.2.1.1 यह 81.12 लाख रुपये प्रकाशनों के कुल शुद्ध ब्लॉक मूल्य का बिक्री जो 81.12 लाख रुपये की स्थिर और चालू परिसंपत्तियों का न्यूनोक्ति अत्युक्ति में हुई । इस मुद्दे पर पिछले टिप्पणियों के तहत वर्गीकृत किया गया है ।

अ.2.1.2 यह रु. 7,85,803 मूल्य अचल संपत्तियों में शामिल नहीं है । यह निर्धारित निधि खाते (राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन) के अंतर्गत वर्ष के दौरान राजस्व निधि के रूप में बताया जाता है । परिणाम स्वरूप यह अचल न्यूनोक्ति संपत्ति और निर्धारित निधि की खाता 7,85 लाख है ।

अ.2.2 चालू परिसंपत्ति, ऋण और अग्रिम - 38.13 करोड (अनुसूची-5)

अ.2.2.1 इस के अंतर्गत रु. 20,88,59,678/- का खर्च शामिल है जो (24) जमा निर्माण, प्रतिवेदन के अनुसार सी.पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा पूरा किया गया । विद्यापीठ द्वारा धारण किया गया तथा उपयोग करने के लिए रखा गया । लेकिन अब तक पूंजीकृत नहीं है । परिणाम स्वरूप यह अंचल परिसंपत्ति की न्यूनोक्ति और सी.पी.डब्ल्यू.डी. के अंतर्गत वर्तमान अग्रिम की अत्युक्तिपूर्ण 20.88 करोड है ।

अ.2.2.2 नई पेंशन योजना (एन पी एस) कर्मचारी और कर्मचारी योगदान राशि। 157,27,002/-[1] करोड रुपये राष्ट्रीय सुरक्षा निक्षेपागरों एन एस डी एल) को वर्ष के दौरान विविध देनदारियों (एन एस डी एल एन पी एफ) को भुगतान किया गया । परिणामतः यह 1.57 करोड चालू संपत्तियाँ और निर्धारितनिधि खाते की अत्युक्ति में हुई ।

अ.2.2.3 यह रु.32,19,926/- लाख खर्च तीन जमा कार्य में[2] प्रगति के तहत वर्गीकृत किया गया । इस पूंजी निर्माण में प्रगति की खामोश और 32.2 लाख चालू संपत्तियाँ के तहत सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम की अत्युक्ति में हुई ।

अ.2.2.4 यह रु. 11,62,021 का खर्च शामिल है । वर्ष के दौरान सी.पी.डब्ल्यू.डी. जमा ने कार्य के ''बगीचे के वार्षिक रख रखाव'' की जमाकार्य की रिपोर्ट दी, जो राजस्व खर्च के रूप में नहीं लिया जाता। परिणामतः यह खर्च की न्यूनोक्ति और अग्रिम की अत्युक्ति, सी.पी.डब्ल्यू.डी. के तहत वर्तमान एसेट्स रु. 11.62 लाख प्रत्येक और फलस्वरूप न्यूनोक्ति की घाटा रु. 11.62 लाख है ।

अ.2.2.5 रु. 2.88 का अंतर 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार सी.पी.डब्ल्यू.डी. (रु. 20.78 करोड) द्वारा दिखाया जमा निर्माण के लिए जमा की गई राशि और मेलमिलाप नही था । खातों में रु. 23.66 करोड रुपये में अपनाया राशि को-रेखांकित किया ।

---

1. एन एस डी एल को वर्ष 2011-12 के दौरान एन पी एस योगदान मात्रा की राशि : 55,93,546 और वर्ष 2012-13 के दौरान 63,93,144/- राशि को भुगतान किया गया ।
2. (i) ग्रंथालय भवन निर्माण :- 2,39,932/- (ii) सी.सी. की दीवार की प्रतिधारित :- रु. 7,68,919/- और (iii) उद्यान कार्य रास्ते की ओर :- रु. 22,11,075/-

अ.2.2.6 डी.डी.ई. निर्धारित कोष खाता, रुपए की राशि के संबंध में रु. 25,01,205/-[3] वास्तविक निवेश मूल्य के खिलाफ 20 लाख निर्धारित धनराशि से निवेश के तहत दिखाया गया था, रु. 5,01,205/- के अंतर मूल्य में रु. 5.01 लाख से वर्तमान संपत्तियाँ और निर्धारित निधि खाते की न्यूनोक्ति में हुई ।

आ. आय और व्यय खाता

आ.1. व्यय - 17.95 करोड़

आ.1.1 इस में रु. 28,15,543 का देय बकाया खर्च शामिल नहीं है । 31 मार्च 2014 खाते के रूप में वर्तमान दायित्वों के अंतर्गत दायित्व राशि तदनुसार आय और व्यय के खर्च (अनुसूची-12) चार्ज नहीं किया गया था । फलस्वरूप, यह गलत लेखांककन खर्च की न्यूनोक्ति और कायिक / पूंजीकृत संपत्ति की 28.15 लाख है । तथा न्यूनोक्ति की घाटा रु. 28.15 लाख हैं ।

आ.1.2 यह रु. 2,80,500/-[4] का खर्च भी शामिल है । वर्ष के दौरान वार्षिक रखरखाव शुल्क के तहत अचल संपत्तियों, की दिशा ने किए गए गलक तरीके से राजस्व व्यय के रूप में वर्गीकृत किया गया । यह रु. 2.8 लाख से व्यय और अचल संपत्ति की अत्युक्ति रु. 2.8 लाख और फलस्वरूप अत्युक्तिपूर्ण घाटा रु. 2.8 लाख है ।

आ.1.3 ह्रास रु. 1,12,293 की वर्ष के दौरान प्रदान नहीं किया गया था । (1.4.2013) ग्रास ब्लाक मूल्य की अचल संपत्ति रु. 22,45,854/-[5] है । यह न्यूनोक्ति व्यय और अत्युक्ति की अचल संपत्ति रु. 1.12 लाख प्रत्येक और फल स्वरूप घाटे में 1.12 लाख शामिल है ।

इ. लेखापरीक्षा टिप्पणियों पर लेखा कुल महत्व -

लेखा परीक्षा टिप्पणियों के अनुसार देखे गए प्याराग्राफ के मुताबिक न्यूनोक्त देयताएँ 1.92 करोड, परिसंपत्तियाँ 1.54 करोड और अधिक्य के अत्युक्तिपूर्ण 0.38 करोड है ।

ई. सहायता अनुदान

1. विद्यापीठ को संपूर्ण रूप से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से वित्तिय सहायता प्राप्त होता है । (योजना : 4.04 करोड[6] और योजनेतर 17.3 करोड) अप्रयुक्त प्रमाणित शेष राशि पिछले वर्ष के साथ 4.98 करोड कुल और आंतरिक प्राप्तियों / ब्याज की शेष राशि 1.02 करोड कुल 27.34 करोड, विद्यापीठ ने 22.55 करोड[7], विद्यापीठ में 31 मार्च 2014 को एक संतुलन 4.79 करोड अनुप्रयुक्त है।

---

3. आंध्र बैंक, तिरुपति एफ.जी.आर. नं. 149780, पुनः निविष्ट किया 5.9.2013 एक वर्ष के लिए 8.25% व्याज के साथ ।
4. 10 के.वि.ए. यु.पी.एस. सिस्टेम्स : रु. 2,53,000/- और पंखे - 27,500/-
5. (i) यंत्र-समूह तथा उपस्कार (योजना) = रु. 18,28,231 और (ii) ग्रंथालय किताबें - (ग्यारह वीं योजना) - रु. 4,17,623/-
6. (i) बारहवीं योजना सामान्य विकास अनुदान की 4 करोड रुपये ।

   (ii) उद्धिष्ट कार्यक्रम अनुदान की 0.04 करोड
7. योजनेतर : 19.85 करोड और योजना : 2.7 करोड.

उ. **प्रबंधन पत्र**

उपचारी/सुधार कार्यवाई हेतु राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के कुलपति जी को लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की न्यूनता के लिए महालेखा परीक्षा, सूचना द्वारा प्रबंधन पत्र दिया गया था। वह नही जोडा गया है।

v. जाँचपडताल किए गए प्याराग्राफ के विषय हेतु, हमने तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा/पर्चियाँ और भुगतान लेखा प्रतिवेदन के लिए लेखा पुस्तिका संबंध में अनुबंध किए थे।

vi. हमारा मानना यही है और महत्वपूर्ण सूचना एवं विवरण आपसे प्राप्त हुआ है। दोनों तरफ से वित्तीय सूचनाओं को जाँच गया और लेखा बीमाएँ और लेखाओं के टिप्पण और महत्वपूर्ण विषय देखने मिला और अन्य संलग्नक विषय दर्शाया गया है, वह सभी नजर अंदाज करने पर प्रतिवेदन सही एवं उचित लगा मान्य है और भारत के महालेखाकार भी आम तौर पर सहमत हैं।

अ. तुलन-पत्र के आधार पर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के 31 मार्च, 2013 के अनुसार शैक्षणिक स्थिति है। और

आ. वर्षांत के दिनांक के अनुसार आय एवं व्यय लेखा के आधार पर घाटा है।

हस्ताक्षरित

(अजैब सिंग)

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

अलग लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की अनुसूची

1. आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्ताता : विद्यापीठ में आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति को स्थापित किया गया था नहीं।
2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता : आंतरिक नियंत्रण विविध क्षेत्रों में पर्याप्त थे ।
3. जमा परिसंपत्ति की दैहिक पद्धति की जांच-पडताल और वस्तुसूची : अचल संपत्ति और पुस्तकालय की पुस्तकों के भौतिक सत्यापन समय-समय आश्वासन के बावजूद जांच पडताल नहीं किया गया ।
4. इन्वेंटरी दैहिक जांच-पडताल पद्धति : सूची का भौतिक सत्यापन आश्वासन के बावजूद समय समय पर जाँच पडताल नहीं किया गया ।
5. नियमित सांविधानिक देय राशि की भूगतान : बकाया राशि नियमित रूप से सांविधानिक देय राशी की भुगतान किया गया ।

हस्ताक्षरित

(रोली शुक्ला मलगे)

निदेशक /प्रत्यक्षकर & केंद्रीय स्वायत्तनिकायों

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(University established under Section 3 of UGC Act, 1956)

TIRUPATI -517 507

ANNUAL ACCOUNTS FOR THE YEAR 2013-2014

(English Version)

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
(University established under section-3 of UGC Act, 1956)
Balance Sheet as at 31.03.2014 (Fin. Year 2013-2014)

Page-1

DESCRIPTION	SCH. NO.	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CORPUS/CAPITAL FUND	'1'	236,024,531.25	249,502,514.43
CAPITAL RESERVE	1A	264,467,487.00	259,467,487.00
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	'2'	211,411,609.53	159,862,988.94
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	'2A'	2,815,543.00	2,353,190.16
TOTALS :		**714,719,170.78**	**671,186,180.53**
ASSETS			
FIXED ASSETS	'3'	172,472,798.11	172,550,215.45
INVESTMENTS - FROM EARMARKED/	'4'	160,953,775.00	166,010,858.00
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC., (NET CURRENT ASSETS)	'5'	381,292,597.67	332,625,107.08
MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)	-	-	
TOTALS :		**714,719,170.78**	**671,186,180.53**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	'16'	-	
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	'16'		

FINANCE OFFICER
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

Registrar
REGISTRAR
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 2013-2014

Page-2

DESCRIPTION	SCH. NO.	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
INCOME			
Grants/Subsidies	6'	173,098,000.00	170,243,868.00
Fees/Subscriptions	'7'	1,640,610.00	1,593,861.00
Income from Investments	'8'	-	-
Income from Royalty, Publication etc.,	'9'	50,998.00	62,864.00
Interest Earned	'10'	7,349,081.00	13,265,196.00
Other Income	'11'	380,687.00	1,030,290.00
TOTAL (A) :		**182,519,376.00**	**186,196,079.00**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	'12'	156,750,577.00	137,112,289.00
Other Administrative expenses	13'	30,010,395.68	30,245,666.00
Expenditure on Grants and Subsidies	'14'	100,000.00	2,774,417.65
Depreciation on Fixed Assets	'3'	9,136,386.50	9,401,175.50
Prior Period Expenses	'15'	-	-
TOTAL (B) :		**195,997,359.18**	**179,533,548.15**
Balance being Excess of Income over expenditure/ (Excess of Expenditure over income)		(13,477,983.18)	6,662,530.85
Transfer to Corpus/ Capital Fund			-
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	'16'	-	-
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	'16'	-	

Checked

FINANCE OFFICER
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

Registrar
REGISTRAR
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-2014)

Page-3

DESCRIPTION	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
SCHEDULE 1 - CORPUS/CAPITAL FUND		
A. Balance as at the beginning of the year	249,502,514.43	242,839,983.58
Add : Contributions towards Corpus/Capital Fund:	-	-
Add/Deduct : Balance of Net Income/(Expenditure)transferred from the Income & Expenditure account	(13,477,983.18)	6,662,530.85
	236,024,531.25	249,502,514.43
Balance at the year end	**236,024,531.25**	**249,502,514.43**
Schedule 1A - Capital Reserve	-	
Non Recurring grant for Schems pending adj.		
Opening Balance	259,467,487.00	249,467,487.00
Add : Current year Receipts		
	-	-
	-	5,000,000.00
	-	-
	-	-
State Govt. TTD	5,000,000.00	5,000,000.00
Other grants for specific reasons	-	-
	264,467,487.00	**259,467,487.00**
TOTALS : (A) + (B)	**500,492,018.25**	**508,970,001.43**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-14)

DESCRIPTION	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
SCHEDULE 2 : EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS :		
A. Opening Balance of the Funds		
1. EMD	133,939.00	195,939.00
2. XII Plan Development & Merged Schems	12,569,540.00	-
3. JRF/RGFS State scholarships	6,038,837.65	2,233,560.65
4. GPF A/c	36,663,760.00	37,165,749.00
5. New Pension Fund	15,681,703.76	4,566,447.00
6. HBA Revolving fund	12,709,438.00	11,306,989.00
7. Students Fund	7,306,279.50	5,449,115.82
8. Gifts and donations	1,989,894.65	1,965,780.65
9. Projects	5,883,352.85	4,785,966.85
10. Orissa Chair	8,726,438.00	7,244,329.00
11. Centre for Excellance	25,297,507.00	28,335,155.00
12. DDE	9,154,862.13	8,361,450.13
13. Yoga	3,940,544.00	3,601,215.00
14. SAP Sahitya	962,302.50	957,911.50
15. SAP Education	821,009.00	578,790.00
16. Hostel Establishment Ac	2,792,843.65	2,286,200.65
17. Mess Account	879,316.25	3,227,147.25
18 SAP(Darshanas)	720,264.50	1,092,438.00
19 National Mission for Manuscripts	841,381.50	792,981.50
20 Innovative Programme Sahitya (Aesthetics)	4,134,682.00	4,181,780.00
21 Innovative Programme Dept. of Shastras (MAIMT)	2,615,093.00	2,840,000.00
22 Transet Hostel (Guest House)	-	-
	159,862,988.94	**131,168,946.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-14)

SCHEDULE 2 : EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS Contd.

Additions :		
1. EMD	145,648.00	-
2 XII Plan	40,152,461.00	13,500,000.00
3 JRF/RGFS	384,526.59	7,105,804.00
4. GPF A/c	21,131,937.00	18,012,392.00
5. New Pension Fund	5,303,888.00	15,258,090.76
6. HBA Revolving fund	6,317,683.00	2,980,420.00
7. Students Fund	2,299,532.00	2,614,708.00
8. Gifts and donations	373,472.00	219,471.00
9. Projects	274,257.00	2,765,305.00
10. Orissa Chair	989,816.00	1,787,965.00
11. Centre for Excellance	1,235,621.00	495,231.00
12. DDE	4,888,012.00	2,499,079.00
13.Yoga	227,055.00	528,779.00
14. SAP Sahitya	202,074.00	4,503.00
15. SAP Education	7,192.00	1,375,183.00
16. Hostel Establishment Ac	689,807.00	565,209.00
17. Mess Account	13,447,426.00	6,276,710.00
18 SAP(Darshanas)	536,401.00	33,234.00
19 National Mission for Manuscripts	9,387.00	48,400.00
20 Innovative Programme Sahitya (Aesthetics)	72,115.00	186,173.00
21 Innovative Programme Dept. of Shastras (MAIMT)	90,031.00	115,408.00
22 Transet Hostel (Guest House)	641,907.00	-
	99,420,248.59	**76,372,064.76**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-14) **Page-6**

SCHEDULE 2 : EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS Contd.		
DESCRIPTION	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
Deductions		
1. EMD	58,344.00	62,000.00
2 XII Plan	2,411,313.50	930,460.00
3 JRF/RGFS	2,184,756.00	3,300,527.00
4. GPF A/c	12,880,746.00	18,514,381.00
5. New Pension Fund receipt	20,651.00	4,142,834.00
6. HBA Revolving fund	4,628,379.00	1,577,971.00
7. Students Fund	614,348.00	757,544.32
8. Gifts and donations	418,718.00	195,357.00
9. Projects	2,213,170.00	1,667,919.00
10. Orissa Chair	534,565.00	305,856.00
11. Centre for Excellance	2,577,661.00	3,532,879.00
12. DDE	2,829,976.00	1,705,667.00
13. Yoga	500,040.00	189,450.00
14. SAP Sahitya	23,833.00	112.00
15. SAP Education	242,620.00	1,132,964.00
16. Hostel Establishment Ac	1,347,466.00	58,566.00
17. Mess Account	12,824,312.00	8,624,541.00
18 SAP(Darshanas)	397,973.00	405,407.50
19 National Mission for Manuscripts	785,803.00	-
20 Innovative Programme Sahitya (Aesthetics)	21,172.50	233,271.00
21 Innovative Programme Dept. of Shastras (MAIMT)	83,070.50	340,315.00
22 Transet Hostel (Guest House)	272,710.50	
	47,871,628.00	**47,678,021.82**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
(University established under section-3 of UGC Act, 1956)
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-2014)

SCHEDULE 2 : EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS :		
CLOSING BALANCE :		
1. EMD	221,243.00	133,939.00
2 XII Plan	50,310,687.50	12,569,540.00
3 JRF/RGFS	4,238,608.24	6,038,837.65
4. GPF A/c	44,914,951.00	36,663,760.00
5. New Pension Fund receipt	20,964,940.76	15,681,703.76
6. HBA Revolving fund	14,398,742.00	12,709,438.00
7. Students Fund	8,991,463.50	7,306,279.50
8. Gifts and donations	1,944,648.65	1,989,894.65
9. Projects	3,944,439.85	5,883,352.85
10. Orissa Chair	9,181,689.00	8,726,438.00
11. Centre for Excellance	23,955,467.00	25,297,507.00
12. DDE	11,212,898.13	9,154,862.13
13. Yoga	3,667,559.00	3,940,544.00
14. SAP Sahitya	1,140,543.50	962,302.50
15. SAP Education	585,581.00	821,009.00
16. Hostel Establishment Ac	2,135,184.65	2,792,843.65
17. Mess Account	1,502,430.25	879,316.25
18 SAP(Darshanas)	858,692.50	720,264.50
19 National Mission for Manuscripts	64,965.50	841,381.50
20 Innovative Programme Sahitya (Aesthetics)	4,185,624.50	4,134,682.00
21 Innovative Programme Dept. of Shastras (MAIMT)	2,622,053.50	2,615,093.00
22 Transet Hostel (Guest House)	369,196.50	-
TOTAL	**211,411,609.53**	**159,862,988.94**
SCHEDULE 2A : CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS :		
1. Other Admn. Expenses	2,815,543.00	2,353,190.16
(Water, Electricity / Telephones, AMCs etc.,)	-	-
TOTAL	**2,815,543.00**	**2,353,190.16**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

SCHEDULE FOR FIXED ASSETS AS ON 31.03.2013 (2013-2014 Assets Acquired prior to 01.04.2004)

SCHEDULE 3 - FIXED ASSETS (Depreciated Assets) (1/2)

(Assets Acquired prior to 01.04.2004) **Page-8**

Sl No.	Description	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		Cost as at 1.4.2013	Additions drg.2013-14	Deductions dr.2013-14	Cost as at 31.3.2014	Dep. As on 1.4.2013	Rate of Dep	For the Year 2013-14	Total As at 31.3.2014	As at 31.3.2014 After Dep	As at 31.3.2013 After Dep
1	**Land & Buildings :**	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	Vidyapeeta	19299118.00	0.00	0.00	19299118.00	7135860.00	5%	608163.00	**7744023.00**	11555095.00	12163258.00
	IASE Bldgs.	132500.00	0.00	0.00	132500.00	48992.00	5%	4175.00	**53167.00**	79333.00	83508.00
	IASE Bldgs. - Projects	7650000.00	0.00	0.00	7650000.00	2828592.00	5%	241070.00	**3069662.00**	4580338.00	4821408.00
2	**Machinery & Equipment :**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	**0.00**	0.00	0.00
	Plan expn.	125703.00	0.00	0.00	125703.00	77001.00	5%	2435.00	**79436.00**	46267.00	48702.00
	Vidyapeet - Non Plan	5042094.00	0.00	0.00	5042094.00	3088684.00	5%	97671.00	**3186355.00**	1855739.00	1953410.00
	Vidyapeeta - X Plan	2420000.00	0.00	0.00	2420000.00	1482442.00	5%	46878.00	**1529320.00**	890680.00	937558.00
	Vidyapeet - One Time		0.00	0.00	0.00	0.00	5%	0.00	**0.00**	0.00	0.00
	Vocational course	74786.00	0.00	0.00	74786.00	45812.00	5%	1449.00	**47261.00**	27525.00	28974.00
	Equipment - Project	1999676.00	0.00	0.00	1999676.00	1224960.00	5%	38736.00	**1263696.00**	735980.00	774716.00
	IASE Equipment	2203469.00	0.00	0.00	2203469.00	1349799.00	5%	42684.00	**1392483.00**	810986.00	853670.00
	Yoga centre Equipment	70163.00	0.00	0.00	70163.00	42980.00	5%	1359.00	**44339.00**	25824.00	27183.00
	Valmiki Ramayana-Eqp.	299988.00	0.00	0.00	299988.00	183766.00	5%	5811.00	**189577.00**	110411.00	116222.00
	Science exhibition - Eqp.	699243.00	0.00	0.00	699243.00	428342.00	5%	13545.00	**441887.00**	257356.00	270901.00
	Equipment - Orissa Chair	168533.00	0.00	0.00	168533.00	103240.00	5%	3265.00	**106505.00**	62028.00	65293.00
	Equipment - COE	618766.00	0.00	0.00	618766.00	379043.00	5%	11986.00	**391029.00**	227737.00	239723.00
3	**Furniture & Fixtures :**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	**0.00**	0.00	0.00
	Vidyapeetha N.P	24655.00	0.00	0.00	24655.00	9115.00	5%	777.00	**9892.00**	14763.00	15540.00
	Vidyapeeta	5295864.00	0.00	0.00	5295864.00	1958147.00	5%	166886.00	**2125033.00**	3170831.00	3337717.00
	Orissa Chair		0.00	0.00	0.00	38997.00	5%	-1950.00	**37047.00**	-37047.00	-38997.00
	Science exhibition - COE	154958.00	0.00	0.00	154958.00	20248.00	5%	6736.00	**26984.00**	127974.00	134710.00
4	**Tapes**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	**0.00**	0.00	0.00
	Veda Tapes	216835.00	0.00	0.00	216835.00	80175.00	5%	6833.00	**87008.00**	129827.00	136660.00
5	**Library Books**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	**0.00**	0.00	0.00
	Library Books	1876983.00	0.00	0.00	1876983.00	694015.00	5%	59148.00	**753163.00**	1123820.00	1182968.00
	Lib.Books X Plan	4094794.00	0.00	0.00	4094794.00	1514077.00	5%	129036.00	**1643113.00**	2451681.00	2580717.00
	projects	30016.00	0.00	0.00	30016.00	11098.00	5%	946.00	**12044.00**	17972.00	18918.00
	Total Page 1	**52498144.00**	**0.00**	**0.00**	**52498144.00**	**22745385.00**		**1487639.00**	**24233024.00**	**28265120.00**	**29752759.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

SCHEDULE FOR FIXED ASSETS AS ON 31.03.2013 (2013-2014 Assets Acquired prior to 01.04.2004)

SCHEDULE 3 - FIXED ASSETS (Depreciated Assets) (2/2)

(Assets Acquired prior to 01.04.2004) **Page-9**

Sl No.	Description	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		Cost as at 1.4.2013	Additions drg.2013-14	Deductions dr.2013-14	Cost as at 31.3.2014	Dep. As on 1.4.2013	Rate of Dep	For the Year 2013-14	Total As at 31.3.2014	As at 31.3.2014 After Dep	As at 31.3.2013 After Dep
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	Total B/F of 1nd Page	**52498144.00**	**0.00**	**0.00**	**52498144.00**	**22745385.00**	**0.00**	**1487639.00**	**24233024.00**	**28265120.00**	**29752759.00**
6	**Motor Vehicles :**		0.00	0.00							
	Motor Vehicles	2024744.00	0.00	0.00	2024744.00	1240317.00	10%	78443.00	1318760.00	705984.00	784427.00
7	**Computers :**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	Lab.&Equipment	36904.00	0.00	0.00	36904.00	22606.00	10%	1430.00	24036.00	12868.00	14298.00
	Computer centre-computers	500000.00	0.00	0.00	500000.00	306290.00	10%	19371.00	325661.00	174339.00	193710.00
	Exam Unit - Computers	500000.00	0.00	0.00	500000.00	306290.00	10%	19371.00	325661.00	174339.00	193710.00
	Infilbnet - Equipment	650000.00	0.00	0.00	650000.00	398177.00	10%	25182.00	423359.00	226641.00	251823.00
	Infonet (ERNET India)	249600.00	0.00	0.00	249600.00	152900.00	10%	9670.00	162570.00	87030.00	96700.00
	Sch.Account Abstract 2009-2010 Sch.	258868.00	0.00	0.00	258868.00	158577.00	10%	10029.00	168606.00	90262.00	100291.00
	DDE-Computers	**469627.00**	0.00	0.00	469627.00	287684.00	10%	18194.00	305878.00	163749.00	181943.00
8	**Manuscripts :**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	Projects	290608.00	0.00	0.00	290608.00	107452.00	5%	9158.00	116610.00	173998.00	183156.00
	National Archives	106709.00	0.00	0.00	106709.00	39456.00	5%	3363.00	42819.00	63890.00	67253.00
9	**Publications :**		0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	Agamakosa-Project	84129.00	0.00	0.00	84129.00	31110.00	5%	2651.00	33761.00	50368.00	53019.00
	Sanskrit Viabhavam	486296.00	0.00	0.00	486296.00	179808.00	5%	15324.00	195132.00	291164.00	306488.00
	Agamakosa-NonPlan	70985.00	0.00	0.00	70985.00	26247.00	5%	2237.00	28484.00	42501.00	44738.00
	Vidyapeeta	850606.00	0.00	0.00	850606.00	531471.00	5%	15957.00	547428.00	303178.00	319135.00
	convocation	36000.00	0.00	0.00	36000.00	13303.00	5%	1135.00	14438.00	21562.00	22697.00
	Basha Channel	94547.00	0.00	0.00	94547.00	34958.00	5%	2979.00	37937.00	56610.00	59589.00
	Total	**59207767**	**0**	**0**	**59207767**	**26582031**		**1722133**	**28304164**	**30903603**	**32625736**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)
SCHEDULE FOR FIXED ASSETS AS ON 31.03.2014 (2013-14)
SCHEDULE 3 - FIXED ASSETS (Depreciated Assets) (1/4)
(Assets acquired after 1.4.2004)

Sl No.	Description	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		Cost as at 1.4.2013	Additions drg.2013-14	Deductions dr.2013-14	Cost as at 31.3.2014	Dep. As on 1.4.2013	Rate of Dep	For the Year 2013-14	Total As at 31.3.2014	As at 31.3.2014 After Dep	As at 31.3.2013 After Dep
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
I	**Land & Buildings**										
	Plan - Assets	69803753.00	0.00	0.00	69803753.00	24160572.00	5%	2282159.00	26442731.00	43361022.00	45643181.00
	Non-Plan	8071805.00	0.00	0.00	8071805.00	1323324.00	5%	337424.00	1660748.00	6411057.00	6748481.00
	One Time Grant Civil	30343322.00	0.00	0.00	30343322.00	8136095.00	5%	1110361.00	9246456.00	21096866.00	22207227.00
	Electrical Maintenance	2472693.00	0.00	0.00	2472693.00	837318.00	5%	81769.00	919087.00	1553606.00	1635375.00
						0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
						0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
						0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
II	**Machinery and Equipment**					0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	Plan	1828231.00	0.00	0.00	1828231.00	0.00		0.00	0.00	1828231.00	1828231.00
	Non-Plan	8605086.00	0.00	0.00	8605086.00	1171012.00	5%	371704.00	1542716.00	7062370.00	7434074.00
	One Time Grant	879146.00	0.00	0.00	879146.00	438022.00	5%	22056.00	460078.00	419068.00	441124.00
	Centre of Excellence	3451120.00	0.00	0.00	3451120.00	1881038.00	5%	78504.00	1959542.00	1491578.00	1570082.00
	MPLADS	544609.00	0.00	0.00	544609.00	0.00	5%	27230.00	27230.00	517379.00	544609.00
	DDE	976238.00	0.00	0.00	976238.00	288386.00	5%	34393.00	322779.00	653459.00	687852.00
	Projects	154370.00	0.00	0.00	154370.00	15437.00	5%	6947.00	22384.00	131986.00	138933.00
	SAP (S+E+D)	723960.00	0.00	0.00	723960.00	72396.00	5%	32578.00	104974.00	618986.00	651564.00
	Yoga	2630200.00	0.00	0.00	2630200.00	8700.00	5%	131075.00	139775.00	2490425.00	2621500.00
	XI plan Dev.	303056.00	0.00	0.00	303056.00	30306.00	5%	13638.00	43944.00	259112.00	272750.00
	Innovative Prog. (Asthitics)	138330.00	0.00	0.00	138330.00	13833.00	5%	6225.00	20058.00	118272.00	124497.00
		130925919.00	***0.00***	***0.00***	***130925919.00***	***38376439.00***		***4536063.00***	***42912502.00***	***88013417.00***	***92549480.00***

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

SCHEDULE FOR FIXED ASSETS AS ON 31.03.2014 (2013-14) SCHEDULE 3 - FIXED ASSETS (Depreciated Assets) (2/4)

(Assets acquired after 1.4.2004) **Page-11**

Sl No.	Description	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		Cost as at 1.4.2013	Additions drg.2013-14	Deductions dr.2013-14	Cost as at 31.3.2014	Dep. As on 1.4.2013	Rate of Dep	For the Year 2013-14	Total As at 31.3.2014	As at 31.3.2014 After Dep	As at 31.3.2013 After Dep
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				0							
	Total B/F from 1/4	*130925919.00*	*0.00*	*0.00*	*130925919.00*	*38376439.00*	*0.00*	*4536063.00*	*42912502.00*	*88013417.00*	*92549480.00*
III	**Office Equipment/Computers**										
	X Plan -	930000.00	0.00	0.00	930000.00	526385.00	10%	40362.00	566747.00	363253.00	403615.00
	N.P Vidyapeetha - Assets	3752565.00	132610	0.00	3885175.00	1478584.00	10%	227398.00	1705982.00	2179193.00	2273981.00
	One time	2191256.00	0.00	0.00	2191256.00	1143723.00	10%	104753.00	1248476.00	942780.00	1047533.00
	Centre of Excellence	832506.00	0.00	0.00	832506.00	450953.00	10%	38155.00	489108.00	343398.00	381553.00
	Orissa Chair	11000.00	0.00	0.00	11000.00	6208.00	10%	479.00	6687.00	4313.00	4792.00
	DDE	1825146.00	475000	0.00	2300146.00	595246.00	10%	122990.00	718236.00	1581910.00	1229900.00
	Projects	1574886.00	0.00	0.00	1574886.00	543516.00	10%	103137.00	646653.00	928233.00	1031370.00
	Sabdabhodha Project	281000.00	0.00	0.00	281000.00	158546.00	10%	12245.00	170791.00	110209.00	122454.00
	SAP	433875.00	0.00	0.00	433875.00	195028.00	10%	23885.00	218913.00	214962.00	238847.00
	Yoga	439044.00	0.00	0.00	439044.00	57523.00	10%	38152.00	95675.00	343369.00	381521.00
	XI plan Dev/Merged Schemes	4409112.00	0.00	0.00	4409112.00	1615657.00	10%	279346.00	1895003.00	2514109.00	2793455.00
	Innovative Prog. (Asthitics)	697400.00	0.00	0.00	697400.00	0.00	10%	69740.00	69740.00	627660.00	697400.00
	Innovative Prog. (MAIMT)	0.00	1884341.00	0.00	1884341.00	0.00	10%	0.00	0.00	1884341.00	0.00
IV	**Furniture & Fixures**										
	XII Plan	0.00	2284077	0.00	2284077.00	0.00	5%	0.00	0.00	2284077.00	0.00
	XI Plan Dev.	777840.00	0.00	0.00	777840.00	109092.00	5%	33437.00	142529.00	635311.00	668748.00
	Non-Plan	17788231.00	2540145	0.00	20328376.00	2016411.00	5%	788591.00	2805002.00	17523374.00	15771820.00
	One time grant (Furniture)	3378502.00	0.00	0.00	3378502.00	1125151.00	5%	112668.00	1237819.00	2140683.00	2253351.00
	Centre of Excellence	262203.00	0.00	0.00	262203.00	87770.00	5%	8722.00	96492.00	165711.00	174433.00
	Orissa Chair	190178.00	0.00	0.00	190178.00	68975.00	5%	6060.00	75035.00	115143.00	121203.00
	DDE	190584.00	146830	0.00	337414.00	46438.00	5%	7207.00	53645.00	283769.00	144146.00
	Sabdabhodha	74500.00	0.00	0.00	74500.00	24938.00	5%	2478.00	27416.00	47084.00	49562.00
	Innovative Prog. (Asthitics)	1298600.00	0.00	0.00	1298600.00	64930.00	5%	61684.00	126614.00	1171986.00	1233670.00
V	**Manuscripts**										
	National Archives(Proj)	64798.00	0.00	0.00	64798.00	19484.00	5%	2266.00	21750.00	43048.00	45314.00
	Survey of Manuscripts	69353.00	0.00	0.00	69353.00	24878.00	5%	2224.00	27102.00	42251.00	44475.00
	Centre of Excellence	28000.00	0.00	0.00	28000.00	9373.00	5%	931.00	10304.00	17696.00	18627.00
		172426498	*7463003*	*0*	*179889501*	*48745248*		*6622973*	*55368221*	*124521280*	*123681250*

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

SCHEDULE FOR FIXED ASSETS AS ON 31.03.2014 (2013-14) SCHEDULE 3 - FIXED ASSETS (Depreciated Assets) (3/4)

(Assets acquired after 1.4.2004) **Page-12**

Sl No.	Description	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		Cost as at 1.4.2013	Additions drg.2013-14	Deductions dr.2013-14	Cost as at 31.3.2014	Dep. As on 1.4.2013	Rate of Dep	For the Year 2013-14	Total As at 31.3.2014	As at 31.3.2014 After Dep	As at 31.3.2013 After Dep
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				0							
	Total B/F from 2/4	*172426498.00*	*7463003.00*	*0.00*	*179889501.00*	*48745248.00*	*0.00*	*6622973.00*	*55368221.00*	*124521280.00*	*123681250.00*
VI	**Library Books**										
	X Plan	*1967466.00*	0.00	0.00	1967466.00	686276.00	5%	64060.00	750336.00	1217130.00	1281190.00
	XI Plan	1688253.00	0.00	0.00	1688253.00	182124.00	5%	75306.00	257430.00	1430823.00	1506129.00
	Vidyapeetha Non-Plan	1019785.00	63639	0.00	1083424.00	238361.00	5%	39071.00	277432.00	805992.00	781424.00
	XII Plan	417623.00	560737	0.00	978360.00	0.00		0.00	0.00	978360.00	417623.00
	Centre of Excellence	2309706.00	0.00	0.00	2309706.00	731445.00	5%	78913.00	810358.00	1499348.00	1578261.00
	Orissa Chair	60306.00	0.00	0.00	60306.00	17567.00	5%	2137.00	19704.00	40602.00	42739.00
	DDE	550857.00	0.00	0.00	550857.00	77591.00	5%	23663.00	101254.00	449603.00	473266.00
	Sanskrit Vaibhavam	420299.00	0.00	0.00	420299.00	154673.00	5%	13281.00	167954.00	252345.00	265626.00
	Machine Translation Books	14123.00	0.00	0.00	14123.00	5197.00	5%	446.00	5643.00	8480.00	8926.00
	Projects	18726.00	0.00	0.00	18726.00	4923.00	5%	690.00	5613.00	13113.00	13803.00
	SAP (S,E,D)	987756.00	104812	0.00	1092568.00	112291.00	5%	43773.00	156064.00	936504.00	875465.00
	Yoga	162522.00	0.00	0.00	162522.00	8642.00	5%	7694.00	16336.00	146186.00	153880.00
	Sabdhabodha Project	74928.00	0.00	0.00	74928.00	23458.00	5%	2574.00	26032.00	48896.00	51470.00
	Innovative Prog. (Asthitics, Management)	80540.00	0.00	0.00	80540.00	3422.00	5%	3856.00	7278.00	73262.00	77118.00
VII	**Games Articles**		0.00	0.00		0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	Non-Plan	348025.00	0.00	0.00	348025.00	42901.00	5%	15256.00	58157.00	289868.00	305124.00
	One Time	99450.00	0.00	0.00	99450.00	29809.00	5%	3482.00	33291.00	66159.00	69641.00
		182646863.00	*8192191.00*	*0.00*	*190839054.00*	*51063928.00*		*6997175.00*	*58061103.00*	*132777951.00*	*131582935.00*

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

SCHEDULE FOR FIXED ASSETS AS ON 31.03.2014 (2013-14) SCHEDULE 3 - FIXED ASSETS (Depreciated Assets) (4/4)

(Assets acquired after 1.4.2004)

Sl No.	*Description*	*Gross Block*				*Depreciation*				*Net Block*	
		Cost as at 1.4.2013	Additions drg.2013-14	Deductions dr.2013-14	Cost as at 31.3.2014	Dep. As on 1.4.2013	Rate of Dep	For the Year 2013-14	Total As at 31.3.2014	As at 31.3.2014 After Dep	As at 31.3.2013 After Dep
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				0							
	Total B/F from 3/4	*182646863.00*	*8192191.00*	*0.00*	*190839054.00*	*51063928.00*	*0.00*	*6997175.00*	*58061103.00*	*132777951.00*	*131582935.00*
VIII	**Publications**										
	Plan										
	N.P Vidyapeetha	7595360.00	192376	365912	7421824.00	1538642.00	5%	302836.00	1841478.00	5580346.00	6056718.00
	XII Plan	78885.00	0.00	0.00	78885.00	0.00	5%	3944.00	3944.00	74941.00	78885.00
	Centre of Excellence	266415.00	0.00	0.00	266415.00	98042.00	5%	8419.00	106461.00	159954.00	168373.00
	Orissa chair	51613.00	0.00	0.00	51613.00	18995.00	5%	1631.00	20626.00	30987.00	32618.00
	Pub. Text Books(MHRD)	85800.00	0.00	0.00	85800.00	31576.00	5%	2711.00	34287.00	51513.00	54224.00
	sastrata Ghosti	38200.00	0.00	0.00	38200.00	14059.00	5%	1207.00	15266.00	22934.00	24141.00
	Agama Kosha	336363.00	0.00	0.00	336363.00	112931.00	5%	11172.00	124103.00	212260.00	223432.00
	Science exhibition	20703.00	0.00	0.00	20703.00	7616.00	5%	654.00	8270.00	12433.00	13087.00
	XI plan Dev/Merged Sch.	736510.00	0.00	0.00	736510.00	81602.00	5%	32745.00	114347.00	622163.00	654908.00
IX	**TAPES**		0.00	0.00		0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	COE	31500.00	0.00	0.00	31500.00	9442.00	5%	1103.00	10545.00	20955.00	22058.00
X	**Hostel Equipment**	687495.00	1040314	0.00	1727809.00	96124.00	5%	29569.00	125693.00	1602116.00	591371.00
XI	**Health Centre Equipment**		0.00	0.00				0.00	0.00	0.00	0.00
	XI plan Dev.	**389704.00**	0.00	0.00	389704.00	40214.00	5%	17475.00	57689.00	332015.00	349490.00
	Ladies Infrastructure	98000.00	0.00	0.00	98000.00	25761.00	5%	3612.00	29373.00	68627.00	72239.00
		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00
	Grand Total	*193063411.00*	*9424881.00*	*365912.00*	*202122380.00*	*53138932.00*		*7414253.00*	*60553185.00*	*141569195.00*	*139924479.00*

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

Shedule III - Depreciation Abstract for the year 2013-2014

Page-14

		NAV as on 31.03.2014	Total Dep. For 2013-14
Total Assets Depreciated(Acquired upto 31.3.2004)	Page 8 & 9	**30,903,603.00**	**1722133.50**
Total Assets Depreciated(Acquired after 1.4.2004)	Page 10 to 13	**141,569,195.00**	**7414253.00**
Total value of Assets as on 31.3.2013		**172,472,798.00**	**9136386.50**

Consolidation		OB	Add.	Currections	CB	DEP	NAV as on 31.03.2014
Total Assets acquird upto 31.03.2004		59207767	0	0	59207767	28304164	30903603
Total Assets acquird after 01.04.2004		193063411	9424881	365912	202122380	60553185	141569195
Total Assets		252271178	9424881	365912	261330147	88857349	**172472798**
Details of Assets accquired during the year 2013-2014 under defferent heads							
Add/Curr. During			Add.	Currections			
GIA-Plan			0				
Non-Plan			3969084	365912			
XII Plan Development			2844814				
XII Plan Merged Sch.			0				
PROJECTS							
DDE			621830				
SAP (S,E,D)			104812				
ORISSA CHAIR							
Yoga			0				
Innovative Prog. (MAIMT)			1884341				
			9424881	365912			

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-14)

	DESCRIPTION	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
SCHEDULE 4 : Investments from Earmarked Funds			
	Fixed Deposits accounts of :		
	1. GIA	90,000,000.00	100,000,000.00
	2. Projects	-	-
	3. COE	-	-
	4. Orissa Chair - FD	8,216,431.00	7,850,000.00
	5. DDE	2,000,000.00	2,000,000.00
	6. GPF	39,007,545.00	35,493,614.00
	7. HBA	13,027,845.00	11,996,983.00
	8. Gifts & Endowments	1,748,587.00	1,929,645.00
	9. Pension Fund	-	-
	10. Hostel Establishment Ac.	1,755,270.00	1,755,270.00
	11. Student Fund	5,198,097.00	4,985,346.00
		-	-
		-	-
		-	-
		-	-
	TOTAL	**160,953,775.00**	**166,010,858.00**
SCHEDULE 5 : Current Assets Loans and Advances:			
	A. CURRENT ASSETS		
	1. Inventories	-	-
	2. Sundry Debtors NSDL NPF	15,727,002.00	11,986,690.00
		-	-
		-	-
		-	-
	4. Closing Bank Balances : SB / CA	-	-
1	GIA and others	29,430,045.83	35,076,490.83
2	XII Plan	25,593,433.50	6,583,032.00
3	JRF/RGFS	4,238,608.24	6,038,837.65

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-2014)

	DESCRIPTION **(Schedules 5 - closing Balances contd)**	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
4	GPF	5,907,406.00	1,170,146.00
5	New Pension Fund	5,237,938.76	3,695,013.76
6	HBA	1,370,897.00	712,455.00
7	Students Fund	3,739,366.50	2,309,933.50
8	Gifts & Endowments	196,061.65	60,249.65
9	Projects	2,170,859.85	4,109,772.85
10	Orissa Chair	739,439.00	666,619.00
11	COE	4,155,251.00	5,497,291.00
12	DDE	6,080,373.13	4,644,167.13
13	Yoga	367,060.00	640,045.00
14	SAP Sahitya	98,133.50	4,892.50
15	SAP Education	85,062.00	320,490.00
16	Hostel Establishment Ac.	379,914.65	1,037,573.65
17	Mess Account	1,502,430.25	879,316.25
18	SAP(Darshanas)	66,218.50	32,602.50
19	National Mission for Manuscripts	64,965.50	841,381.50
20	Innovative Programme Sahitya (Aesthetics)	1,982,862.50	1,931,920.00
21	Innovative Programme Dept. of Shastras (Management)	737,712.50	2,615,093.00
22	Transet Hostel (Guest House)	369,196.50	-
	5. APSEB Deposit	12,450.00	12,450.00
	6. TT Traders (Gas Connection)	20,400.00	20,400.00
	TOTAL [A]	**110,273,088.36**	**90,886,862.77**

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET (Financial Year 2013-2014) **Page- 16 (A)**

DESCRIPTION **(Schedules 5 - contd)**		CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS			
1. Advances to CPWD for Civil Works :	219,661,322.31		-
a. Advance from GIA (NP Maint. - Elect.)	1,000,000.00		
b. Advance from GIA (TTD grant for CIVIL)	1,000,000.00		
c. OBC Grant	-		
d. XII Plan	15,000,000.00		
e.. NP Civil works	-		
f.One time	-		
g.Merged Sch.	-		
Total Advances to CPWD	236,661,322.31		
Less: Cost of Buildings Capitalised			
a. CIVIL Works			
b. Electrical works(AMC)			
c. Revenue expn. on AMC (Elect.)		236,661,322.31	219,661,322.31
2. Claims Receivables	-	-	-
3. Advances Recoverable	21,675,922.00	-	-
Add : Current Year payment	20,152,093.00	-	-
Subtotal	41,828,015.00	-	-
Less : Current year Recoveries	14,069,493.00	27,758,522.00	21,675,922.00
4. House Building Advance			
Less: Recoveries		-	-
5 Advance Recoverable funds from funds	6,599,665.00	6,599,665.00	401,000.00
6. Prepaid Insurance & AMC Charges (2010-2011)			
TOTAL [B]		**271,019,509.31**	**241,738,244.31**
TOTALS [A] + [B]		**381,292,597.67**	**332,625,107.08**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART IOF INCOME & EXPENDITURE FOR THE FINANCIAL YEAR 2013-14 **Page-17**

DESCRIPTION	CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
SCHEDULE 6 : Grants and Subsidies (recurring) :		
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
a.From UGC (Non-Plan)	172,998,000.00	163,534,000.00
b.From Govt of India	-	-
c. From Other Sources (UGC)Rajabasha	100,000.00	100,000.00
d. Amount transfer from Projects (OBC etc.,)	-	6,609,868.00
	-	-
	173,098,000.00	**170,243,868.00**
SCHEDULE 7 : FEES / SUBSCRIPTIONS		
Exam Fee collected- R&P:	1,640,610.00	1,593,861.00
		-
TOTAL	**1,640,610.00**	**1,593,861.00**
SCHEDULE 8 : INCOME FROM INVESTMENTS		
a. Earmarked / Endow.Funds	-	-
b. Own Funds	-	-
c. Projects	-	
TOTAL	-	-
SCHEDULE 9 : INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATIONS ETC.,		
Sale of Publications	50,998.00	62,864.00
		-
TOTAL	**50,998.00**	**62,864.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART IOF INCOME & EXPENDITURE FOR THE FINANCIAL YEAR 2013-2014 **Page-18**

DESCRIPTION		CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
SCHEDULE 10 : INTEREST EARNED			
a. On Bank Deposits F.D		5,858,762.00	10,555,871.00
b. Loans , Advances		149,511.00	161,672.00
c. Int Accrued on S.B account		1,340,808.00	2,547,653.00
TOTAL-		**7,349,081.00**	**13,265,196.00**
SCHEDULE 11 :OTHER INCOME			
a. Sale of Syllabus & Appl.		139,195.00	63,300.00
b. Guest House CHarges		-	397,425.00
c. Other Income		4,640.00	454,821.00
d. Licence Fee Recovered (Quarters)		161,960.00	100,055.00
e. Library Fines & Fees		-	14,689.00
f. Water Charges Collection on Quarters		-	-
g. Income from Other Depts.		74,892.00	-
Total		**380,687.00**	**1,030,290.00**
SCHEDULE 12 : ESTABLISHMENT EXPENSES			
- Pay & Allowances	115,208,940.00		-
	-	115,208,940.00	100,177,664.00
- Medical Allowances		2,764,195.00	1,341,732.00
- Travelling Allowances & Personal Benefits		6,166,274.00	7,254,310.00
- Scholarships		4,961,783.00	3,953,964.00
- Retirement Benefits	25,312,754.00	-	-
- Add: Outstanding expenses	-	25,312,754.00	22,182,743.00
- LTC		2,336,631.00	2,201,876.00
TOTAL (Sch.of R&P H(A)		**156,750,577.00**	**137,112,289.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULES FORMING PART IOF INCOME & EXPENDITURE FOR THE FINANCIAL YEAR 2013-14

DESCRIPTION		CURRENT YEAR 31.03.2014	PREV.YEAR 31.03.2013
SCHEDULE 13 : OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES			
Contingencies :(Schedule -H (B)/ R&P)	32,363,585.84		
Less: Outstanding expenses Pre. Year	2,353,190.16	30,010,395.68	30,245,666.00
TOTAL		**30,010,395.68**	**30,245,666.00**
SCHEDULE-14: EXPENDITURE ON GRANTS AND		-	540,857.00
(Sch-I / R & P) Elocution Contest Expenditure (Samsthan)		100,000.00	2,233,560.65
TOTAL		**100,000.00**	**2,774,417.65**
SCHEDULE-15: PRIOR PERIOD EXPENDITURE		-	-
			-
TOTAL		**-**	**-**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPETHA

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

SCHEDULE-16: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS:

1. The Accounts of the Vidyapeetha are accounted on accrual basis
2. Fixed Assets have been valued at cost price (Book Value)
3. Fixed Assets have been depreciated on the Net Asset Value of previous year, as per the rate approved by the Governing Bodies of the Vidyapeetha on (WDV) Method deminishing value method the depr. Was caliculated for all the Assets of Vidyapeetha.
4. Income on Investments and other project incomes received from the government bodies have been taken into account during the year and accounted in the respective heads.
5. Pension and Gratuity to the retired employees have been met out of the grants received from the UGC
6. A separate account is being maintained for earmarked funds
7. A separate account is being maintained for General Provident Fund and New Pension Fund Account of the Vidyapeeta Employees.
8. New Pension Policy was adopted to the Vidyapeetha employees who have joined the services with effect from 1.1.2004 and the pension fund has been created and accounted accordingly.
9. Investments are being made for all accounts in the Nationalized Bank only.
10. Excess of Income over Expen. / (Excess of Expen. over Income) arrived was transferred to corpus fund
11. Land was leased by Tirumala Tirupati Devasthanams to an extent of 41.48 acres for 99 years and lease rent is being paid by Vidyapeeta yearly to TTD.
12. The Deposit for Civil /Electrical works was made to CPWD by the Vidyapeetha and Accounts are maintined and the necessary entries have ben posted in the relevent books
13. All the statutory recoveries are made from the employees and have been remitted to the respective Departments monthly.
14. All the Project/corpus funds have been accounted saperatly and incorporated in the final Accounts.
15. The Hostel establishment and Mess Accounts have been prepared and appended to the final accounts as per the suggesion of Audit
16. As per the UGC norms the Grants have been accounted on realisation basis.
17. The New Pension fund Contributions are deposited with NSDL as per UGC norms
18. The Transet Hostel account is appended from this financial year

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
Grant-in-aid Account (link schedules) S.B.A/C No. 146610100000034

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses	156,750,577.00
b. Bank Balances :		b. Administrative expenses:	28,363,585.84
I) In Current accounts		c. Prepaid Expenses (2013-14)	-
ii) In Deposit accounts		d. Outstanding expenses (2012-13)	2,353,190.16
iii) In Savings accounts	**35,076,490.83**		-
II. Grant received (Sch-B)		**II.Payments made against funds**	
a. From UGC		**for various projects : (Sch-I)**	-
Non-Plan Grant	172,998,000.00		
XIth Plan Grant	-	**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	-
XII th Plan	40,000,000.00		
Elocution Contest (Samsthan)	100,000.00	a. Out of Earmarked/Endowment funds	
b. Indian council of Social Research MHRD	260,000.00	b.Out of Own funds	
c. UGC/JRF/Rajiv Merit Sch.	-		
d. From other sources/SAP	-	**IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)**	
e. State Govt.TTD	5,000,000.00	a. Purchase of Fixed Assets:	3,969,084.00
III. Income on Investments:(Sch-C)		b. Exp. on Work-in-progress:	
a. Earmarked Fund:		(Paid to CPWD for works)	
b. FDR's maturity value	10,000,000.00		
c. Own Funds GIA FDRs			
IV.Interest Received:(Sch-D)		**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
a. On Bank Deposits	1,340,808.00	a. To EMD	58,344.00
b. On FDs	5,858,762.00	b. To Indian council of Social Research MHRD	260,000.00
d. Int. from staff on advances	149,511.00	c. To XII Plan grants	40,000,000.00
		d. Bank Charges	
V. Other Income (Sch-E)	2,072,295.00	**VI. Finance charges (Sch- M)**	
		VII. Other Payments (Sch-N)	
VI. Amounts Borrowed	-	Elocution Contest Expenditure (Samsthan)	100,000.00
(Sch-F)	-	BC/JRF/etc., Schoarships	-
		Hostel Ecpdt. (TTD Grant)	4,000,000.00
		Advances Recoverable	20,152,093.00
		Advances to CPWD TTD	1,000,000.00
VII Any Other Receipts		Advances to CPWD Non-Plan	1,000,000.00
(Sch-G)		**VIII. Closing Balances :(Sch- O)**	
EMD received	145,648.00	a. Cash in Hand	
Cost of Sale of Publications (adj.)	365,912.00	b. Bank Balances :	
Advances Recoverable	14,069,493.00	I) In Current accounts	
Prepaid Insurance (2009-10)		ii) In Deposit accounts FDRs	-
		iii) In Savings accounts	29,430,045.83
TOTALS :	**287,436,919.83**	**TOTALS :**	**287,436,919.83**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule A:Opening Balance Page(i)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
a	Cash in Hand			-
b	Cash at bank			**35,076,490.83**
	I) Current Accounts		-	
	ii) F.D Account			
	iii) S.B.Account		-	
	Non-Plan Incl. OTG OB	22,683,608.83	22,683,608.83	
		-	-	
	Total Non-Plan		-	
	XI Plan Development	4,034,662.00	-	
	XI Plan Merged Schems	8,215,738.00	12,250,400.00	
	OBC	8,543.00	8,543.00	
			-	
		-		
		-		
			-	
	Other than Budget			
		-		
		-		
		-		
		-		
		-		
	EMD	*133,939.00*		
		-		
		-	133,939.00	
	Total	**-**	**35,076,490.83**	**35,076,490.83**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)
(University established under section-3 of UGC Act, 1956)
Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.B : GRANTS RECEIVED Page(ii)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
1	**UGC GRANTS (RECURRING)**			
	Non-Plan Maintenace (2013-14)	**172,998,000.00**	**172,998,000.00**	**172,998,000.00**
		-	-	-
2	**UGC GRANTS (NON-RECURRING)**			
	XIth Plan Dev. Grant Recd 2012-13	-	-	-
	XIth Plan Merged Schemes	-		
	OBC	-		
	XIIth Plan Grant	40,000,000.00		
		-		
		40,000,000.00	**40,000,000.00**	**40,000,000.00**
3	**UGC GRANTS(For other programms) Non-Recurring**	-	-	-
	Rashtriya Sanskrit Samsthan	100,000.00		
	MRP Telu.Dept. D.Nallanna	-		-
	MRP Lib. Doc. G.Gopal Reddy	-		-
	MRP Sahitya Somnath Dash	-		
	SAP (Education) KRS Menon	-		-
	MRP S,N,Acharya	-		
	MRP Dept Com.G.Sridhar	-		
			100,000.00	**100,000.00**
3	**GRANTS FROM MHRD(Non Rec)**		-	
	MHRD	260,000.00	**260,000.00**	**260,000.00**
	AISSYF	-	-	
4	**UGC/State Govt Sch./Funds**			
	a. Recurring Grant			
		-	-	-
		-	-	-
	b. Non - recurring Grant(TTD)	-	-	-
	TTD	5000000.00	**5000000.00**	**5000000.00**
		-	-	-
	Total	-	**218,358,000.00**	**218,358,000.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-14)

Schedule No.C : Income from Investments Page(iii)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
1	**Earmarked funds**			
	a. Endowment Fund	-	-	
	b.Own Funds GIA FDRs encashment	10,000,000.00		
	Total	**10,000,000.00**	**10,000,000.00**	**10,000,000.00**

Schedule No.D : Interest Received

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
1	**Interest Received**			
	a. Int. Received		-	
	Saving Bank	1,340,808.00	1,340,808.00	-
	Fixed deposits	5,858,762.00	5,858,762.00	
	b.Int on Scooter,Cycles adv. Etc.,	149,511.00	149,511.00	7,349,081.00
	Total	**7,349,081.00**	**7,349,081.00**	**7,349,081.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.E : Other Income Page(iv)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
1	**Other Income**			
	a. Profit on Sale of Pub.	50,998.00	50,998.00	**50,998.00**
	Misc Receipts		-	
1	Exam fee/ Course fee collected	**1,640,610.00**	**1,640,610.00**	**1,640,610.00**
2	Water charges on Quarters	-	-	-
3	Guest House charges	-	-	-
4	Sale of Syllabus& Appl.	139,195.00	139,195.00	**139,195.00**
5	Licence Fee on Quarters	161,960.00	161,960.00	**161,960.00**
6	Library fine/etc.,	-	-	-
7	Dept.Asst, of Rec.Sch.	-	-	-
	b.Coin box fee	-	-	-
	RIA	4,640.00	4,640.00	**4,640.00**
	Sale of Tenders	-	-	-
	AIOC	-	-	-
	Rent from others sources	74,892.00	74,892.00	**74,892.00**
	Others	-	-	-
		-	-	-
	Total	**2,072,295.00**	**2,072,295.00**	**2,072,295.00**

Schedule No.F : Amounts Borrowed/ Re-imbursed

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
		-	-	-
1		-	-	-
		-	-	-
	Total	-	-	-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.G : Any Other Receipts Page(v)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
	EMD Received	145,648.00	-	**145,648.00**
	Cost of Sale of Publication	365,912.00	-	**365,912.00**
	Total of A	511,560.00	**511,560.00**	**511,560.00**
	Advances Recovered			
1	Festival advances	-	-	
2	Fan Advance	-	-	
3	Cycle Advance	-	-	
4	Car Advance	14,069,493.00	14,069,493.00	14,069,493.00
5	Computer Advance	-	-	
6	Misc. Advance	-	-	
7	Motar cycle advances	-	-	
8	LTC Advance	-	-	
	Total of B	**14,069,493.00**	**14,069,493.00**	**14,069,493.00**
C	**Pre Paid Ins. (2009-10)**	-	-	-
	Total of A+B+C		**14,581,053.00**	**14,581,053.00**

-

Schedule No.H : Establishment & Administrative expenses

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
A.	**Establishment Expenses**			
	Pay & Allowances Non Plan	115,208,940.00	-	
	OBC	-		
		115,208,940.00	115,208,940.00	
	Regular Penison & Arrs.to Retd.Emp	14,139,124.00		
	Retirement Benefits Retd dur. The year	11,310,480.00		
	Less: LS & Pen rec.in r/o Satyanarayanacharya	136,850.00	25,312,754.00	
	Leave Encashment	227,597.00	227,597.00	
	LTC	2,336,631.00	2,336,631.00	
	Children Education Allowance	1,522,952.00	1,522,952.00	
	LS & PC paid to Emp from out side (VC)	236,844.00	236,844.00	
	Man. Share payable to NPF Employees	2,715,626.00	2,715,626.00	
	Medical Expenses	2,764,195.00	2,764,195.00	
	Travelling Allowances (India)	1,463,255.00		
	Travelling Allowances (abroad)	-	1,463,255.00	
	Scholarships paid to VP Students	4,961,783.00	4,961,783.00	
		-	-	
		-	-	**156,750,577.00**
	Total - A		**156,750,577.00**	**156,750,577.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.H : Establishment & Administrative expenses (contd.) Page(vi)

B	NP Administrative expenses			
	Rent, Rates & Taxes		335,580.00	
	Water tax chrges		-	
	Electricity chrges		8,350,279.00	
	Library Journals		149,520.00	
	Telephones		486,365.00	
	Post & Telegraphs		106,204.00	
	Satationery and Printing		958,208.00	
	Audit Fee		12,755.00	
	Liveries		11,640.00	
	Repairs & Maintenance Civil etc.. Works		243,115.00	
	Staff Car Maintenance		648,353.00	
	Miscellaneous & General Contin.		1,234,015.00	
	Advertisements		2,182,407.00	
	Acadamic Ext.Activities		-	
	Seminors & conf.		-	
	Con. & Annual Fun. & Cul. Prog.		1,496,464.00	
	Membership Fee AIU		50,000.00	
	Hostel students & Amenities		1,229,363.00	
	Examinations		1,878,831.00	
	Prizes		27,840.00	
	Legal Expenses		224,166.00	
	Evening Courses		-	
	Sports and games		195,561.00	
	Wages to NMR		3,305,928.00	
	Rajabasha		-	
	AMC-Security		3,256,734.00	
	-Sanitory		1,985,843.00	
	-Garden		1,733,805.00	
	-Insurance Premium	159,081.00	-	
	Add : Prepaid Expenses	-	-	
	Less : Prepaid exps. (2012-13)	-	159,081.00	
	Pest Control		108,000.00	
	AMC for equipments etc.(Computers)		346,719.00	
		-	-	
			30,716,776.00	
	Less: Outstanding Exps.(Water & Electricity) 2012-13	505,748.00	2,353,190.16	**28,363,585.84**
	Garden,Telephone.PC,Sec,Sulb			-
	Total - B			**28,363,585.84**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.H : Pre-paid expenses (contd.)

C	**Prepaid expenses :**			
	Prepaid Insurance		-	
	Prepaid AMC		-	
	Total - C		-	-
D	**Outstanding expenses (2011-12):**			
	Pay & Allowances		-	
	Retirement Benefits		-	
	Water & Electricity		2,353,190.16	
	Total - D		2,353,190.16	**2,353,190.16**
	Grand Total (A+B+C+D)			**187,467,353.00**

Schedule No : I Payments made from Projects/Plan schemes.

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
1	XI th Plan Merged Schemes exp.			
	Travel Grant	-	-	
	XI Plan Visiting Team	-		
	Conference & Seminar	-	-	
	Publication Grant			
	Appointment of Visiting Feloows/Professors	-	-	
	Day Care Centre			
	Adventure Sports & Dev.			
	Instrumentation Maintenance Facility (IMF)			
	Spl.Sch.Women's Hostel			
	Basic Facilities for Women			
	Faculty Imp. Programme			
	Equal Opportuntiy Cell Netcoaching	-	-	
	Coaching sch. For SCs/STs/OBC(NCL)Minorities	-	-	
	Est.of career & counse Cell	-	-	
	Facilities for Diff-able persons			
	A.Teacher Preparation in Spl.Edn.			
	B. Higher Edn. For Persons with Spl. Needs			
	C.Visually-Handicapped Teachers			
	Interal Quality Assurance Cell	-	-	-
	Transfer to respective Projects :			
		-	-	
		-	-	-
		-	-	
	Total		-	-

Schedule No.J : Investments and Deposits

Sl.No.	Details		GIA	
	Fixed deposit	-		
	Total	-	-	-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.K : Expenditure on Fixed Assets Page(viii)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
1	**Land & Buildings**			
	Plan			
	Non-Plan	-		
	one time grant	-		
	Merged schemes		-	
2	**Machinery & Equipment**			
	MPLADS Ambulance		-	
	Plan (XI Plan)	-		
	Non-Plan	-		
	one time grant	-		
	Merged schemes			
	Ladies infrasct.(X-Pl)		-	
3	**Office Equipment/Computers**			
	Plan	-		
	Non-Plan	**132,610.00**		
	one time grant	-		
	Merged schemes	-		
	Plan-X(Computer devep)	-	**132,610.00**	
4	**Furniture & Fixutures**			
	Plan	-		
	Non-Plan	**2,540,145.00**		
	one time grant			
	Merged schemes			
			2,540,145.00	
5	**Manuscripts**			
	Plan			
	Non-Plan			
	one time grant			
	Merged schemes			
	Page Total		2,672,755.00	

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2012-2013)

Schedule No.K : Expenditure on Fixed Assets contd.,

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
		B/f	2,672,755.00	
6	**Library Books**			
	Plan (XI Plan)	-		
	Non-Plan	**63,639.00**		
	one time grant	-		
	Merged schemes	-	63,639.00	
	Rajabasha	-	-	
7	**Games Articles**			
	Plan	-		
	Non-Plan			
	one time grant	-		
	Merged schemes	-		
			-	
8	**Publication**			
	Plan	-		
	Non-Plan	**192,376.00**		
	one time grant	-		
	Merged schemes	-		
			192,376.00	
9	**Tapes & Other items**			
	Plan	-		
	Non-Plan	-		
	one time grant	-		
	Merged schemes	-		
		-		
10	**Hostel equip.**			
	Plan	-		
	Non-Plan	**1,040,314.00**		
	one time grant	-		
	Merged schemes	-	1,040,314.00	
11	**Health centre Equip**		-	
	Non-Plan		-	
	XI th Plan			
	Others	-	-	
	Grand Total of page1&2	**1,296,329.00**	**3,969,084.00**	**3,969,084.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2013-2014)

Schedule No.L : Refunds of Surplus Money / Loans Page(x)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
	EMD Refunds made during the year	58,344.00	58,344.00	58,344.00
	XII Plan GD & MS	40000000.00	40,000,000.00	40,000,000.00
	MRP Edu. Dept P.Subbarayan	260000.00	260,000.00	260,000.00
			-	-
	Total			

Schedule No.M : Finance Charges

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	
	Bank charges etc.,		-	
	Total	-	-	-

Schedule No.N : Other Payments

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	
	Elocution Contest Expenditure (Samsthan)	100,000.00	100,000.00	100,000.00
		-		
		-	-	-
	TTD (Hostel Mess expdt. RA adj.	4,000,000.00	4,000,000.00	4,000,000.00
	Total of A	4,100,000.00	4,100,000.00	4,100,000.00
				-
	Advances Paid	-	-	
	Festival Advances	-	-	
	LTC Advances	-	-	
	M.C,Advances	-	-	
	Computer advance	**20,152,093.00**	-	
	Cycle advnace	-	-	
	Fan advance	-	-	
	Misc. Advances	-	-	
	Car advance	-	-	
	Total of B	**20,152,093.00**	**20,152,093.00**	**20,152,093.00**
	Payment to CPWD (Advances)			
	NP Maintenance	**1,000,000.00**		
	XII Plan Civil Work	-		
	TTD Maintenance works	**1,000,000.00**		
		-		
		-		
		-		
		-		
	Advances / Deposits			
	Total of C	2,000,000.00	2,000,000.00	2,000,000.00
	Total A+B+C	**26,252,093.00**	**26,252,093.00**	**26,252,093.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA: TIRUPATI (A.P)

(University established under section-3 of UGC Act, 1956)

Schedules to Receipt and Payment Account for the year ending 31.03.2013 (2012-2013)

Schedule No.O : Closing Balances Page(xi)

Sl.No.	Details	Sub-Total	GIA	Grand Total
	Cash in Hand	1,767.00		-
	Cash at bank			-
	I) Current Accounts			
	ii) F.D Account	-	-	-
	iii) S.B.Account			
	Non Plan	16948092.83	16,949,859.83	
		-	-	16,949,859.83
	XI Plan devp. Grant	4034662.00	4,034,662.00	
	XI Plan (18) Merged schemes	8215738.00	8,215,738.00	
	Total	-	-	12,250,400.00
	Other Schemes In Plan Period			
		-		
		-		
	OBC	8543.00		
		-		
	Total	8,543.00	8,543.00	8,543.00
	Otherthan Budget			
		-		
		-		
		-		
	EMD	221243.00	221,243.00	221,243.00
		-		
		-		
	Total		**29,430,045.83**	**29,430,045.83**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

Grant-in-aid Account XII Plan General Development & Merged Scheme S.B.A/C No. 146610100042605

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand	-	**a XII Paln General Development Revenew**	-
b. Bank Balances :		Salaries	-
I) In Current accounts		**b XII Paln Merged Schems Revenew**	-
ii) In Deposit accounts		Travel Grants	5,765.00
iii) In Savings accounts	**6,583,032.00**	Conf/Sem/WS/Sym/ST. Trg.Prog	615,652.00
II. Grant received (Sch-B)		Publication Grant	
a. From UGC		Appointment of Visiting Prof/Fellows	47,293.00
XII Plan Grants	40,000,000.00	Coaching Sch.for SC/ST/OBC(NC Lay/Min)	
	-	Coaching Sch.for entry in to service for SC/ST/OBC	-
	-	Coaching Sch.for SC/ST Mainorities to prepone for NET SET	
	-	Career and Counseling Cell	374,179.00
	-	Int.Quality Assu.Cell (IQAC)	24,000.00
	-	Remedial Coaching for SC, ST	222,100.00
	-	Health Care/Student Amenities	1,115,208.00
	-		
III. Income on Investments:(Sch-C)			
		III. Investments and Deposits (Sch-J)	
	-		
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
IV.Interest Received:(Sch-D)		a XII Paln General Development Capital	
a. On Bank Deposits	152,461.00	Books	560,737.00
b. On FDs	-	Other Inf (Furniture & Fixures)	2,284,077.00
d. Int. from staff on advances	-		
	-	b XII Paln Merged Schems Capital	-
V. Other Income (Sch-E)	-	Publication Grant	-
	-		
VI. Amounts Borrowed	-	**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
(Sch-F)	-	a. To EMD	-
	-	**VI. Finance charges (Sch- M)**	-
	-	Bank Charges	7,116.50
	-	**VII. Other Payments (Sch-N)**	-
VII Any Other Receipts	-	Advances Recoverable	885,932.00
(Sch-G)		Advances to CPWD	15,000,000.00
	-	**VIII. Closing Balances :(Sch- O)**	-
Advances Recoverable	-	b. Bank Balances :	-
	-	I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts FDRs	-
		iii) In Savings/Flexi accounts	**25,593,433.50**
TOTALS :	**46,735,493.00**	**TOTALS :**	**46,735,493.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

JRF/RG SCHOLARSHIPS.B.A/C No. 146610100020108 and 146610100041703

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	a. Scholarship paid against	-
b. Bank Balances :		I JRF	1,577,760.00
I) In Current accounts		II. Rajiv Gandhi Fellowhip	233,890.00
ii) In Deposit accounts	-	III BC,SC,ST Schlorship	373,106.00
iii) In Savings accounts	6,038,837.65	**II.Payments made against funds**	
		for various projects :	-
II. Grant received			-
a.Amount of CB Tfd. From Main cash book	-		-
b.From UGC	-		-
I JRF	-		-
II RGFS	-	**III. Investments and Deposits**	-
III Stae Govt to be taken in to account	105,376.50	b.Out of Own funds (fresh FDR made)	
IV Stae Govt. Scholarship	1,200.00	c. Int. on FDRs re-invested	-
a. Earmarked Fund:		d. Int. accrued	-
b. Endowment Fund:		**IV.Expenditure on Fixed Assets**	
c. Own Funds			
IV.Interest Received:		**V. Refund of Surplus money / Loans**	
a. On SB Account	277,950.09	Surplus money refunded to UGC	-
b. On FDs	-		
c. Int from Management			-
d. Int. accrued on Deposits	-		
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	
TDS	-	Bank charges	-
VI. Amounts Borrowed		**VII. Other Payments**	
Other receipts	-	Othr payments	-
VII Any Other Receipts	-	**VIII. Closing Balances :**	-
a. Int. on mat. Dep. Renewed	-	a. Cash in Hand	
	-	b. Bank Balances :	-
	-	I) In Current accounts	
	-	ii) In Deposit accounts	-
	-	iii) In Savings accounts	4,238,608.24
	-		-
	-		
TOTALS :	**6,423,364.24**	**TOTALS :**	**6,423,364.24**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
General Provident Fund Account (GPF) S.B.A/C No. 146610100002078

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses	-
b. Bank Balances :		b. Administrative expenses:	-
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts	-	**II.Payments made against funds**	-
iii) In Savings accounts	1,170,146.00	**for various projects :**	
II. Grant received		**III. Investments and Deposits**	
a.From UGC	-	a. Out of Earmarked/Endowment funds (New FDs)	-
b.From Govt of India		b.Out of Own funds	-
		New FDs out of the Int. earned & renewed	-
		c. Int. Accured on FDRs re-in (Contra)	6,299,534.00
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
III. Income on Investments:		a. Purchase of Fixed Assets:	-
a. Earmarked Fund:		b. Exp. on Work-in-progress:	-
b. Endowment Fund:		(Paid to CPWD for works)	
c. Own Funds		c. Purchase of Manuscripts	
IV.Interest Received:		**V. Refund of Surplus money / Loans**	
a. Savings Bank Deposits (Int. Accrued)	142,345.00	a. To the Govt. of India	
b. On FDs (reinvested)	-	b. To the UGC	
c. Int. on Fds credited to SB	259,678.00	c. To Other providers of funds refunded to LIC Kadapa	240.00
d. Accured Interest on FDRs	6,299,534		
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	225.00
VI. Amounts Borrowed		**VII. Other Payments**	
VII Any Other Receipts		a. Advance	1,903,075.00
F.D matured (riv)	3,000,000.00	b. Witdrawals	8,191,603.00
Fixed deposit matured (cr. To S.B)	-	**VIII. Closing Balances :**	
GPF Contributions to Fund	-	a. Cash in Hand	-
c.Tr.of amount from one Bank to other Bank	-	b. Bank Balances :	
GPF contri.tfd from other Depts.	240.00	I) In Current accounts	-
Subscription	8,960,534.00	ii) In Deposit accounts	-
Refund of Advances	2,469,606.00	iii) In Savings accounts	5,907,406.00
Outside Transfer in respect of D.Nallanna & S.N	-		
TOTALS :	**22,302,083.00**	**TOTALS :**	**22,302,083.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
NEW PENSION FUND S.B.A/C No. 146610100002096

Page- 25 (5/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :	-	**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses	-
b. Bank Balances :		b. Administrative expenses:	-
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts		**II.Payments made against funds**	-
iii) In Savings accounts	3,695,013.76	**for various projects :**	
II. Grant received		**III. Investments and Deposits**	
a.From UGC	-	a. Out of Earmarked/Endowment funds	-
b.From Govt of India		b.Out of Own funds (fresh FDR made)	-
c.From other sources		c. Int. on FDRs re-invested	-
		d. Int. accrued	-
III. Income on Investments:		**IV.Expenditure on Fixed Assets**	-
a. Earmarked Fund:			-
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds			
IV.Interest Received:		**V. Refund of Surplus money / Loans**	
a. On SB Account	166,352.00	Payment of Pen.Benefits to tr. Employee	-
b. On FDs	-		
c. Int from Management	-	Prior period expencess paid to NSDL	3,740,312.00
d. Int. accrued on Deposits	-		
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	-
Clouser of FDR's	-	Bank charges	20,651.00
VI. Amounts Borrowed		**VII. Other Payments**	
Prior period income income generated and rem.to NSDL	-	NSDL Charges	-
VII Any Other Receipts		**VIII. Closing Balances :**	
a. Int. on mat. Dep. Renewed	-	a. Cash in Hand	
		b. Bank Balances :	
		I) In Current accounts	
Employees Contribution to Fund	2,568,768.00	ii) In Deposit accounts	-
Employers Contribution to Fund	2,568,768.00	iii) In Savings accounts	5,237,938.76
TOTALS :	**8,998,901.76**	**TOTALS :**	**8,998,901.76**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

House Building Advance (HBA) S.B.A/C No. 146610100002087

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand		a. Establishment Expenses	-
b. Bank Balances :		b. Administrative expenses:	
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts		**II.Payments made against funds**	-
iii) In Savings accounts	712,455.00	**for various projects : (Sch-I)**	
II. Grant received (Sch-B)		**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	
a.From UGC		a.fresh fixed deposit made during the year	2,540,634.00
b.From Govt of India		b.FD matured int. re invested in F/D	-
c.From other sources		c. Int. accrued on FDRs re-ivested	2,428,529.00
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
III. Income on Investments:(Sch-C)			-
a. Earmarked Fund:			-
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds			
IV.Interest Received:(Sch-D)		**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	-
a. On Savings Bank Deposits	39,116.00		
b. On FDRs(matured)	1,850,556.00		
c. Int on FDR's	776,559.00		
d. TDS refunded	2,968.00		
e. Int. accured on FDR's	2,428,529.00	**VI. Finance charges (Sch- M)**	-
V. Other Income (Sch-E)		Bank charges	
		VII. Other Payments (Sch-N)	
VI. Amounts Borrowed		HBA PAYMENTS	-
(Sch-F)		**VIII. Closing Balances :(Sch- O)**	
		a. Cash in Hand	
VII Any Other Receipts		b. Bank Balances :	
(Sch-G)		I) In Current accounts	
	-	ii) In Deposit accounts	
HBA Receipts	529,877.00	iii) In Savings accounts	-
			1,370,897.00
TOTALS :	**6,340,060.00**	**TOTALS :**	**6,340,060.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
STUDENTS FUND S.B.A/C No. 146610100001972

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
		I. Expenses : (Sch-H)	
I.Opening Balances :(Sch-A)		a. Establishment Expenses	
a. Cash in Hand		b. Administrative expenses:	-
b. Bank Balances :	**2,309,933.50**	II.Payments made against funds	
I) In Current accounts		for various projects : (Sch-I)	
ii) In Deposit accounts		Scouting and photograph	
iii) In Savings accounts	-	Statinary	
		Magazine	
II. Grant received (Sch-B)		Teaching practice	89,717.00
	-	III. Investments and Deposits (Sch-J)	
		a. Fixed Deposits	-
		b. Int.accrued on FDR's	698,097.00
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
		V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)	
III. Income on Investments:(Sch-C)		a. refund of caution deposit to students	302,950.00
a. FD principle matured	-	VI. Finance charges (Sch- M)	
Int.accrued & re-invested	-	a. Bank charges	-
		VII. Other Payments (Sch-N)	
		a. Scout camp setting	-
IV.Interest Received:(Sch-D)		b. First Aid	5,600.00
a. Interest on SB	124,491.00	c. Stationery	51,196.00
b. Accrued Int. on FDR's	698,097.00	d. Miscellaneous	35,866.00
V. Other Income (Sch-E)	-	f. printing of lesson plan note books etc.,	1,020.00
Application/Adm. Fee/Caoution Deposit from Students	1,884,890.00	g. Magazine	2,216.00
CVVT Application fee of SLBS	77,400.00	h. Prizes	32,618.00
		i. Recoverable advances	257,500.00
VI. Amounts Borrowed (sch-F)		j. Medical	15,765.00
VII Any Other Receipts (Sch-G)	-	k. CVVT Examinations	7,350.00
R.Advance	214,500.00	l. Refund of application fee to SLBS	70,050.00
		VIII. Closing Balances :(Sch- O)	
		a. Cash in Hand	
		b. Bank Balances :	
		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	
		iii) In Savings accounts	**3,739,366.50**
TOTALS :	**5,309,311.50**	**TOTALS :**	**5,309,311.50**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

GIFTS & ENDOWMENTS INTEREST S.B.A/C No. 146610100000025

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses	-
b. Bank Balances :		b. Administrative expenses:	-
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts		**II.Payments made against funds**	-
iii) In Savings accounts	60,249.65	**for various projects : (Sch-I)**	
		Gifts awrded to Students	15,500.00
II. Grant received (Sch-B)		Scholarships	200,000.00
a.From UGC	-	**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	
b.From Govt of India		a.Investment in Fixed deposits	-
c.From other sources		b.Out of Own funds	-
		c. Int Accrued on FDRs	306,104.00
III. Income on Investments:(Sch-C)		**IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)**	
a. Earmarked Fund:		Purchasing of Medals	16,000.00
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds			
IV.Interest Received:(Sch-D)		**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
a. On Savings Bank Deposits	4,936.00	a. To the Govt. of India	
b. On FDs	52,432.00	b. To the UGC	
c. Int Accrued on FDRs	306,104.00	c. To Other providers of funds	
d. On FDR's (Matured)	300,000.00		
V. Other Income (Sch-E)	-	**VI. Finance charges (Sch- M)**	
Gift donated by Sri M.S.Sridhar	-	Bank charges	56.00
Gift donated by Prof T.S.Chandran	-	**VII. Other Payments (Sch-N)**	-
VI. Amounts Borrowed	-	Bank charges	
(Sch-F)	-	**VIII. Closing Balances :(Sch- O)**	
		a. Cash in Hand	
VII Any Other Receipts	-	b. Bank Balances :	
(Sch-G)		I) In Current accounts	
Gift awarded I/o Mas Ayyangar	-	ii) In FD / ABFD Deposit accounts	
Gift awarded I/o Mas Ayyangar	10,000.00	iii) In Savings accounts	196,061.65
TOTALS :	**733,721.65**	**TOTALS :**	**733,721.65**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
PROJECTS S.B.A/C No. 146610100013418

Page- 29 (9/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand		a. Establishment Expenses	2,213,170.00
b. Bank Balances :	-	b. Administrative expenses:	-
I) In Current accounts	-		
ii) In Deposit accounts		**II.Payments made against funds**	
iii) In Savings accounts	4,109,772.85	**for various projects : (Sch-I)**	
II. Grant received (Sch-B)	-	**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	
a.From UGC	-	a. Out of Earmarked/Endowment funds	
b.From Govt of India	-	b.Out of Own funds	
c. From Govt of India	194,000.00		
c.From other sources (S.V.University)	-		
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
III. Income on Investments:(Sch-C)		a. Office Equipment	-
a. Earmarked Fund:	-	b. Exp. on Work-in-progress:	-
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds		**c. Purchase of Manuscripts**	
IV.Interest Received:(Sch-D)		**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
a. On Bank Deposits	80,257.00	**a. To the Govt. of India**	-
b. On FDs	-	**b. To Other providers of funds**	-
c. Int Accrued on IASE	-	**c. To the UGC**	
d. Int. from staff	-		
V. Other Income (Sch-E)	-	**VI. Finance charges (Sch- M)**	
	-		
VI. Amounts Borrowed	-		
(Sch-F)		**VIII. Closing Balances :(Sch- O)**	
		a. Cash in Hand	
VII Any Other Receipts	-	b. Bank Balances :	
Miss.(Sch-G)		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	
		iii) In Savings accounts	2,170,859.85
TOTALS :	**4,384,029.85**	**TOTALS :**	**4,384,029.85**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
ORISSA CHAIR S.B.A/C No. 146610100019652

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash on Hand	-	a. Establishment Expenses	316,000.00
b. Bank Balances :	666,619.00	b. Administrative expenses:	218,565.00
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts	-	**II.Payments made against funds**	-
iii) In Savings accounts	-	**for various projects : (Sch-I)**	
II. Grant received (Sch-B)		**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	
a.From UGC		a. Fixed Deposit made during th e year	-
b.From Govt of India		b.Out of Own funds	-
c.From other sources		c. Int Accrued on FD's ©	366,431.00
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
III. Income on Investments:(Sch-C)		a. Purchase of Fixed Assets:	-
a. FDR's Matured	-	b. Exp. on Work-in-progress:	
b. Endowment Fund:		(Paid to CPWD for works)	
c. Own Funds		c. Purchase of Manuscripts	
IV.Interest Received:(Sch-D)	-	**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
a. On Bank Deposits	18,385.00	a. To the Govt. of India	
b. On FDs	605,000.00	b. To the UGC	
c. Int Accrued on FD's ©	366,431.00	c. To Other providers of funds	
		d. Contingencies	-
V. Other Income (Sch-E)	-	**VI. Finance charges (Sch- M)**	
a. Sale of CD & Publications	-		
VI. Amounts Borrowed		**VII. Other Payments (Sch-N)**	
(Sch-F)		Recoverable Advance	16,000.00
VII Any Other Receipts .(Sch-G)	-	**VIII. Closing Balances :(Sch- O)**	
Miscellaneous Receipt	-	a. Cash on Hand	
		b. Bank Balances :	-
		I) In Savings accounts	739,439.00
TOTALS :	**1,656,435.00**	**TOTALS :**	**1,656,435.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
CENTRE OF EXCELLENCE S.B.A/C No. 146610100000809

Page- 31 (11/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses (E&R)	-
b. Bank Balances :	-	b. Administrative expenses:	2,577,661.00
I) In Current accounts	-		-
ii) In Deposit accounts	-	**II.Advance payments**	-
iii) In Savings accounts	5,497,291.00	Other advance	-
			-
II. Grant received		**III. Investments and Deposits**	
a.From UGC	-	a. F.D Fresh Invested	-
b.From Govt of India	-	b.Out of Own funds	-
c.From other sources	-		
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
III. Income on Investments:		a. Purchase of Fixed Assets:	
a. FD Matutured and taken in to ac.	-	Computers	-
b. Endowment Fund:		Equipment	-
c. Own Funds		Furniture	-
		Books	-
		Tapes	-
		b. Exp. on Work-in-progress:	-
		(Paid to CPWD for works)	
		c. Purchase of Manuscripts	-
IV.Interest Received:	-	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
a. On Bank Deposits	198,476.00	a. To the Govt. of India	-
b. On FDs	-	b. To the UGC	-
c. Int Accrued on IASE		c. To Other providers of funds	-
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	-
		VII. Other Payments	
VI. Amounts Borrowed			-
Transfer from GIA	-	**VII Closing balance**	-
		a. Cash in Hand	-
VII Any Other Receipts	-	b. Bank Balances :	
Adjustment received	1,037,145.00	I) In Current accounts	-
		ii) In Deposit accounts	-
		iii) In Savings accounts	4,155,251.00
TOTALS :	**6,732,912.00**	**TOTALS :**	**6,732,912.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
Directorate of Distance Education (DDE) S.B.A/C No. 146610100013427

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses	819,474.00
b. Bank Balances :	4,644,167.13	b. Administrative expenses:	2,010,502.00
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts		**II.Payments made against funds**	
iii) In Savings accounts	-	Books	-
		Equipment	-
II. Grant received (Sch-B)		**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	
a.From IGNOU	2,600,000.00	a. Out of Earmarked/Endowment funds	
b.From Govt of India		b.Out of Own funds	-
c.From other sources	-		
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
III. Income on Investments:(Sch-C)		a. Purchase of Fixed Assets:	621,830.00
a. Withdrawal of FDR	-	b. Exp. On work in progress	
b. Endowment Fund:		c. Purchase of Manuscripts	
c. Own Funds		a. Purchase of Fixed Assets:	-
IV.Interest Received:(Sch-D)		**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
a. On Bank Deposits	167,693.00	a. To the Govt. of India	
b. On FDs		b. To the UGC	
c. Int Accrued on IASE		c. To IGNOU	
V. Other Income (Sch-E)		**VI. Finance charges (Sch- M)**	
VI. Amounts Borrowed		**VII. Other Payments (Sch-N)**	
		Recoverable Advance	-
		VIII. Closing Balances :(Sch- O)	-
		a. Cash in Hand	
VII Any Other Receipts : DDE Course Fees	-	b. Bank Balances :	
Course Fee from the Students	2,035,113.00	I) In Current accounts	
Miscellaneous Receipt	85,206.00	ii) In Deposit accounts	
		iii) In Savings accounts	6,080,373.13
TOTALS :	**9,532,179.13**	**TOTALS :**	**9,532,179.13**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

YOGA S.B.A/C No. 146610100007082

Page- 33 (13/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances :(Sch-A)		**I. Expenses : (Sch-H)**	
a. Cash in Hand	-	a. Establishment Expenses	10,500.00
b. Bank Balances :	640,045.00	b. Administrative Expencess	166,512.00
I) In Current accounts			
ii) In Deposit accounts		**II.Payments made against funds**	-
iii) In Savings accounts	-	**for various projects : (Sch-I)**	
		Mechenary & Equipment	-
II. Grant received (Sch-B)		Books	-
a.From UGC	-	**III. Investments and Deposits (Sch-J)**	
b.From Govt of India		a. Out of Earmarked/Endowment funds	
c.From other sources	-	b.Out of Own funds	
		IV.Expenditure on Fixed Assets (Sch-K)	
III. Income on Investments:(Sch-C)		a. Purchase of Fixed Assets: (Office Equipment)	-
a. Earmarked Fund:	-	b. Exp. On work in progress	
b. Endowment Fund:		c. Purchase of Manuscripts	
c. Own Funds		a. Purchase of Fixed Assets: (Books)	-
IV.Interest Received:(Sch-D)		**V. Refund of Surplus money / Loans (Sch-L)**	
a. On Bank Deposits	108,322.00	a. To the Govt. of India	
b. On FDs		b. To the UGC	
c. Int Accrued on IASE		c. To IGNOU	
		d. Refund of EMD	323,000.00
V. Other Income (Sch-E)	118,733.00	**VI. Finance charges (Sch- M)**	-
		a. Bank charges	28.00
VI. Amounts Borrowed		**VII. Other Payments (Sch-N)**	
(Sch-F)		Advances	-
		VIII. Closing Balances :(Sch- O)	
		a. Cash in Hand	
VII Any Other Receipts : DDE Course Fees	-	b. Bank Balances :	
EMD (Sch-G)		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	367,060.00
		iii) In Savings accounts	
TOTALS :	**867,100.00**	**TOTALS :**	**867,100.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

Special Assistance Program (SAP) Dept. of Sahitya S.B.A/C No. 146610100027059

Page- 34 (14/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	***a. Establishment Expenses***	
b. Bank Balances :		Project fellows Salary	-
I) In Current accounts		Hiring services	-
ii) In Deposit accounts		***b. Administrative expenses:***	-
iii) In Savings accounts	4,892.50	Contingency & Work Expenses	-
		Travels & Field Trips	-
II. Grant received		Visiting Fellow	-
a.From UGC (SAP-III)	-	Seminars	-
b.From Govt of India		Advisory Committee Meetings	23,833.00
c.From GIA	200,000.00	**II.Payments made against funds**	
		for various projects :	
III. Income on Investments:			
a. FD Matutured and taken in to ac.		**III. Investments and Deposits**	
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds		**IV.Expenditure on Fixed Assets**	
		a. Machinery & Euipment	-
		b. Lib. Books & Journals	-
IV.Interest Received:			
a. On Bank Deposits (Savings Bank)	2,074.00	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
b. On FDs		Transfer of funds to GIA	-
c. Bank Int Accrued	-		
		VI. Finance charges	-
V. Other Income		a. Bank Charges	-
		VII. Other Payments	-
VI. Amounts Borrowed		a. Revocerable Advance	85,000.00
Transfer of funds from GIA Advance	-		
		VIII. Closing Balances :	
		a. Cash in Hand	
VII Any Other Receipts		b. Bank Balances :	
		I) In Savings accounts	98,133.50
TOTALS :	**206,966.50**	**TOTALS :**	**206,966.50**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
Special Assistance Program (SAP) Dept. of Education S.B.A/C No. 146610100016345

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand		***a. Establishment Expenses***	
b. Bank Balances :	320,490.00	Project fellows Salary	225,720.00
I) In Current accounts		Hiring services	9,000.00
ii) In Deposit accounts		***b. Administrative expenses:***	-
iii) In Savings accounts	-	Contingency & Work Expenses	7,900.00
		Travels & Field Trips	-
II. Grant received		Visiting Fellow	-
a.From UGC (SAP-III)	-	Seminars	-
b.From Govt of India		Advisory Committee Meetings	-
c.From other sources		**II.Payments made against funds for various projects :**	
III. Income on Investments:			
a. FD Matutured and taken in to ac.		**III. Investments and Deposits**	
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds		**IV.Expenditure on Fixed Assets**	
		a. Michenary & Ewuipment	-
		b. Lib. Books & Journals	-
IV.Interest Received:			
a. On Bank Deposits (Savings Bank)	7,192.00	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
b. On FDs		Transfer Of funds to GIA	-
c. Int Accrued	-	**VI. Finance charges**	
		a. Bank Charges	-
V. Other Income		**VII. Other Payments**	
		a. Revocerable Advance	-
VI. Amounts Borrowed		**VIII. Closing Balances :**	
Transfer of funds from GIA	-	a. Cash in Hand	
		b. Bank Balances :	
		I) In Current accounts	
VII Any Other Receipts		ii) In Deposit accounts	
		iii) In Savings accounts	-
		ii) In Deposit accounts	
VII Any Other Receipts		iii) In Savings accounts	85,062.00
TOTALS :	**327,682.00**	**TOTALS :**	**327,682.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
Hostel Establishment Account (Ac.No.146610100002500)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand		a. Establishment Expenses	1,347,466.00
b. Bank Balances :	-	b. Mess expenditure	-
i) In Savings accounts	1,037,573.65	b. Administrative expenses:	
		TA/Visiting Fellows/Seminors & meetings	-
II. Grant received			
a.From UGC	-		
b.From Govt of India		**II.Payments made against funds**	
c.From other sources (TTD)	-	**for various projects :**	
III. Income on Investments:		**III. Investments and Deposits**	
a. FD Matutured and taken in to ac.		a. Interest accured on FD's	-
b. Endowment Fund:		b.Out of Own funds (FD in Andhra Bank)	-
c. Own Funds			
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
IV.Interest Received:	-	a. Purchase of Fixed Assets:	
a. On Bank Deposits	45,057.00		
b. On FDs			
c. Int Accrued	-	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
		.	
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	-
a. Hostel Estt. Charges	644,750.00		
(Collected from students)	-	**VII. Other Payments**	-
b. Guest' Room Rent	-		
		VIII. Closing Balances :	
VI. Amounts Borrowed		a. Cash in Hand	
tfd from GIA towards reim of CPWD		b. Bank Balances :	
deposits		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	
VII Any Other Receipts		iii) In Savings accounts	379,914.65
TOTALS :	**1,727,380.65**	**TOTALS :**	**1,727,380.65**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

Mess Account (Ac.No.146610100002494)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand		a. Mess expenditure & CD Refunded for Students	12,824,312.00
b. Bank Balances :	-	b. Administrative expenses:	-
I) In Current accounts		TA/Visiting Fellows/Seminors & meetings	
ii) In Deposit accounts			-
iii) In Savings accounts	879,316.25		
Ac.No.28341: 273165.25			
Ac.No.2494 :1664470.00			
II. Grant received			
a.From UGC	-		
b.From Govt of India		**II.Payments made against funds**	
c.From R.S.Vidyapeetha	7,500,000.00	**for various projects :**	
III. Income on Investments:		**III. Investments and Deposits**	
a. FD Matutured and taken in to ac.		a. Out of Earmarked/Endowment funds	
b. Endowment Fund:		b.Out of Own funds	
c. Own Funds			
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
IV.Interest Received:		a. Purchase of Fixed Assets:	-
a. On Bank Deposits	46,543.00		
b. On FDs	-		
c. Int Accrued		**V. Refund of Surplus money / Loans**	
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	-
a. Mess Caution Deposit	1,321,000.00		
b. Collection Monthly mess bill	3,968,183.00	**VII. Other Payments**	
c. Mess charges	611,700.00		
		VIII. Closing Balances :	-
VI. Amounts Borrowed		a. Cash in Hand	
tfd from GIA towards reim of CPWD		b. Bank Balances :	
deposits		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	
VII Any Other Receipts		iii) In Savings accounts	1,502,430.25
TOTALS :	**14,326,742.25**	**TOTALS :**	**14,326,742.25**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

Special Assistance Programme Department of Dharsan S.B.A/C No. 146610100131715

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand		***a. Establishment Expenses***	
b. Bank Balances :	32,602.50	Project fellows Salary	-
I) In Current accounts		Hiring services	100,000.00
ii) In Deposit accounts		***b. Administrative expenses:***	-
iii) In Savings accounts	-	Contingency & Work Expenses	100,000.00
		Travels & Field Trips	25,494.00
II. Grant received		Visiting Fellow	4,835.00
a.From UGC (SAP-III)	-	Seminars	135,932.00
b.From Govt of India	-	Advisory Committee Meetings	31,712.00
c.From other sources		**II.Payments made against funds**	
	-	**for various projects :**	
III. Income on Investments:			
a. FD Matutured and taken in to ac.		**III. Investments and Deposits**	
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds		**IV.Expenditure on Fixed Assets**	
		a. Machinery & Euipment	-
		b. Lib. Books & Journals	104,812.00
IV.Interest Received:			-
a. On Bank Deposits (Savings Bank)	6,401.00	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
b. On FDs	-	Transfer of funds to GIA	
c. Bank Int Accrued			
		VI. Finance charges	
V. Other Income	-	a. Bank Charges	-
	-	**VII. Other Payments**	
VI. Amounts Borrowed	-	a. Revocerable Advance	
Advance from GIA	530,000.00		
		VIII. Closing Balances :	-
		a. Cash in Hand	27,215.00
VII Any Other Receipts		b. Bank Balances :	
		I) In Savings accounts	39,003.50
TOTALS :	**569,003.50**	**TOTALS :**	**569,003.50**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
National Mission for Manuscripts S.B.A/c No.146610100016178

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand		Expenditure	785,803.00
b. Bank Balances :	-	a. Remuneration to Staff and Hon. To staff and students	-
I) In Current accounts	841,381.50	b. Mess expenditure	-
ii) In Deposit accounts		b. Administrative expenses:	-
iii) In Savings accounts	-	TA/Visiting Fellows/Seminors & meetings	
Ac.No.28341: 273165.25			
Ac.No.2494 :1664470.00			
II. Grant received			
a.From National Mission for Manuscripts Project	-		
b.From Govt of India		**II.Payments made against funds for various projects :**	
c.From other sources (TTD)	-		
III. Income on Investments:		**III. Investments and Deposits**	
a. FD Matutured and taken in to ac.		a. Out of Earmarked/Endowment funds	
b. Endowment Fund:		b.Out of Own funds	
c. Own Funds			
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
IV.Interest Received:		a. Purchase of Fixed Assets:	-
a. On Bank Deposits	9,387.00		
b. On FDs	-		
c. Int Accrued		**V. Refund of Surplus money / Loans**	
		.	
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	-
a. Mess Caution Deposit	-		
b. Collection Monthly mess bill (Collected from students)	-	**VII. Other Payments**	
		VIII. Closing Balances :	-
VI. Amounts Borrowed		a. Cash in Hand	
tfd from GIA towards reim of CPWD deposits		b. Bank Balances :	
		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	
VII Any Other Receipts		iii) In Savings accounts	64,965.50
TOTALS :	**850,768.50**	**TOTALS :**	**850,768.50**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

Innovative Programme P.G. Diploma in Comparative Aesthetics S.B.A/c No.146610100027101

Page- 40 (20/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand		a. Establishment Expenses	21,034.00
b. Bank Balances :	-	b. Remuneration	-
I) In Current accounts		c. Hairing service	-
ii) In Deposit accounts		***b. Administrative expenses:***	-
iii) In Savings accounts	-	Seminars/Work Shops	-
II. Grant received		Sylabus revew meeting	-
a.From UGC	1,931,920.00		
b.From Govt of India		**II.Payments made against funds**	
c.From other sources (TTD)	-	**for various projects :**	
III. Income on Investments:		**III. Investments and Deposits**	
a. FD Matutured and taken in to ac.		a. Out of Earmarked/Endowment funds	
b. Endowment Fund:		b.Out of Own funds	
c. Own Funds		**IV.Expenditure on Fixed Assets**	
		a. Machinery and Equipment	-
IV.Interest Received:		b. Office Equipment	-
a. On Bank Deposits	72,115.00	c. Furniture & Fixures	-
b. On FDs	-	d. Lib Books	-
c. Int Accrued		**V. Refund of Surplus money / Loans**	
		.	
V. Other Income	-	**VI. Finance charges**	-
a. Mess Caution Deposit	-	a. Bank Charges	138.50
b. Collection Monthly mess bill	-	**VII. Other Payments**	
(Collected from students)			
		VIII. Closing Balances :	-
VI. Amounts Borrowed		a. Cash in Hand	
tfd from GIA towards reim of CPWD		b. Bank Balances :	
deposits		I) In Current accounts	
		ii) In Deposit accounts	
VII Any Other Receipts		iii) In Savings accounts	1,982,862.50
TOTALS :	**2,004,035.00**	**TOTALS :**	**2,004,035.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)

Innovative programme (Ancient Indian Management Techniques -MAIMT)146610100034624

Page- 41 (21/22)

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	***a. Non-Recurring***	
b. Bank Balances :		Equipment	1,884,341.00
I) In Current accounts		Books and journals	-
ii) In Deposit accounts		Minor Equipment	-
iii) In Savings accounts	**2,615,093.00**	Minor repair/Fecilities	-
		Seminar	-
II. Grant received		***b. Recurring***	-
a.From UGC (SAP-III)	-	Work Expenses/Contingencies	-
b.From Govt of India		Consumables/Glassware	-
c.From other sources		Travel/Field Trips	
		Hiring Services	8,000.00
III. Income on Investments:		Guest/Visiting Faculty	75,000.00
a. FD Matutured and taken in to ac.		**for various projects :**	
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds		**III. Investments and Deposits**	
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
IV.Interest Received:			-
a. On Bank Deposits (Savings Bank)	90,031.00		-
b. On FDs			
c. Bank Int Accrued	-	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
		Transfer of funds to GIA	-
V. Other Income			
		VI. Finance charges	-
VI. Amounts Borrowed		a. Bank Charges	70.50
	-	**VII. Other Payments**	-
		a. Revocerable Advance	-
VII Any Other Receipts		**VIII. Closing Balances :**	
a. Revocerable Advance		a. Cash in Hand	
		b. Bank Balances :	
		I) In Savings accounts	737,712.50
		I) In Current accounts	
TOTALS :	**2,705,124.00**	**TOTALS :**	**2,705,124.00**
			-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI (A.P)
Transet Hostel (Guest House) S.B.A/C No 146610100003619

Receipts and Payments Accountfor the year ending 31.3.2014 (Fin.Year 2013-14)

RECEIPTS	Amount	PAYMENTS	Amount
I.Opening Balances		**I. Expenses :**	
a. Cash in Hand	-	***a. Establishment***	-
b. Bank Balances :			
I) In Current accounts			-
ii) In Deposit accounts			-
iii) In Savings accounts	-		-
			-
II. Grant received		***b. Administrative***	-
a.From UGC (SAP-III)	-	Transet Hostel Expencess	272,710.50
b.From Govt of India			-
c.From other sources			
			-
III. Income on Investments:			
a. FD Matutured and taken in to ac.		**for various projects :**	
b. Endowment Fund:			
c. Own Funds		**III. Investments and Deposits**	
		IV.Expenditure on Fixed Assets	
IV.Interest Received:		a. Machinery & Euipment	-
a. On Bank Deposits (Savings Bank)	5,467.00	b. Lib. Books & Journals	-
b. On FDs			
c. Bank Int Accrued	-	**V. Refund of Surplus money / Loans**	
		Transfer of funds to GIA	-
V. Other Income			
Collection of Room rents in Transet hostel	636,440.00	**VI. Finance charges**	-
		a. Bank Charges	-
	-	**VII. Other Payments**	-
VI. Amounts Borrowed		a. Revocerable Advance	-
VII Any Other Receipts		**VIII. Closing Balances :**	
a. Revocerable Advance		a. Cash in Hand	
		b. Bank Balances :	
		I) In Savings accounts	**369,196.50**
		I) In Current accounts	
TOTALS :	641,907.00	**TOTALS :**	641,907.00
			-

UTILIZATION CERTIFICATE 2012-2013

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

Utilization Certificate for the year 2013-2014

Page-42 (A)

Certified that the grants sanctioned and released against various Heads (as detailed) by UGC/MHRD/State Govt. and other Departments have been utilized for the purpose for which they were sanctioned and released during the financial year 2013-2014

S.No	Name of the head of account	OB as on 01.04.2013	Grants Received	Expenditure incurred	CB as on 31.03.2014
	Details	O.B.	Grants recd	Expenditure	C.B.
I	**Non-Plan**				
	Opening Balance as on 1.4.2013	**22683608.83**			
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 17.04.2013		5000000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 05.08.2013		16000000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 05.08.2013		21400000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 05.08.2013		8300000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 04.11.2013		11000000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 04.11.2013		40000000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 19.12.2013		9035000.00		
	RTGS UGC New Delhi F.No 1-1/2013 (DU) dt 28.03.2014		62263000.00		
			172998000.00		
	Bank Int, FDR's Int., Adv.Int.(1340808+5858762+149511)		7349081.00		
	Misc. Receipt CP (161960+139195+4640+74892)		380687.00		
	Examination Receipt		1640610.00	198519037.00	
	Sale of publications		416910.00		
	FDR's maturity value		10000000.00		
	Total of Non-Plan	**22683608.83**	**192785288.00**	**198519037.00**	**16949859.83**
II	**XI Plan grants (Development grant)**				
	Opening Balance as on 1.4.2013	**4034662.00**			
	Grants Received during the year		0.00		
	Buildings CPWD Deposits			0	
	Plan Books			0.00	
	Grand Total	**4034662.00**	**0.00**	**0.00**	**4034662.00**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

Utilization Certificate for the year 2013-2014

					Page-43
IIA	**XI Plan Merged schemes**				
	Opening Balance as on 1.4.2013	8215738.00	0.00		
1	Travel Grant			0.00	
2	Conference/Seminar/Workshops/Symposia/			0.00	
3	Publication Grant			0.00	
4	Appointment of Visiting Professors/Fellows			0.00	
5	Day Care Centre			0.00	
6	Adventure Sports & Dev. Of sports			0.00	
7	Instrumentation Maintenance Facility			0.00	
8	Special Scholarship for construction of Women's Hostel			0.00	
9	Basic facilities for Women			0.00	
10	Faculty improvement programme(FIP)			0.00	
11	Equal Opportunity Cell			0.00	
	a. Coaching Scheme for SC/ST/OBC (Non-Creamy Layer/Minorities			0.00	
	b. Coaching Scheme for entry in to service for SC/ST/OBC			0.00	
	c. Coaching Scheme for SC/ST Min. to prepare for NET/SLET			0.00	
12	Career and Counseling Cell			0.00	
13	Facilities for differently abled persons			0.00	
14	Tech.Pre.In Spe. Education (TEPSE)			0.00	
15	Hig. Edu.for Per. With Special Needs (HEPSN)			0.00	
16	Visually- Handicapped Teachers			0.00	
17	Int. Quality Assu.Cell (IQAC)			0.00	
	Grand Total	**8215738.00**	**0**	**0.00**	**8215738.00**
III	**OBC Development Grant**				
	Opening Balance as on 1.4.2013	8543.00			
	Grants Received (TFD from NP as the grants not received)		0.00		
	Equipments				
	Construction of Buildings				
	Revenue (salary)			0.00	
	Grand Total	**8543.00**	**0.00**	**0.00**	**8543.00**
IV	**Plan period - other activities**				
	R.S.Samsthan (MHRD) Elocution Contest	0	100000.00	100000.00	0.00
	Indian council of Social Research MHRD	0	260000.00	260000.00	0.00
	TTD	0.00	5000000.00	5000000.00	0.00
	EMD	133939.00	87304.00	0.00	221243.00
	Grand total of main cash book	**35076490.83**	**198232592.00**	**203879037.00**	**29430045.83**

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)
Utilization Certificate for the year 2013-2014

Sl.No	Details	OB as on 01.04.2013	Grants Received	Expenditure Incurred	CB as on 31.03.2014
V	**Other SB Accounts**				
1	**XII Plan**	₹ 6,583,032.00	₹ 40,000,000.00	₹ -	₹ -
	Int. on SB/FD of XII Plan		₹ 152,461.00		
		₹ **6,583,032.00**	₹ **40,152,461.00**	₹ **21,142,059.50**	₹ **25,593,433.50**
2	**JRF/RG SCHOLARSHIPS**	₹ 6,038,837.65	₹ 384,526.59	₹ 2,184,756.00	₹ 4,238,608.24
3	**GPF**	₹ 1,170,146.00	₹ 21,131,937.00	₹ 16,394,677.00	₹ 5,907,406.00
4	**New Pension Fund**	₹ 3,695,013.76	₹ 5,303,888.00	₹ 3,760,963.00	₹ 5,237,938.76
5	**HBA**	₹ 712,455.00	₹ 5,627,605.00	₹ 4,969,163.00	₹ 1,370,897.00
6	**Student Fund**	₹ 2,309,933.50	₹ 2,999,378.00	₹ 1,569,945.00	₹ 3,739,366.50
7	**Gifts & Endowments**	₹ 60,249.65	₹ 673,472.00	₹ 537,660.00	₹ 196,061.65
8	**Projects**	₹ 4,109,772.85	₹ 274,257.00	₹ 2,213,170.00	₹ 2,170,859.85
9	**Orissa Chair**	₹ 666,619.00	₹ 989,816.00	₹ 916,996.00	₹ 739,439.00
10	**COE**	₹ 5,497,291.00	₹ 1,235,621.00	₹ 2,577,661.00	₹ 4,155,251.00
11	**DDE**	₹ 4,644,167.13	₹ 4,888,012.00	₹ 3,451,806.00	₹ 6,080,373.13
12	**Yoga**	₹ 640,045.00	₹ 227,055.00	₹ 500,040.00	₹ 367,060.00
13	**SAP Sahitya**	₹ 4,892.50	₹ 202,074.00	₹ 108,833.00	₹ 98,133.50
14	**SAP Education**	₹ 320,490.00	₹ 7,192.00	₹ 242,620.00	₹ 85,062.00
15	**Hostel Establishment Account**	₹ 1,037,573.65	₹ 689,807.00	₹ 1,347,466.00	₹ 379,914.65
16	**Mess Account**	₹ 879,316.25	₹ 13,447,426.00	₹ 12,824,312.00	₹ 1,502,430.25
17	**SAP(Darshanas)**	₹ 32,602.50	₹ 536,401.00	₹ 502,785.00	₹ 66,218.50
18	**National Mission for Manuscripts**	₹ 841,381.50	₹ 9,387.00	₹ 785,803.00	₹ 64,965.50
19	**Innovative Programme Sahitya (Aesthetics)**	₹ 1,931,920.00	₹ 72,115.00	₹ 21,172.50	₹ 1,982,862.50
20	**Innovative Programme Dept. of Shastras (Management)**	₹ 2,615,093.00	₹ 90,031.00	₹ 1,967,411.50	₹ 737,712.50
21	**Transet Hostel (Guest House)**	₹ -	₹ 641,907.00	₹ 272,710.50	₹ 369,196.50
	Gross Total of Item No.V	₹ ***43,790,831.94***	₹ ***99,584,368.59***	₹ ***78,292,010.00***	₹ ***65,083,190.53***
	Grand Total of All funds	₹ **78,867,322.77**	₹ **297,816,960.59**	₹ **282,171,047.00**	₹ **94,513,236.36**

Checked of
M. ...
Sr. AO

FINANCE OFFICER
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

Registrar
REGISTRAR
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA:TIRUPATI (A.P)

Fixed Deposits and its Closing Balances as on 31.3.2014

VI	Details	OB as on 01.04.2013	Addition	Cor.	CB as on 31.03.2014
A	GIA	₹ 100,000,000.00	₹ -	₹ **10,000,000.00**	₹ 90,000,000.00
1	*GPF*	₹ 35,493,614.00	₹ 6,299,534.00	₹ *2,785,603.00*	₹ 39,007,545.00
2	*HBA*	₹ 11,996,983.00	₹ 4,969,163.00	₹ *3,938,301.00*	₹ 13,027,845.00
3	GIFTS	₹ 1,929,645.00	₹ 306,104.00	₹ 487,162.00	₹ 1,748,587.00
4	Orissa Chair	₹ 7,850,000.00	₹ 366,431.00	₹ -	₹ 8,216,431.00
5	Student Fund	₹ 4,985,346.00	₹ 698,097.00	₹ 485,346.00	₹ 5,198,097.00
6	DDE	₹ 2,000,000.00	₹ -	₹ -	₹ 2,000,000.00
7	Hostal Establishment	₹ 1,755,270.00	₹ -	₹ -	₹ 1,755,270.00
	Total	₹ **166,010,858.00**	₹ **12,639,329.00**	₹ **17,696,412.00**	₹ **160,953,775.00**
B	NSDL Deposit to pension fund	₹ 11,986,690.00	₹ 3,740,312.00	-	₹ 15,727,002.00
	Grand Total of A+B	₹ **177,997,548.00**	₹ **16,379,641.00**	₹ **17,696,412.00**	₹ **176,680,777.00**

Checked ...

FINANCE OFFICER
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

Registrar
REGISTRAR
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
TIRUPATI

Naidu & Rao
Chartered Accountants

Phone : (0877) 2222098, 2228493
Mobile : 98490 46827, 98492 41022
E-mail : gvnpradeep@gmail.com

653/B, Bhavani Nagar, TIRUPATI - 517 501

CERTIFICATE

This is to certify that the Annual Accounts of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati (A.P) for the Financial Year ending 31.03.2014 (2013-14) have been prepared in accordance with the common format of Accounts prescribed for Non-profit Central Autonomous Organization by the University Grants Commission, New Delhi vide its letter No.F-17/97 (DU) dated 20.9.2003.

Date: 28.6.2014
Place: Tirupati

For M/s Naidu & Rao
Chartered Accountants

(G.Kannaiah Naidu)
Partner M.No.009421

NAIDU & RAO
FRN.002289S
TIRUPATI
CHARTERED ACCOUNTANTS

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD - 500 004.

E-Block, Ist Floor
(Phone No: 040-23232069)

No.PDA(C)/CAB/Unit-9/RSVPT/SAR.2013-14/D 253/2014-15/329 Date: 15.10.2014

सेवा में
सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग,शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, के वर्ष 2013-14, लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, for the year 2013-14, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the year are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

संल:यथोपरि

Sd/-
(AJAIB SINGH)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
Principal Director of Audit (Central)

Endt. No.PDA(C)/CAB/Unit-9/RSVPT/SAR.2013-14/D 253/2014-15/ 330 Date: 15.10.2014

Copy to **Prof. Harekrishna Satapathy, Vice-Chancellor**, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati- 517 507, Andhra Pradesh, along with one copy of Annual Accounts for the year 2013-14 (English version) and D.O Management Letter, with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2013-14 (3 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

निदेशक/ प्रत्यक्ष कर & केन्द्रीय स्वायत निकायों
DIRECTOR/DT & CAB

Phones Nos. : 23236811 to 23236819 Fax No. : 040-23232294

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, for the year ended 31 March 2014

We have audited the attached Balance Sheet of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, as at 31 March 2014, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2015-16. These financial statements are the responsibility of the Vidyapeetha's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by Government of India, Ministry of Finance.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Vidyapeetha, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Balance Sheet

A.1 Liabilities

A.1.1 Capital Reserve: ₹ 26.45 crore (Schedule-1A)

A.1.1.1 This includes an amount of ₹ 50 lakh released by Tirumala Tirupati Devasthanam (TTD), Tirupati, as recurring grants towards Annual Maintenance, which was not accounted as Income. This resulted in understatement of Income and overstatement of Capital Reserve by ₹ 50 lakh each and consequently overstatement of Deficit by ₹ 50 lakh.

A.2 Assets

A.2.1 Fixed Assets: ₹ 17.25 crore (Schedule-3)

A.2.1.1 This includes Net block value of Publications worth ₹ 75,32,914/- intended for sale, which was incorrectly classified under Fixed Assets, despite repeated previous Audit comments on the issue. This resulted in understatement of Current Assets and overstatement of Fixed Assets by ₹ 75.33 lakh.

A.2.1.2 This does not include fixed assets valuing ₹ 7,85,803/- acquired under Earmarked Fund account (National Mission for Manuscripts) during the year, which was incorrectly treated as revenue expenditure. This resulted in understatement of Fixed Assets and Earmarked Fund account by ₹ 7.85 lakh.

A.2.2 Current Assets, Loans & Advances: ₹ 38.13 crore (Schedule-5)

A.2.2.1 This includes expenditure of ₹ 20,88,59,678/- incurred on twenty four (24) Deposit Works, reported as completed by CPWD, possession also taken by Vidyapeetha and put to use, but not yet capitalised. This resulted in understatement of Fixed Assets and overstatement of Advances to CPWD under Current Assets by ₹ 20.88 crore.

A.2.2.2 This includes accumulated New Pension Scheme (NPS) Employer and Employees contributions amount of ₹ 1,57,27,002/-[1] paid to National Securities Depository Limited (NSDL), which was incorrectly classified as Sundry Debtors (NSDL- NPF). This resulted in overstatement of Current Assets and Earmarked Fund account by ₹ 1.57 crore.

A.2.2.3 This includes expenditure of ₹ 32,19,926/- incurred on three Deposit Works[2] under progress, which was not classified under Capital Works-in-Progress distinctly, despite previous Audit comment. This resulted in understatement of Capital Works-in-Progress and overstatement of Advances to CPWD under Current Assets by ₹ 32.2 lakh.

A.2.2.4 This includes expenditure of ₹ 11,62,021/-, reported during the year by CPWD for the deposit work "Annual Maintenance of Gardens", which was not treated as revenue expenditure. This resulted in understatement of Expenditure and overstatement of Advances to CPWD under Current Assets by ₹ 11.62 lakh each and consequently understatement of Deficit by ₹ 11.62 lakh.

---

[1] **Amount of NPS contribution amounts paid to NSDL in 2011-12: ₹ 55,93,546/, 2012-13: ₹ 63,93,144/- and during 2013-14: ₹ 37,40,312/-**

[2] **(i) Construction of Library building: ₹ 2,39,932/-, (ii) Construction of CC Retaining wall: ₹ 7,68,919/- and (iii) Horticulture Work along the peripheral road: ₹ 22,11,075/-**

A.2.2.5 The difference of ₹ 2.88 crore between the amount of deposit for Deposit Works shown by CPWD (₹ 20.78 crore) as on 31st March 2014 and the amount adopted in Accounts (₹ 23.66 crore) was not reconciled. The same needs to be reconciled.

A.2.2.6 Against actual investment value of ₹ 25,01,205/-[3] in respect of DDE-Earmarked Fund Account, an amount of ₹ 20 lakh was shown under Investments from Earmarked Funds. The difference of ₹ 5,01,205/- in investment value resulted in understatement of Current Assets and Earmarked Fund account by ₹ 5.01 lakh.

B. Income and Expenditure Account

B.1 Expenditure: ₹ 19.6 crore

B.1.1 This does not include outstanding expenses payable of ₹ 28,15,543/- as on 31st March 2014, which was accounted only under Current Liabilities and the liability amount was not correspondingly charged to the expenditure side (Schedule-12) of the Income and Expenditure Account. This incorrect accounting had resulted in understatement of Expenditure and overstatement of Corpus/Capital fund by ₹ 28.15 lakh each and consequently understatement of Deficit by ₹ 28.15 lakh.

B.1.2 This includes expenditure of ₹ 2,80,500/-[4] incurred towards fixed assets acquired during the year, which was incorrectly classified as revenue expenditure under Annual Maintenance Charges. This resulted in overstatement of Expenditure and understatement of Fixed Assets by ₹ 2.8 lakh each and consequently overstatement of Deficit by ₹ 2.8 lakh.

---

[3] **Andhra Bank. Tirupati, FDR No.149780, re-invested on 5.9.2013 for one year with 8.25 % rate of interest**

[4] **(i) 10 KVA UPS systems: ₹ 2,53,000/- and (ii) Fan: ₹ 27,500/-**

B.1.3 Depreciation of ₹ 1,12,293/- was not provided during the year on the opening balance (1.4.2013) of Gross block value of fixed assets of ₹ 22,45,854/-[5]. This resulted in understatement of Expenditure and overstatement of Fixed Assets by ₹ 1.12 lakh each and consequently understatement of Deficit by ₹ 1.12 lakh.

C. Net effect of Audit Comments on accounts

The net impact of Audit comments given in preceding paragraphs is overstatement of Liabilities by ₹ 1.92 crore, Assets by ₹ 1.54 crore and Deficit by ₹ 0.38 crore.

D. Grants-in-aid

The Vidyapeetha is financed by Grants from University Grants Commission (UGC). Out of ₹ 21.34 crore received during the year {Plan: ₹ 4.04 crore[6] and Non-Plan: ₹ 17.3 crore (₹ 6.22 crore received in March 2014) along with certified unutilised balance of ₹ 4.98 crore pertaining to previous year and internal receipts/interest earned of ₹ 1.02 crore, totaling ₹ 27.34 crore, the Vidyapeetha utilised a sum of ₹ 22.55 crore[7], leaving a balance of ₹ 4.79 crore unutilised as on 31st March 2014.

E. Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Separate Audit Report have been brought to the notice of the Vice-Chancellor, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, through a Management letter issued separately for remedial/corrective action.

---

[5] **(i) Machinery and Equipment (Plan): ₹ 18,28,231/- and (ii) Library Books (XII Plan): ₹ 4,17,623/-**

[6] **(i) XII Plan General Development Grant of ₹ 4 crore (ii) Earmarked programmes Grants of ₹ 0.04 crore**

[7] **(i) Non-Plan: ₹ 19.85 crore and Plan: ₹ 2.7 crore**

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report , give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, as at 31 March 2014; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the ***Deficit*** for the year ended on that date.

Sd/-

(AJAIB SINGH)
Principal Director of Audit (Central)

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** Internal Audit System was not established in the Vidyapeetha since inception, despite previous Audit comments.

2. **Adequacy of Internal Control System:** Internal controls were adequate in the areas seen by Audit.

3. **System of Physical verification of Fixed Assets:** Physical verification of Fixed Assets and Library Books was not taken up, despite periodical assurances.

4. **System of Physical verification of Inventory:** Physical verification of inventory was not taken up, despite periodical assurances.

5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

Sd/-

DIRECTOR/DT & CAB